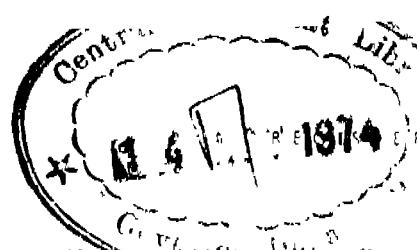


रजिस्ट्री सं. ३०. २२२



भारत का राजपत्र

The Gazette of India

प्राधिकार में प्रकाशित
PUBLISHED BY AUTHORITY

सं. ४१]

नई दिल्ली, शनिवार, अक्टूबर १२, १९७४ (अस्विना २०, १८९६)

No. 41] NEW DELHI, SATURDAY, OCTOBER 12, 1974 (ASVINA 20, 1896)

इस भाग में चिन्ह पृष्ठ संख्या वी जाती है जिससे कि यह अलग संकलन के रूप में रखा जा सके।
Separate paging is given to this Part in order that it may be filed as a separate compilation.

भाग III—खण्ड १

PART III—SECTION 1

उच्च न्यायालयों, नियंत्रक और महालेखापर्णक, संघ लोक सेवा आयोग, रेल विभाग और भारत सरकार के संसाधन और अधीन कार्यालयों द्वारा जारी की गई अधिसूचनाएं

Notifications issued by the High Courts, the Comptroller and Auditor General, the Union Public Service Commission, the Indian Government Railways and by Attached and Subordinate Offices of the Government of India

संघ लोक सेवा आयोग

नई दिल्ली, दिनांक १ अगस्त १९७४

सं. प्र० ३२०१४/१/७४-प्रशा० I—संघ लोक सेवा आयोग में कें० स० स्ट० से० संवर्ग के स्थायी वैयक्तिक महायक (कें० स० स्ट० से० का ग्रेड II) सर्वेश्वी श्राव० एल० ठाकुर तथा कें० मुन्दरम को अध्यक्ष, सं० लो० मे० आयोग द्वारा भवं लोक सेवा आयोग द्वारा गठित भर्ती नीति एवं तयन पद्धति मिमिति के लिए वरिष्ठ वैयक्तिक सहायक (कें० ए० स्ट० मे० का ग्रेड I) के रूप में १६-७-१९७४ (पूर्वाह्न) से तीन महीने की अवधि के लिए पूर्णतया अस्थायी तथा तदर्थ आधार पर नियुक्त किया गया है।

एम० आर० भागवत, अवर सचिव
कृते अध्यक्ष
संघ लोक सेवा आयोग

नई दिल्ली, दिनांक १० सितम्बर १९७४

सं. प्र० ३२०१६/७/७२-प्रशा०-II—सचिव, संघ लोक सेवा आयोग एतद्वारा संघ लोक सेवा आयोग के कार्यालय में स्थायी महायक अधीक्षक (हालरिथ) श्री एम० पी० बंसल की संघ लोक सेवा आयोग के कार्यालय में १ अगस्त, १९७४ से ३१ अगस्त, १९७४ तक एक महीने की अवधि के लिए या आगामी आदेशों तक, दोनों में जो भी पहले हो, अधीक्षक (हालरिथ) के पद पर नियुक्त करने हैं।

एम० आर० भागवत, अवर सचिव,
कृते सचिव

नई दिल्ली-११००११, दिनांक २८ अगस्त, १९७४

सं. प्र० १२०२२/५/७४-प्रशा०-I—भारतीय राजस्व सेवा (आयकर) के अधिकारी श्री एम० एम० थानबी ने २३ अगस्त, १९७४ के पूर्वाह्न से संघ लोक सेवा आयोग में अवधि सचिव के पद का कार्यभार सभाल लिया है।

एम० आर० भागवत, अवर सचिव
संघलोक सेवा आयोग

नई दिल्ली, दिनांक ३ सितम्बर १९७४

सं. प्र० १२०२५/(II)/२/७४-प्रशा० III—अनुभाग अधिकारी ग्रेड सीमित विभागीय प्रतियोगिता परीक्षा, १९७४ के परिणाम स्वरूप उनके नामित हो जाने तथा कार्मिक और प्रशासनिक सुधार विभाग के का० ज्ञा० स० ५/४६/७४ दिनांक १-८-७४ के अनुसरण में संघ लोक सेवा आयोग में केन्द्रीय सचिवालय सेवा संवर्ग के स्थायी महायक श्री आई० पी० तुली को, गप्टपति द्वारा १ अगस्त, १९७४ में आगामी आदेश तक उक्त सेवा के अनुभाग अधिकारी ग्रेड में उसी संवर्ग में स्थानापन्न रूप से कार्य करने के लिए नियुक्त किया जाना है।

सं. प्र० १२०२५/(II)/२/७४-प्रशा० III—अनुभाग अधिकारी ग्रेड सीमित विभागीय प्रतियोगिता परीक्षा, १९७४ के परिणाम

स्वरूप उनके नामित हो जाने तथा कार्मिक और प्रणासनिक सुधार विभाग के कांगड़ा ० सं० ५/४६/७४ दिनांक १-८-७४ के अनुसरण में संघ लोक सेवा आयोग में केन्द्रीय सचिवालय सेवा संवर्ग के स्थायी सहायक श्री दाऊ दयाल को राष्ट्रपति द्वारा १ अगस्त, १९७४ से आगामी आदेशों तक उक्त सेवा के अनुभाग अधिकारी ग्रेड में उसी संवर्ग में स्थानापन्न रूप से कार्य करने के लिए नियुक्त किया जाता है।

दिनांक 11 सितम्बर 1974

सं० ए० ३२०१४/१/७४-प्रशासन-I—संघ लोक सेवा आयोग के संवर्ग के स्थायी वैयक्तिक सहायक (के० सं० स्ट० से० का ग्रेड II) श्री एस० पी० मेहरा को राष्ट्रपति द्वारा ५-८-१९७४ से २१-९-७४ तक ४८ दिन की अतिरिक्त अवधि के लिए वैयक्तिक सहायक (के० सं० स्ट० का ग्रेड I) के पद पर उसी संवर्ग में पूर्णतया अस्थायी तथा तदर्थ आधार पर स्थानापन्न रूप से कार्य करने के लिए नियुक्त किया जाता है।

दिनांक 16 सितम्बर 1974

सं० ए० ३२०१३/१/७४-प्रशासन-I—संघ लोक सेवा आयोग में केन्द्रीय सचिवालय सेवा संवर्ग के अनुभाग अधिकारी ग्रेड के स्थायी अधिकारी श्री सी० आर० आनन्द को राष्ट्रपति द्वारा १-७-१९७४ से ३०-९-१९७४ तक ३ महीने की अवधि के लिए अस्थायी किसी नियमित अधिकारी के उपलब्ध होने तक, जो भी पहले हो, उक्त सेवा के ग्रेड I में स्थानापन्न आधार पर कार्य करने के लिये नियुक्त किया जाता है।

सं० ए० ३२०१३/१/७४-प्रशासन-I—संघ लोक सेवा आयोग में केन्द्रीय सचिवालय सेवा संवर्ग के अनुभाग अधिकारी ग्रेड के स्थायी अधिकारी श्री आर० आर० शिमरे को राष्ट्रपति द्वारा, ६-७-७४ से ४-१०-७४ तक की अवधि के लिए उक्त सेवा के ग्रेड I में स्थानापन्न आधार पर कार्य करने के लिए नियुक्त किया जाता है।

एस० आर० भागवत, अवर सचिव
(प्रशासन प्रभारी)
संघ लोक सेवा आयोग

मंत्रिमंडल सचिवालय
(कार्मिक तथा प्रशासन सुधार विभाग)
केन्द्रीय अन्वेषण व्यूरो

नई दिल्ली, दिनांक सितम्बर, 1974

सं० ३/७/७४ प्रशासन-५—राष्ट्रपति अपने प्रसाद से श्री के० कुमारास्वामी, भारतीय पुलिस सेवा (तमिलनाडू) को दिनांक ७ सितम्बर, १९७४ के पूर्वाह्न से अगले आदेश तक के लिए, केन्द्रीय अन्वेषण व्यूरो, विशेष पुलिस स्थापना, में प्रतिनियक्षित पर पुलिस अधीक्षक नियुक्त करते हैं।

सं० जे०/९/प्रशासन-५—निवेशक, केन्द्रीय अन्वेषण व्यूरो एवं पुलिस महानिरीक्षक, विशेष पुलिस स्थापना, एतद्वारा, केन्द्रीय अन्वेषण व्यूरो के स्थायी निरीक्षक श्री जे० एन० चटर्जी को दिनांक २१-८-७४ के पूर्वाह्न से अगले आदेश तक के लिए अस्थायी रूप से पुलिस उप-अधीक्षक के रूप में प्रोत्सत करते हैं।

सं० पी० एफ०/एल०-२५/७२-प्रशासन-I—राजस्थान पुलिस में प्रत्यावर्तन हो जाने पर, राजस्थान पुलिस से केन्द्रीय अन्वेषण व्यूरो में पुलिस निरीक्षक के रूप में प्रतिनियुक्त अधिकारी श्री लायक सिह को दिनांक ३-९-७४ के अपराह्न से केन्द्रीय अन्वेषण व्यूरो, विशेष पुलिस स्थापना, जयपुर शाखा में अपने कार्यभार में मुक्त कर दिया गया है।

सं० पी० एफ०/एम०/७४-प्रशासन-५—राष्ट्रपति अपने प्रसाद से केन्द्रीय लोक निर्माण विभाग के कार्यपालक अभियन्ता श्री एम० एल० कालरा को दिनांक ११-९-७४ के पूर्वाह्न से अगले आदेश तक के लिए केन्द्रीय अन्वेषण व्यूरो, नई दिल्ली में प्रतिनियुक्ति पर कार्यपालक अभियन्ता नियुक्त करते हैं।

गुलजारी लाल अग्रवाल, प्रशासन अधिकारी
(स्था०)

नई दिल्ली, दिनांक 10 सितम्बर 1974

सं० पी० एफ०/एस०-२४८/७४-प्रशासन-I—पुलिस उप-महानिरीक्षक, विशेष पुलिस स्थापना, एतद्वारा, महाराष्ट्र पुलिस के अधिकारी श्री पी० एन० थोरट को दिनांक ३-९-१९७४ के पूर्वाह्न से अगले आदेश तक के लिए दिल्ली विशेष पुलिस स्थापना प्रभाग, केन्द्रीय अन्वेषण व्यूरो, बम्बई शाखा में प्रतिनियुक्ति पर अस्थायी रूप से पुलिस निरीक्षक नियुक्त करते हैं।

गुलजारी लाल अग्रवाल, प्रशासन अधिकारी
कृते पुलिंग उप-महानिरीक्षक, विशेष पुलिस स्थापना

गृह मन्त्रालय

महानिरीक्षक का कार्यालय

केन्द्रीय औद्योगिक सुरक्षा बल

नई दिल्ली-110003, दिनांक 17 सितम्बर, 1974

सं० ई-16013(1)/३/७४-प्रशासन-१—राष्ट्रपति, श्री एस० वी० सिह, आई० पी० एस० (मध्य प्रदेश-१९५५) को दिनांक २३ अगस्त, १९७४ के पूर्वाह्न से, प्रतिनियुक्ति पर, केन्द्रीय औद्योगिक सुरक्षा बल, भिलाई स्टील प्लांट, भिलाई-१, के उप-महानिरीक्षक के पद पर नियुक्त करते हैं।

2. श्री एस० वी० सिह ने उसी दिनांक से केन्द्रीय औद्योगिक सुरक्षा बल यूनिट, भिलाई स्टील प्लांट, भिलाई के कमांडेंट के पद का कार्यभार छोड़ दिया।

गल० एस० बिष्ट
महानिरीक्षक

कार्यालय, भारत के महापंजीकार

नई दिल्ली-110011, दिनांक 17 सितम्बर 1974

सं० २५/२९/७४-आर० जी० (ए०डी०-I)—राष्ट्रपति, श्री ब्रीनाथ को, जो केन्द्रीय मन्त्रालय सेवा (सलेशन ग्रेड) के

अधिकारी हैं, दिनांक 16 सितम्बर, 1974 से पूर्वाह्न से अगले आदेश प्रेषित होने तक भारत के उप महापंजीकार के पद पर अस्थायी रूप से सहर्ष नियुक्त करते हैं।

राम भ० चारी,
महापंजीकार एवं पदेन
संयुक्त सचिव

पूर्ति विभाग

मुख्य वेतन तथा लेखा अधिकारी का कार्यालय
कलकत्ता, दिनांक 16 सितम्बर, 1974

सं० ए-24013/74-75/कल०/प्रशासन/(ममन्वय)-2343-

बरिष्ठ उप मुख्य वेतन तथा लेखा अधिकारी, पूर्ति विभाग, कलकत्ता कार्यालय के स्थानापन्न वेतन तथा लेखा अधिकारी श्री अमल रंजन धोष का दिनांक 25 जून, 1974 को स्वर्गवास हो गया है।

अरुणा माखन,
उप मुख्य वेतन लेखा अधिकारी

रक्षा लेखा विभाग

कार्यालय, रक्षा लेखा महानियन्त्रक

नई दिल्ली, दिनांक 17 सितम्बर, 1974

सं० 40011(2)/74-प्रशा०ए०—सिविल सेवा विनियमावली जिल्द-1 के अनुच्छेद 459(1) के प्रावधानों के अन्तर्गत स्वेच्छा में, सेवा निवृत्ति का नोटिस दे दिये जाने पर और उसे रक्षा लेखा महानियन्त्रक द्वारा गंभीर कर लिए जाने पर रक्षा लेखा नियन्त्रक, मध्य कमान, मेरठ के संगठन में सेवारत श्री ठाकर दास, स्थायी लेखा अधिकारी (रोस्टर सं०पी०/359) को 28 अक्टूबर, 1974 के पूर्वाह्न से पेंशन स्थापना के अन्तर्गत अन्तरित कर दिया जायगा।

2. इस विभाग की दिनांक 9-7-74 की अधिसूचना की क्रम सं० 2 के सामने श्री ठाकर दास के सम्बन्ध में की गई प्रविष्टियां एतद्वारा रद्द की जाती हैं।

एम० के० सुन्दरम्,
रक्षा लेखा अपर महा नियन्त्रक

श्रम मंत्रालय

खास सुरक्षा महानियन्त्रक
धनबाद, दिनांक सितम्बर, 1974

सं० 11(5)/71-प्रशासन-1—श्री सी० मनुस्वामी प्रशासनिक पदाधिकारी को दिनांक 6-9-74 से छुट्टी पर जाने के फल-स्वरूप श्री ए० एम० धोष स्थायी सहायक प्रशासनिक पदाधिकारी को प्रशासनिक पदाधिकारी, वेतनमान, 840-40-1000-द० रो०-40-1200 के पद पर स्थानापन्न रूप से, अगले आदेश जारी होने तक के लिये नियुक्त किया जाता है।

2. सं० 11(5)/71-प्रशासन-1—श्री ए० सी० मंजुमदार स्थायी अधीक्षक को, श्री ए० एम० धोष, के प्रशासनिक पदाधिकारी के पद पर नियुक्त होने के फलस्वरूप सहायक प्रशासनिक पदाधिकारी, वेतनमान 550-25-750-द० रो०-30-900 के पद पर स्थानापन्न रूप से दिनांक 10-9-74 से अगले आदेश जारी होने तक के लिये नियुक्त किया जाता है।

श्याम शिव प्रसाद,
खास सुरक्षा महानियन्त्रक

श्रम ब्यूरो

शिमला-4 दिनांक

सं० 23/3/74-सी० पी० आई०—अगस्त 1974 में औद्योगिक श्रमिकों का अद्वितीय उपभोक्ता मूल्य सूचकांक (अधार वर्ष 1960-100), जुलाई स्तर से दस अंक बढ़ कर 321 (तीन सौ इक्कीस) रहा। अगस्त 1974 माह का सूचकांक 1949 अधार वर्ष पर परिवर्तित किये जाने पर 390 (तीन सौ नब्बे) आता है।

(के० के० भाटिया)

निदेशक श्रम मंत्रालय

श्रम ब्यूरो, शिमला।

इस्पात और खान मंत्रालय

(खान विभाग)

भारतीय खनिज विभाग

नागपुर, दिनांक 11 सितम्बर 1974

सं० ए० 19011 (76) 70-सि० ए०—सरकार द्वारा श्री एस० के० दास, स्थानापन्न उप-खनि नियन्त्रक द्वारा प्रदत्त त्यागपत्र स्वीकृत हो जाने के फलस्वरूप श्री दास का नाम दिनांक 8 जुलाई, 1974 के पूर्वाह्न से इस विभाग में निकाल दिया गया है।

सं० ए० 9012(62)/73-सि० ए०—दिनांक 15 अक्टूबर, 1973 की अनुवृत्ति में श्री के० सी० सेन गुप्ता, स्थायी अधीक्षक को 1 अगस्त, 1974 के पूर्वाह्न से इस विभाग में नियमित आधार पर स्थानापन्न रूप में सहायक प्रशासन अधिकारी के पद पर पदोन्नति प्रदान की जाती है।

ए० के० राधवाचारी,
प्रबर प्रशासन अधिकारी
कृते नियन्त्रक

भारतीय भूवैज्ञानिक

सर्वेक्षण

कलकत्ता-13 दिनांक 1974

सं० 2222 (पी० सी० आर०)/19 ए०—भारतीय भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण के वरिष्ठ तकनीकी सहायक (भूवैज्ञान) श्री प्रवाश चन्द्र रथ को सहायक भूवैज्ञानिक के रूप में उसी विभाग में वेतन नियमानुसार 650-30-740-35-810-द० रो०-35-880-40-1000-द० रो०-40-1200 रु० के वेतनमान में, अस्थायी अमता में, आगामी आदेश होने तक, 16-5-1974 के पूर्वाह्न से नियुक्त करते हैं।

सी० करुणानिधि,
महानियन्त्रक

वाणिज्य मंत्रालय

संयुक्त मुख्य नियन्त्रक, आयात-नियति का कार्यालय

मद्रास, दिनांक 17 सितम्बर, 1974

आवेदन

विषय:—सर्वश्री हैन्डिक्राफ्ट्स इन्डिया (मद्रास) मद्रास-4 को जारी किए गए लाइसेंस सं० पी०/के०/2679628/सी/एक्सए०/48/एम०/37-38/झी० 2, 1, दिनांक 26-7-73 की भीमाशुल्क निकासी प्रति को रद्द करना।

मं० एन० आर०/19/1-73/ई० पी० सी० 1—सर्वे श्री हैन्डिकाप्ट इन्डिया (मद्रास), 1 मन्नाधि, स्ट्रीट, मेलापुर, मद्रास को 4320/रुपये के लिये एक आयात लाइसेंस सं० पी०/के/2679628/सी०एक्स/48/एम/37-38/डी० 2.1, दिनांक 26-7-73 को प्रदान किया गया था।

उक्तोंने उपर्युक्त लाइसेंस की सीमाशुल्क निकासी प्रति की अनुलिपि प्रति जारी करने के लिये इस आधार पर आवेदन किया है कि मूल सीमाशुल्क निकासी प्रति सीमाशुल्क कार्यालय, मद्रास में पज़ीकृत कराने के बाद खो गई या अस्थानास्थ हो गई थी। अपने दावे के समर्थन में सर्वेश्वी हैन्डिकाप्ट इन्डिया (मद्रास) मद्रास-4 ने एक शपथ पत्र दाखिल किया है।

मैं मन्तुष्ट हूँ कि लाइसेंस सं० पी०/के/2679628/सी०एक्स/48/एम/37-38/डी० 2.1, दिनांक 26-7-73 की सीमाशुल्क निकासी प्रति खो गई या अस्थानास्थ हो गई है। और निवेदन करता हूँ कि इसकी अनुलिपि आवेदकों को जारी की जानी चाहिए। लाइसेंस की भूल सीमाशुल्क निकासी प्रति रट्ट की जानी है।

[सं० पी० एन० आर०/19/आई-73/ई० पी० सी०-1 से जारी किया गया।]

आई० प० रणीद
उप-मुख्य नियन्त्रक, आयात-नियन्त्रित

भारतीय सर्वेक्षण विभाग

महासर्वेक्षक का कार्यालय

देहरादून, दिनांक मितम्बर 1974

संस्था०-1-4903/913हि०—इस कार्यालय की प्रधिमूचना संख्या स्था०-1-4831/913हि०, दिनांक 2-5-74 के अनुक्रम में महासर्वेक्षक कार्यालय के श्री रमेश कुमार चमोली, हिन्दी अधिकारी की तदर्य नियुक्ति की अवधि 31 दिसम्बर, 1974, या जब तक कि पद नियमित आधार पर भरा जाता है, जो भी पहले, हो, तक बढ़ा दी जानी है।

हरी नारायण,
महासर्वेक्षक भारत

भारतीय मानव-विज्ञान सर्वेक्षण

भारतीय संप्रग्रामय

कलकत्ता-13, दिनांक 19 जुलाई 1974

सं० 4-9-5/74-था०—निदेशक भारतीय मानव-विज्ञान सर्वेक्षण, 27 जून, 1974 से आगे आदेश होने तक श्री संयद हमन मुजतबा गिज़बी को अस्थायी आधार पर सहायक मानव-विज्ञानी (शास्त्रिक मानव-विज्ञान प्रभाग) के पद पर नियुक्त करते हैं।

दिनांक 30 जुलाई 1974

सं० 4-100/74/स्था०—निदेशक, भारतीय मानव-विज्ञान सर्वेक्षण श्री सत्यशत चक्रवर्ती को 18 जुलाई, 1974 के पूर्वाह्न

से आगे आदेश होने तक सहायक मानव-विज्ञानी (संस्कृति) के पद पर अस्थायी आधार पर नियुक्त करते हैं।

सी० टी० थाम्स
वरिष्ठ प्रशासन अधिकारी

भारतीय प्राणि विज्ञान सर्वेक्षण विभाग

कलकत्ता-12, दिनांक अगस्त 1974

सं० एफ० 92-50-74-स्थापना—डा० कुमारी प० सी० नैरी बाई को सहायक प्राणि वैज्ञानिक (राजपत्रिन, द्वितीय श्रेणी) के पद पर अस्थायी आधार पर भारतीय प्राणि विज्ञान सर्वेक्षण विभाग के समुद्री जीव विज्ञान केन्द्र, मद्रास के अन्तर्गत 17 अगस्त, 1974 (पूर्वाह्न) से आगामी आदेशों तक नियुक्त किया जाना है।

दिनांक 2 मितम्बर 1974

सं० एफ० 70-2-71-स्थापना—11217, 8 फरवरी 1974 के कार्यालय शिध्सूचना के आंशिक संशोधन के अन्तर्गत डा० अपल भट्टाचार्य, वरिष्ठ-प्राणि विज्ञान- सहायक को भारतीय प्राणि विज्ञान सर्वेक्षण विभाग के अन्तर्गत सहायक-प्राणि वैज्ञानिक (द्वितीय श्रेणी, राजपत्रिन) के पद पर, नियमित आधार पर 24 जनवरी 1974 (पूर्वाह्न) से आगामी आदेशों तक नियुक्त किया जाता है।

डा० प० सी० खेर

उप निदेशक-प्रभारी
भारतीय प्राणि विज्ञान सर्वेक्षण विभाग

विज्ञान और प्रौद्योगिकी विभाग

राष्ट्रीय एटलस संस्था

कलकत्ता-17, दिनांक 12 मितम्बर 1974

सं० 29-12/72-स्थापना—निम्नलिखित व्यक्तियों को, राष्ट्रीय एटलस संस्था में वैज्ञानिक अधिकारी के पद पर, उनके नाम के सामने दी गई तारीख में, आगामी आदेश तक, अस्थायी रूप से नियुक्त किया जाता है :—

क्रम सं०	नाम	नियुक्ति की तारीख
1.	श्री नर्वदा प्रसाद रेशगाम	31-8-74 (पूर्वाह्न)
2.	श्री कालाचन्द्र भट्टाचार्य	6-9-74 (पूर्वाह्न)
3.	श्री द्विजेन्द्र नाथ घोष	6-9-74 (पूर्वाह्न)

प० सी० दास गुप्त
निदेशक

सूचना और प्रसारण मंत्रालय

प्रकाशन विभाग

नई दिल्ली, दिनांक मितम्बर 1974

स० १०-१९०११/६/७४ प्रशासन-१—निदेशक, प्रकाशन विभाग, श्री दौलतराम साहर को सहायक निदेशक (उत्पादन) के पद पर, अगले आदेश तक, ६ मितम्बर, १९७४ के पूर्वाह्न से नियुक्त करते हैं।

मदन लाल टड़न
उप निदेशक (प्रशासन)

स्वास्थ्य सेवा महानिदेशालय

नई दिल्ली, दिनांक १६ सितम्बर १९७४

स० १२-१/७४-एडमिन-१—श्री ब्रिज लाल ने सहायक के पद पर परार्थित होने पर १२ जुलाई, १९७४ को अपराह्न में स्वास्थ्य सेवा महानिदेशालय में अनुभाग अधिकारी के पद का कार्यभार त्याग दिया।

स० १७-२७/७३-प्रशासन-१—स्वास्थ्य सेवा महानिदेशक ने श्रीमती इन्दिरा रमान को २३ अप्रैल, १९७४ पूर्वाह्न से श्रीर आगामी आदेशों तक स्वास्थ्य सेवा महानिदेशालय, नई दिल्ली के केन्द्रीय स्वास्थ्य शिक्षा व्यूरो में शिक्षा अधिकारी (अध्यापक प्रशिक्षण) के पद पर अस्थायी आधार पर नियुक्त किया है।

स० १९-३०/७०-एडमिन-१—डा० पी० के० जोसेफ ने दिल्ली विश्वविद्यालय में जीव रसायन के रीडर के रूप में नियुक्त होने के फलस्वरूप १२ अगस्त, १९७४ अपराह्न में जवाहरलाल स्नातकोत्तर चिकित्सा शिक्षा और अनुसंधान संस्थान, पांडिचेरी में जीव रसायन के लेक्चरर के पद का कार्य भार त्याग दिया।

२० सितम्बर १९७४

स० १९-७/७४-एडमिन-१—स्वास्थ्य सेवा महानिदेशक ने श्री एम० एन० नायर को १० जुलाई, १९७२ से जवाहरलाल स्नातकोत्तर चिकित्सा शिक्षा और अनुसंधान संस्थान, पांडिचेरी में वरिष्ठ भौतिक-चिकित्सक के पद पर मौलिक रूप से नियुक्त किया है।

सूरज प्रकाश जिन्दल
उप-निदेशक, प्रशासन

नई दिल्ली, दिनांक १६ मितम्बर १९७४

स० ३०-८/७४-सी० जी० एच० एम०-१—स्वास्थ्य सेवा महानिदेशक ने डा० मनोहरलाल मद्रिया को ६ सितम्बर, १९७४ पूर्वाह्न से श्रीर आगामी आदेशों तक स्वास्थ्य सेवा महानिदेशालय के अन्तर्गत केन्द्रीय मरकार स्वास्थ्य योजना, दिल्ली में होम्यो-पैथिक चिकित्सक के पद पर अस्थायी रूप से नियुक्त किया है।

१९ सितम्बर १९७४

स० २९-३/७४-सी० जी० एच० एम०-१—डा० शान्ति देव, होम्योपैथिक चिकित्सक, ने अधिकार्यिकी वय के बाद एक वर्ष तक सेवा-विस्तार की अवधि पूरी करने पर तथा १२० दिन की

निवृत्ति पूर्व छुट्टी काटने के पश्चात् ३१ जुलाई, १९७४ को अपराह्न में केन्द्रीय सरकार स्वास्थ्य योजना, दिल्ली के अधीन सेवा-निवृत्ति हो गए।

के० वेणुगोपाल
उप-निदेशक (प्रशासन)

कृषि मंत्रालय

(कृषि विभाग)

वित्तार निदेशालय

नई दिल्ली, दिनांक २ सितम्बर १९७४

स० १(४)/७४-सि० (प्रथम)—कृषि विभाग से बदली होने के फलस्वरूप श्री एस० पी० छिब्बर ने विस्तार निदेशालय, कृषि मंत्रालय, कृषि विभाग में ६५०-३०-७४०-३५-८१०-८० रो०-३५-८८०-४०-१०००-८० रो० ४०-१२०० रूपए (परिशोधित) के वेतनमान में १२ अगस्त, १९७४ के पूर्वाह्न से प्रभारी अधिकारी जंगली जानवरों पकड़ने की योजना (सा० सिविल सेवा (श्रेणी द्वितीय) के पद का कार्यभार सम्भाल लिया है।

महेश दत्त पांडे
प्रशासन निदेशक

सहकारिता विभाग

विपणन एवं नियोजन निदेशालय

(प्रधान कार्यालय)

फरीदाबाद, दिनांक सितम्बर १९७४

स० फाइल ४-६ (२२)/७४-प्रशा०-१—संघ लोक सेवा आयोग की संस्तुतियों के अनुसार, कृषि विपणन समाहकार भारत सरकार ने श्री ए० पी० चन्द्र राव, को विपणन एवं नियोजन निदेशालय के अधीन गुन्टूर में दिनांक ३० जनवरी, १९७४, के पूर्वाह्न से अगले आदेश होने तक स्थानापन्न आधार पर सहायक विपणन अधिकारी, वर्ग I, नियुक्त किया है।

वी० पी० चावला
निदेशक, प्रशासन

भाभा परमाणु अनुसंधान केन्द्र

(कार्मिक प्रभाग)

बम्बई-४०००८५, दिनांक २० अगस्त १९७४

स० पी० ए०/७९(९)/७४-आर०-४—नियन्त्रक, भाभा परमाणु अनुसंधान केन्द्र, यहां के श्री यज्ञ स्वामी शास्त्रीगल संबूर्ति, एक स्थाई सहायक कार्मिक अधिकारी को उनके रिएक्टर अनुसंधान केन्द्र से स्थानान्तरण होने पर १० जुलाई, १९७४ के पूर्वाह्न से, आगामी आदेश तक के लिए इसी अनुसंधान केन्द्र में स्थानापन्न प्रशासकीय अधिकारी II नियुक्त करने हैं।

दिनांक 24 अगस्त 1974

सं० पी० ए०/७९(९)/७४-आर-४—इस अनुसंधान केंद्र की अधिसूचना सं० पी० ए०/७९(१)/७४-आर०-४ दिनांक 12 अप्रैल, 1974 के क्रम में नियंत्रक, भारत परमाणु अनुसंधान केन्द्र, यहां के श्री राधावल्लभ बाजपेही, एक स्थाई सहायक कार्मिक अधिकारी को 1 अप्रैल, 1974 के पूर्वाह्न से 17 मई, 1974 के अपराह्न तक 'तदर्थ' आधार पर स्थानापन्न प्रशासनिक अधिकारी-१ नियुक्त करते हैं।

सं० पी० ए०/७९/७४-आर०-४—नियंत्रक, भारत परमाणु अनुसंधान केन्द्र, यहां के श्री राजगंग हर शणमुखम्, एक स्थाई सहायक कार्मिक अधिकारी को 27 मई, 1974 के पूर्वाह्न से आगामी आदेश तक के लिए इसी अनुसंधान केन्द्र में स्थानापन्न प्रशासकीय अधिकारी-१ नियुक्त करते हैं।

सं० पी० ए०/७९(९)/७४-आर०-४—इस अनुसंधान केन्द्र की अधिसूचना सं० पी० ए०/७९(२०)/७३-आर०-४ दिनांक 17 फरवरी, 1974 के क्रम में, नियंत्रक, भारत परमाणु अनुसंधान केन्द्र, यहां के श्री पालमदाई सूर्यशेखर अथ्यर वेंकटसुब्र-मणियन, स्थाई सहायक कार्मिक अधिकारी को इसी अनुसंधान केन्द्र में :—

(i) 1 अप्रैल, 1974 से 17 मई, 1974 के अपराह्न तक 'तदर्थ' आधार पर प्रशासनिक अधिकारी ;

और

(ii) 18 मई, 1974 के पूर्वाह्न से आगामी आदेश तक के लिए नियमित आधार पर प्रशासनिक अधिकारी-१ नियुक्त करते हैं।

सं० पी० ए०/७९(९)/७४-आर०-४—इस अनुसंधान केन्द्र की अधिसूचना सं० पी० ए०/७९(१)/७४-आर०-४ दिनांक 11 अप्रैल, 1974 के क्रम में नियंत्रक, भारत परमाणु अनुसंधान केन्द्र, यहां के श्री शकर नारायण पद्मनाभन, एक स्थाई सहायक कार्मिक अधिकारी को इसी अनुसंधान केन्द्र में स्थानापन्न :—

(i) 1 अप्रैल, 1974 के पूर्वाह्न से 17 मई, 1974 के अपराह्न तक तदर्थ आधार पर प्रशासनिक अधिकारी-२,

(ii) 18 मई, 1974 के पूर्वाह्न से आगामी आदेश तक के लिए नियमित आधार पर प्रशासनिक अधिकारी-१ नियुक्त करते हैं।

सं० पी० ए०/७९(९)/७४-भ०-४—नियंत्रक, भारत परमाणु अनुसंधान केन्द्र, यहां की कुमारी हेमलता भगवंतराव विजायकर, एक स्थाई सहायक कार्मिक अधिकारी को 18 मई, 1974 के पूर्वाह्न से आगामी आदेश तक के लिए स्थानापन्न प्रशासनिक अधिकारी-१ नियुक्त करते हैं।

पी० उमीष्ठिष्ठणन,
उप-स्थापना अधिकारी (भ०)

कार्यालय महानिदेशक नगर विभाग

नई दिल्ली, दिनांक 12 सितम्बर 1974

सं० ए०-१९०१४/४०/७२-ई० एच०—निवर्त्तन आयु प्राप्त करने के परिणाम स्वरूप सरकारी सेवा से निवृत्त हो जाने पर श्री जे० सी० कार्णिक ने 31 अगस्त, 1974 (पूर्वाह्न) से क्षेत्रीय निदेशक, नागर विभाग विभाग, कलकत्ता के पद का कार्यभार त्याग दिया है।

टी० एस० श्रीनिवासन,
सहायक निदेशक प्रशासन

नई दिल्ली, दिनांक 16 सितम्बर 1974

सं० ए०-३२०१४/२/७३-ई० सी०—महानिदेशक नागर विभाग, वैमानिक संचार स्टेशन नागपुर के संचार सहायक श्री बी० बी० देशकर को उसी स्टेशन पर 11 जून, 1974 पूर्वाह्न से अगले आदेश जारी होने तक संचार सहायक अधिकारी के पद पर स्थानापन्न रूप से नियुक्त करते हैं।

एच० एस० कोहली
उप-निवेशक प्रशासन
कृते महानिदेशक नागर विभाग

नई दिल्ली, दिनांक 17 सितम्बर 1974

सं० ए०-३३०२३/१/७४-ई० ए०—महानिदेशक नागर विभाग ने निम्नलिखित सहायक विभागक्षेत्र अधिकारियों (प्रशिक्षणार्थी) को उनके नामों के सामने दी गई तारीखों से अगले आदेश जारी होने तक नागर विभाग विभाग के विभाग मार्ग और विभागक्षेत्र संगठन में रुपए ६५०-३०-७४०-३५-८१०-८० रो०-८८०-४०-१०००-८० रो०-४०-१२०० के बेतनमान में सहायक विभागक्षेत्र अधिकारी, श्रेणी-२ राजपत्रित के पद पर अस्थायी रूप से नियुक्त किया है :—

क्रम सं०	नाम	स्टेशन	तारीख
1.	श्री एफ० एन० मुहरीवाला	बम्बई	२९-८-७४
2.	श्री ए० के० शर्मा	बम्बई	२९-८-७४
3.	श्री जे० पी० माथुर	बम्बई	२९-८-७४
4.	श्री पी० एस० सक्सेना	दम दम	२९-८-७४
5.	श्री गोपाल मेहता	दम दम	२९-८-७४
6.	श्री विजय कुमार	दम दम	२९-८-७४
7.	श्री आशा राम	दम दम	२९-८-७४
8.	श्री ए० एन० विश्वानाथ	दम दम	२९-८-७४
9.	श्री एम० ए० भट्ट	सफदरजंग	२९-८-७४
10.	श्री के० बागची	सफदरजंग	२९-८-७४
11.	श्री वाई० अग्रवाल	सफदरजंग	२९-८-७४
12.	श्री के० वेंकटारामन	मद्रास	३०-८-७४
13.	श्री एस० के० सिंह	मद्रास	३०-८-७४

सुरजीत लाल खण्डपुर,
सहायक निदेशक प्रशासन

विदेश संचार सेवा

बम्बई, दिनांक 16 सितम्बर 1974

सं० 12/1/74-स्था०—कलकत्ता शाखा के स्थानापन्न परियात प्रबन्धक, श्री डी० ब्रह्मभारी को 29 जुलाई, 1971 से मूल रूप में परियात प्रबन्धक नियुक्त किया जाता है।

दिनांक 17 सितम्बर 1974

सं० 1/190/74-स्था०—नई दिल्ली शाखा के स्थानापन्न मुख्य यांत्रिक श्री हीरालाल जांजी को 26 जनवरी, 1972 के पूर्वाह्नि में मूल रूप में मुख्य यांत्रिक नियुक्त किया जाता है।

पु० ८० दामले,
महानिवेशक

केन्द्रीय उत्पादन शुल्क तथा सीमा शुल्क समाहर्तालिय

दिल्ली, दिनांक 19 सितम्बर 1974

(स्थापना)

सं० 92—इस समाहर्ता कार्यालय के श्री भंवर लाल माथुर, निरीक्षक (प्रबर ग्रेड) को 650-30-740-35-810-द० रो०-35-880-40-1040-द० रो०-40-1200 रूपये के वेतनमान में अधीक्षक केन्द्रीय उत्पादन शुल्क श्रेणी-II के पद पर अनंतिम तौर पर स्थानापन्न रूप से कार्य करने के लिए नियुक्त किया गया है। इस नियुक्ति पर उद्यपुर के पद का कार्यभार दिनांक 27-7-1974 के अपराह्न में अधीक्षक,

केन्द्रीय उत्पादन शुल्क (नि० ग्रुप) केन्द्रीय उत्पादन छिंगीजन, कोटा के पद का कार्यभार ग्रहण कर लिया।

सं० 93—इस समाहर्ता कार्यालय के श्री आर० ए० भन्ला, निरीक्षक (प्रबर ग्रेड) को 650-30-740-35-810-द० रो०-35-880-40-1040-द० रो०-40-1200 रूपये के वेतनमान में, अधीक्षक, केन्द्रीय उत्पादन शुल्क श्रेणी-II के पद पर अनंतिम तौर पर स्थानापन्न रूप से कार्य करने के लिए नियुक्त किया गया है। इस नियुक्ति पर श्री आर० ए० भन्ला ने अधीक्षक, केन्द्रीय उत्पादन शुल्क (निवारक), जयपुर के पद का कार्यभार दिनांक 1-6-74 के पूर्वाह्नि में ग्रहण कर लिया।

सं० 94—इस समाहर्ता कार्यालय के श्री डी० पी० शर्मा, निरीक्षक (प्रबर ग्रेड) को 650-30-740-35-810-द० रो०-35-880-40-1040-द० रो०-40-1200 रूपये के वेतनमान में अधीक्षक, केन्द्रीय उत्पादन शुल्क श्रेणी-II के पद पर अनंतिम तौर पर स्थानापन्न रूप से कार्य करने के लिए नियुक्त किया गया है। इस नियुक्ति पर श्री डी० पी० शर्मा ने अधीक्षक, के० उ० गु०, उद्यपुर के पद का कार्यभार दिनांक 27-7-1974 के अपराह्न में ग्रहण कर लिया।

ए० ए० ए० मेहता,
समाहर्ता

गुन्टूर-522004, दिनांक 31 अगस्त 1974

(स्थापना)

सं० 5—दिनांक 28 फरवरी, 1974 के इस कार्यालय आदेश सी० सं०-II/11/1/74-ई०-7 के क्रम में एतदब्बारा सूचित किया जाता है कि गुन्टूर समाहर्तालिय में तैनात किए गए, स्थानापन्न अधीक्षक, केन्द्रीय उत्पाद शुल्क, श्रेणी-II, को, जिनके नाम नीचे दिए गये हैं, उनके सामने बसायी गई तिथि से अधीक्षक, केन्द्रीय उत्पाद शुल्क, श्रेणी-II के रूप में स्थायी किया जाता है।

क्रम सं०	अधीक्षक का नाम	वह स्थान जहाँ कार्य कर रहे हैं	स्थायीकरण की तिथि
1.	श्री के० आर० कुमार सर्मा चिल्लारा	निरीक्षण मंडल, आई० डी० ओ०, एलुरु	18-10-1970
2.	श्री सी० एच० सुब्बा रवुडु	ए० ओ० आर०, मंगलामिरी	18-10-1970
3.	श्री के० बी० सुब्बाराव	सीमा शुल्क गृह, काकीनाडा	18-10-1970
4.	श्री डी० बी० सिबाराव	ग्राम्य ए० ओ० आर०, एलुरु	18-10-1970
5.	श्री शाली खान	ए० ओ० आर०, विशाखापट्टनम	18-10-1970
6.	श्री जे० बेंकटा राव	ए० ओ० आर०-II, राजमुन्द्री	18-10-1970
7.	श्री पी० रामलिनोश्वर राव	मुख्यालय, गुन्टूर	18-10-1970
8.	श्री अब्दुल अजीम बेग	आई० डी० ओ०, विजयवाड़ा	18-10-1970
9.	श्री वाई० कृष्ण रेड्डी	ए० ओ० आर०, छेलकालुरीपेट	18-10-1970
10.	श्री जी० गोपाल कृष्ण मूर्खी	आई० डी० ओ०-II, गुन्टूर	18-10-1970
11.	श्री सी० एच० सुम्मारुडु	ए० ओ० आर०, आई० डी० ओ०-II, गुन्टूर	18-10-1970
12.	श्री ए० ए० हरिचन्द्राराव	मुख्यालय, गुन्टूर	6-10-1971
13.	श्री ए० स० ए० सत्तार	ए० ओ० आर० नुजविड	25-11-1972
14.	श्री शेख अब्दुल रहमान	ए० ओ० आर० कन्टुकुर	5-12-1972
15.	श्री ए० स० मुनवर हुस्सेन	ए० ओ० आर०-II, विजयवाड़ा	9-12-1972
16.	श्री सी० नारायण राव	आई० डी० ओ०, अंगोल	21-10-1973
17.	श्री सी० के० बशा	ए० ओ० आर०, कोठापेट	5-12-1973

सं० ६—इस कार्यालय के दिनांक 31 सितम्बर, 1973 के आवेदन सं० संख्या II/11/7/73-स्था०-७, एवं दिनांक 27 फरवरी, 1974 के आवेदन सं०-II/11/2/74-स्था०-७, के क्रम में, प्रतद्वारा यह भूचित किया जाता है कि निम्नलिखित अधिकारी अपने अपने नाम के सामने बतायी गयी तिथि से, स्थायी कर दिए गए हैं।

क्रम सं०	अधिकारी का नाम	स्थान जहां कार्य कर रहे हैं	स्थायीकरण की तिथि
1.	श्री पी० मुका पिलौ	प्रशासन अधिकारी, आई० डी० ओ०,	25-९-७०
2.	श्री एस० सम्बासिवन	विश्वाशापट्टनम् । महायक मुख्य लेखा अधिकारी, मुख्यालय, गुन्टुर।	1-७-७३

दिनांक सितम्बर 1974
(केन्द्रीय उत्पाद शुल्क विभाग)

सं० ७—निम्नलिखित वरिष्ठ ग्रेड (पदश्रम) के स्थायी निरीक्षकों को, अगला आदेश जारी होने तक, केन्द्रीय उत्पाद शुल्क समाहतालय, गुन्टुर में, श्रेणी-II के स्थानापन्न अधीक्षक के रूप में नियुक्त किया गया है। उन्होंने अपने नाम के सामने बतायी गई तिथि से, केन्द्रीय उत्पाद शुल्क, श्रेणी-II के अधीक्षक के रूप में कार्यभार ग्रहण कर लिया है।

क्रम सं०	अधिकारी का नाम	स्थान का नाम	अधीक्षक, केन्द्रीय उत्पाद शुल्क, श्रेणी-II, के रूप में कार्यभार ग्रहण करने की तिथि
1.	श्री के० बालकोटिया	अधीक्षक (आई० जी०) आई० डी० ओ०,	15-३-७४ (अपराह्न) विश्वाशापट्टनम् ।
2.	श्री डी० हरि सर्वोत्तमा राव	अधीक्षक (तकनीकी व आन्तरिक) आई० डी० ओ०,	30-३-७४ (पूर्वाह्न) विश्वाशापट्टनम् ।
3.	श्री बी० जी० विजेन्द्र राव	पेडाकुरापडु एम० ओ० आर० आई० डी० ओ०-II,	19-३-७४ (पूर्वाह्न) गुन्टुर।
4.	श्री एस० ए० लतीफ	एम० ओ० आर०, अंगोल, आई० डी० ओ०,	1-४-७४ (पूर्वाह्न) अंगोल।
5.	श्री के० विजयम	एम० ओ० आर०, परचुर, आई० डी० ओ०,	12-६-७४ (पूर्वाह्न) - अंगोल।

ए० एस० आई० जफर,
समाहता

निरीक्षण निवेशालय

सीमा शुल्क तथा केन्द्रीय उत्पाद शुल्क

नई दिल्ली, दिनांक 17 सितम्बर 1974

सं० 19/1974—श्री ए० के० मंशारमानी जो कि
निरीक्षण निवेशालय, सीमा शुल्क तथा केन्द्रीय उत्पाद शुल्क, नई
दिल्ली, में स्थाई अधीक्षक थे और स्थानापन्न रूप से महायक मुख्य

लेखा अधिकारी थे, दिनांक 31-८-७४ के दोपहर बाद से सेवा
निवृत्त हो गए हैं।

बी० एस० चावला,
निरीक्षण निवेशक,
सीमा शुल्क तथा केन्द्रीय उत्पाद शास्त्रक

नारकोटिक्स विभाग

दिनांक 10 सितम्बर 1974

सं० 17—श्री जी० डी० पी० मिन्हा, स्थायी अधीक्षक श्रेणी-II, केन्द्रीय उत्पादशुल्क को, जो वर्तमान में जिला अफीम अधिकारी, भीलवाड़ा, के स्पष्ट में तैनात है, 17 अक्टूबर, 1973 रु० 650-30-740-35-810-द० रो०-35-880-40-1000-द० रो०-40-1200 के संशोधित बेतनमान में 1000.00 रु० के चरण पर दक्षतारोध पार करने की अनुमति दी जाती है।

अभिलाष शंकर,
भारत का नारकोटिक्स आयुक्त

केन्द्रीय जल और विद्युत् आयोग

(विद्युत् स्कॉप)

नई दिल्ली-110022, दिनांक 13 सितम्बर 1974

सं० 6(3)/74-प्रशासन-2 (वि० स्क०)—प्रध्यक्ष, केन्द्रीय जल और विद्युत् आयोग, एतद्वारा, निम्नलिखित तकनीकी सहायकों/पर्यवेक्षकों को केन्द्रीय विद्युत् इंजीनियरी (श्रेणी-2) सेवा में अतिरिक्त सहायक निदेशक/सहायक अभियंता के पद पर उनके नाम के सामने दी गई तिथि से आगामी आदेश देने तक नियुक्त करते हैं :—

श्री ओ० पी० गुप्ता	. .	21-8-74 (पूर्वाह)
श्री अर्जन सिह	. .	31-8-74 (पूर्वाह)
मूल शंकर पाठक, भवर सचिव, हरे अध्यक्ष		

केन्द्रीय लोक निर्माण विभाग

प्रमुख इंजीनियर का कार्यालय

नई दिल्ली, दिनांक सितम्बर 1974

सं० 30/4/74-ई० मी०-१—राष्ट्रपति 1969 में हुई संयुक्त इंजीनियरी सेवा परीक्षा के आधार पर केन्द्रीय लोक निर्माण विभाग में केन्द्रीय इंजीनियर सेवा श्रेणी-I और केन्द्रीय विद्युत् इंजीनियरी सेवा श्रेणी-I में नियुक्त हुए निम्नलिखित सहायक कार्यपालक इंजीनियरों (सिविल और विद्युत्) को सहायक कार्यपालक इंजीनियर ग्रेड में उनके नाम के आगे दी हुई तारीख से स्थायी करते हैं।

क्रम सं०	नाम	ग्रेड	तिथि
1	2	3	4
सर्वश्री			
1. एस० श्री० ज्ञान्म	सहायक कार्यपालक इंजीनियर (सिविल)	8-1-73	
2. एस० पी० बनवाइत	—वही—	27-12-72	
3. ए० चक्राबर्ती	—वही—	4-2-73	
4. श्री० एस० भाटिया	—वही—	27-12-72	
5. पी० एस० महेतन	—वही—	20-2-73	
6. आर० ए० प्रसुमुगम	—वही—	20-1-73	

1	2	3	4
सर्वश्री			
7. एस० आर० सुभ्रह्मण्यम्	महायक कार्यपालक इंजीनियर (विद्युत्)	20-1-73	
8. कौ० ए० नारायणन्	—वही—	20-1-73	
9. अशोक कुमार	—वही—	21-1-73	
10. एन० ए० राजन्	—वही—	6-2-73	

धन राज,
प्रशासन उप-निदेशक

कम्पनियों के रजिस्ट्रार का कार्यालय

कम्पनी अधिनियम, 1956 और भारती बस लैनस प्राइवेट लिमिटेड के बिषय में

सं० श्री० एन०/3867/560 (3)/74—कम्पनी प्रधिनियम, 1956 की धारा 560 की उपधारा (3) के अनुसरण में एतद्वारा यह सूचना दी जाती है कि इस तारीख से तीन मास के अवसान पर भारती बस लैनस प्राइवेट लिमिटेड का नाम इसके प्रतिकूल कारण दर्शित न किया गया तो रजिस्टर में काट दिया जाएगा और उक्त कम्पनी विघटित कर दी जाएगी।

ह० अपार्टिट
कम्पनियों का रजिस्ट्रार

विधि, न्याय एवं कम्पनी कार्य संदर्भ

कम्पनी अधिनियम 1956 की धारा 445 (2) के अधीन सूचना और वी बिहार इन्वेस्टमेंट ट्रस्ट लिमिटेड

पटना-800001, दिनांक 16 सितम्बर 1974

कम्पनी अर्जी सं० 3, 1974 में पटना स्थित उच्च न्यायालय के दिनांक 27-8-1974 के आदेश द्वारा मेसर्स वी बिहार इन्वेस्ट-मेंट ट्रस्ट लिमिटेड का परिमापन का आदेश दिया गया है।

सत्य प्रकाश तायल,
कम्पनी निवन्धक, बिहार
पटना

दिल्ली, दिनांक सितम्बर 1974

कम्पनी अधिनियम, 1956 और पारकर
चिट फंड प्रावेइट लिमिटेड के बिषय में

सं० 3466—कम्पनी अधिनियम, 1956 की धारा 560 की उपधारा (3) के अनुसरण में एतद्वारा यह सूचना दी जाती है कि इस तारीख से तीन मास के अवसान पर पारकर चिट फंड प्रावेइट लिमिटेड का नाम इसके प्रतिकूल कारण दर्शित न किया गया तो रजिस्टर में काट दिया जाएगा और उक्त कम्पनी विघटित कर दी जाएगी।

दिल्ली, दिनांक सितम्बर 1974

कम्पनी अधिनियम, 1956 और फ़िल्म
लिक्स प्राइवेट लिमिटेड के विषय में

सं० 2451—कम्पनी अधिनियम, 1956 की धारा 560
की उपधारा (3) के अनुसरण में एतद्वारा यह सूचना दी जाती है कि इस तारीख से तीन मास के अवसान पर फ़िल्म लिक्स प्राइवेट लिमिटेड का नाम इसके प्रतिकूल कारण दर्शित न किया गया तो रजिस्टर से काट दिया जाएगा और उक्त कम्पनी विघटित कर दी जाएगी।

सी० कपूर,
कम्पनीयों का सहायक रजिस्ट्रार,
दिल्ली

आयकर अपीलीय अधिकरण

बम्बई-20, दिनांक 16 सितम्बर, 1974

सं० एफ० 48-ए० डी० (ए० टी०)/74:—श्री डी० पी० आनन्द, स्थानापन्न संकलन अधिकारी, संयुक्त बीजलेख व्यूरो, रक्षा मंत्रालय, नई दिल्ली, जो आयकर अपीलीय अधिकरण, नागपुर न्यायपीठ, नागपुर में स्थानापन्न सहायक रजिस्ट्रार के पद पर कार्य कर रहे हैं, को उनके अपने निवेदन पर 10-12-1973 (अपराह्न) से अपने पैतृक विभाग, कार्यालय संयुक्त बीजलेख

व्यूरो, रक्षा मंत्रालय, नई दिल्ली में प्रत्यावर्तित होने की अनुमति दी जाती है। उन्होंने 19-12-1973 (अपराह्न) को आयकर अपीलीय अधिकरण, नागपुर न्यायपीठ, नागपुर से सहायक रजिस्ट्रार का पद-भार छोड़ दिया।

श्री ही० पी० आनन्द की सेवाएं मुख्य प्रशासनिक अधिकारी, भारत सरकार, रक्षा मंत्रालय, नई दिल्ली द्वारा आयकर अपीलीय अधिकरण को दी गयी थीं वेखिए पत्र सं० 69515/सी० ए० ओ०/आई० एस०-JV दिनांक 25-8-73।

हरनाम शंकर,
माध्यक

कार्यालय आयकर आयुक्त

लखनऊ, दिनांक 9 सितम्बर, 1974

आयकर (स्थापना)

सं० 145 (सिविल):—डाक और सार विभाग लखनऊ से स्थानान्तरित होने पर श्री आर० के० गुप्त अधिशासी अधियंता ने आयकर विभाग लखनऊ में मूल्यांकन अधिकारी (यूनिट-1) के रूप में सारीख 2 सितम्बर, 1974 के पूर्वाह्न से कार्यभार ग्रहण किया।

ई० के० लायल,
आयकर आयुक्त, लखनऊ-1

बिल मंत्रालय

(राजस्व और बीमा विभाग)

आयकर विभाग

पूना, दिनांक 17 जुलाई, 1974

सं० पी० य० बी० डॉ०/डब्ल्यू० ओ०/74-75/(आर० ई० सी०):—यह: केन्द्रीय सरकार की यह राय है कि उन निर्धारितियों के नाम और उनसे सम्बन्धित अन्य विशिष्टियाँ, जिनके मामलों में 1 अप्रैल, 1973 से 31 मार्च, 1974 की अवधि के दौरान एक लाख रुपए से ऊपर की आयकर की मांगे अपलिखित की गई हैं, लोक हित में प्रकाशित करना आवश्यक और समीचीन है।

अतः अब, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 287 द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार निषेश देती है कि उपरोक्त निर्धारितियों के नाम और अन्य विशिष्टियाँ प्रकाशित की जाएं। वे निम्नलिखित सूची के अनुसार एतद्वारा प्रकाशित की जाती हैं:—

उन निर्धारितियों की सूची जिनके मामलों में वित्तीय वर्ष 1973-74 में एक लाख रुपए से ऊपर की रकमें अपलिखित की गई थीं (आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 287 के उपबन्धों के अधीन प्रकाशित)

क्रम	निर्धारिति का नाम और पता	प्राप्तिशक्ति	निर्धारण वर्ष	अपलिखित की रकम	अपलिखित/क्रम करने के संक्षिप्त कारण
सं०					
1	2	3	4	5	6
1.	मैसर्स एल० बी० कोरगांवकर, शाहू-पुरी, कोल्हापुर	रजिस्ट्रीक्टर फर्म	1949-50 1950-51 1951-52 1953-54 1954-55	रु० 225154	फर्म वा साझेदारों की कोई आमितया नहीं है। प्रमाणत अधिकारी ने सिफारिश की है कि बकाया को अपलिखित किया जाए। बकाया रकम अवसूलीय समझी गई है।

1	2	3	4	5	6
1.	क्ष चालीसगांव श्री लक्ष्मीनारायण मिल्स लि० (समापनाधीन) चालीसगांव, जिला जलगांव	कम्पनी 1947-48 1950-51 ई० पी० टी०, सी० ए० वी० 30-6-45 को समाप्त	1947-48 } 1950-51 } ई० पी० टी०, सी० ए० वी० } 30-6-45 को } समाप्त	62273. 44 85115. 00 147388. 44	कम्पनी 1951 मे समापनाधीन हुई। सभी मांगें जो कि "पूर्वोक्त मांगें" धीं समापक ब्लारा पूर्णतया छु दी गई हैं। शेष मांगों का बावा पूर्विकता के रूप मे किया गया था किन्तु उस दावे को मिथिल न्यायालय ने अस्वीकृत कर दिया।
3.	श्री जे० एस० पार्कर देवगढ़ जिला रत्नागिरि	व्यष्टि 1962-63	3536946	डिविडेंड समापक ने सामान्य उधार- दाताओं को छुका दिए हैं, और इस सवितरण के अन्तर्गत विभाग को 148565. 87 रु० प्राप्त हए। अभी भी 1,77,388. 44 रु० बसूली के लिए बकाया है। समापक से यह सुनिश्चित कर लिया गया है कि वह डिविडेंड के रूप मे दस प्रति- शत से अधिक (लगभग 25 हजार रुपए) नहीं चका सकेगा। प्रतः 30,000 रु० डी० एण्ड सी० रजिस्टर मे बकाया रखकर 147,388. 44 रु० का अतिशेष बवसूलीय के रूप मे अपलिखित किया गया है।	
					निर्धारिती ने अपना व्यापारिक कारो- बार बहुत पहले से बन्व कर दिया है। उसकी आस्तियों का अधिक- तम मूल्य 5,50,000 से अधिक नहीं होगा। जब कि बकाया रकम 40,86,946 रुपए है। प्रतः 35,36,946 रुपए की रकम ब्रवसू- लीय समझी गई है और अपलिखित की गई है।

टिप्पणी:—इस विवरण का, कि किसी व्यक्ति से शोध्य कर अपलिखित कर दिया गया है, आय-कर विभाग की राय मे केवल यह अर्थ है कि प्रकाशन की तारीख को बहुत रकम निर्धारिती की ज्ञात आस्तियों मे से चुकता नहीं की जा सकती। प्रकाशन का यह अर्थ नहीं है कि रकम विघ्नित; ब्रवसूलीय है या निर्धारिती को उक्त रकम छुकाने के दायित्व से मुक्त कर दिया गया है।

डी० जी० प्रधान,
अतिरिक्त आय-कर आयुक्त (बसूली),
पूना

प्रस्तुत आई० टी० एन० एस०—————

आयकर, अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269 व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),

अर्जन रेज, शिलांग

शिलांग, दिनांक 12 अगस्त 1974

निर्देश सं० ए-53/ज० आरटी/74-75/1575-86—यतः
मुझे एन० पञ्चामी आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है और जिसकी सं० डाग न० 1928, 1929, 1989, 2082 है, जो आसाम ट्रांक रोड, जोरहाट, भिबसागर जिला आसाम में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्री-कर्ता प्रधिकारी के कार्यालय रजिस्ट्रार आफ एस्युरेन्सेज, कलकत्ता में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 19-1-74

जो पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के वृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके वृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे वृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच तय पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल निम्न-लिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से किया नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाष्ठ आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने के लिए सुकर बनाना; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने के लिए सुकर बनाना।

और यतः आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्य-वाही शुरू करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित किए गए हैं।

अतः अब, धारा 269-व के अनुसरण में, मैं आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व की उपाधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्द्धान्:—

1. मैसर्ज जेसराज जीवनराम प्राइवेट लिमिटेड, 161/1, महात्मा गांधी रोड, कलकत्ता-7
(अन्तरक)
2. प्रानन्द कुमार अगरबाला, 20, मेङ्गो लेन, कलकत्ता-1
(अन्तरिती)
3. (1) पंजाब नेशनल बैंक, जोरहाट ब्रांच
(2) पन्नालाल अगरबाला, जोरहाट
(3) नन्द लाल हेलवाई, जोरहाट
रमेश कुमार अगरबाला, 20, मेङ्गो लेन, कलकत्ता
(वह व्यक्ति जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए एतद्वारा कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हो, तो:—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोज्ञस्ताकरी के पास लिखित में किए जा सकें।

एतद्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए आक्षेपों, यदि कोई हों, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किए जायेंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को, जिसने ऐसा आक्षेप किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जाएगी।

एतद्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना वी गई है, आक्षेपों की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा।

स्पष्टीकरण :——इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

इंट के मकान ओ कि भाग नहीं की हुई है, ताला मकान के दूसरी भाग कोर्गेट टीन के छट से बनी हुई है। उसके पूरी अभीन के माप 3 कोटाह 6 लेहा आसाम ट्रांक रोड, पर जोरहाट, आसाम उसके दाग न० 1928, 1929, 1989 और 2082 है।

एन० पञ्चामी
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज, शिलांग

तारीख : 12-8-74
मोहर :

प्राप्त आई० टी० एम० एस०.....

भावकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-घ(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, शिलाग

शिलाग, दिनांक 12 अगस्त 1974

निर्देश सं० ए-५२/ज०आरटी०/७४-७५/१५८९-६००—यह मुझे एन० पचुओं आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ के अधीन सूचना प्राप्तिकारी को, यह विस्तार करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है और जिसकी सं० डाग न० 1928, 1929, 1989 और 2082 है, जो आसाम द्राक रोड, जोरहाट, मिवसाहर, जिला आसाम में स्थित है (और इसे उपायद्वारा भनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय रजिस्ट्रार आफ एस्युरेन्सेज, कलकत्ता में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 19-1-74 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीहूत विलेख के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विस्तार करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरको) और अन्तरिती (अन्तरितियो) के बीच तथा पाया गया ऐसे अन्तरण के लिये प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण विवित में बास्तविक रूप से कठित नहीं किया गया है :—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाक्त आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने के लिए सुकर बनाना; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या छन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने के लिए सुकर बनाना।

और यह, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाही शुरू करने के कारण ऐसे द्वारा अभियिक्षित किए गए हैं।

अतः, अश धारा 269-घ के अनुसरण में, मैं, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्,—

1. मैंसर्ज जेमराज जीवनराम प्राइवेट लिमिटेड,
161/1, महात्मा गांधी रोड, कलकत्ता-7

(अन्तरक)

2 रमेश कुमार अगरवाला,
20 मेडगो लेन, कलकत्ता-1

(अन्तरिती)

- 3. (1) पजाब नेशनल बैंक, जोरहाट ब्रांच
- (2) पन्नालाल अगरवाला, जोरहाट
- (3) बन्दलाल हेलवाई, जोरहाट
आनन्द कुमार अगरवाला, 20 मेडगो लेन, कलकत्ता
(वह व्यक्ति जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए एतद्वारा कार्यवाही शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हो तो —

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्स्वधी व्यक्तियों पर सूचना की लामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोइन्स्टाक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

एतद्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए आक्षेपों परि कोई हो, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान निवत किए जाएंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को, जिसने ऐसा आक्षेप किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जाएगी।

एतद्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे व्यक्ति को, जिसे पूर्वोक्त पैरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपों की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में यथापरिभावित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में विद्या गया है।

अनुसूची

इंट के मकान जो कि भाग नहीं की हुई दो ताला के दूसरी भाग कोस्टेट टीन के छट से बनी हुई है। उसकी पूरी जमीन की माप 3 कोटाह 6 लेंडा आसाम द्राक रोड पर जोरहाट आसाम, उसकी डाग न० 1928, 1929, 1989 और 2082 है।

एन० पचुओं
सूचना प्राप्तिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेज, शिलाग।

विनाक : 12-8-74

मोहर :

प्रूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ष (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
प्रज्ञन रेंज, पूना-411004

पूना-411004, दिनांक 7 जून 1974

निवेश स० सी० ए०-५/फेब्रू० 74/नासिक/122/74-75—यसः
मुझे भी जी० कृष्णन आयकर अधिनियम, 1961 (1961
का 43) की धारा 269 ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह
विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित
बाजार मूल्य 25,000/-० से अधिक है और जिसकी
स० नं० 528 ए० सी० टी० ए० स० 7142, एफ० पी० न० 294,
टी० पी० स्कीम न० 2 है, जो नासिक में स्थित है (और इसे
उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है, रजिस्ट्री-
कर्ट अधिकारी के कार्यालय नासिक में भारतीय रजिस्ट्रीकरण
अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 16-2-74
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार
मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकरण
विलेख के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने
का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य,
उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह
प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरको) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच तय पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल,
निम्नलिखित उद्देश्य से उसके अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से
कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर
अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर
देने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे
बचने के लिए सुकर बनाना; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) वा आयकर अधिनियम, 1961
(1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957
(1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा
प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए
था, छिपाने के लिए सुकर बनाना।

और यसः आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के
अध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यालय शुरू करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित किए गए हैं।

बतः अब, धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, आयकर
अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ष की
उपस्थापा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

1. श्रीमती सीता परमाराम नाबर,
‘आदर्श निवास’, गगापुर रोड, नासिक-2 (अन्तरक)
2. (1) श्रीमती जेरी इसाक रगवाला,
मेन रोड, नासिक ।
- (2) श्रीमती रुक्या फकहद्दीन रगवाला,
मेन रोड नासिक

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
एतद्वारा कार्यवाहियाँ शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हो तो —

- (क) इस सूचना के राजपत्र मे प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तस्वीरधी व्यक्तियों पर सूचना की
तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद मे
समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों मे से
किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र मे प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति मे हितमुद्र
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित मे किए जा सकें।

एतद्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर
सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर मे किए गए
आक्षेपों, यदि कोई हो, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान
नियत किए जाएं और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को, जिसने
ऐसा आक्षेप किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जाएगी।

एतद्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे
व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपों
की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा।

प्रष्टीकरण:—इसमे प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर
अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के
अध्याय 20-क मे यथापरिभाषित हैं, वही अर्द
होगा, जो उस अध्याय मे दिया गया है।

अनुसूची

स० नं० 528 ए० सी० टी० ए० स० 7142, एफ० पी० न० 294
खुली जगह जो नासिक टाउन प्लानिंग स्कीम न० 2 मे स्थित है।
और जो नासिक म्युनिसिपल कौमिल के हृद मे है।

कुल क्षेत्र 4008 वर्ग मीटर, फी होल्ड।

जी० कृष्णन
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
प्रज्ञन रेंज, पूना।

दिनांक : 7-6-74

मोहर

प्रस्तुत आई० टी० एन० एस० —————

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, जयपुर

जयपुर, दिनांक 20 जुलाई 1974

निर्देश सं० के-15/74(2) 4/182—यतः मुझे, वी० पी० मित्तल आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) को धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है और और जिसकी सं० प्लाट नं० 25 है, जो कोटा में स्थित है (और इससे उपावड़ अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्टा अधिकारी के कार्यालय कोटा में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन 16 जनवरी, 1974 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच तय पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप में कथित नहीं किया गया है।—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बावजूद आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने के लिए लिए सुकर बनाना; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने के लिए सुकर बनाना।

और यह, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाही शुरू करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित किए गए हैं।

अतः अब, धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधिन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :—

1. श्री कुन्दनलाल पुत्र श्री कालूगम जी निवासी रावतभाटा, कोटा।
(अन्तरक)

2. श्रीमती गणेशीबाई विधवा श्री कालूराम जी, निवासी रावतभाटा, कोटा।
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए एतद्वारा कार्यवाहियाँ शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई है, तो :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि आद में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

एतद्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए आक्षेपों, यदि कोई हों, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किए जाएंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को, जिसने ऐसा आक्षेप किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जाएगी।

एतद्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपों की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा।

स्थावीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में व्यापरिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

प्लाट नं० 25, न्यू ब्रेन मंडी, झालावाड़ रोड, कोटा के 1/4 का 3/5 भाग
न्यू ब्रेन मंडी, कोटा।

वी० पी० मित्तल
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, जयपुर

तारीख 20-7-74

मोहर :

प्र० रूप भाई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, जयपुर

जयपुर, दिनांक 19 जुलाई 1974

निर्देश सं० जे-17/74(2)/1/427—यतः मुझे, वी० पी० मित्तल आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है और जिसकी सं० प्लाट नं० 620 है, जो जोधपुर में स्थित है (और इससे उपाखड़ अनुभूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय जोधपुर में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 17 अप्रैल, 1974 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच तथा पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से ही किसी आय की बाबत आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में किसी करने या उससे बचने के लिए सुकर बनाना; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनात्मक अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने के लिए सुकर बनाना।

बोर यतः, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाही शुरू करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित किए गए हैं।

यतः अब, धारा 269-घ के अनुसरण में, मैं, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ की उपशारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्रीमती सुन्दरबाई पत्नि मध्यनगोपाल मूसडा, सरदारपुरा जोधपुर। (प्रमत्रक)

2. श्रीमती शीलादेवी पत्नी, सोबनलाल, बैदों का बासवाली, महा मंदिर, जोधपुर। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए एतद्वारा कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हो, तो :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

एतद्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए आक्षेपों, यदि कोई हों, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किए जाएंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को, जिसने ऐसा आक्षेप किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जाएगी।

एतद्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपों की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में यथापरिभावित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

सरदारपुरा, जोधपुर स्थित प्लाट नं० 620 का हिस्सा, जमीन का क्षेत्रफल 426.25 वर्ग गज जोधपुरी।

वी० पी० मित्तल
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, जयपुर

तारीख : 19-7-74

मोहर :

प्रलूप आई० टी० एन० एस० —————

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, महायक आयकर आयकर (निरीक्षण)
अर्जन रेज, जयपुर

जयपुर, दिनांक 19 जुलाई 1974

निर्देश मा० जे-17/74(2) 2/428—यत् मुझे वी० पी०
मित्तल आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43)
की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को,
यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति
जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है
और जिसकी सं० प्लाट नं० 620 है, जो जोधपुर में स्थित है (और
इसमें उपावड़ अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता
अधिकारी के कार्यालय, जोधपुर में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधि-
नियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 15 मई, 1974
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम
के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत विलेख के प्रनुसार
अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण
है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान
प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है
और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों)
के बीच तय पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल, निम्नलिखित
उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित से वास्तविक रूप से धर्यित नहीं
किया गया है।

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर
अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर
देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे
बचने के लिए सुकर बनाना; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को,
जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922
का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961
का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957
का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं
किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने के
लिए सुकर बनाना।

और यतः आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43)
के अध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाही शुरू करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित किए गए हैं।

नस्तः अब, धारा 269-ग के अनुमरण में, मैं, आयकर अधि-
नियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ की उपषारा
(1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

3-276GI/74

1. मर्वंश्री मदनगोपाल पुत्र श्री रामरत्न जी भृतजा निवासी
मरदारपुर, जोधपुर। (अन्तरक)

मर्वंश्री :

- 2 (1) मोहन लाल पुत्र देवर चन्द
- (2) मनोगमल एवं
- (3) नरेन्द्रलाल पुनान सोबनलाल जी
- (4) महेन्द्र लाल जी निवासी बेदों का बाम, महामदिर,
जोधपुर (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिये
एतद्वारा कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हो, तो :—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना
की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि
बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों
में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किये जा सकेंगे।

एतद्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर
सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए आक्षेपों,
यदि कोई हों, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किए
जाएंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को, जिसने ऐसा आक्षेप
किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जाएगी।

एतद्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे
व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपों,
की सुनवाई के समय सुने जाने के लिये अधिकार होगा।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्वों का, जो आयकर
अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के
अध्याय 20-क में यथापरिभाषित हैं, वही अर्थ
होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

गोड नम्बर 11 ग, पर स्थित प्लाट नं० 620 का भवन,
मरदारपुर, जोधपुर।

वी० पी० मित्तल
सक्षम प्राधिकारी
महायक आयकर आयकर (निरीक्षण)
अर्जन रेज, जयपुर

तारीख : 19-7-74

मोहर :

प्रस्तुत आई० टी० एम० एस०.....

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269 ध (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, जयपुर

जयपुर, दिनांक 19 जुलाई 1974

निर्देश सं० जे-17/74(3) 13/256—यतः मुझे वी० पी० मित्तल आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये में अधिक है और जिसकी सं० एलाट है, जो जोधपुर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय जोधपुर में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन 13 मई, 1974 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकरण विवेद के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच तथ पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से दूर्वै किसी आय की बाबत आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने के लिए सुकर बनाना; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थी अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने के लिए सुकर बनाना।

और यतः, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाही शुरू करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित किए गए हैं।

अतः अब, धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्री घनस्याम सिंह पुत्र नारायण सिंह पुलिस लाइन के मामने, गतानाडा, जोधपुर। (अन्तरक)

2. श्री मदन गोपाल पुत्र श्री गमगतन भूतडा, फस्ट ए रोड, मगदापुरा, जोधपुर। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए एतद्वारा कार्यवाहियां शुरू करता हू।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हो, तो —

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

एतद्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए आक्षेपों, यदि कोई हों, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किए जाएंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को, जिसने ऐसा आक्षेप किया है, तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जाएगी।

एतद्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपों की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

नियोजन केन्द्र के पीछे स्थित खुली जमीन, पोलो ग्राउन्ड नं० १ पावटा, कुल क्षेत्रफल 611 1 वर्ग गज।

वी० पी० मित्तल
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज, जयपुर

तारीख : 19-7-74

मोहर :

प्रस्तुप आई० टी० एन० एस०—————

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, जयपुर

जयपुर, दिनांक 19 जुलाई 1974

निर्देश सं० जे-17/74(3) 12/255—यतः मुझे, वी० पी० मित्तल आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ के अधीन मक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है और जिसकी स० प्लाट है, जो जोधपुर में स्थित है (और इसमें उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता प्राधिकारी के कार्यालय, जोधपुर में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 16 मई, 1974 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार

मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच तथा पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के व्यायित्व में कमी करने या उससे बचने के लिए सुकर बनाना; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना आहिए था, छिपाने के लिए सुकर बनाना;

और यतः आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाही शुरू करने के कारण मेरे द्वारा अभिनिवित किए गए हैं।

अतः अब, धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्रीमती ताराकुमारी पत्नि श्री नारायण सिंह जी, पुलिस लाइन के सामने, रातानाडा, जोधपुर।
(अन्तरक)

2 श्रीमती सुन्दर बाई पत्नि श्री मदन गोपाल मूतडा, फस्ट ए रोड, सरदारपुरा, जोधपुर
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए एतद्वारा कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हो, तो :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

एतद्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए आक्षेपों, यदि कोई हो, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किए जाएंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को, जिसने ऐसा आक्षेप किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी आएगी।

एतद्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे व्यक्ति को, जिसे पूर्वोक्त पैरा के अधीन सूचना दी गई है आक्षेपों की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रथम पादों और पदों का, जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में व्यापरिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में विद्या गया है।

अनुसूची

नियोजन केन्द्र के पीछे जमीन का खुला प्लाट, पोलो ग्राउन्ड मं० 1, पाटा, जोधपुर, प्लाट का क्षेत्र 555.5 वर्ग गज।

वी० पी० मित्तल
सक्षम प्राधिकारी
महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
तारीख : 19-7-74
मोहर :

अर्जन रेंज, जयपुर

प्रस्तुत आई० टी० एन० एस०————

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269घ(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, दिल्ली-1

दिल्ली-1, दिनांक 10 जुलाई 1974

निर्देश मं० आई० ए० सी०/प्रकृ०/11/74-75—यतः मुझे
सी० वी० गुप्ते

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह
विष्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका
उचित बाजार मूल्य 25,000/-रुपये से अधिक है
और जिसकी सं० दुकान नं० 117 है, जो न्यू राजिन्द्र नगर, नई
दिल्ली में स्थित है (और इससे उपावड़ अनुसूची में और पूर्ण स्पष्ट
में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ना अधिकारी के कार्यालय, दिल्ली में
भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के
प्रधीन 30-4-1974 को पूर्वोत्तम सम्पत्ति के उचित
बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिये
रजिस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह
विष्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति
का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान
प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों)
और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच तथा पाया गया ऐसे
अस्तरण के लिये प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अस्तरण
लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने के लिए सुकर बनाना; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिहे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोगजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने के लिए सुकर बनाना।

और यतः, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाही शुरू करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित किए गए हैं।

अनः अब, धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

- श्रीमती कमला देवी पत्नी स्व० श्री तिरथ दास और उसके नाबालिग पुत्र नाम सर्वथी कृष्ण घनश्याम और कुमारी ऊरा

निवासी 16/35, ओल्ड राजिन्द्र नगर, नई दिल्ली।

(अन्तरक)

- श्री करन सिंह पुत्र श्री सन्त सिंह

निवासी 21/9, ओल्ड राजिन्द्र नगर, नई दिल्ली।

(अन्तरिती)

- श्री परमानंद सिंह द्वारा

दुकान नं० 117 शंकर रोड, न्यू राजिन्द्र नगर,
नई दिल्ली

(वह व्यक्ति जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
एतद्वारा कार्यवाहिया शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हो, तो—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि, या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि जो भी अवधि, बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकें।

एतद्वारा यह अधिसूचित विधा जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए आक्षेपों, यदि कोई हों, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किए जाएंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को, जिसने ऐसा आक्षेप किया है तथा गम्पति के अन्तरिती को दी जाएगी।

एतद्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपों की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

लाजहोल्ड प्लाट ऑफिस 89 वर्ग गज जो कि एक मर्जिला दुकान नं० 117 शंकर रोड मार्किट, न्यू राजिन्द्र नगर, नई दिल्ली में निम्न प्रकार से विधी हुई है।—

पूर्व : सरकारी प्लाट

पर्याम : सरकारी प्लाट

उत्तर : सर्विस लैन

दक्षिण : सड़क

सी० वी० गुप्ते,
सक्षम प्राधिकारी,
महायकर आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेज, नई दिल्ली-1

तारीख : 10 जुलाई, 1974

मान्दर :

प्रलेप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, दिल्ली-1

दिल्ली-1, दिनांक 10 जुलाई 1974

निर्देश भं० आई० ए० सी०/एक्य०/11/1366/74-75—यत् मुझे, सी० वी० गुप्ते आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है और जिसकी सं० प्लाट नं० 31, ब्लाक नं० आर० है, जो एन० डी० एस० ई० पार्ट-II, नई दिल्ली में स्थित है (आँग इसमें उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 13-3-74

को पूर्वाचित सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृष्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वाचित सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृष्यमान प्रतिफल से ऐसे दृष्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच तय पाया गया एमें अन्तरण के लिए प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बावत आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने के लिए सुकर बनाना; और /या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने के लिए सुकर बनाना।

और यतः आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वाचित सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्य-बाधी शुल्क करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित किए गए हैं।

अतः, अब, धारा 269-घ के अनुसरण में, मैं आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्री बाबू राम पुत्र श्री केवल राम
निवासी 5116, गली भानेश्वर बाजारी, मैन बाजार,
नई दिल्ली ।

(अन्तरक)

2 श्री मंहगा सिंह मारू पुत्र श्री नथा सिंह
निवासी आर०/17 एन० डी० एस० ई० पार्ट-II,
नई दिल्ली-49 ।
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी कर के पूर्वाचित सम्पत्ति के अर्जन के लिए उत्तद्वारा कार्यवाहियाँ शुरू करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हो, तो—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वाचित व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा ;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर भम्पति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताभारी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

एतद्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए आक्षेपों, यदि कोई हों, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किए जाएंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को, जिसने ऐसा आक्षेप किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जाएगी।

एतद्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे व्यक्ति को, जिसे पूर्वाचित पैरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपों की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा।

स्पष्टीकरण :— इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

ढाई माजिल प्लाट नं० 31, ब्लाक नं० आर० कुल क्षेत्रफल 400 वर्ग गज (जिसका 100 वर्ग गज) फीहोल्ड कालीनी, एन० डी० एस० ई० पार्ट-II (माउथ एक्मटेशन नजदीक मजिस्ट्रेट मोठ), नई दिल्ली-49 जो कि निम्न प्रकार से स्थित है।—

पूर्व : सड़क

पश्चिम : सड़क

उत्तर : सड़क

दक्षिण : प्लाट नं० आर०/30

सी० वी० गुप्ते,
सक्षम प्राधिकारी,
महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेज, दिल्ली-1

तारीख : 10 जुलाई, 1974

मोहर :

प्र० आई० टी० एन० एस० —

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ब-(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षी)

अर्जन रेंज, दिल्ली-1

दिल्ली-1, दिनांक 10 जुलाई 1974

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्य०/11/1621/74-75—यतः
मुझे सी० वी० गुप्ते

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह
विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका
उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपए से अधिक है और
और जिसकी सं० 1/4 भाग, म० नं० आर-31 है, जो एन० डी०
एस० ई० पार्ट-II, नई दिल्ली में स्थित है (और इससे उपाबद्ध
ग्रन्तुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी
के कार्यालय, दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908
(1908 का 16) के अधीन 19-2-74

को पूर्वाचित सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से
कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत विलेख
के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का
कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके
दृश्यमान प्रतिफल, से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत
अधिक है और यह कि ग्रन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच तथा पाया गया ऐसे ग्रन्तरण के लिए
प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक
रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से ह्रौदि किसी आय की बाबत आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने
के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने
के लिए सुकर बनाना; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961
(1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957
(1957 का 27) के प्रयोगान्वय अन्तरिती द्वारा प्रकट
नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने
के लिए सुकर बनाना।

और यतः, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43)
के अध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वाचित सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाही शुरू करने के कारण मेरे द्वारा अधिलिखित किए गए
हैं।

अतः, अब, धारा 269-ब के अनुसार मैं, आयकर अधिनियम,
1961 (1961 का 43) की धारा 269-ब की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् —

- श्री चन्द्र लाल पुत्र श्री धासी राम
निवासी म० न० 5018 मैन बाजार, पहाड़ गंज,
नई दिल्ली।
(ग्रन्तरक)

2. श्री करतार सिंह ठाकर पुत्र श्री एस० ठाकर सिंह,
निवासी गांव व डा० शाकर, जि० जालन्धर (पंजाब)
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
एतद्वारा कार्यवाही शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हो, तो—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना
की तारीख में 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद
में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से
किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिस्बद्ध किसी
अन्य व्यक्ति द्वारा, अषोहस्ताक्षरी के पास लिखित
में किए जा सकेंगे।

एतद्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति
के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए आक्षेपों, यदि कोई
हों, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किए जाएंगे
और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को जिसने ऐसा आक्षेप किया
है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जाएगी।

एतद्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे
व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपों
की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर
अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के
अध्याय 20-क में यथापरिभाषित हैं, वहीं
अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

ग्रन्तुसूची

डाई मंजिल प्लाट न० 31, ब्लाक न० आर० क्लेन्टफल कुल
400 वर्ग गज (जिसका 100 वर्ग गज हिस्सा) फीहोल्ड कालोनी
एन० डी० एस० ई० पार्ट-II, नई दिल्ली-49 में है, जो कि निम्न
प्रकार से घिरा है :—

पूर्व : सड़क

पश्चिम : सड़क

उत्तर : सड़क

दक्षिण : प्लाट न० आर०/30

सी० वी० गुप्ते

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, दिल्ली-1

तारीख : 10 जुलाई, 1974

मोहर :

प्ररूप आई० दी० एन० एस०————

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ष (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, दिल्ली-1

दिल्ली-1, दिनांक 10 जुलाई 1974

निवेश सं० आई० ए० सी०/एस्य०-11/1576/74-75—यतः
मुझे, सी० बी० गुप्ते आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ष के अधीन सक्षम प्राधिकारी को
यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका
उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है और
और जिसकी सं० 1/4 भाग प्लाट नं० आर०-31 है, जो एन० डी०
एम० ई० पार्ट-II, नई दिल्ली में स्थित है (और इसमें उपाखड़
अनुसूची में पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के
कार्यालय दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908
(1908 का 16) के अधीन 31-1-74 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए
रजिस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह
विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित
बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्थ्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों)
और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच तथा पाया गया ऐसे अन्तरण
के लिए प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित
में वास्तविक रूप से क्षयित नहीं किया गया है :—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की वावत आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने के लिए सुकर बनाना; और/या;
(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने के लिए सुकर बनाना।

ओर यतः आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाही शुरू करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित किए गए हैं ।

अतः अब, धारा 269-ष के अनुसरण में आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ष की उपद्वारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्री चन्द्र सिंह पुत्र श्री जोहरी मल निवासी
5016, मैन बाजार, पहाड़ गंज, नई दिल्ली।
(अन्तरक)

2. श्री सरदारा सिंह साजू, पुत्र नाथू सिंह,
निवासी उद्धृत एच-43, कपूरथला रोड़,
जालनप्रर मिट्टी (पंजाब)
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए उत्पद्वारा कार्यशाहियां शुरू करता हूँ ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हो, तो :—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तस्वीरधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाव भै समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे ।

एतद्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए आक्षेपों, यदि कोई हों, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किए जाएंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को, जिसने ऐसा आक्षेप किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जाएगी ।

एतद्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपों की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा ।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है ।

अनुसूची

½ भाग अविभाजित, डाई मंजिली जो जायदाद जो कि प्लाट नं० 31, ब्लाक नं० आर०, क्षेत्रफल 400 वर्ग गज (यानी 100 वर्ग गज) पर बनी है जो कि एक फ्रौहोल्ड प्लाट एन० डी० एस० ई० कालोनी पार्ट-II, साउथ एक्सटेंशन मंसिंद मोठ) में निम्न प्रकार से स्थित है :—

- पूर्व : सड़क
पश्चिम : सड़क
उत्तर : सड़क
दक्षिण : प्लाट नं० आर०/30

सी० बी० गुप्ते
सक्षम प्राधिकारी
महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, दिल्ली, नई दिल्ली-1

तारीख : 10 जुलाई, 1974

मोहर :

प्रैरुप आई० टी० एन० एस० —————

आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, दिल्ली-1

दिल्ली-1, दिनांक 10 जुलाई 1974

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्यू/11/1542/74-75—यतः
मुझे भी० वी० गुप्ते आयकर अधिनियम, 1961 (1961
का 43) की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को,
यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति,
जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है और
और जिसकी स० 1/4 भाग म० न० आर-31 है, जो साउथ एक्स-
टेंशन, पार्ट-II, नई दिल्ली में स्थित है (और इसमें उपावद्ध अनुसूची
में और पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय,
दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का
16) के अधीन 18-1-74 को पूर्वोक्त

सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल
के लिए रजिस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार अन्तरित की
गई है और भुजे यह विश्वास करने का कारण है कि यथा पूर्वोक्त
सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे
दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक
(अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच तय पाया गया
ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण
लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है —

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर
अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर
देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे
बचने के लिए सुकर बनाना; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों,
को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या आयकर अधिनियम 1961
(1961 का 43) या धनकर अधिनियम, 1957
(1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा
प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए
था, छिपाने के लिए सुकर बनाना।

और यतः आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43)
के अध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाही शुरू करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित किए गए हैं।

अतः अब, धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, आयकर
अधिनियम 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ की
उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्: ..

1. श्री टिक्का राम पुत्र श्री चोखा राम
निवासी म० न० 5018, मैन बाजार, पहाड़ गंज,
नई दिल्ली ।
(अन्तरक)
2. श्री परमजीत सिंह पुत्र श्री माहिन्दर सिंह
निवासी गांव व डा० गंकर, जि० जालन्धर (पंजाब)
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए एतद्वारा कार्यवाहीयां शुरू करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हो, तो:—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर
सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

एतद्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर
सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए
आक्षेपों, यदि कोई हों, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान
नियत किए जाएंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को,
जिसने ऐसा आक्षेप किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को
दी जाएगी।

एतद्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर
ऐसे व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है,
आक्षेपों की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर
अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के
अध्याय 20-क में यथापरिभाषित हैं, वही अर्थ
होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

2. 1/2 मंजिला जायदाद एलाट न० 31, ब्लाक न० 30 आर,
जिसका क्षेत्रफल 400 वर्ग गज (100 वर्ग गज) फीहोड़ कालोनी
जिसको एन० डी० एस० ई० पार्ट-II (साथ एक्सटेंशन नजदीक
मस्जिद मोठ के नजदीक) नई दिल्ली-49 में निम्न प्रकार से
स्थित है:—

पूर्व : सड़क

पश्चिम : सड़क

उत्तर : सड़क

दक्षिण : एलाट न० 30 आर/30

मी० वी० गुप्ते

मक्षम प्राधिकारी

महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, दिल्ली, नई दिल्ली-1

तारीख: 10 जुलाई, 1974

मोहर :

प्रूषप आई० टी० एन० एस० —————

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-II, मद्रास-600006

मद्रास-600006, दिनांक 12 अगस्त 1974

निर्देश सं० 1041/73-74—यतः सुझे, गा० रागवेन्द्र

राव आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है और जिसकी सं० (नेल्सन मानिक मुद्रालियार रोड) वडे अधिकार माल में खाली भूमि जिसका एस० सं० 6 और 8 एस० सं० 10 है, जो मद्रास में स्थित है (और इसमें उपावड अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता प्राधिकारी के कार्यालय, मद्रास में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन जनवरी, 1974 को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार अन्तरित की गई है और सुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथा-पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच तथा पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप में कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किमी आय की बाबत आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने के लिए सुकर बनाना; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों, को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने के लिए सुकर बनाना;

और यतः आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाही शुरू करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित किए गए हैं।

अतः अब, धारा 269-घ के अनुसरण में, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ की उपक्षारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. (1) श्री बी० परन्दामन
- (2) श्री बी० परमनाथन,
- (3) श्री चौदिरि,
- (4) श्री जयचन्द्रन
- (5) श्रीनिवासन

(6) पापैया, और

(7) रानि

66, तिरुपति स्ट्रीट, मद्रास-1

(अन्तरक)

सर्वश्री :

2. (1) एस० ए० आर० फानिसुतु,
- (2) इजाडे ए० रजीना,
- (3) एन० एस० अब्दुल खाडर उम्माल;
- (4) एम० क० एम० मुहैदीन;
- (5) एन० एम० अज़बाज़;
- (6) वी० एस० एस० शेक अब्दुल खाडर उम्माल;
- (7) एम० क० किलुह फातिमा,
- (8) एन० एस० फातिमा,

54, मून स्ट्रीट, मद्रास-1 (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए एकदम्भारा कार्यवाहियाँ शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हो, तो—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहृस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

एतद्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए आक्षेपों यदि कोई हो, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किए जाएंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को, जिसने ऐसा आक्षेप किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जाएगी।

एतद्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपों की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

(मद्रास नेल्सन मानिक मुद्राल रोड) वडे अधिकार माल में खाली भूमि जिसका एम० मं० 6 और 8 (भाग) और टी० एस० मं० 10 है।

गा० रागवेन्द्र राव

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-II, मद्रास

तारीख : 12 अगस्त, 1974

मोहर :

प्रूलप आई० टी० एम० एस०

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना
भारत सरकार
कार्यालय, महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज-।

ग्रहमदावाद, दिनांक 31 जुलाई 1974

निर्देश स० ग० सी० क्य० 23-I-223/16-6/74-75—
यतः मुझे जे० कथूरिया आयकर अधिनियम, 1961
(1961 का 43) की धारा 269-ख के अधीन सक्षम
प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर
सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है
और जिसकी स० . . . है, जो जगन्नाथ मंदिर के निकट
डा० याजिकरोड़, राजकोट में स्थित है (और इससे उपावड़ अन्न-
सूची में और पूरे रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के
कार्यालय, राजकोट में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1961
(1908 का 16) के अधीन 9-1-1974 को पूर्वोक्त सम्पत्ति
के उचित बाजार मूल्य से कम के दशमान प्रतिफल के लिए
रजिस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह
विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह
प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच तथ पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बावत आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने के लिए सुकर बनाना; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना नाहिए था, छिपाने के लिए सुकर बनाना।

और अतः आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाही शुरू करने के कारण मेरे द्वारा अभिनियित किए गए हैं।

अतः अब, धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :—

1. (1) श्री वीनेश रत्नीलाल शाह
- (2) श्री भानुराई रत्नीलाल शाह
- (3) श्री रमेश रत्नीलाल शाह

- (4) श्रीमती साधना सूर्यकांत कोठारी
- (5) श्रीमती कुमुद धनसुख लाल मीठाणी
- (6) श्रीमती निलम हिम्मतलाल शाह
- (7) श्रीमती अनसूद मनहरलाल
- (8) श्रीमती भद्रा रमणीकलाल कोठारी
- (9) श्रीमती मनोरमा जयतीलाल टोलीया

जगन्नाथ मंदिर के निकट, यशिक रोड, गजकोट (अन्तरक)

2. श्री मोतीलाल जीवरामाई कारीया,
'हसमुख निवास', गुन्दावाडी मेहन रोड,
गजकोट । (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए एतद्वारा कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हो, तो —

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाब में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

एतद्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए आक्षेपों, यदि कोई हों, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किए जाएंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को, जिसने ऐसा आक्षेप किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जाएगी।

एतद्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपों की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा।

स्वार्थीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अमुसूची

खुली जमीन द्वाला लाट जिसका क्षेत्रफल 15 वर्ग गज है और जो जगन्नाथ मंदिर के निकट, डा० याजनिक रोड, राजकोट पर स्थित है और जिसकी सीमाएं निम्नलिखित हैं :—

पूर्व : द्वासरों की सम्पत्ति

पश्चिम : रास्ता

उत्तर : मगनलाल भगवानजी

विन्डे का घाट

दक्षिण : रास्ता

जे० कथूरिया,

सक्षम प्राधिकारी,

तारीख : 31-7-74

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

मोहर्.

अर्जन रेज-१ ग्रहमदावाद

प्ररूप आई० टी० एन० एस०————

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार
कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज I, अहमदाबाद
अहमदाबाद दिनांक 31 जुलाई 1974

निदेश स० ए० सी० क्य० 23-I-225/16-6/74-75—यत्
मुझे ज० कथूरिया आयकर अधिनियम, 1961 (1961
का 43) की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी
को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति,
जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रुपये से अधिक है
और जिसकी सं०.....है, जो ढेबरभाई रोड, राजकोट में
स्थित है (और इसमें उपावड़ अनुसूची में योग पूर्ण रूप से वर्णित
है रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, राजकोट में भारतीय
रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन
7-1-1974 को पूर्वोक्त सम्पत्ति
के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के
लिए रजिस्ट्रीकूत विलेख के अनुगार अन्तरित की
गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त
सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे
दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक
(अन्तरको) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच तथ पाया
गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से
उबन अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया
गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने के लिए सुकर बनाना ; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने के लिए सुकर बनाना ।

और यत् आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाही शुरू करने के कारण भेरे द्वारा अभिलिखित किए गए हैं।

अतः अब, धारा 269-घ के अनुसरण में, मैं, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

- (1) श्रीमती रमागाँड़ी डाह्यालाल मार्फत कांतीलाल वैद्य,
8, प्रह्लाद प्लाट, राजकोट (अन्तरक)

(2) श्री दामजीभाई कल्याणजी, मार्फत अमरजीत एन्जी-
नियरिंग वर्क्स आजी उद्योग वसाहन, राजकोट-3
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी कर के पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
एतद्वारा कार्यवाहिया शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हो, तो—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा ;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

एतद्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए आक्षेपों, यदि कोई हो, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किए जाएंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को, जिसने ऐसा आक्षेप किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जाएगी।

एतद्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपों की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

खुली जमीन वाला प्लाट जिसका क्षेत्रफल 312-4-72 वर्ग गज है, और जो काता स्त्री विकास गृह के निकट, ढेबर रोड, राजकोट पर स्थित है और जिसकी भीमांग निम्नलिखित है

उत्तर : दूसरों की सम्पत्ति

दक्षिण : दूसरों की सम्पत्ति

पूर्व : ढेबर रोड

पश्चिम : श्रीमती शारदा लालजी भाई का प्लाट

ज० कथूरिया,

सक्षम प्राधिकारी,

तारीख : 31-7-74 सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

मोहर :

अर्जन रेज I अहमदाबाद

प्ररूप आई० टी० एन० एस०-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज-1 अहमदाबाद

अहमदाबाद दिनांक 31 जुलाई, 1974

निदेश सं० ए० मी० क्य० 23-I-224/16/6/74-75—
यतः मुझे, जो० कथूरिया आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269व के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रुपये से अधिक है और और और जिसकी सं०..... है, जो गोड़ल रोड, राजकोट में स्थित है (और इसमें उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, राजकोट में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 7-1-1974 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच तथा पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने के लिए सुकर बनाना; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने के लिए सुकर बनाना;

और यतः, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाही शुरू करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित किए गए हैं।

अतः अब, धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्रीमती रमागौरी डाह्यालाल,
मार्फत कांतीभाई वैद्य,
8, प्रहलाद प्लाट, राजकोट

(अन्तरक)

(2) श्रीमती शारदा लालजी भाई टांक,

घर नं० 506, कोठारीया कालोनी, राजकोट

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए एतद्वारा कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हो, तो—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

एतद्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए आक्षेपों यदि कोई हों, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किए जाएं और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को जिसने ऐसा आक्षेप किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जाएगी।

एतद्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपों की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

खुली जमीन वाला प्लाट जिसका क्षेत्रफल 312-4-72 वर्ग गज है, और जो त्याल भगत अक्ष क्षेत्र के निकट गोड़ल रोड राजकोट पर स्थित है, और जिसकी सीमाएं निम्नलिखित हैं :—

उत्तर : दूसरों की सम्पत्ति

दक्षिण : दूसरों की सम्पत्ति

पूर्व : दामजी कल्याणजी का प्लाट

पश्चिम : गोड़ल रोड

जो० कथूरिया,

सक्षम प्राधिकारी,

तारीख: 31-7-74

महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

मोहर :

अर्जन रेज-1, अहमदाबाद

प्रह्लाद आई० टी० एन० एस०——

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) का कार्यालय

अर्जन रेज I, अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 31 जूलाई, 1974

निदेश सं० ए० सी० क्य० 23-I-222/16-6/74-75—यतः
मुझे जे० कथरिया आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है और जिसकी सं०..... है, जो जागनाथ मंदिर के निकट, डा० याजिक रोड, राजकोट मे स्थित है (और इसे उपाबद्ध अनुभूति मे और पूर्ण रूप मे बर्णित है), रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 9-1-1974 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के वृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत विसेक्ष के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच तथ पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने के लिए सुकर बनाना; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धनकर अधिनियम 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती हारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने के लिए सुकर बनाना।

और यतः, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क के गद्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाही शुरू करने के कारण मेरे द्वारा अधिलिखित किए गए हैं।

अतः अब, धारा 269-ग के अनुसरण मे, मे, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ की उपषारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

1. (1) श्री दिनेश रत्नलाल शाह
- (2) श्री भानुराई रत्नलाल शाह
- (3) श्री रमेश रत्नलाल शाह

- (4) श्रीमती साधना सूर्यकांत कोठारी
- (5) श्रीमती कुमुव धनसुख लाल मीठाणी
- (6) श्रीमती नीलम हीमतलाल शाह
- (7) श्रीमती अनसूया मनहरलाल
- (8) श्रीमती भद्रा रमणीकलाल कोठारी
- (9) श्रीमती मनोरमा जयंतीलाल टोलिया

सब का पता : जागनाथ मंदिर के निकट डा० याजिक रोड, राजकोट । (अन्तरक)

2. श्री मणललाल भगवानजी विंडे,
गांव : घाफा, बरास्ता पानेली (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए एतद्वारा कार्यवाहियाँ शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आधेष, यदि कोई हो, तो:—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

एतद्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इम स्थावर सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए आक्षेपों, यदि कोई हों, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किए जाएंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को जिसने ऐसा आक्षेप किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जाएगी।

एतद्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपों की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

खुली जमीन जिसका क्षेत्रफल 250 वर्ग गज है और जो जागनाथ मंदिर के निकट, डा० याजिक रोड, राजकोट पर स्थित है, और जिसकी सीमाएं निम्नलिखित हैं:—

पूर्व : घूसरों की सम्पत्ति

पश्चिम : रास्ता

उत्तर : अन्तरक का कम्पाउन्ड

दक्षिण : मोतीलाल जिवगज का प्लाट

जे० कथरिया,

मक्षम प्राधिकारी,

तारीख : 31-7-74 सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

मोहर : अर्जन रेज, अहमदाबाद ।

प्रस्तुत आई० टी० एन० एस०——

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),

अर्जन रेज, काकीनाडा

Kakinada, the 31st July 1974

J. No. I(3122)/73-74.—यत्, मुझे, K Subbarao सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण), काकीनाडा आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ब के अधीन सक्रम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है और जिसकी सं। 189/IB है, जो Manchilli में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकरण अधिकारी के कार्यालय, Attili में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 15-2-1974 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकून विलेख के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल में, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरको) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच तय पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे अधने के लिए सुकर बनाना; और/या
- (ल) ऐसी किसी आय या किसी घन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने के लिए सुकर बनाना;

और अन: आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाही शुरू करने के कारण मेरे द्वारा अधिलिखित किए गए हैं।

अतः अब, धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ब की उपकारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. Smt. P. Kanyagowrikanakasatyavenkatasubbayama 2. Dwararamputi Kanireddy—Holder of General Power of Attorney 3. Medapati Gangireddy 4. Karri Subbayamma 5. Karri Kanireddy 6. Karri Venkataramireddy 7. Karri Kanakasatya Venkatabhaskarareddy. (अन्तरक)

1. Mohd. Afzal, S/o Mohd Afzal, Seerarampetta, Hyd. 2 Shazdi Begam W/o Md. Arsal (3) Mohd Yusuf S/o Md. Afzal, Hyd. 4. Abida Begum D/o Md. Afzal 5. Zubida Begum, D/o Md. Afzal, Hyderabad. (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए एतद्वारा कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हो, तो:—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होनी हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अशोहस्त्राकारी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

एतद्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए आक्षेपों, यदि कोई हों, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियम किए जाएंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को, जिसने ऐसा आक्षेप किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जाएगी।

एतद्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपों की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में यथापरिभासित हैं, उन्हीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में विद्या गया है।

अनुसूची

West Godavari Dist.—Attili Sub-Registration Dt.—R No. 189/1B Manchilli—Ac. 2.67 cents.

K. SUBBA RAO,
सक्रम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेज, KAKINADA

दिनांक : 31-7-74।

मोहर :

प्रश्न आई०टो०एन०एस०————

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269 घ-(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, काकीनाडा

Kakinada, the 31st July 1974

J. No. I(937)/73-74.—I. K. Subba Rao
सहायक आयकर आयुक्त, काकीनाडा आयकर अधिनियम, 1961
(1961 का 43) की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी
को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका
उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु से अधिक है और जिसकी मं।
2-43-2 Tanguturivari Street, Alcot Garden, Rajahmundry
में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित
है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, Rajahmundry में भारतीय
रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन
जनवरी, 1974 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य
से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकर्ता विलेख
के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने
का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य,
उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह
प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और
अन्तरिक्षी (अन्तरितियों) के बीच तय पाया गया ऐसे अन्तरण
के लिए, प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिए गए
में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने
के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने
के लिए सुकर बनाना; और/ या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961
(1961 का 43) या धनकर अधिनियम, 1957
(1957 का 27) के प्रयोगनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट
नहीं किया गया था' या किया जाना चाहिए था, छिपाने
के लिए सुकर बनाना ।

और यह: आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43)
के अध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाही शरू करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित किए गए
हैं ।

अतः, अब, धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ की उपधारा
(1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :—

(1) Sri Tanguturi Gopalakrishna Rao, Rajahmundry.

(अन्तरक)

(2) Smt Dandamudi Venkata Subbamma, W/o
Nageswara Rao, Rajahmundry,

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
एतद्वारा कार्यवाहियां शुरू करता हूँ ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हो, तो—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की
तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि आद
में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से
किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितद्वारा
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे ।

एतद्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर
सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए आक्षेपों,
यदि कोई हों, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किए
जाएंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को, जिसमें ऐसा आक्षेप
किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जाएगी ।

एतद्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे
व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपों
की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा ।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर
अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय
20-क में यथापरिभाषित हैं, वही अर्थ होगा,
जो उस अध्याय में दिया गया है ।

अनुसूची

East Godavari Dt-Rajahmundry Sub-Registration-Rajahmundry
Municipality-Door No. 2-43-2-Alcott Gardens-Rajahmundry-3293 Sq. yards—60×54 yards

K. SUBBA RAO
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेंज, काकीनाडा

तारीख : 31-7-74 ।

मोहर :

प्रस्तुप आई० टी० एन० इस०—

आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) की धारा

269 घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) का कार्यालय,
अर्जन रेज, भोपाल

भोपाल, दिनांक 1 अगस्त, 1974

निर्देश सं० एम आर/वा०/15-1-74—यसः मुझे, एम० प्रक०, मुन्ही आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है और जिसकी सं० पुराना दो मंजिला मकान (म्युनि० नं० 10/258 घ) है, जो ग्वालियर में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीर्नी अधिकारी के कार्यालय, ग्वालियर में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 1-1-1974 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच तथा पाया गया तेरे अन्तरण के लिए प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण में हुई किसी आय की बाष्ठ आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने के लिए सुकर बनाना; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोगनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने के लिए सुकर बनाना।

और यतः आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाही शुरू करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित किए गए हैं।

अतः, अब, धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ की उपष्ठारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

1. श्री भास्कर राव पगनिम श्रात्मज श्री बलवन्तराव, निवासी बालाबाई का बाजार, लालकर, ग्वालियर (अन्तरक)

2. श्री अर्जुनदाम श्रात्मज श्री आमरमल मिधी, निवासी मलेरकोतरा, पंजाब (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए एतद्वारा कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हो तो :

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकें।

एतद्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए आक्षेपों, यदि कोई हों, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियम किए जाएंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को, जिसने ऐसा आक्षेप किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जाएगी।

एतद्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपों की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

एक पुराना दो मंजिला मकान (म्युनि० नं० 10/258-घ) बालाबाई का बाजार, लालकर, ग्वालियर।

एम० एफ० मुन्ही,
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेज, भोपाल

तारीख : 1-8-74
मोहर :

प्रलूप आई० टी० एन० एम० —
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269 घ (1) के अधीन सूचना
भारत मरकार

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) का कार्यालय
अर्जन रेज I, अहमदाबाद
अहमदाबाद, विनांक 30 जुलाई, 1974

निदेश सं० ए० सी० क्य० 23-I-96/1-1/74-75—यह:
मुझे, जो० कथूरिया आयकर अधिनियम, 1961 (1961
का 43) की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को
यह विवाहम करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति
जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है,
और जिसकी सर्वे सं० 58, सब प्लाट नं० 7-वी, एफ०
पी०-112, टी० पी० एम० नं० 21 है, जो मादलपुर
(छद्वाबाड़), अहमदाबाद में स्थित है (और इसमें उपाबद्ध अन्यूची
में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय,
अहमदाबाद में भारतीय रजिस्ट्रीवरण अधिनियम, 1908 (1908
का 16) के अधीन जनवरी, 1974
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के
दृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीडृष्ट विलेख के अनुसार अन्तरित
की गई है और मुझे यह विवाहम करने का कारण है कि
यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान
प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक
है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच सय पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में
बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है —

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर
अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर
देने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे
बचने के लिए सुकर बनाना, और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922
का 11) या आय-कर अधिनियम, 1961 (1961
का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957
का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरित द्वारा प्रकट नहीं
किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने के
लिए सुकर बनाना;

और यह: आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43)
के अध्याय 20-के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाही शुरू करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित किए गए हैं।

अतः अब, धारा 269-घ के अनुसरण में, मैं आयकर अधि-
नियम 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ की उपधारा
(1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

5-276GI/74

- (1) श्री नानालाल छगनलाल दलवाड़ी,
2-वी, रचना, एपार्टमेंट, नवरंगपुरा, टेलीफोन एक्सचेंज
के नंबर, अहमदाबाद । (अन्तरक)
- (2) 1. श्री देवन्द्रकुमार वृन्दावनदाम महेना,
2. श्री विनाजकुमार वृन्दावनदाम महेना,
हाजापटेल नी पोल, पादशाह नी पोल,
कालुचुर, अहमदाबाद ।

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
एतद्वारा कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हो, तो:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की
तामील से 30 दिन की अवधि जो भी अवधि बाद में
समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी
व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी
अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित
में किए जा सकेंगे।

एतद्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस रथावर सम्पत्ति
के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए आक्षेपों, यदि कोई
हो, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किए जाएंगे और
उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को, जिसने ऐसा आक्षेप किया है तथा
सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जाएगी।

एतद्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसा
व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपों
की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर
अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के
अध्याय 20-के यथापरिभाषित है, वही
अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया
है।

अमुसूची

एक मकान जो 533 वर्गज भूमि पर स्थित है और जिसका
फायनल प्लाट नं० 112, सब प्लाट नं० 7-वी, सर्वे नं० 58 है और
जो टी० पी० स्कीम नं० 21 में है, और जो, मादलपुर (छद्वाबाड़),
अहमदाबाद में स्थित है और जिसकी समाए निम्नलिखित है:—

पूर्व: सब प्लाट नं० 5,
पश्चिम: सब प्लाट नं० 58-7-ए,
उत्तर: 25 फुट का रास्ता।
दक्षिण: सब प्लाट नं० 8।

जो० कथूरिया,
सक्षम प्राधिकारी,
महायकर आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज I, अहमदाबाद

तारीख: 30-7-74

मोहर :

प्रस्तुप आई० टी० एन० एस० ——————

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) का कार्यालय

अर्जन रेज II, मद्रास

मद्रास, दिनांक 27 जुलाई 1974

निर्देशमं० 912/73-74—यतः, मुझे, प० रागवेन्द्र गव आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है और जिसकी सं० 3-बी 'डी' सिल्वा रोड मैलापुर, मद्रास है, (और इसमें उपावढ़ अनुमती में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय मैलापुर में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 25-1-74 के पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकर्ता विलेख के अनुगार अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथा पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का, पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच तथ पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण नियित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने के लिए सुकर बनाना; और/या

(ख) ऐसी विसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने के लिए सुकर बनाना।

और यतः आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाही शुरू करने के कारण मेरे द्वारा अभिनियित किए गए हैं।

अतः अब, धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्रीमती के० आनन्दवल्लि,

कोयम्बत्तूर

(अन्तरक)

(2) श्री प० गोपालन, 20/5 लज एवेन्यु,

मद्रास-4

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए एतद-द्वारा कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हो, सो :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तन्मध्यधी व्यक्तियों पर सूचना की तामीन में 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों भेजे गे किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्ध किमी अन्य व्यक्ति द्वारा, अध्रोहन्माक्षरी के पास लिखित में किए जा सकें।

एतद्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए आक्षेपों, यदि कोई हो, की सुनवाई के लिए तारीख श्रीर स्थान नियत किए जाएंगे श्रीर उमकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को जिसने ऐसा आक्षेप किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जाएगी।

एतद्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपों की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा।

स्पष्टीकरण—इसमें प्रयुक्त शब्दों श्रीर पदों का, जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में यथापन्निभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

मद्रास-4,

मैलापुर-4, 'डी' सिल्वा रोड,

डोर सं० 3 बी० में ८½ ग्राउण्ड

की भूमि (मकान के साथ)

प० रागवेन्द्र गव,

सक्षम प्राधिकारी,

महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज II, मद्रास

तारीख : 27-7-74

मोहर :

प्रलूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज जयपुर

जयपुर नारीख 7 अगस्त, 1974

मिर्देश मं० डी०-२/७४(२) १/१२—यतः, मुझे, वी० पी० मित्तल आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने वा कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है और जिसकी प्लाट मं० सी० ५३ का आधा है, जो दौसा में स्थित है (और इसमें उपावढ़ अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 29 जनवरी 1974 को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृष्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृष्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृष्यमान प्रतिफल का पन्डह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरका (अन्तरको) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच तथ पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिकल, निम्नसिखित उद्देश्य से उबत अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की आवश्यक आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने के लिये सुकर बनाना; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिये था छिपाने के लिये सुकर बनाना।

और यतः आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यालयी हुए करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित किए गए हैं।

अतः अब, धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्न-लिखित अवित्यों, अर्थात् :—

- (1) श्री राधेश्याम पुत्र श्री नारायण महाजन
निवासी बड़वा हाल आबाद
न्यू आबादी दौसा, जिला—जयपुर (अन्तरक)
(2) श्री बाबूलाल पुत्र श्री नथुरालाल महाजन
निवासी बड़वा हाल आबाद
दौसा। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए एतद्वारा कार्यवाही शुरू करता हूँ :—

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हो, तो—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्धु किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

एतद्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए आक्षेपों, यदि कोई हो, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किए जाएंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को जिसने ऐसा आक्षेप किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जाएगी।

एतद्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपों की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित है वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

सुन्दर दास भाग नई आबादी दौगा में स्थित प्लाट नं० सी० ५३ का आधा (दक्षिणी) भाग तेन-मिल और मकानात महित वी० पी० मित्तल

सक्षम प्राधिकारी

तारीख : 7-८-७४ सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

मोहर :

अर्जन रेंज जयपुर

प्रस्तुप आई० टी० एन० पृ० —————

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) का कार्यालय,
अर्जन रेज I, अहमदाबाद

अहमदाबाद, तारीख 6 अगस्त, 1974

निर्देश सं० ए० सी० क्य० 23-1-226/I-1/74-75—यतः, मुझे, जो० कथूरिया आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० में अधिक है और जिसकी सं० एफ० पी० नं० 206/1, सब-प्लाट नं० 1, टी० पी० एम० नं० 6, सर्वे नं० 276/2/1 है, जो पालड़ी, मरम्भेज रोड, अहमदाबाद में रिघत है (और इसमें उपावड़ अनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, अहमदाबाद में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन जनवरी, 74 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकर विलेख के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच तथ याया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने के लिए सुकर बनाना; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने के लिए सुकर बनाना।

और यतः, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाही शुरू करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित किए गए हैं।

अतः, अब, धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यवितयों अर्थात् :—

(1) श्री महेन्द्रभाष मणीलाल,
3, मरचेन्ट पार्क, पालड़ी,
अहमदाबाद।

(अन्तरक)

(2) श्री राजचन्द्र को०-आपरेटीव हाउसिंग
सोमायठी लिमिटेड, प्रितम नगर,
पहलो द्वाल, अहमदाबाद।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए एतद्वारा कार्यवाहिया शुरू करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हो, तो :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

एतद्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए आक्षेपों, यदि कोई हों, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किए जाएंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को, जिसने ऐसा आक्षेप किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जाएगी।

एतद्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपों की सुनवाई के समय सुनें जाने के लिए अधिकार होगा।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में यथापरिभासित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

खुली जमीन वाला प्लाट जिसका क्षेत्रफल 461 वर्ग गज है, और जिसका सब-प्लाट नं० 1, फायनल प्लाट नं० 206/1, सर्वे नं० 276/2/1 है और जो टी० पी० स्कीम नं० 6 में पड़ता है, और जो पालड़ी, मरम्भेज रोड, अहमदाबाद पर स्थित है।

तारीख : 6-8-74
मोहर :

जे० कथूरिया,
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज-I अहमदाबाद

प्रलेप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज, चण्डीगढ़

156, सैकटर 9-बी

चण्डीगढ़, दिनांक 19 जुलाई, 1974

निर्देश स० सी० अ० च० छ० ०/२९/७४-७५—यत्, मुझे ज० पी० सिह, महायक आयकर आयुक्त, (निरीक्षण) अर्जन रेज, चण्डीगढ़ आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ के अधीन संथाम प्राप्तिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है और जमकी मद्या अ०टैक्सी न० 213, सैकटर 11-ए, है जो चण्डीगढ़ में स्थित है (और इसमें उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, चण्डीगढ़ में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 1974, जनवरी, को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत विलेख के अनुसूची अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरको) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच तथा पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी भाय की बाबत आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के शायित्व में कमी करने या उससे बचने के लिए सुकर बनाना; और/या
- (ख) ऐसी किसी भाय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या घन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने के लिए सुकर बनाना।

और यस: आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाही शुरू करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित किए गए हैं।

अतः अब, धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात्:—

(1) श्री के० डी० शर्मा, पुत्र श्री हरी कुण्ड

प्रसाद शर्मा, निवासी 191-सी०,
हरिजनन्द नगर मुम्भाष रोड,

कानपुर।

(अन्तरक)

(2) श्री गुरदेव सिह, पुत्र श्री करतार सिह

43-कल्ब रोड स्थित लाइनज,

लुधियाना।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए एतद्वारा कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हो, तो:—

(क) इस सूचना के राजपत्र मे प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद मे समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों मे से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र मे प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति मे हितमढ़ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित मे किए जा सकें।

एतद्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर मे किए गए आक्षेपों, यदि कोई हों, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किए जाएंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को, जिसने ऐसा आक्षेप किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जाएगी।

एतद्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपों की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क मे यथापरिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय मे दिया गया है।

अनुसूची

आनंदक्षी न० 213, सैकटर 11-ए, चण्डीगढ़।

जी० पी० सिह,
मक्षम प्राधिकारी,
तारीख : 19-7-1974 सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
मोहर : अर्जन रेज, चण्डीगढ़

प्रूप आई० टी० एन० एस० —————

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना
भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज, लखनऊ

लखनऊ, दिनांक 10 जुलाई, 1974

निर्देश सं० 33-एस/ए०सी०क्य०—यतः, मुझे के० एन० मिश्रा
निरीक्षी महायक आयकर आयुक्त लखनऊ आयकर अधिनियम, 1961
(1961 का 43) की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी
को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति,
जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है
और जिसकी संख्या 15-ई है जो जिला इलाहाबाद में स्थित है
(और उसमें उपबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है)
रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय इलाहाबाद में भारतीय
रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन
15-1-74 को पूर्वोक्त सम्पत्ति
के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए
रजिस्ट्रीकरण विभाग के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह
विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित
बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल
का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों)
और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच तथा पाया गया ऐसे अन्तरण
के लिए प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में
वास्तविक रूप से घटित नहीं किया गया है :—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने के लिए सुकर बनाना; और/या
(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने के लिए सुकर बनाना।

और यतः आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाही शुरू करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित किए गए हैं।

अतः अब, धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ की उधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्री ए० ए० दये व अन्य (अन्तरक)
2. श्रीमती भरला मैथानी (अन्तरिती)
को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए एतद्वारा कार्यवाही शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हो, तो :—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध निसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधीक्षित के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

एतद्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए आक्षेपों, यदि कोई हों, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किए जाएंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को, जिसने ऐसा आक्षेप किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जाएगी।

एतद्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपों की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

एक किता मकान नं० 15-ई० जिसका क्षेत्रफल 4739 वर्ग-मीटर है, अधीनम रोड 19-सरोजिनी नायडू मार्ग, इलाहाबाद में स्थित है।

के० ए० ए० मिश्रा,
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज, लखनऊ

तारीख : 10-7-1974

मोहर :

प्रूप आई० टी० एन० एस०————

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269 घ (1) के अधीन मचना

भारत सरकार

महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) का कार्यालय

अर्जन रेज, लखनऊ

लखनऊ, दिनांक 10 जुलाई, 1974

निर्देश मं० 21-आग/एमीक्य०—यह मुझे के० एन० मिश्रा निरीक्षी महायक आयकर आयुक्त लखनऊ आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है

प्रौर जिसकी संख्या 90, तथा 19 है जो, जिला-मुगदाबाद में स्थित (और उसमें उपाबंध अनुभूति में श्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय मुगदाबाद में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन 7-1-1974

को पूर्वार्चित सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य

से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकर्ता विलेख के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संरपति वा उचित बाजार मूल्य, उसके वृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच तय पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल निम्न-निखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने य उससे बचने के लिए सुकर बनाना; और/या

(ख) ऐसी विसी आय या विसी घन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने के लिए सुकर बनाना।

और यतः आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-के शब्दों में पूर्वार्चित सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाही शुरू करने के कारण मेरे द्वारा अभिनिखित किए गए हैं।

अतः अब, धारा 269-घ के अनुसरण में, मैं, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:

1. श्री कैलाश चन्द्र व अन्य

(अन्तरक)

2. श्रीमती गम देय

(अन्तरित)

को यह सूचना जारी करके पूर्वार्चित सम्पत्ति के अर्जन के लिए एतद्वारा कार्यवाहिया शुरू करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हो, तो :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वार्चित व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशित की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकें।

एतद्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए आक्षेपों, यदि कोई हों, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किए जाएंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को, जिसने ऐसा आक्षेप किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जाएगी।

एतद्वारा आर्थ यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपों की सुनवाई के समय सुने जाने के सिए अधिकार होगा।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

निम्न वर्णित सम्पत्ति ग्राम नरेन्द्रपुर जिला—मुगदाबाद में स्थित है।

1. ग्रामिक भूमि जिसका क्षेत्रफल 18. 87 एकड़ है।

2. प्रकट किना मकान जिसका क्षेत्रफल 500 वर्ग गज है।

के० एन० मिश्रा,
मकान प्राधिकारी,
गहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज, लखनऊ

तारीख : 10-7-1974

मोहर :

प्ररूप आई० ई० एन० एस०————

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, लखनऊ

लखनऊ, दिनांक 18 जुलाई, 1974

निर्देश मं० 9-मी/ग्रमीक्य०—यतः, मुझे के० एन० मिश्रा निरीक्षी महायक आयकर आयुक्त महायक अधिनियम, (1961 का 43) की धारा 269-घ के अधीन मक्षम प्राधिकारी 1961 को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है और जिसकी संख्या 110 तथा 111 है जो जिला—बुलन्दशहर में स्थित है (और उसमें उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण स्वप्न में वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय बुलन्दशहर में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन 16-1-74 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य, से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथा—पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच तथा पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल निम्न-लिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने के लिए सुकर बनाना; और/ या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने के लिए सुकर बनाना।

और यतः आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाही शुरू करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित किए गए हैं।

अतः अब धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

1. श्रीमती सरोज रानी अग्रवाल (अन्तरक)

2. श्रीमती चंद्रकला गोड (अन्तरित)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए एतद्वारा कार्यवाहियाँ शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हो, तो:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्ध किसी अन्य व्यक्ति, द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

एतद्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए आक्षेपों, यदि कोई हों, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किए जाएंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को, जिसने ऐसा आक्षेप किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जाएगी।

एतद्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपों की सुनवाई के समय मूले जाने के लिए अधिकार होगा।

स्वास्थ्यकरण—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में व्यापरिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

निम्नलिखित सम्पत्ति नगर भूड़, जिला—बुलन्दशहर में स्थित है:—

1. एक किता मकान जिसका क्षेत्रफल 13 बिस्त्वा है।
2. एक बाग जो एक ग्राहाते से घिरा है, तथा जिसका क्षेत्रफल 1 बीघा 10 बिस्त्वा है।

के० एन० मिश्रा,
मक्षम प्राधिकारी
महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, लखनऊ

तारीख : 18-7-74

मोहर :

प्रस्तुप आई०टी०एन०एस०————

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) का कार्यालय,
अर्जन रेंज, लखनऊ

लखनऊ, दिनांक 8 जुलाई, 1974

निर्देश संख्या 11-जी०/एसीक्य०—यतः, मुझे के० एन० मिश्रा
निरीक्षी महायकर आयकर आयुक्त लखनऊ
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास
करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका
उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है और
और जिसकी संख्या 5078/6 है जो, ग्राम—ग्रामीण में स्थित
है (और उसमें उपावठ अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है)
जिला—लखनऊ रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय लखनऊ
में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16)
के अधीन 10-1-74 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार
मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत विशेष
के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का
कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके
दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रति-
शत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच तम पाया गया ऐसे अन्तरण
के लिए प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर अधि-
नियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने
के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने
के लिए सुकर बनाना; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961
(1961 का 43) या भन-कर अधिनियम, 1957
(1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा
प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था,
छिपाने के लिए सुकर बनाना ।

और यतः, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43)
के अध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वाचित सम्पत्ति के अर्जन के लिये
कार्यवाही शुरू करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित किये गये
हैं ।

अतः अब, धारा 269-घ के अनुसरण में, मैं, आयकर अधि-
नियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ की उपधारा

(1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

6—276GT/74

1. श्री मै० अमिताभ दै॒क्षिण्याल मिल्स लि० (अन्तरक)

2. श्री मै० गंगा स्टील एन्ड प्लायाज लि० (अन्तरित)

को यह सूचना जारी करके पूर्वाचित सम्पत्ति के अर्जन के लिए एतद्-
द्वारा कार्यवाही शुरू करता हूँ ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हो, तो—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या सत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद
में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से
किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किये जा सकेंगे ।

एतद्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति
के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गये आक्षेपों, यदि
कोई हों, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किये जाएंगे
और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को, जिसने ऐसा आक्षेप किया
है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जायेगी ।

एतद्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे
व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपों
की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा ।

स्थावरकरण——इसमें प्रपुरुष शब्दों और पदों का जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में यथा परिचारित हैं, वहीं वर्ण होंगा,
जो उस अध्याय में दिया गया है ।

अनुसूची

एक किता प्लाट नं० 5078/6 जिसका थोकफल 1.39
एकड़ है, ग्राम ग्रामीण—जिला—लखनऊ में स्थित है ।

के० एन० मिश्रा,
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, लखनऊ

तारीख : 8-7-1974
मोहर

प्रलेप आई० टी० एन० एस०————

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269 घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण), का कार्यालय,
अर्जन रेंज, लखनऊ

लखनऊ, दिनांक 8-7-1974

निर्वेश सं० 11-6/एसीकू—यतः मुझे के० एन० मिश्रा निरीक्षी सहायक आयकर आयुक्त लखनऊ आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है और जिसकी संख्या 5076, 5077 तथा 5078 है जो जिला—लखनऊ में स्थित है (और उससे उपगढ़ अनुसूची में और पूरी रूप से वर्णित है) और रजिस्ट्री कर्ता अधिकारी के कार्यालय लखनऊ में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन 10-1-74 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथा पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच तब पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की आवत आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने के लिए सुकर बनाना; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने के लिए सुकर बनाना;

और यतः आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाही शुरू करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित किए गए हैं।

अतः अब, धारा 269-घ के अनुसरण में, मैं, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ की उपद्वारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों; अर्थात्:—

1. श्री मै० अभिनाभ टैक्सटाइल मिल्स लि० (अन्तरक)
 2. श्री मै० गंगा स्टील एन्ड प्लायरज लि० (अन्तरिती)
- को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए एतद्वारा कार्यवाहीयां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हो, तो :—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधीक्षित द्वारा के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

एतद्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए आक्षेपों, यदि कोई हों, की मुनबाई के लिए तारीख और स्थान नियत किए जाएंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को, जिसमें ऐसा आक्षेप किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को वी जाएगी।

एतद्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है आक्षेपों की मुनबाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

तीन किला प्लाट्स नं० 5076, 5077 तथा 5078 जिसका कुल क्षेत्रफल 9.29 एकड़ है, ग्राम अमौसी जिला—लखनऊ में स्थित है।

(के० एन० मिश्र)
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेंज, लखनऊ

दिनांक : 8-7-1974

मोहर :

प्रस्तुत आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

फार्मलिय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, लखनऊ

लखनऊ, दिनांक 18 जुलाई 1974

निर्वेश सं० 20-के०/एसीक्य०—यतः मुझे के० एन० मिश्रा
निरीक्षी सहायक आयकर आयुक्त लखनऊ आयकर अधिनियम,
1961 (1961 का 43 की धारा) 269-ब के अधीन सक्षम
प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति
जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है,
और जिसकी सं० 440/11 है जो जिला—लखनऊ में स्थित
है (और उससे उपाबूद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है)
रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय लखनऊ में भारतीय रजिस्ट्री-
करण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन 23-1-74
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृष्यमान
प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकरण के अनुसार अन्तरित की गई है
और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति
का उचित बाजार मूल्य, उसके दृष्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृष्यमान
प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक
(अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच तथा पाया
गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से
उपर अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया
गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर अधि-
नियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के
अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने
के लिए सुकर बनाना; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या आय-कर अधिनियम, 1961
(1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957
(1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा
प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिये था,
छिपाने के लिये सुकर बनाना।

और यतः आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43)
के अध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यालय शुरू करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित किये गये हैं।

अतः अब, धारा 269-ब के अनुसरण में, मैं आयकर अधि-
नियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ब की उपधारा
(1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्रीमती उमिला देवी (अन्तरक)
 2. श्रीमती कौशल्या देवी (अन्तरिती)
- को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिये
एतद्वारा कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हो, तो :—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्समांकी व्यक्तियों पर सूचना की
तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद
में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में
से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किये जा सकेंगे।

एतद्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति
के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किये गये आक्षेपों, यदि
कोई हो, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किये जायेंगे
और उसकी सूचना हूर ऐसे व्यक्ति को, जिसने ऐसा आक्षेप किया
है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जाएगी।

एतद्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे
व्यक्ति को, जिसे पूर्वोक्त पैरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपों
की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर
अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय
20-क में यथापरिभाषित हैं, वही अर्थ होगा,
जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

एक किता मकान जिसका निर्माण प्लाट नं० 440/11 पर
हुआ है, मथा जिसका क्षेत्रफल 16 बिस्त्रा, 6 बिस्त्रान्सी तथा
4 कचवान्सी है, रायविहारी लाल रोड, लखनऊ भें स्थित है।

के० एन० मिश्रा,
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेंज, लखनऊ

तारीख : 18 जुलाई 1974
मोहर :

प्रस्तुप आई० टी० एम० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269 घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) का कार्यालय

अर्जन रेंज, लखनऊ

लखनऊ, दिनांक 10 जुलाई 1974

निर्वेश सं० 22-ए/एसीक्यू०—यतः, मुझे के० एन० मिश्रा
आयकर अधिनियम, 1961

(1961 का 43) की धारा 269-घ के अधीन सकाम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है और जो, जिला—वाराणसी में स्थित है (और इससे उपाख्य अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ट अधिकारी के कार्यालय चन्दौली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन 4-1-74 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीक्टर विलेख के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्ना प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच तय पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने के लिए सुकर बनाना; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) या धन कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने के लिए सुकर बनाना;

और यतः, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अन्तर्याम 20-क के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाही शुरू करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित किए गए हैं।

अतः अब, धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित अधिकारीयों अधिकृत :—

1. श्री सुखदेव शुक्ला व अन्य

(अन्तरक)

2. श्री अरजुन व अन्य (अन्तरिती)

3. किरायेदार (वह व्यक्ति जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है) को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए एतद्वारा कार्यवाहिया शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई है, तो :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिस्बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

एतद्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए आक्षेपों, यदि कोई हों, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किये जायेंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को, जिसने ऐसा आक्षेप किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जाएगी।

एतद्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि इस ऐसे व्यक्ति को, जिसे पूर्वोक्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपों की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा।

स्पष्टीकरण : इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में यथापरिभासित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

एक किता मकान दुमंजिला, चन्दौली जिला—वाराणसी में स्थित है।

के० एन० मिश्रा,
सकाम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेंज, लखनऊ

तारीख : 10-7-1974

मोहर :

प्रस्तुत आई० टी० एन० एस०——

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269 घ(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज, लखनऊ

लखनऊ, दिनांक 3 जुलाई 1974

निर्देश सं० 31-एस०/एसीशृ—पतः, मुझे के० एन० मिश्रा निरीक्षी सहायक आयकर आयुक्त लखनऊ आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य, 25,000/-रुपये से अधिक है और जिसकी मालिया 94/26 है जो गनेश गंज, लखनऊ में स्थित है (और उसमें उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है) रजिस्ट्रीर्टा अधिकारी के कार्यालय लखनऊ में भारतीय रजिस्ट्री-करण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन 15-1-74 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच तथा पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से वर्णित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के धायित्व में कमी करने या उससे बचने के लिए सुकर बनाना; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरित द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने के लिए सुकर बनाना।

और यतः, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए, कार्यालय शुरू करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित किए गए हैं।

प्रतः प्रब, धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों पर्याप्त :—

1. श्री श्याम साल अवस्थी

(अन्तरक)

2. श्रीमती सूरज मृद्गी (अन्तरिती)

4. श्री रामेश्वर दयाल अग्रवाल (वह व्यक्ति जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए एतद्वारा कार्यवाहियाँ शुरू करता हूँ :—

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हो तो :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकें।

एतद्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए आक्षेपों, यदि कोई हों, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किए जाएंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को, जिसने ऐसा आक्षेप किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जाएगी।

एतद्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपों की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में यथा परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

एक किता मकान नं० 94/26 जिसका क्षेत्रफल 68'—32' है, गनेश गंज, लखनऊ में स्थित है।

के० एन० मिश्रा,
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेज, लखनऊ

तारीख : 3-7-1974

मोहर :

प्रस्तुत आई० टी० एन० एस०——

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना
भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयकर (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, लखनऊ

लखनऊ, दिनांक 4 जुलाई 1974

निदेश सं० 11-जे०/अक्य० :—यतः, मुझ, के० एन० मिश्रा (निरीक्षी) सहायक आयकर आयकर सखनऊ, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० — है जो, मोहल्ला शीतलगंज में स्थित है (ओर उससे उपावड़ अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) बुलन्दशहर रजिस्ट्रीकर्ता प्राधिकारी के कार्यालय बुलन्दशहर में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकरण विलेख के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच तथ पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से कुई किसी आय की बाबत आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने के लिए सुकर बनाना; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने के लिए सुकर बनाना;

और यतः आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाही शुरू करने के कारण मेरे द्वारा असिलिखित किए गए हैं।

अतः अब, धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्री मुनब्दर अली खां (अन्तरक)

2. मो० जफर खां (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए एतद्वारा कार्यवाही शुरू करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हो, तो :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि आद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

एतद्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए आक्षेपों, यदि कोई हों, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किए जाएंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को, जिसने ऐसा आक्षेप किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जाएगी।

एतद्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपों की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

एक किता मकान जिसका क्षेत्रफल 21717 वर्गफुट है, मोहल्ला शीतलगंज, जिला बुलन्दशहर में स्थित है।

के० एन० मिश्रा

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयकर (निरीक्षण),

अर्जन रेंज, लखनऊ

तारीख :— 4-7-1974

मोहर :—

प्र० रुप आई० टी० एन० एस०

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) का कार्यालय

अर्जन रेंज,

156, सैकटर 9-बी चण्डीगढ़

चण्डीगढ़, दिनांक 22 जून 1974

निवेदण सं० सीएच डी/ 20/74-75—यतः, मुझ, जी० पी० सिंह, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, चण्डीगढ़ आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थाघर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- ₹ से अधिक है और जिसकी सं० प्लाट नं० 214 (नया नं० 508) है जो सैकटर 8-बी, चण्डीगढ़, में स्थित है (और इससे उपांचाल अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, चण्डीगढ़ में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 1974 अनवरी, को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच तय पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के द्वायित्व में कमी करने या उससे बचने के लिए सुकर बनाना; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य अस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने के लिए सुकर बनाना।

और अतः आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाही शुरू करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित किए गए हैं।

अतः अब, धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित अस्तियों, अर्थात् :—

1. श्री हरचरन सिंह पुत्र श्री जीवन सिंह, पोस्ट बक्स नं० 60032, आदीस अवावा, सी/ओ मकान नं० 671/8-बी चण्डीगढ़.
(अन्तरक)

2. श्री प्रीतम सिंह पुत्र श्री लक्ष्मण भिंह और श्रीमती सनदीप कौर पल्ली थी अप्रीतम भिंह, मकान नं० 236, सैकटर 16-ए, चण्डीगढ़ (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के लिए एतद्वारा कार्यवाहीयां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हो, तो :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तस्वीरधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थाघर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

एतद्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थाघर सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए आक्षेपों, यदि कोई हों, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किए जाएंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को जिसने ऐसा आक्षेप किया है स्थासम्पत्ति के अन्तरिती को दी जाएगी।

एतद्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपों की सुनवाई के समय मुने जाने के लिए अधिकार होगा।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

प्लाट नं० 214 (नया नं० 508) सैकटर 8-बी, चण्डीगढ़.

जी० पी० सिंह
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, चण्डीगढ़

तारीख :— 22-6-74
मोहर :—

प्रेरुप आई० टी० एन० एस० —————

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

सड़ायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) का कार्यालय

अर्जन रेंज, 156, सैबटर 9 बी चन्डीगढ़

चण्डीगढ़, दिनांक 22 जून 1974

निवेश सं० एम० के० एल०/2/74-75—यतः मुझे, जी० पी०

सिंह सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज चन्डीगढ़ आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है और जिसकी सं० कृषि भूमि 239 विहे और 17 विस्ता० है जो गांव राम पुर, मिन्दरा में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है, रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, मलेरकोटला में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 1974, जनवरी को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से केवल के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथा-पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच तथा पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने के लिए सुकर बनाना; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों, को जिहे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोगनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए छिपाने के लिए सुकर बनाना;

और यतः आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिये कार्यवाही शुरू करन के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित किए गए हैं।

अतः अब, धारा 269-घ के अनुसरण में, मैं आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

- (1) (i) श्री राम मूरती पुल श्री अमर चन्द,
- (ii) श्री दलीप चन्द पुल श्री अमर चन्द,
- (iii) श्रीमती राज दुलारी पत्नी श्री दविन्द्र कुमार,
- (iv) श्रीमती प्रेम काला पुली श्री अमर चन्द,
- (v) श्री सुरिम्ब्र कुमार पुल श्री अमर चन्द
- (vi) श्रीमती विनोद वाला

(vii) श्री बनारसी दास

(viii) श्रीमती बमाला देवी

(ix) श्रीमती सुदर्शना देवी

(x) श्रीमती निर्मला देवी

पुल और पुली श्री अमर चन्द

(xi) श्री रमेश चन्द पुल श्री प्रकाश चन्द गाँव चपड़ जिला लुधियाना। (अन्तरक)

(2) (i) सर्वथी ज्ञान मिह और गुरवचन सिंह पुत्रान श्री गुरनाम सिंह,

(ii) सर्व श्री गुरदियाल मिह और करम सिंह, पुत्रान श्री बलदेव सिंह,

(iii) श्री जगजीत सिंह पुत्र श्री सुखदेव मिह,

सर्वथी गुरविन्दर मिह और बलविन्दर मिह, पुत्र श्री जोगा मिह, गांव मान तहसील धुरी जिला संगमर (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त मम्पति के अर्जन के लिए एतद्वारा कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हो तो:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अग्रोहस्ताश्री के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

एतद्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए आक्षेपों यदि कोई हों, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किए जाएंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को, जिसने ऐसा आक्षेप किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जाएगी।

एतद्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपों की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा।

स्पष्टीकरण——इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित है वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

जमीन 239 विश्वे 17 विस्वे, जो कि गांव रामपुर भिन्दरा जैसे कि रजिस्ट्रीकृत के रजिस्ट्री डीड नं० 3059, जनवरी 1974 को तहसीलदार मलेरकोटला ने लिखा है।

खेट नं० 663, 3, 12, 13, 14, 15, 30, 31, 32, 33, 34, 36, 53, 54, 55, 56, 58, 59, 60, 61, 693, 282, 298, 299, 300, 301, 302, 303, 304, 305, 306, 307, 308, 309, 310, 318, 319,

जी० पी० सिंह
मक्षम प्राधिकारी

महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, चन्डीगढ़

तारीख :— 22 जून, 1974

मोहर :—

प्र० प्र० श्री ० टी० एन० एस० —————
 आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
 269वा (1) के अधीन सूचना
 भारत मरकार
 कार्यालय सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
 अर्जन रेज, अमृतसर
 चण्डीगढ़, दिनांक 5 जुलाई, 1974

निवेदण सं० एल डी पैच/(आर)/2/74-75—यतः, मझे जी० पी० सिंह, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेज, चण्डीगढ़ आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) की धारा 269वा के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है और जिसकी सं० जमीन पीछे श्रोमवाल बनास्पति और श्रलाइड हन्ड्रस्ट्रीज जी० टी० रोड, है जो लुधियाना में स्थित है (और इससे उपाथड़ अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता प्राधिकारी के कार्यालय, लुधियाना में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 1974, जनवरी को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्नह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच तथा पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में आस्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने के लिए सुकर बनाना ; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों, को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या किया जाना चाहिए था, छिपाने के लिए सुकर बनाना ।

और यतः आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाही शुरू करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित किए गए हैं।

अतः अब, धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) की धारा 269वा की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :—

7-276GI/74

(1) श्री जगमोहन सिंह पुल कैटन रतन मिश्र, जुगियाना तहसील लुधियाना,
 (अन्तरक)

(2) मै० ओमवाल बनास्पति और जनरल हन्ड्रस्ट्रीज, लुधियाना,
 (प्रास्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए एतद्वारा कार्यवाहिया शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हो, तो :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तस्वीरी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा ;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बहु किसी व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

एतद्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए आक्षेपों, यदि कोई हों, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किए जाएंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को, जिसने ऐसा आक्षेप किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जाएगी।

एतद्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपों की सुनवाई के समय सुने जाने के सिए अधिकार होगा।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

(व्लाट पीछे श्रोमवाल बनास्पति और श्रलाइड हन्ड्रस्ट्रीज, जी० टी० रोड लुधियाना) जमीन का टुकड़ा 8 बीघे 13 3/4 विस्ते जो कि जुगियाना, तहसील लुधियाना जैसे कि रजिस्ट्रीकृत के विलेख नं० 6039, जनवरी, 1974 को सब रजिस्ट्रार लुधियाना के दफतर में लिखा है।

जी० पी० सिंह,
 सक्षम प्राधिकारी
 सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
 अर्जन रेज, चण्डीगढ़

तारीख :— 5 जुलाई, 1974

मोहर :—

प्रलेप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269 घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज,

चण्डीगढ़, विनांक 5 जुलाई, 1974

निदेश सं० एल डी एच/शार/16/74-75—यतः मृष्टे जी० पी० सिह, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, चण्डीगढ़ आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है और जिसकी स० जमीन पीछे ओमवाल बनास्पति और इनाई० इन्डस्ट्रीज जी० टी० रोड है जो लुधियाना में स्थित है (और इसमें उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्टी अधिकारी के कार्यालय, लुधियाना, में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16') के अधीन 1974, जनवरी, को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिये रजिस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच तथा पाया गया ऐसे अन्तरण के लिये प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बावत आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में धमी करने या उससे बचने के लिए सुकर बनाना; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने के लिए सुकर बनाना।

और यस; आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाही शुरू करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित किए गए हैं।

अतः, अब, धारा 269-घ के अनुसरण में, मैं, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्री जगमोहन सिह पुष्प कैटन रत्न सिह, जुगिआना, नहसील लुधियाना (अन्तरक)

(2) मैं० ओमवाल बनास्पति और जनरल इंडस्ट्रीज, लुधियाना, (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए एतद्वारा कार्यवाहियाँ शुरू करसा हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हो, तो—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा ;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

एतद्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए आक्षेपों, यदि कोई हों, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किए जाएंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को, जिसने ऐसा आक्षेप किया है, तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जाएगी।

एतद्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपों की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में यथापरिभासित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

(जमीन पीछे ओमवाल बनास्पति और अलाई० इन्डस्ट्रीज जी० टी० रोड लुधियाना)

जमीन का टुकड़ा 8 बीगे 13 3/4 विस्ते जो कि जुगिआना, नहसील, लुधियाना, जेसे कि रजिस्ट्रीकृत के विलेख न० 6184 जनवरी, 1974 को सब रजिस्ट्रार लुधियाना के दफ्तर में लिखा है।

जी० पी० सिह
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेंज, चण्डीगढ़।

तारीख:— 5 जुलाई, 1974

मोहर:

प्र० प्र० श्री० टी० एन० एस०—
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना
भारत सरकार
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज,
चण्डीगढ़, दिनांक 5 जुलाई, 1974

- (1) श्री जगमोहन सिंह पुत्र कैप्टन रतन सिंह आदि, जुगिआना
तहसील लुधियाना
(अन्तरक)
(2) मैं ओसवाल बनास्पति और जनरल इन्डस्ट्रीज, लुधि-
याना
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए एतद्वारा कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हो, तो:—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की
तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में
समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी
व्यक्ति द्वारा;
(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-
बद्ध किसी ग्रन्थ व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

एतद्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति
के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किये गये आक्षेपों, यदि कोई
हों, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किए जाएंगे
और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को जिसने ऐसा आक्षेप किया है
तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जाएगी।

एतद्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे
व्यक्ति को, जिसे पूर्वोक्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपों
की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर
अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के
अध्याय 20-क में यथापरिभाषित हैं, वही
अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

जमीन का टुकड़ा, 8751-1/3 वर्ग गज 8 बीगे,
13 3/4 बिस्ट्रे,

पीछे ओसवाल बनास्पति और अलाईड इन्डस्ट्रीज जी० टी०
रोड, लुधियाना

जैसे कि रजिस्ट्रीकृत के लिखेख नं० 6007 जनवरी 1974
को सब रजिस्टार लुधियाना के दफ्तर में लिखा है।

जी० पी० सिंह,
सकम प्राधिकारी;
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेंज, चण्डीगढ़

तारीख:— 5 जुलाई, 1974

मोहर:—

और यतः आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43)
के अध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाही शुरू करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित किए गए हैं।

अतः, अब धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, आयकर अधिनियम
1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ की उपधारा (1)
को अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, धर्था:—

प्रस्तुप आई० टी० एन० एस०

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज 156, सैक्स्टर 9-बी

चण्डीगढ़

चण्डीगढ़, दिनांक 5 जुलाई 1974

निवेश सं० एल डी० एच/ आर/18/74-75—यतः, मुझे, जी० पी० सिह, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेज, चण्डीगढ़ आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपए से अधिक है और जिसकी सं० जमीन पीछे औसताल बनास्पति और अलाईड इन्डस्ट्रीज जी० टी० रोड है जो लुधियाना में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, लुधियाना में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन 1974, जनवरी को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरक) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच तथा पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने के लिए सुकर बनाना और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हे भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने के लिए सुकर बनाना,

और यतः, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाही शुरू करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित किए गए हैं।

अतः, अब धारा 269-घ के अनुसरण में, मैं, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्—

(1) श्री जगमोहन, सिंह पुत्र कैप्टन रतन सिंह, जुगिआना, तहसील लुधियाना (अन्तरक)

(2) मै० औसताल बनास्पति और जनवर इन्डस्ट्रीज, लुधियाना (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए एतद्वारा कार्यवाहियां शुरू करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हो, तो—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

एतद्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में विषय गए आक्षेपों, यदि कोई हों, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किए जाएंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को, जिसने ऐसा आक्षेप किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जाएगी।

एतद्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपों की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

(जमीन पीछे औसताल बनास्पति और अलाईड इन्डस्ट्रीज, जी० टी० रोड लुधियाना)

जमीन का टुकड़ा 8 वीगे 13 $\frac{1}{2}$ बिस्टे, जो कि जुगिआना, तहसील लुधियाना

जैसे कि रजिस्ट्रीकृत के विलेख न० 6014, जनवरी, 1974 को सब रजिस्ट्रार लुधियाना के दफ्तर में लिखा है।

जी० पी० सिह,
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज, चण्डीगढ़

तारीख.— 5 जुलाई, 1974

पोहरः—

प्र० प्र० श्रीमती श्रीमूला पल्ली श्री सुरिन्द्र पाल सिंह, सी/ ओ०

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269 व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, 156 सैटर 9-वी, चंडीगढ़

चांडीगढ़, दिनांक 5 जुलाई 1974

निवेश सं० एस०ड००८०८०/ सी०-४१/७४-७५—

यतः मुझे, जी० पी० सिंह सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज चंडीगढ़ आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25000/-रुपये से अधिक है और जिसकी संख्या जमीन का टुकड़ा गुरदेव नगर है जो लुधियाना में स्थित है (और इसमें उपायकर अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय लुधियाना में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 वा 16) के अधीन जनवरी, 1974

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथा-पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पल्दह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच तथ पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(अ) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने के लिए सुकर बनाना ; और/या

(ब) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों, को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या किया जाना चाहिए था, छिपाने के लिए सुकर बनाना ;

और यतः आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-व के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाही शर्क करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित किए गए हैं।

अतः अब धारा 269-व के अनुसरण में, मैं आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व को उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्रीमती श्रीमूला पल्ली श्री सुरिन्द्र पाल सिंह, सी/ ओ० करनल बलबन्त सिंह, निवासी बसन्त बिला पी० डब्ल्यू० डी० रेसट हाउस छुमार मन्दी रोड, लुधियाना। (अन्तरक)

(2) श्री जगदीश लाल पुन श्री गोबिन्द राम, सी/ ओ० मै० बम्बे हाउस कनफेक्शनर्ज चौड़ा बाजार, लुधियाना। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए एतद्वारा कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हो, तो :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तासील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

एतद्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए आक्षेपों, यदि कोई हों, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किए जाएंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को, जिसने ऐसा आक्षेप किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जाएगी।

एतद्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे व्यक्ति को, जिसे पूर्वोक्त पैरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपों की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-व में यथापरिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

प्लाट आफ लैंड गुरदेव नगर लुधियाना में स्थित जैसे कि रजिस्ट्री-कृत के विलेख नं० ९४४८ जनवरी, 1974 को सब रजिस्ट्रार लुधियाना के दफतर में लिखा है।

जी० पी० सिंह,
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेंज, चंडीगढ़

तारीख :— 5 जुलाई, 1974

मोहर :—

प्राप्त आई० टी० एन० एस०—
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना
भारत सरकार
महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेज, घण्डीगढ़।

घण्डीगढ़, दिनांक 5 जुलाई, 1974

निवेश सं० एल०डी०एन०/सी०/०५२/७४-७५ :—यतः, मुझे,
जी० पी० सिह, महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेज,
घण्डीगढ़ आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास
करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित
बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है और
जिसकी सं० जमीन है जो बुहादर के तहसील लुधियाना में
स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित
है), रजिस्ट्रीकरण अधिकारी के कार्यालय, लुधियाना में भारतीय
रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन
1974 जनवरी, को पूर्वोक्त सम्पत्ति के
उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के
लिये रजिस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार अन्तरित की
गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त
सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे
दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि
अन्तरक (अन्तरक) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच तथ
पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से
उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित
नहीं किया गया है :—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर
अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर
देने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे
बचने के लिए सुकर बनाना ; और/या
- (घ) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों,
को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या आयकर अधिनियम 1961
(1961 का 43) या धम-कर अधिनियम, 1957
(1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा
प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए
था, छिपाने के लिए सुकर बनाना ।

और यतः आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43)
के अध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाही शुरू करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित किए गए हैं ।

अतः अब, धारा 269-घ के अनुसरण में, मैं, आयकर
अधिनियम 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ की
जपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित अवक्षितियों, अर्थात् :—

(1) श्री गुरबचन सिंह, पुल श्री फोजा सिंह, निवासी
बुहादर-के, तहसील लुधियाना (अन्तरक)

(2) मैं गंगा कोल्ड स्टोरेज लुधियाना (द्वारा श्रीमति
मंतोश रानी) (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
एतद्वारा कार्यवाहियां शुरू करता हूँ ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हो, तो :—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तस्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की
तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में
समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से
किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी
अन्य व्यक्ति, द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित
में किए जा सकेंगे।

एतद्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर
सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए
आक्षेपों, यदि कोई हों, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान
नियत किए जाएंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को,
जिसने ऐसा आक्षेप किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को
दी जाएगी ।

एतद्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर
ऐसे व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्तीं पैरा के अधीन सूचना दी गई है,
आक्षेपों की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा ।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर
अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के
अध्याय 20-क में यथापरिभाषित हैं, वही अर्थ
होगा जो उस अध्याय में दिया गया है ।

अनुसूची

जमीन का टुकड़ा 9 कंनाल 8 मरले जो कि बुहादर-के,
तहसील लुधियाना में स्थित है और जैसे कि रजिस्ट्रीकृत के विलेख
नं० 9736, जनवरी 1974, को सब रजिस्ट्रार लुधियाना के
दफतर में लिखा है ।

जी० पी० सिह,
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेज, घण्डीगढ़

तारीख : 5 जुलाई, 1974

मोहर :

प्रलेप आई० टी० एन० एस०—————

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-घ (1) के अधीन भूत्तना

भारत सरकार

महायक आयकर आयुत (निरीक्षण) अर्जन रेज, चण्डीगढ़

चण्डीगढ़, दिनांक 5 जुलाई, 1974

निदेश सं० एल०डी००८८/सी०/११७/७४-७५/यत—
मृष्टे, जी० पी० सिंह, सहायक आयकर आयुत (निरीक्षण) अर्जन
रेज चण्डीगढ़ आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43)
की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास
करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार
मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है और जिसकी मंद्या जमीन
है जो बहावुर-के० तहसील लुधियाना, मे० स्थित है (और इसे
उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकरण
अधिकारी के कार्यालय, लुधियाना मे० भारतीय रजिस्ट्रीकरण
अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 1974, फरवरी,
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के
दृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार अन्तरित
की गई है और मृष्टे यह विश्वास करने का कारण है कि
यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान
प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और
यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच
तथ पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल, निम्नलिखित
उद्देश्य से उक्त अन्तरण निम्नित मे० वास्तविक रूप से वायित नहीं
किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर
अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन
कर देने के अन्तरक के दायित्व मे० कमी करने या
उससे बचने के लिए सुकर बनाना; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961
(1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957
(1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट
नहीं किया गया था या विया जाना चाहिए था, छिपाने
के लिए सुकर बनाना।

और यतः आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के
अन्याय 20-क के शब्दों मे० पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के निए कार्य-
वाही शुरू करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित किए गए हैं।

अतः अब, धारा 269-ग के अनुसरण मे० मैं, आयकर
अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ की
उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

(1) श्री गुरुबचन सिंह पुत्र श्री फोजा सिंह निवासी
बहावुर-के०, तहसील लुधियाना। (अन्तरक)

(2) मैं गंगा रोहड़ स्टोरज लुधियाना (अन्तरिती)
(डाग सनेह थापर)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
एतद्वारा कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हो, तो—

- (क) इस सूचना के राजपत्र मे० प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना
की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद
में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों मे० से
किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र मे० प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति मे० हितबद्ध किसी
अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित
में किए जा सकें।

एतद्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति
के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर मे० किए गए आक्षेपों, यदि
कोई हो, की मुनवाई के लिए तारीख और स्थान मियत
किए जाएंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को, जिसने एसा
आक्षेप किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को भी जायेगी।

एतद्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे
व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपों
की मुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा।

स्वाक्षीकरण:—इसमे० प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर
अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय
20-क मे० यथापरिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो
उस अध्याय मे० दिया गया है।

अनुसूची

जमीन 8 कनाल 19 मरले जो कि बहावुर-के०, तहसील
लुधियाना, जैसे कि रजिस्ट्रीकृत के विलेख नं० 11391 फरवरी,
1974 को सब रजिस्ट्रार नुधियाना के बफ्टर मे० लिखा है।

जी० पी० सिंह,
सक्षम प्राधिकारी,
महायक आयकर आयुत (निरीक्षण),
अर्जन रेज, चण्डीगढ़

तारीख : 5 जुलाई, 1974

मोहर .

प्रस्तुप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269 घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

संघायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

का कार्यालय

अर्जन रेंज,

चण्डीगढ़, दिनांक 8 जुलाई 1974

निर्देश सं० एल० डी० एच०/भी०/51/74-75—यतः मुझे,
जी० पी० मिह, संघायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज,
चण्डीगढ़ आयकर अधिनियम, 1961 (1961
का 43) की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी
को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति
जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है
और जिसकी सं० प्लाट नं० 2, 3, 4, 5, और 6 भद्रां हाऊस,
जी० टी० रोड, है जो लुधियाना में स्थित है (और इससे उपावद्ध
भनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी
के कार्यालय, लुधियाना में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम,
1908 (1908 का 16) के अधीन 1974 जनवरी
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के
दृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार
अन्तरिक्ष की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण
है, कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान
प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है
और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों)
के बीच तथ पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल निम्नलिखित
उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं
किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बावत आयकर
अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर
देने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे
बचने के लिए सुकर बनाना; और /या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को,
जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922
का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961
का 43) या धनकर अधिनियम, 1957 (1957
का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरित द्वारा प्रकट नहीं
किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने के
लिए सुकर बनाना;

और यतः आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43)
के अध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाही शुरू करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित किए गए हैं।

धन: अब, धारा 269-घ के अनुसरण में, मैं, आयकर अधि-
नियम 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ की उपधारा
(1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अथवा:—

1. श्री जगराज सिंह, पुष्करदार नथा मिह निवासी कुरायान
वाला जिला फिरोजपुर (अन्तरक)

2. (1) श्री मुहिन्द्र सिंह (2) श्री राजिग्रह सिंह पुदान
श्री महा मिह निवासी गांव 4-एच०, तहसील और जिला सीरी
गंगानगर। (प्रस्तुतिः)

की यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
एतद्वारा कार्यवाहिया शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हो, तो :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की
तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में
समाप्त होती हो के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से
किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किरी
अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित
में किए जा सकेंगे।

एतद्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर
सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए
आक्षेपों, यदि कोई हो, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान
नियत किए जाएंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को,
जिसने ऐसा आक्षेप किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को
दी जाएगी।

एतद्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर
ऐसे व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है,
आक्षेपों की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार
होगा।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर
अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के
अध्याय 20-क में यथापरिभाषित है, वही अर्थ
होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

प्लाट नं० 2, 3, 4, 5 और 6 जैसे 55 वर्ग गज भद्रां हाऊस
जी० टी० रोड, लुधियाना। जैसे कि रजिस्ट्रीकृत के विलेख नं०
9722, जनवरी 1973 को सब रजिस्ट्रार लुधियाना के वफ्तर
में लिखा है।

जी० पी० मिह
सक्षम प्राधिकारी,
संघायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेंज, चण्डीगढ़

तारीख : 8-7-1974

मोहर :

प्रेरूप आई० टी० एन० एस०——

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत गवर्नर

महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) का कार्यालय
अर्जन रेज, चण्डीगढ़

चण्डीगढ़, दिनांक 8 जूलाई 1974

निर्देश मं० एल० डी० पच०/सी०/118/74-75—यतः
मुझे, जी० पी० सिह, महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन
रेज चण्डीगढ़ आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43)
की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह
विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका
उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है
और जिसकी मं० प्लाट नं० 2, 3, 4, 5 और 6 भद्रौड़ हाउस,
जी० टी० रोड है, जो लृधियाना में स्थित है (और इसमें उपावद्ध
अनुसूची में और पृष्ठ से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी
के कार्यालय, लृधियाना में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम,
1908 (1908 का 16) के अधीन 1974, जनवरी को
पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम
के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत विनेख के
अनुसार अन्तर्गत की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण
है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान
प्रतिफल में ऐसे दृश्यतानन्द प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह
कि अन्तरक (अन्तरको) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच तथा
पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त
अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने के लिए सुकर बनाना; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने के लिए सुकर बनाता;

और यतः, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाही शुरू करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित किए गए हैं।

अतः अब, धारा 269-ग के अनुसारण में, मैं आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

8—276GI/74

1. श्री जगराज सिह पुत्र श्री नथा सिह, निवासी चक कड़िया
बाला, जिला फिरोजपुर (अन्तरक)

2 (1) श्री दरविन्द्र जीत सिह, (2) श्री मनिन्द्र जीत सिह
पुत्र श्री अजमेंर सिह, निवासी कड़ियां बाला जिला फिरोजपुर
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
एतद्वारा कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हो, तो:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की
तामील में 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में
ममात्र होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से
किसी व्यक्ति द्वारा या;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख में 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्ध किसी
अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताधरी के पास लिखित
में किए जा सकेंगे।

एतद्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर
सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए आक्षेपों,
यदि कोई हों, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किए
जाएंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को, जिसने ऐसा आक्षेप
किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जाएगी।

एतद्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे
व्यक्ति को, जिसे पूर्वोक्त दैरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपों,
की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर
अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के
अध्याय 20-क में यथापरिभाषित है, वही
अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

परिया 36 वर्ग गज, प्लाट नं० 2, 3, 4, 5 और 6 भद्रौड़
हाउस जी० टी० रोड लृधियाना में से जैसे कि रजिस्ट्रीकृत के
विनेख नं० 9723, जनवरी 1974 को सब रजिस्ट्रार लृधियाना
के दफ्तर में लिखा है।

जी० पी० सिह
मकान प्राधिकारी
महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज, चण्डीगढ़

तारीख : 8-7-1974

मोहर :

प्रूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, चण्डीगढ़

चण्डीगढ़, दिनांक 8 जुलाई 1974

निवेश सं० पा० डी० एन०/सी०/119/74-75—यतः
मझे, जी० पी० सिह, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन
रेज, चण्डीगढ़ आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का
43) की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह
विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका
उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है
और जिसकी म० प्लाट नं० 2, 3, 4, 5 और 6 भद्रौड़ हाऊस,
जी० टी० रोड है जो लुधियाना में स्थित है (और इससे उपाबद्ध
अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी
के कार्यालय लुधियाना में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम,
1908 (1908 का 16) के अधीन 1974, जनवरी को
पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीक्युल विलेख के अनुसार अन्तरित की गई
है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त
सम्पत्ति वा उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल
में, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है
और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों)
के बीच तथा पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल,
निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक
रूप से कथित नहीं किया गया है :—

- (क) अन्तरण से ही किसी आय की बाबत आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने के लिए सुकर बनाना; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आय-कर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 2) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने के लिए सुकर बनाना।

और यतः आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाही शुरू करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित किए गए हैं।

अतः अब धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :—

1. श्री महा सिह, पुत्र श्री कपूर सिह, निवासी गांव 4-एच०, तहसील और जिला, सिरी गंगानगर। (अन्तर्गत)

2. (1) श्री मुहिन्द्र सिह, (2) श्री राजिन्द्र सिह पुत्र श्री महा सिह, निवासी 4-एच० तहसील और जिला सिरी गंगानगर। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी कर के पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए एतद्वारा कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हो, तो :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 46 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि जो भी अवधि आद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

एतद्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उसर में किए गए आक्षेपों, यदि कोई हों, की सुनवाई के लिए तारीख और रथान नियत किए जाएंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्तिको, जिसने ऐसा आक्षेप किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जाएगी।

एतद्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे व्यक्तिको, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है आक्षेप की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

परिया 68-1/8 वर्ग गज प्लाट नं० 2, 3, 4, 5 और 6 में से भद्रौड़ हाऊस, जी टी० रोड लुधियाना जैमें कि रजिस्ट्रीड़ त के विलेख नं० 9724 जनवरी, 1974 को सब रजिस्ट्रार लुधियाना के दफ्तर में लिखा है।

जी० पी० सिह
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज, चण्डीगढ़

तारीख : 8-7-1974

मोहर :

प्रस्तुप आई० टी० एन० एस०—————

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269ष (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, चण्डीगढ़

चण्डीगढ़, दिनांक 8 जुलाई 1974

निर्देश सं ० बी० जी० आर० (केल०)/1/74-75—यत., मुझे, जी० पी० मिह सहायक प्रायकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, चण्डीगढ़ आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- है, और जिसकी सं ० प्लाट नं ० ५, न्यू इन्डस्ट्रियल प्रिया न्यू टाउन शिप है जो फरीदाबाद में स्थित है (और इससे उपावड़ अनुसूची में और पृष्ठ ४८ से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, कलकत्ता में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 1974, जनवरी को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच तय पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने के लिए सुकर बनाना; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों, को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आय-कर अधिनियम 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने के लिए सुकर बनाना;

और यतः आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाही शुरू करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित किए गए हैं।

अतः अब, धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. दी प्रिसीपल आफिसर, इन्डस्ट्रीयल पैकिंगज लिमिटेड,
2 बराबोर्न रोड, कलकत्ता । (अन्तरक)

2. मैं ओरिएन्टल मटील एण्ड इन्डस्ट्रीज लिमिटेड, 2, बराबोर्न रोड, कलकत्ता द्वारा श्री नवन किशोर, गमगढ़िया लारेक्टर। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी कर के पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए एतद्वारा कार्यवाहियाँ शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हो तो :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से ५ दिन की अवधि या तस्वीरी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से ३० दिन की अवधि जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा ;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से ५५ दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अघोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

एतद्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए आक्षेपों, यदि कोई हों, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किए जाएंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को, जिसने ऐसा आक्षेप किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जाएगी।

एतद्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है आक्षेपों की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

भूमि जो कि 12,888, वर्ग गज है। प्लाट नं ० ५ न्यू इन्डस्ट्रियल प्रिया न्यू टाउन शिप, फरीदाबाद में स्थित है।

जी० पी० मिह,
मक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, चण्डीगढ़

तारीख : 8-7-1974

मोहर :

प्र० रुप आई० टी० एन० एस०-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-घ(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) का कार्यालय

अर्जन रेज, चण्डीगढ़

चण्डीगढ़ दिनांक 8 जुलाई 1974

निदेश स० प० ए० डी० ए० न०/४३/७५-यत्, मुझे, जी० पी० सिह सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण), अर्जन रेज, चण्डीगढ़ आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य, 25,000/- रु० से अधिक है और जिसकी स० कारा बारा, तहमील लुधियाना है जा भवि गाव कारा बाग जिसे जवाहर नगर कहा जाता है में स्थित है (और इसे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, लुधियाना में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन 1974, जनवरी को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजारमूल्य से बहु के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकरण विलेख के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरको) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच तथ पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल, निम्नलिखित उत्तेश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप में कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने के लिए सुकर बनाना, और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या या किया जाना चाहिए था, छिपाने के लिए सुकर बनाना।

और यत्, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाही शुरू करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित किए गए है।

अतः, अब धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्—

1 श्री जोगिन्दर बचन मिह मुखराम नगर, लुधियाना।
(अन्तरक)

मर्व श्री/

2 (1) हन्दर मोहन मिह गरेवाल
(ii) मुरजीत सिह गरेवाल,
(iii) गुर ईकबाल मिह गरेवाल,
(iv) गुर परमाद मिह गरेवाल,
(v) गुर शोहन सिह गरेवाल,
(vi) परीतपाल मिह गरेवाल,
(vii) गर नाल मिह गरेवाल,
(viii) श्रीमती परमाद मिह गरेवाल, द्वारा श्री जोगिन्दर मिह गरेवाल, बकील (रटाईर पब्लिक परग्सीवियूटर), गुर्देव नगर, लुधियाना।
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए एतद्वारा कार्यवाहियां शुरू करना हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हो तो :—

(क) इस सूचना के राजपत्र मे प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बद्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद मे समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों मे से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र मे प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति मे हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित मे किए जा सकें।

एतद्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर मे किए गए आक्षेपो, यदि कोई हो, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किए जाएं और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को जिसने ऐसा आक्षेप किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जाएगी।

एतद्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपो की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा।

स्पष्टीकरण :—इसमे प्रयुक्त शब्दो का, जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क मे यथापरिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय मे दिया है।

अनुसूची

भूमि जो कि गाव कारा बाग जिसे जवाहर नगर कहा जाता है, लुधियाना मे स्थित है। (जायदाद जैसा कि रजिस्ट्रीकर्ता लुधियाना ने जनवरी मास की रजिस्ट्री न० 9529-८ मे लिखी है।

जी० पी० सिह
मक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज, चण्डीगढ़
तारीख 8-7-1974
मोहर :

प्रह्लाद आई० टी० एन० एस०————

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज-1, अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 6 अगस्त 1974

निकेश मं० ग० सी० क्य०-२३-१/आई०-९५/१-१/७४-७५—
यतः, मुझे, जे० कथरिया

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेज-1
अहमदाबाद आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43)
की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह
विश्वास करने वा कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका
उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है
और जिसकी मं० मिटी मर्वे नं० 2578, सैमस नं० 1275 से
1275/2 है, जो शाहपुर वार्ड नं० II, अहमदाबाद में स्थित है
(और इसमें उपाबद्ध अन्मूल्यी में और पूर्ण रूप से वर्णित है),
रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, अहमदाबाद में भारतीय
रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन
15-१-१९७४ को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से
कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार
अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने वा कारण है
कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान
प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है
और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के
बीच तथा पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिपक्ष, निम्नलिखित
उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं
किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर
अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन
कर देने के अन्तरक के सामित्र में कमी करने या
उससे बचने के लिए सुकर बनाना; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या आय-कर अधिनियम, 1961
(1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957
(1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट
नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने
के लिए सुकर बनाना।

ओर यतः आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के
अध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्य-
वाही शुरू करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित किए गए हैं।

अतः, अब, धारा 269-घ के अनुसरण में, मैं आयकर
अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ की
उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित अक्षितयों, अर्थात् :—

1. श्री मावीर अहमद शेख भद्र के निकट, जामसाहेब गली,
अहमदाबाद (अन्तरक)

2. (1) श्री अज्ञमतखान रहीमखान, 2 श्री महमदखान
रहीमखान, भद्र के निकट, जामसाहेब गली, अहमदाबाद।
(अन्तरिती)

3 सेत्स टेक्स डिपार्टमेंट, अहमदाबाद (वह व्यवित, जिसके
अधिभोग में सम्पत्ति है)
को यह सूचना जारी कर के पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
एतद्वारा कार्यवाहियां शुरू करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हो, तो—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना
की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद
में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से
किसी व्यक्ति द्वारा;

(छ) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी
अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित
में विए जा सकेंगे।

एतद्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति
के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में विए गए आक्षेपों, यदि
कोई हों, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत
किए जाएंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को, जिसने ऐसा
आक्षेप किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जायेगी।

एतद्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे
व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती दैवा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपों
की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होंगा।

स्पष्टीकरण——इसमें प्रयुक्त शब्दों और पद वा, जो आयकर
अधिनियम 1961 (1961 का 43) के अध्याय
20-क में यथापरिभासित हैं, वही अर्थ होंगा, जो
उस अध्याय में दिया गया है

अन्मूल्यी

एक मकान जो 95.6 वर्ग गज भूमि पर स्थित है और
जिसका मिटी मर्वे नं० 2578, सैमस नं० 1275 से 1275/2
है, और जो शाहपुर वार्ड नं० II, अहमदाबाद में स्थित है।

जे० पी० कश्त्रिया

सक्षम प्राधिकारी

महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज-1, अहमदाबाद

तारीख : 6-8-1974

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस——

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-I, अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 6 अगस्त, 1974

निवेश स० ए० मी० क्य० 23-I-227/1-1/74-75:—यतः,
मुझे, ज० कथूरिया
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है और जिसकी स० फायनल प्लाट नं० 206/1, टी० पी० स्कीम नं० 6 है, जो पालडी, सरखेज रोड, अहमदाबाद में स्थित है (और इससे उपाधान अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्टा अधिकारी के कार्यालय, अहमदाबाद में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1961 (1908 का 16) के अधीन 24-1-1974 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकुल विलेख के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथा पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच तथा पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने के लिए सुकर बनाना; और /या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने के लिए सुकर बनाना,

और यतः, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यालयी शुल्क करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित किए गए हैं।

अतः, अब धारा 269-घ के अनुसरण में, मैं आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ की उपष्ठारा (1) के अधीन निम्नलिखित अक्षियों, अर्थात् :—

(1) श्री महेन्द्रभाई मजीलाल, 3, मरचट पार्क, पालडी, अहमदाबाद। (अन्तरक)

(2) श्री राजचन्द्र को० आपरेटिव हाउसिंग सोसायटी लिमिटेड, प्रितमनगर, पहेलोहाल अहमदाबाद। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए एतद्वारा कार्यवाहिया शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हो, तो —

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या सत्संबंधी व्यविसयों पर सूचना की सामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त अक्षियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकें।

एतद्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए आक्षेपों, यदि कोई हों, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किए जाएंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को, जिसने ऐसा आक्षेप किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जाएगी।

एतद्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे अक्षियों को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपों की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में यथापरिभावित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

खुली जमीन वाला प्लाट जिसका क्षेत्रफल 400 वर्ग गज है और जिसका फायनल प्लाट नं० 206/1 और जो टी० पी० स्कीम नं० 6 में पड़ता है और जो सरखेज रोड, पालडी अहमदाबाद पर स्थित है।

ज० कथूरिया,
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेंज-1, अहमदाबाद

तारीख : 6-8-74

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०.....

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) का कार्यालय
अर्जन रेज, अमृतसर

अमृतसर, दिनांक 7 अगस्त, 1974

सं० ए० एस० आर०/जालन्धर/ए० पी०-1070/74-75:—
यतः, मुझे डी० एम० गुप्ता, आयकर अधिनियम,
1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ के अधीन सक्षम
प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति
जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपए से अधिक है
और जिसकी सं० सम्पत्ति जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 8639
जनवरी, 1974 लिखा है, जो 418, मोतामिह नगर, जालन्धर
में स्थित है (और इसमें उपाबद्ध अनुसूची में भी पूर्ण रूप से दर्शित
है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, जालन्धर में भारतीय
रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन
1974, जनवरी को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम
के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत विलेख
के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे
यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त
सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे
दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक
(अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच तय पाया
गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त
अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से ह्रौदि किसी आय की बाबत आयकर
अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन
कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या
उससे बचने के लिए सुकर बनाना; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961
(1961 का 43) या धनकर अधिनियम, 1957
(1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती
धारा प्रकट नहीं किया गया था या किया
जाना चाहिए था, छिपाने के लिए सुकर
बनाना।

और यतः आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति
के अर्जन के लिए कार्यवाही शुरू करने के कारण मेरे द्वारा
अभिलिखित किए गए हैं।

यतः, अब, धारा 269-ग के अनुसरण में, आयकर
अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ की
उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्री रूप लाल अग्रवाल पुत्र श्री चरण दास अग्रवाल
पुत्र श्री पाल्ला राम 270/6 मैट्रल टाउन, जालन्धर।
(अन्तरक)

(2) श्री इन्द्रजीत सिंह उपल पुत्र श्री वसावा सिंह पुत्र
श्री सोहन सिंह वासी कृष्ण नगर, फिरोजपुर। (अन्तरिती)

(3) जैसा कि नं० 2 पर है। (वह व्यक्ति जिसके
अधिभोग में अधोहस्ताक्षरी जानता है)

(4) कोई व्यक्ति जो सम्पत्ति में रुचि रखता है। (वह
व्यक्ति, जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह
सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
एतद्वारा कार्यवाहियाँ शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हो, तो:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तस्वींधी व्यक्तियों पर सूचना की
सामील में 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद
में समाप्त होती ही, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से
किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

एतद्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर
सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए आक्षेपों,
यदि कोई हों, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किए
आएंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को, जिसने ऐसा आक्षेप
किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जाएगी।

एतद्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे
व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपों
की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर
अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय
20-क में यथापरिभाषित हैं, वही अर्थ होगा,
जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

सम्पत्ति, जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 8639 जनवरी,
1974 को रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी, जालन्धर में लिखा है।

डी० एस० गुप्ता,

सक्षम प्राधिकारी,

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),

प्रज्ञन रेज, अमृतसर।

तारीख : 7 अगस्त, 1974

मोहर :

प्रस्तुप आई० टी० एन० एस०—

आयवर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना
भारत भरकार
कार्यालय, महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज, अमृतसर

अमृतसर, दिनांक 7 अगस्त 1974

मं० ए० एम० आर०/जालन्धर/ए० पी०-1071/74-75—
यतः, मुझे डी० एम० गुराता, आयकर अधिनियम, 1961 (1961
का 43) की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को,
यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका
उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है और और
जिसकी म० सम्पत्ति जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख न० 8638
जनवरी, 1974 लिखा है, जो 418, मोता मिह नगर, जालन्धर में
स्थित है (और इसमें उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित
है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, जालन्धर भारतीय
रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन
1974, जनवरी को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल
के लिए रजिस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार अन्तरित की गई है और मृजे
यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का
उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान
प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक
(अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच तय पाया
गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से
उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं
किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर
अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन
कर देने के अन्तरक के बायित्व में कमी करने या
उससे बचने के लिए सुकर बनाना; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी बचन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961
(1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957
(1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट
नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने
के लिए सुकर बनाना।

और यत्. आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के
अध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्य-
वाही शुरू करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित किए गए हैं।

अतः अब, धारा 269-ग के अनुसारण में, मैं आयकर
अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घकी
उपषारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्री जर्यसह पुत्र श्री गुरदित्त सिंह पुत्र श्री मान्नगम,
291 मोता सिंह नगर, जालन्धर। (अन्तरक)

(2) श्री इन्द्र जीत कौर पुत्री आवा जसन्वत सिंह पुत्र आवा
तारा मिह वासी फिरोजपुर (अन्तरिती)

(3) जैसा कि न० 2 पर है। (वह व्यक्ति जिसके अभियोग
में अधोहस्ताक्षरी जानता है)

(4) कोई व्यक्ति जो सम्पत्ति में रुचि रखता है। (वह
व्यक्ति जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह
सम्पत्ति हितवद है)।

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए एतद्वारा कार्यवाहियों शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई है, तो:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के
पास लिखित में किए जा सकें।

एतद्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि स्थावर सम्पत्ति
के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए आक्षेपों, यदि
कोई हैं, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किये जाएंगे
और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को जिसने ऐसा आक्षेप किया
है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती जो दी जायेगी।

एतद्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि ऐसे
व्यक्ति को, जिसे पूर्वोक्त पैरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपों
की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर
अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के
अध्याय 20-क में यथापरिभाप्ति है, वही
अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया
है।

अनुसूची

सम्पत्ति, जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख न० 8638 जनवरी,
1974 को रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी, जालन्धर में लिखा है।

डी० एस० गुराता,
सक्षम प्राधिकारी,
महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेज, अमृतसर।

तारीख : 7 अगस्त, 1974।

मोहर :

प्रलूप आई० टी० ए० ए०

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, अमृतसर

अमृतसर, दिनांक 7 अगस्त 1974

म० ए० ए० आर०/जालन्धर०/ए० आ०-107०/७१७५--
यतः, मुझे, डी० ए० सूचना,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार गूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है

श्रीर जिसकी म० सम्पत्ति जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख न० 8639 और 8638 जनवरी, 1974 है जो मोता सिह नगर में स्थित है (और इसे उगाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्री-कर्ता अधिकारी के कार्यालय, जालन्धर में भागीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन जनवरी, 1974 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार गूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिये रजिस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने को कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार गूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरको) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच तथा पाया गया ऐसे अन्तरण के लिये प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वारतविक्ष स्पष्ट से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने के लिए सुकर बनाना; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या विभीष धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने के लिए सुकर बनाना।

और यतः आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाही शुरू करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित किए गए हैं।

अतः अब, धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित विवरणों, अर्थात् —

(1) श्री रूप लाल अग्रवाल सपुत्र श्री चरन दाम अग्रवाल सपुत्र श्री पाना राम वासी 270/6 मैन्डल टाउन जालन्धर 9—276GT/74

श्री जय सिह सपुत्र श्री गुरदित सिह सपुत्र श्री मालू राम वासी 291 मोता सिह नगर जालन्धर (अन्तरक)

(2) श्री इन्द्रजीत सिह उप्पल सपुत्र वसावा सिह, सपुत्र मोहन सिह वासी कृष्ण नगर फिरोजपुर श्री मनि इन्द्रजीत कौर सपुत्री श्री वावा जसवन सिह भगुन तारा सिह वासी फीरोजपुर (अन्तरिती)

(3) जैहा कि नं० 2 पर है। (वह व्यक्ति जिसके अधिभोग में अधोहस्ताक्षरी जानता है)

(4) कोई व्यक्ति जो सम्पत्ति में रुचि रखता हो। (वह व्यक्ति जिसके धारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी कर के पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए एतद्वारा कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हो, तो—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तस्वीरी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध फिसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकें।

एतद्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए आक्षेपों, यदि कोई हों, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किए जाएंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को, जिसने ऐसा आक्षेप किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जाएगी।

एतद्वारा आपे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपों की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा।

स्पष्टीकरण ——इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

सम्पत्ति जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख न० 8639, 3638 महीना जनवरी, 1974 को रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी जालन्धर में लिखा है।

डी० ए० सूचना,
सक्षम प्राधिकारी,
महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेज, अमृतसर।

तारीख : 8 अगस्त, 1974

मोहर :

प्रस्तुत आई० टी० एन० एस० —————

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269 व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार
सहायक आयकर आयुष्ट निरीक्षण का कार्यालय,
अर्जन रेज, अमृतसर

अमृतसर, दिनांक 7 अगस्त 1974

सं० ए० ए० एस० आर०/जालन्धर/ग० पी०-1073/74-75:—
यतः मुझे, डी० एम० गुप्ता, आयकर अधिनियम, 1961, (1961 का 43) की धारा 269-व के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है और जिसकी सं० धर्णी जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख न० 8627 जनवरी, 1974 लिखा है, जो गाव नामग्रा में स्थित है (और इससे उपांबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, जालन्धर में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 1974, जनवरी को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच तथ पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में व्यास्तविक रूप से वर्णित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण में हुई किसी आय की बाबत आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उभसे बचने के लिए सुकर बनाना; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हे भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट ही, किया गया था या किया जा चाहिए था, छिपाने के लिए सुकर बनाना;

और यतः, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क के शादी में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाही शुरू करने के बारें मेरे द्वारा अभिलिखित किए गए हैं।

अतः, अब धारा 269-व के अनुसरण में, मैं, आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात्:—

(1) श्री गुरबखण सिंह पुत्र श्री किशन सिंह वासी गांव नागरा जालन्धर। (अन्तरक)

(2) श्री मोहिन्दर सिंह उपल पुत्र श्री जसवंत सिंह उपल वासी 533 माझल टाउन, जालन्धर। (अन्तरिती)

3 जैसा कि न० 2 में है (वह व्यक्ति त्रिमके अधिभोग में अधोहस्ताक्षरी जानता है)।

4. कोई व्यक्ति जो सम्पत्ति में रचि रखता है (वह व्यक्ति जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)।

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए एतद्वारा कार्यवाहियां शुरू करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हो, तो—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि था तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास निखित में किए जा सकेंगे।

एतद्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए आक्षेपों, यदि कोई हों, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किए जाएंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को जिसने ऐसा आक्षेप किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जाएगी।

एतद्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे व्यक्ति को, जिसे पूर्वोक्त पैरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपों की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर में अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में यथापत्रिभावित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

धरती जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख न० 8627 जनवरी, 1974 को रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी जालन्धर में लिखा है।

डी० एम० गुप्ता,
गक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयकर (निरीक्षण),
अर्जन रेज, अमृतसर।

तारीख : 7 अगस्त, 1974

मोहर :

प्रस्तुप आई० टी० एन० एस०—————

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

धारा 269-व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, अमृतसर।

अमृतसर, दिनांक 7 अगस्त 1974

स० ए० ए० ए० आर०/जालन्धर/ए० पी०-1074/74-75 —
यतः, मुझे, डी० ए० गुप्ता, आयकर अधिनियम, 1961
(1961 का 43) की धारा 269-व के अधीन सक्षम प्राधिकारी
को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति,
जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है
और जिसकी स० भूमि जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख न० 8566
जनवरी, 1974 में लिखा है जो गाव नागरा में स्थित है (और
इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता
प्राधिकारी के कार्यालय, जालन्धर में भारतीय रजिस्ट्रीकरण प्राधि-
नियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन जनवरी, 1974
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के
दृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार
अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है
कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान
प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत
अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच तय पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

- (क) अन्तरण से दूर्वै किसी आय की बाबत आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने के लिए सुकर बनाना; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने के लिए सुकर बनाना।

और यतः, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाही शुरू करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित किए गए हैं।

अतः, अब, धारा 269-व के अनुसरण में, मैं, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्री गुरुबक्षण सिंह सपुत्री श्री किशन सिंह गाव नागरा
तहसील जालन्धर। (अन्तरक)

(2) श्री महिन्द्र सिंह उप्पल सपुत्र श्री जसवन्त सिंह उप्पल
5.3.3 माडल टाउन जालन्धर। (अन्तरिती)

(3) जैसा कि न० 2 पर मे है। (वह व्यक्ति जिसके
अधिभोग में अधोहस्ताक्षरी जानता है)

कोई व्यक्ति जो सम्पत्ति में रुचि रखता है। (वह व्यक्ति
जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में
हितबद्ध है)

को यह सूचना आरी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
एतद्वारा कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हो, तो:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की
तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में
समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से
किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी
अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित
में किए जा सकेंगे।

एतद्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए आक्षेपों, यदि कोई हो, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किए जाएंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को, जिसने ऐसा आक्षेप किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जाएगी।

एतद्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपों की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित हैं, वही अर्थ होंगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

भूमि जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख न० 8566 जनवरी, 1974
को रजिस्ट्रीकर्ता प्राधिकारी जालन्धर में लिखा है।

डी० ए० गुप्ता,
सक्षम प्राधिकारी,

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेज, अमृतसर

तारीख 7 अगस्त, 1974।

मोहर :

प्र॒र॒प॒ आ॒र्हा॒ ठी॒० ए॒न॒० ए॒स॒०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269 घ(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सामाजिक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),

अर्जन रेज, अमृतसर

अमृतसर, दिनांक 7 अगस्त 1974

सं० ए० ए० आर०/जालन्धर/ए० पी०-१०७५/७४-७५:—
यतः, मुझे, डी० ए० गुप्ता,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43)

की धारा 269 घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि अस्थाई सम्पत्ति, जिसका उचित आजार मूल्य 25,000/- रु से अधिक है और जिसकी स० भूमि जैसा कि रजिस्ट्रीड विलेख न० 8673 जनवरी, 1974 में लिखा है, जो गाव नगार में स्थित है (अौर इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, जालन्धर में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन जनवरी, 1974 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित आजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीड विलेख के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित आजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच तय पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखत में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है।

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरण के दायित्व में कभी करने या उससे बचने के लिए सुकर बनाना; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरित द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना आहिए था, छिपाने के लिए सुकर बनाना;

और यतः आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाही शुरू करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित किए गए हैं।

अतः अब, धारा 269-घ के अनुसरण में, मैं, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्री गुरबक्ष सिह सपुत्र श्री किशन सिह गांव नागरा तमील जालन्धर। (अन्तरक)

(2) श्री महिन्द्र सिह, उपन सपुत्र श्री जसवन्त सिह उपन स 533 माडल दाउन, जालन्धर। (अन्तरिती)

(3) जैसा कि न० 2 मे है।

(वह व्यक्ति जिसके अधिभोग में अधोहस्ताक्षरी जानता है)

(4) कोई व्यक्ति जो मम्पति में ऊच रखता हो।

(वह व्यक्ति जिसके द्वारे म अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह मम्पति में हितवद्ध है।)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए एतद्वारा कार्यवाही शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हो, तो :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि, या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील में 30 दिन की अवधि जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा,

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्ध किसी अन्य व्यक्तियों द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

एतद्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए आक्षेपों, यदि कोई हो, की मुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किए जाएंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को, जिसने ऐसा आक्षेप किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जाएगी।

एतद्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे व्यक्तियों को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपों की मुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

भूमि जैसा कि रजिस्ट्रीड विलेख न० 8673 जनवरी, 1974 को रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी जालन्धर में लिखा है।

डी० ए० गुप्ता,

सक्षम प्राधिकारी,

महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),

अर्जन रेज, अमृतसर।

तारीख : 7 अगस्त, 1974।

मोहर :

प्र० रुपा आर्ड० टी० एन० एस० —————

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43)

की धारा 269 व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),

अर्जन रेंज, अमृतसर

अमृतसर, दिनांक 7 अगस्त 1974

सं० ए० एस० आर०/जालन्धर/ए० पी०-१०७६/७४-७५:—

यतः, मुझे, डी० एम० गुप्ता, आयकर

अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है, और जिसकी प्रीर जिसकी सं० सम्पत्ति जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 8823 जनवरी, 1974 लिखा है, जो आबादपुरा ऐंगिया, जालन्धर में स्थित है (और इसमें उपाबद्ध अनुसूची में आंग पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, जालन्धर में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 1974, जनवरी को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृष्ट्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृष्ट्यमान प्रतिफल से ऐसे दृष्ट्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच तथा पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) के अधीन करदेने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने के लिए सुकरबनाना; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या विस्तीर्ण धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने के लिए सुकरबनाना।

और यतः, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाही शुरू करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित किए गए हैं।

अतः, अब धारा 269-व के अनुसरण में, मैं आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व की उपधारा

(1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्री उमराओ सिंह अद्वाल पुत्र स० हरबंस सिंह पुत्र श्री बाबू सिंह, अद्वाल फार्म, कपूरथला जनरल अटार्नी, गुरमीत सिंह, पुत्र श्री हरदित सिंह वासी धर्मपुर, शिमला द्वित्ती।

(अन्तरक)

(2) श्री रामेश्वर सिंह पुत्र डा० कैप्टन कर्म सिंह पुत्र स० गज्जा सिंह वासी 4 माडल टाउन, जालन्धर। (अन्तरिती)

(3) जैसा कि नं० 2 पर है। (वह व्यक्ति जिसके अधिभोग में अधोहस्ताक्षरी जानता है)

(4) कोई व्यक्ति जो सम्पत्ति में रुचि रखता है। (वह व्यक्ति जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है।)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए एतद्वारा कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई है, तो :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

एतद्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए आक्षेपों, यदि कोई हों, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किए जायेंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को जिसने ऐसा आक्षेप किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जाएगी।

एतद्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपों की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा।

स्पष्टीकरण :——इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में व्यापरिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

धरती जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 8823 जनवरी, 1974 की रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी, जालन्धर में लिखा है।

डी० एम० गुप्ता,
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेंज, अमृतसर

तिथि : 7 अगस्त 1974

मोहर :

प्रस्तुप आई० टी० एन० एस० —————

प्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेज, अमृतसर

अमृतगर, तारीख 7 अगस्त 1974

निर्देश सं०ए०एस०आर०जुलाई०ए०पी०/-१०७७/७४-७५—यत
मुझे, डी०एस०गुप्ता आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43)
की धारा 269 घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह
विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका
उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है और
जिसकी म० भूमि जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख न० 8500
जनवरी, 1974 में लिखा है जो अबादपुर एरिया जालन्धर में
स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित
है), रजिस्ट्रीकृत प्राधिकारी के कार्यालय जालन्धर में भारतीय
रजिस्ट्रकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन
जनवरी 1974 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य
से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार
अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि
यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रति-
फल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और
यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के
बीच तय पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल, निम्नलिखित
उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं
किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर
अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन
कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या
उससे बचने के लिए सुकर बनाना ; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961
(1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957
(1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा
प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए
था, छिपाने के लिए सुकर बनाना।

और यतः आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43)
के अध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाही शुरू करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित
किए गए हैं।

अतः, अब, धारा 269-घ के अनुसरण में, मेरे आयकर
अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ की
उपषारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :—

- (1) श्री रणबीर सिंह अटवाल सपुत्र श्री
हरबंस सिंह अटवाल मार्फत अटवाल
फार्म, कपूरथला । (अन्तरक)
 - (2) श्री रामेश्वर सिंह सपुत्र डा० कैप्टन
करम सिंह सपुत्र श्री गज्जा सिंह,
4 माडल टाउन, जालन्धर। (अन्तरित)
 - (3) जैसा कि नं० 2 मे है। (वह व्यक्ति जिसके अधिभोग मे
अधोहस्ताक्षरी जानता है)
 - (4) कोई व्यक्ति जो सम्पत्ति मे रुचि रखता है। (वह व्यक्ति जिस
के बारे मे अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति मे
हितवद्ध है)
- को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
एतद्वारा कार्यवाहीयां शुरू करता हूँ।
- उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हो, तो :—
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तरीख से
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर
सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा ;
 - (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

एतद्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर
सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए¹
आक्षेपों, यदि कोई हों, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान
नियत किए जाएंगे और उसकी सूचना शुरू ऐसे व्यक्ति को,
जिसने ऐसा आक्षेप किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को
की जाएगी।

एतद्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर
ऐसे व्यक्ति को, जिसे पूर्वोक्त पंरा के अधीन सूचना दी गई है,
आक्षेपों की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार
होगा।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर
अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय
20-क में यथापरिभाषित हैं, वही अर्थ होगा,
जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

भूमि जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख न० 8500 जनवरी
1974 को रजिस्ट्रीकृत प्राधिकारी जालन्धर मे लिखा है।

डी० एस० गुप्ता,
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेज, अमृतसर।

दिनांक : 7 अगस्त, 1974

मोहर :

प्रस्तुप आई० टी० एन० एस०

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज, अमृतसर

अमृतसर तारीख 7 अगस्त 1974

निर्देश सं० एस०आर०/जाल०/ए०पी०-१०७८/७४-७५-पतः,
मुझे, डी० एस० गुप्ता आयकर अधिनियम, 1961 (1961
का 43) की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह
विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका
उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है और जिसकी
धरती का टुकड़ा जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख सं०
8705 जनवरी, 1974 लिखा है, जो वाईपास, जालन्धर
में स्थित है (और इससे उपावद्र अनुसूची में और पूर्ण रूप से
वर्णित है), रजिस्ट्रीकृत अधिकारी के कार्यालय जालन्धर में
भारतीय रजिस्ट्रकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16)
के अधीन 1974, जनवरी, को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित
बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत
विलेख के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने
के कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके
दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत
अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्त-
रितियों) के बीच तथा पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल,
निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखत में वास्तविक रूप से
कथित नहीं किया गया है—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर अधि-
नियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन करदेने के
अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने
के लिए सुकर बनाना; और /या

(ख) ऐसी किसी आय या विसी धन या अन्य आस्तियों
की, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) आयकर अधिनियम, 1961
(1961 का 43) या धनकर अधिनियम, 1957
(1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती
प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था,
छिपाने के लिए सुकर बनाना;

और अतः आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43)
के अध्याय 20 के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाही शुरू करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित किये
गये हैं।

अतः अब, धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, आयकर अधि-
नियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ की उपधारा

(1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :-

(1) श्री शाम कुमार पुत्र पंडित सत पाल
भारद्वाज सैन्द्रह दात्तन, जालन्धर जनरल

अटार्नी, गोपाल चन्द डाढा
पुत्र श्री मुकन्द लाल डाढा, लाडो-
वाली रोड, जालन्धर और जनरल
अटार्नी कंबल नैन डाढा पुत्र श्री
श्री गोपाल चन्द डाढा वासी
लाडोवाली रोड, जालन्धर।

- (2) श्री मेवा मिह, मेवा मिह, अजीत मिह
पुत्र श्री लक्षकर मिह, मक्खन सिह
पुत्र श्री कर्म सिह गांव विधिपुर,
जालन्धर मार्फत जालन्धर बोडी
बिल्डरज, सररान कर्ता जालन्धर
(3) जैसा कि न० 2 पर है। (वह व्यक्ति जिसके अधिभोग में
अधोहस्ताक्षरी जानता है)
(4) कोई व्यक्ति जो सम्पत्ति में रुचि रखता है।
(वह व्यक्ति जिसके द्वारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि
वह सम्पत्ति भे हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए एतद-
द्वारा कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हो, तो:-

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना
की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद
में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में
से किसी एक व्यक्ति द्वारा;
(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

एतद्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर
सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए आक्षेपों,
यदि कोई हों, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किये
एंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को, जिसने ऐसा आक्षेप
किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जाएगी।

एतद्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे
व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपों
की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा।

स्पष्टीकरण:- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो आयकर
अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय
20-क में यथापारिभाषित है, वही अर्थ होगा,
जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

धरती का टुकड़ा जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 8705
जनवरी, 1974 को रजिस्ट्रीकृत अधिकारी जालन्धर में लिखा है।

डी० एस० गुप्ता,
मध्यम प्राधिकारी,
महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेज, अमृतसर

तारीख : 7 अगस्त, 1974

मोहर :

प्रस्तुप आई० टी० एन० एस०

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) का कार्यालय
अर्जन रेंज, अमृतसर

अमृतसर तारीख 7 अगस्त, 1974

म० ए० म० आग्रा/जुलाई/ए०पी०-1079/74-75—यतः, मुझे
डी० एस० गुप्ता आयकर अधिनियम, 1961 (1961
का 43) की धारा 269-घ के अधीन सभी प्राधिकारी को, यह
विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित
बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है
और जिसकी सं० धरनी का टुकड़ा जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख
नं० 8706 जनवरी 1974 लिखा है, जो वाई पास रोड,
जालन्धर में स्थित है (और इसमें उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण
रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय जालन्धर
में भारतीय रजिस्ट्रकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16)
के अधीन 1974, जनवरी को पूर्वोक्त सम्पत्ति
के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के
लिए रजिस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार अन्तरित की
गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथा-
पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान
प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक
है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों)
के बीच तथा पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल निम्न-
लिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप
से कथित नहीं किया गया है :—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने के लिए सुकर बनाना; और/या
(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों, को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था, या किया जाना चाहिए था, छिपाने के लिए सुकर बनाना।

और यतः आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाही गुरु करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित किए गए हैं।

अतः अब, धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

- (1) श्री शाम कुमार पुत्र पंडित सतपाल
भारद्वाज वासी सैन्ट्रल टाउन, जालन्धर
जनरल अटार्नी गोपाल

चन्द दावा पुत्र श्री मुकन्द लाल दादा,

लाडोवाली रोड, जालन्धर।

और जनरल अटार्नी कंबल नैन
दादा, पुत्र श्री गोपाल चन्द दादा
वामी लाडोवाली रोड,

जालन्धर। (अन्तरक)

- (2) श्री मेवा सिंह, सेवा सिंह, अजीत सिंह
पुत्र श्री लष्टकर सिंह मकबन सिंह
पुत्र श्री कर्म सिंह गांव विधिपुर
तहसील जालन्धर मार्फत मैमर्ज
जालन्धर बोडी बिल्डरज, मैशन
कोर्ट रोड, जालन्धर। (अन्तर्गती)

- (3) जैसा कि नं० 2 पर है। (वह व्यक्ति जिसके अधिभोग में
अधोहस्ताक्षरी जानता है)

- (4) कोई व्यक्ति जो सम्पत्ति में मच्च रखता हो। (वह व्यक्ति,
जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह
सम्पत्ति में हितबद्ध है)।

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
एतद्वारा कार्यालयां भरु करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हो, तो :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की
तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि आदि में
समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से
किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर, उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी
अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित
में किये जा सकेंगे।

एतद्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर
सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए आक्षेपों,
यदि कोई हो, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किए
जाएंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को, जिसने ऐसा आक्षेप
किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जाएगी।

एतद्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे
व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपों
की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित है, वही अर्थ होंगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

धरनी का टुकड़ा जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 8706
जनवरी 1974 को रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी, जालन्धर में
लिखा है।

डी० एस० गुप्ता,
सभी प्राधिकारी,
महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेंज, अमृतसर।

तारीख : 7 अगस्त, 1974
मोहर :

प्र० रुप आई० टी० एन० एम०—
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, अमृतसर

अमृतसर, तारीख 7 अगस्त 1974

निर्देश सं० ए०ए०प्रा०/जुलाई०/१०८०/७४-७५—यतः,
मुझे, डी०ए०प्रा० गुप्ता, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43)
की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को,
यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका
उचित बाजार मूल्य 25000/- रुपये से अधिक है
और जिसकी सं० धर्मी का टुकड़ा जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख
नं० 9045 जनवरी, 1974 लिखा है, जो न्यू जवाहर नगर,
जालन्धर में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण
रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता के कार्यालय जलन्धर में भारतीय
रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 18)
के अधीन 1974, जनवरी को पूर्वोक्त
सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के वृश्यमान प्रतिफल
के लिए रजिस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे
यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का
उचित बाजार मूल्य, उसके वृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान
प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक
(अस्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच तथा पाया
गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से
उक्त अन्तरण लिखित में भास्तविक रूप से घायित नहीं किया
गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर
अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर
देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे
बचने के लिए सुकर बनाना; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों, को
जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922
का 11) या आय-कर अधिनियम, 1961 (1961
का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957
का 27) के प्रयोजनार्थे अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं
किया गया या या किया जाना चाहिए था, छिपाने के
लिए सुकर बनाना;

और यतः आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43)
के अध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यालयी शुरू करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित किए गए हैं।

अतः अब, धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, आयकर अधि-
नियम 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ की उपधारा
(1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

10—276GI/74

- (1) श्री केवल कृष्ण गोयल एडब्ल्यूकेट
पुत्र श्री मिलखी राम गोयल, माडल
टाउन, जालन्धर अब्र अमरीक मिह
रोड, भट्टिडा।
- (2) श्रीमती मरोज बाला सोहन पाल
पुत्र श्री रतन सिंह सोहनपाल पुत्र
श्री नगीना सिंह, एन० डी०/७३
विव्रमपुरा जालन्धर मार्फत श्री
रतन सिंह।
- (3) जैसा कि नं० 2 पर है।
(वह व्यक्ति जिसके अधिभोग में अधोहस्ताक्षरी जानता
है)
- (4) कोई व्यक्ति जो सम्पत्ति में इच्छा रखता है।
वह व्यक्ति जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि
वह सम्पत्ति में हितबद्ध है
को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
एतद्वारा कार्यशाहियां शुरू करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हो तो :—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की
तापील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि भाव में
समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी
व्यक्ति द्वारा ;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी
अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित
में किए जा सकेंगे।

एतद्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति
के अर्जन के प्रति इस सूचना के उस्तर में किए गए आक्षेपों, यदि कोई
हों, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किए जाएंगे और
उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को, जिसने ऐसा आक्षेप किया है तथा
सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जाएगी।

एतद्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे
व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है आक्षेपों
की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा।

स्पष्टीकरण—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर
अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के
अध्याय 20-क में यथापरिमाणित हैं, वही अर्थ
होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

धरती का टुकड़ा जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 9045
जनवरी 1974 को रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी जालन्धर में लिखा है।

डी० एस० गुप्ता,
सक्षम प्राधिकारी,
तारीख : 7 अगस्त, 1974 महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
मोहर : प्रर्जन रेंज, अमृतसर।

प्ररूप आई० टी० एन० एस० —————

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज, अमृतगढ़

अमृतगढ़, दिनांक 7 अगस्त, 1974

निर्देश मं०ए०प०ग०आर०जुलाई०/ए०पी०-१०८१/७४-७५/—
यतः, मुझे डी० एम० गुप्ता आयकर अधिनियम, 1961 (1961
का 43) की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह
विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका
उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है
और जिसकी मूल्य पर्याप्ति में जैसा कि रजिस्ट्रीड विलेख नं० 9299
जनवरी 1974 को लिखा है, जो नामा घट में स्थित है (प्रौद्योगिकी में उपावद्ध ग्रन्तिसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्री-
कर्ता प्रधिकारी के कार्यालय जालनाथर में भारतीय रजिस्ट्रेशन
अ० नियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 1974
जनवरी को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य
से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीड विलेख के अनुमार
अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि
यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान
प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है
और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के
बीच तथा पाथा गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल, निम्नलिखित
उद्देश्य से उक्त अन्तरण नियित में वास्तविक रूप में कथित नहीं
किया गया है :—

- (घ) अन्तरण से ही किसी आय की बाबत आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने के लिए सुकर बनाना; और/या
- (छ) ऐसी निसी आय या विसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रवृत्त नहीं किया गया या या किया जाना चाहिए था, छिपाने के लिए सुकर बनाना;

और यतः आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाही शुरू करने के कारण मेरे द्वारा अधिनियमित किए गए हैं।

अतः अब, धारा 269-घ के अनुसरण में, मैं आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

- (1) श्रीमती ईश्वर कौर पत्नी श्री मोहर मिह पुत्र श्री हरनाम मिह, वासी जवाहर नगर, नानाथर। (यन्तरक)
- (2) श्री जनवार मिह पुत्र श्री सोहन मिह, जगतपुर नहमील नवांशहर, जतरन अदीनी श्री गुरुचरण मिह पुत्र म० मोहन मिह। (अन्तरिती)
- (3) जैमा निः नं० ३ पर है। (वह व्यक्ति जिसके अधिभोग में अधोहस्ताक्षरी जानता है)

(4) कोई जायित जो भम्पनि में रजि रखता हो। (वह व्यक्ति जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह भम्पनि में हिनबद्ध है)।

को यह सूचना जारी कर के पूर्वोक्त भम्पनि के अर्जन के लिए एनद्वारा कार्यवाहियां शुरू करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हो, तो :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिनबद्ध विसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सके।

एनद्वारा यह अधिसूचित विगा जाता है कि इस ग्राहावर सम्पत्ति के अर्जन के प्रति हम सूचना वे जत्तर में विप्र गण ३१४८ों, यदि कोई हो, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किए जाएंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को, जिसने ऐसा आक्षेप किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जायेगी।

प्रतद्वारा आगे यह अधिसूचित गिया जाता है कि हर ऐसे व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती तैरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपों की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा।

स्पष्टीकरण :— इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची :

भम्पनि जैमा निः रजिस्ट्रीड विलेख नं० 9299 जनवरी 1974 को रजिस्ट्रीकर्ता प्रधिकारी, जालनाथर में लिखा है।

डी० एम० गुप्ता
सक्षम प्राधिकारी,
तारीख : 7-8-1974 महायकर आयुक्त (निरीक्षण)
मोहर : अर्जन रेज, अहमदाबाद;

प्रस्तुप आई० टी० एन० एस०——

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, अमृतसर

अमृतसर, तारीख 7 अगस्त 1974

निर्देश स० पापमथ्रा/गुलाई/पी-1082/74-75—यत्, मुझे डी० एन० गुप्ता आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है और जिसकी म० नर्ती का टुकड़ा जैसा कि रजिस्ट्रीकूट विलेख न० 8879 जनवरी 1974 लिखा है जो माइल टाउन जालन्धर में स्थित है (श्रीरामसंडनवड़े नर्ती में शौर पूर्ण न्यू में वर्णित है), रजिस्ट्रीकूट अधिकारी के वार्यालय, जालन्धर में भारत रजिस्ट्रीकूट प्रधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन 19-4 जनवरी को पूर्वाचित सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल वे यिन रजिस्ट्रीकूट विलेख के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने ता कारण है कि वथापूर्वक सम्पत्ति ना उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल में ऐसे दृश्यमान प्रतिफल वा पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरको) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच तय पाया गया तो से अन्तरण के लिए प्रतिफल निम्न-लिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई विसी आय की बाबत आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने के लिए सुकर बनाना, और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयाजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने के लिए सुकर बनाना;

और यतः आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-के शब्दों से पूर्वाचित सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाही शुरू करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित किए गए हैं।

अतः अब, धारा 269-घ के अनुसरण में, मैं आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

- (1) श्री लछमन मिह सायग पुत्र म० मट्टा सिह सायग दगाना त० होशियारपुर जनरल अटार्नी मोहिन्दर मिह जमल पुत्र स० जागर मिह, जमल 8/373 सैन्ट्रल टाउन, जालन्धर। (अन्तरक)
- (2) मर्वशी गुरुचरण मिह, रघवीर मिह पुत्र श्री मगल मिह श्री राजिन्दर मिह पुत्र म० जान मिह 439—गल० माडल टाउन, जालन्धर।
- (3) जैसा कि न० 2 पर है। (वह व्यक्ति जिसके अधिभोग में अधोहस्ताक्षरी जानता है)

(4) काई व्यक्ति जो सम्पत्ति में रुचि रखता है। (वह व्यक्ति जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितवद्धि है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वाचित सम्पत्ति के अर्जन के लिए एतद्वारा कार्यावाहिया शुरू करता हू।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हो, तो:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्धि किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकें।

एतद्वारा यह अधिसूचित हिया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए आक्षेपों, यदि कोई हो, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत बनाए जाएंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को, जिसने ऐसा आक्षेप किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जाएगी।

एतद्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपों की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-के में यथापरिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

धर्ती का टुकड़ा, जैसा कि रजिस्ट्रीकूट विलेख न० 8879 जनवरी 1974 को रजिस्ट्रीकूट प्रधिकारी, जालन्धर में लिखा है।

डी० एम० गुप्ता
सक्षम प्राधिकारी,

महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज, अमृतसर

तारीख 7 अगस्त, 1974
मोहर

प्रलूप आई० टी० एन० एम०—
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-व (1) के अधीन सूचना
भारत सरकार
कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, अमृतसर

दिनाक, 7 अगस्त 1974

निर्देश सं० प्रामाण्य/जुलाई/पर्वी-1083/74-75—यत्,
झौं, डी० एस० गुप्ता, आयकर अधिनियम, 1961 (1961
का 43) की धारा 269-व के अधीन सक्षम प्राधिकारी
की, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति,
जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है
और जिसकी स० धरती का टुकड़ा जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख
नं० 8941 जनवरी 1974 लिखा है, जो न्यू जवाहर नगर,
जालन्धर में स्थित है (और इसमें उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण
रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता प्राधिकारी के कार्यालय जालन्धर
में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16)
के अधीन 1974 जनवरी को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से
कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार
अस्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है
कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान
प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और
यह कि अन्तरक (अन्तरको) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के
बीच स्थ पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल, निम्नलिखित
उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं
किया गया है :—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर
अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर
देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससं
बंधने के लिए सुकर बनाना; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को
जिस्थे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922
का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961
का 43) या धनकर अधिनियम, 1957 (1957
का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं
किया गया या या किया जाना चाहिए था, छिपाने के
लिए सुकर बनाना।

और यतः आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43)
के अध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाही शुरू करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित किए
गए हैं।

अतः अब, धारा 269-व के अनुसरण में, मैं आयकर अधि-
नियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व की उपधारा
(1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

- (1) श्री लख बीर मिहू गड्डोकेट पुा
मरदार भगत सिहू गड्डोकेट

- | | |
|---|---------------|
| सूरज गज, जालन्धर। | (प्रस्तरक) |
| (2) त्रिज मोहन भल्ला पुत्र श्री घिरत राम
वासी 506—एम० भाडम दाऊन
जालन्धर। | (प्रत्यक्षित) |
| (3) जैमा कि न० 2 पर है। (वह व्यक्ति जिसके अधिभोग
में अधोहस्ताक्षरी जानता है)। | |
| (4) कोई व्यक्ति जो सम्पत्ति में रुचि रखता है। (वह व्यक्ति
जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति
में हितबद्ध है)। | |

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए एतद्वारा कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हो, तो :—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की
तारीख में 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में
समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी
व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी
अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित
में किए जा सकेंगे।

एतद्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति
के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए आक्षेपों, यदि कोई
हो, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किए जायेंगे और
उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को, जिसने ऐसा आक्षेप किया है तथा
सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जाएगी।

एतद्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे
व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपों
की सुनवाई के समय मुने जाने के लिए अधिकार होगा।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर
अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के
अध्याय 20-क में यथापरिभाषित है, वही
अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

धरती का टुकड़ा, जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 8941
जनवरी, 1974 को रजिस्ट्रीकर्ता प्राधिकारी जालन्धर में लिखा
है।

डी० एस० गुप्ता,
सक्षम प्राधिकारी,
महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेंज, अमृतसर

दिनाक : 7 अगस्त, 1974
मोहर :

प्रृष्ठ आई० टी० एन० एस०——

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

महायकर आयकर आमुक्त (निरीक्षण) का कार्यालय,
अर्जन रेज, अमृतसर

तारीख 7 अगस्त 1974

निर्देश सं० एएसआर/जुलाई/एपी-1084/74-75—यत्,
मुझे, डी० एस० गुप्ता,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ के
अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्था-
वर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु से अधिक है
और जिसकी सं० धर्ती का टुकड़ा जैमा कि रजिस्ट्रीकूट विलेख
नं० 8795 जनवरी 1974 लिखा है, जो जी० टी० रोड,
जालन्धर में स्थित है (और इसमें उपाबद्ध अनुमती में और पूर्ण
रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय जालन्धर
में भारतीय रजिस्ट्रकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16)
के अधीन 1974 जनवरी
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के
दृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकूट विलेख के अनुसार
प्रत्यक्षित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का
कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य,
उसके दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है
और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच तथा पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल,
निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप
से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने के लिए सुकर बनाना; और/या
(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने के लिए सुकर बनाना;

और यतः आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-घ के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाही शुरू करने के कारण भेरे द्वारा अभिलिखित किए गए हैं।

अतः अब, धारा 269-घ के अनुसरण में, मैं, आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

(1) श्री लखपत राय, लाजपत राय पुत्र
श्री जवाना दाम पुत्र श्री बहादुर चन्द्र,
रैनक बाजार, जालन्धर। (अन्तरक)

(2) मास्टर टूल कारपोरेशन,
जी० टी० रोड,
जालन्धर मार्फत श्री कैलाश चन्द्र,
पाटनर। (अन्तरिती)

(3) जैमा कि नं० 2 पर है। (वह व्यक्ति जिसके अधिभोग में
अधोहस्ताक्षरी जानता है।)

(4) कोई व्यक्ति जो सम्पत्ति में रुचि रखता हो। (वह व्यक्ति
जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति
में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
एतद्वारा कार्यवाहिया शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हो, तो:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

एतद्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उसरे में किये गये आक्षेपों, यदि कोई हों, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किये जायेंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को जिसने ऐसा आक्षेप किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जाएगी।

एतद्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपों की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में यथा परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

धरती का टुकड़ा जैमा कि रजिस्ट्रीकूट विलेख नं० 8795 जनवरी 1974 को रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी, जालन्धर में लिखा है।

डी० एस० गुप्ता,
सक्षम प्राधिकारी,
महायकर आयकर आमुक्त (निरीक्षण,)
अर्जन रेज, अमृतसर

दिनांक: 7 अगस्त 1974

मोहर:

प्ररूप आई० टी० एन० एस० —————

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
का कार्यालय
ग्रांजन रेंज, अमृतसर
तारीख 7 अगस्त 1974

निर्देश सं० प्रामाण्यार्जुनाई/प्रापी-1085/74 75—यतः,
मुझे, डी० एस० गुप्ता, आयकर अधिनियम, 1961
(1961 का 43) की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी
को, यह विष्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति,
जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है
और जिसकी सं० धरती का टुकड़ा जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख
नं० 9017, जनवरी 1974 लिखा है जो डी० रोड,
जालन्धर में स्थित है (श्रौत इसमें उपावस्था अनुसूची में और पूर्ण
रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय जालन्धर
में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16)
के अधीन 1974 जनवरी को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित
बाजार मूल्य से कम के दृष्टमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत
विलेख के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विष्वास करने
का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके
दृष्टमान प्रतिफल से ऐसे दृष्टमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक
है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों)
के बीच तय पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल निम्नलिखित
उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं
किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बावत आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन करदेने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने के लिए सुकर बनाना; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किमी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने के लिए सुकर बनाना।

और यतः, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाही शुरू करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित किए गए हैं।

अतः, अब, धारा 269-ग के अनुसरण में, आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ की उपदारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :—

(1) श्री लखपत राय, लाजपत राय पुत्र
श्री जवाला दाम पुत्र श्री बहादुर चन्द,
रेनक बाजार, जालन्धर। (अन्तरक)

(2) मास्टर टूल कारपोरेशन,
जी० टी० रोड,
जालन्धर
मार्फत श्री कंलाश चन्द पाठ्नर। (अन्तरिती)

(3) जैमा कि नं० 2 पर है। (वह व्यक्ति जिसके अधिभोग में
अधोहस्ताक्षरी जानता है)

(4) कोई व्यक्ति जो सम्पत्ति में स्वि
रक्षना हो। (वह व्यक्ति जिसके बारे में
अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्तिके अर्जन के लिए
एतद्वारा कार्यवाही शुरू करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हो, तो :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या नत्तम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा ;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे ।

एतद्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के ऊपर में किए गए आक्षेपों, यदि कोई हों, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किए जाएंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को जिसने ऐसा आक्षेप किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जाएगी ।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है ।

अनुसूची

धरती का टुकड़ा जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 9017 जनवरी, 1974 को रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी, जालन्धर में लिखा है ।

डी० एस० गुप्ता,
स्थान प्राधिकारी,

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

ग्रांजन रेंज, अमृतसर ।

दिनांक : 7 अगस्त, 1974

मोहर :

प्रूप आई० टी० एन० एस०

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना
भारत सरकार
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, अमृतसर का कार्यालय
अमृतसर, दिनांक 7 अगस्त 1974

निदेश स० अमृतसर/जालंधर/1086/74-75—अतः,
मुझे डी० एम० गुप्ता

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- स्पष्ट से अधिक है और जिसकी स० सम्पत्ति जैसा वि: रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 8660 जनवरी 1974 को लिखा है, जो शहीद उधम मिहनगर, जालंधर में स्थित है (और इसमें उपबन्ध अनुचूटी में शौरपूर्ण स्वप्न में वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता प्रधिकारी के वार्तालय जालंधर में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 1974, जनवरी

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार अन्तरिक्ष की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्योक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल रो, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरः (अन्तरको) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच तय पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में धारात्मिक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उसमें बचने के लिए सुकर बनाना; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आग्नियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने के लिए सुकर बनाना।

और यतः, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यान्वयी शुरू करने के कारण मेरे द्वारा अभिनिवित किए गए हैं।

अतः अब, धारा 269-घ के अनुसरण में, मैं, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

(1) श्री बोध राज पुत्र श्री अत्तर सिंह मार्फत मैं सर्व अत्तर सिंह बोधराज, बावजी मंडी, जालंधर।

(अन्तरक)

(2) श्री केनाश चन्द्र पुत्र श्री चूनी लाल मार्फत मैं सर्व मास्टर टूल कारपोरेशन, वस्तीनौ जालंधर।

(अन्तर्गती)

(3) जैसा कि नं० 2 पर है। (वह व्यक्ति जिसके अधिभोग में अधोहस्ताक्षरी जानता है)

(4) श्री/श्रीमती/ कुमारी कोई व्यक्ति जो सम्पत्ति में रुच रखता हो।

(वह व्यक्ति, जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए अतद्वारा कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हो, तो:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

एतद्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए आक्षेपों, यदि कोई हों, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किए जायेंगे और उम्मीद की सूचना हर ऐसे व्यक्ति को, जिसने ऐसा आक्षेप किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जाएगी।

एतद्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपों की सुनवाई के ममय सुने जाने के लिए अधिकार होगा।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

सम्पत्ति जैसा कि रजिस्ट्रीकर्ता विलेख नं० 8660 जनवरी 1974 रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी, जालंधर में लिखा है।

डी० एम० गुप्ता,
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेंज, अमृतसर।

तारीख : 7-8-74

मोहर :

प्रस्तुत आई० टी० एन० एस०————

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) का कार्यालय
अर्जन रेज, अमृतसर

अमृतसर, दिनांक 7 अगस्त 1974

निदेश मं० अमृतसर/जालंधर/ए०पी०-1087/74-75—
यतः, मुझे डी० पम० गुप्ता

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रुपये से अधिक है

और जिसकी मं० धरनी जैमा कि रजिस्ट्रीकूट विलेख नं० 8851 जनवरी 1974 लिखा है, जो नागरा में स्थित है (आगे इसमें उपांडद अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, जालंधर में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 1974, जालंधर को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकूट विलेख के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच तय पाथा गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने के लिए सुकर बनाना; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आय-कर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने के लिए सुकर बनाना।

और यतः आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाही शुरू करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित किए गए हैं।

अतः अब, धारा 269-घ के अनुसरण में, मैं आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्री अर्जन मिह, जमीयत मिह पुत्र श्री जवाला मिह पुत्र स० जैमल सिह आप और मुख्तयार आम भाना श्रीमती हुक्मी

विधवा श्री जवाला सिह, गांव नागरा त० जालंधर।

(अन्तरक)

(2) मैमर्स० आई० ब्रिकम एण्ड विल्डरज (प्रा०) लिमिटेड नौक दीपेक मिनेमा, लृधियाना मार्पत श्री शाम मिह मैनेजिंग डायरेक्टर और हडजीत मिह गुजरात, डायरेक्टर। (अन्तरिती)

(3) श्री/श्रीमती/कुमारी जैमा कि नं० 2 पर है।

(वह व्यक्ति जिसके अधिभोग में अधोहस्ताक्षरी जानता है)

(4) श्री/श्रीमती/कुमारी कोई व्यक्ति जो सम्पत्ति में सचि रखता है।

(वह व्यक्ति जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता कि वह सम्पत्ति में हितवद्ध है।

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए एनद्वारा कार्यवाहीय शुरू करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हो, तो :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तर्संबंधी व्यक्तियों पर मूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि, बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा ;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त व्यक्ति सम्पत्ति में हितवद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

एनद्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उसरे में किए गए आक्षेपों, यदि कोई हों, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किए आएंगे और उसकी मूचना हर ऐसे व्यक्ति को, जिसने ऐसा आक्षेप किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जाएगी।

प्रष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित है, वही अर्थ होंगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

धरती जैमा कि रजिस्ट्रीकूट विलेख नं० 8851 जनवरी 1974 को रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी, जालंधर में लिखा है।

ई० ए० पम० गुप्ता,
सक्षम प्राधिकारी,

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),

दिनांक : 7-8-1974

मोहर :

अर्जन रेज, अमृतसर

प्रलूप आई० टी० एन० एस०.....

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) का कार्यालय

अर्जन रेंज, अमृतसर

अमृतसर, दिनांक 8 जुलाई 1974

निदेश सं० अमृतसर/जालंधर/ए०पी०-१०८८/७४-७५—
यतः मुझे डी० एस० गुप्ता आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रुपये से अधिक है और जिसकी सं० धरती जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 8997 जनवरी 1974 लिखा है, जो गांव नागरा में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय जालंधर में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 1974 जनवरी को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के वृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यक्षपूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे वृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) जो अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच सम पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के वापित्व में कमी करने या उससे बचने के लिए सुकर बनाना ; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों, को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आय-कर अधिनियम 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने के लिए सुकर बनाना ।

और यतः आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाही शुरू करने के कारण मेरे द्वाया अभिलिखित किए गए हैं।

ग्रन्त: अमृ, धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, आयकर प्रधि-
नियम 1961 (1961 का 43)) की धारा 269-घ की उपधारा
(1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—
11-276GI/74

(1) सर्वेश्वी अर्जन सिंह, जमीयत सिंह पुत्र श्री जवाला सिंह पुत्र सरदार जैमल सिंह आप और जनरल अर्टनी माता श्रीमती दृक्मी विधवा श्री जवाला सिंह वासी गांव नागरा तसील जालंधर। (अन्तरक)

(2) मैमर्स एम० आई० विक्रम एण्ड विल्डरज (प्रा०) लिमिटेड चौक दीपल सिनेमा, लुधियाना मार्फत श्री शाम सिंह, मैनेजिंग डायरेक्टर प्लॉइंड इंड्रीजीस सिंह गुजरात, डायरेक्टर। (अन्तारत)

(3) जैमा कि नं० 2 ऊपर है।

(वह व्यक्ति जिसके बारे में अधोहस्ताक्षारी जानता है) कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है।

(4) कोई व्यक्ति जो सम्पत्ति में रुचि रखता है।

(वह व्यक्ति जिसके अधिभोग में अधोहस्ताक्षारी जानता है) कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है।

को यह सूचना जारी कर के पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए एतद्वारा कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हो, तो:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि जो भी अवधि आद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षारी के पास लिखित में किए जा सकें।

एतद्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए आक्षेपों यदि कोई हो, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किए जाएंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को, जिसने ऐसा आक्षेप किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जाएगी।

एतद्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है आक्षेपों की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

धरती जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 8997 जनवरी 1974 को रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी, जालंधर में लिखा है।

टी० एस० गुप्ता

तारीख: 7 जुलाई 1974

मोहर:

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, अमृतसर।

प्र० आई० टी० एन० एस० ——

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269 घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) का कार्यालय

अर्जन रेज़, अमृतसर

अमृतसर, दिनांक: 7 अगस्त 1974

निदेश मं० अमृतसर/जालधर/ग०पी०-1089/74-75—
यतः मुझे डी० एस० गुप्ता

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है और और जिसकी सं० भरती जैमा वि॒ रजिस्ट्रीकूट विलेख नं० 8828 जनवरी 1974 विवा॒ है जि॒ गा॒ नागर में स्थित है (और इसमें उपावद्ध अनुमूल्य में ग्रांग पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के वार्यालय जालधर में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 ता० 16) के अधीन 1974, जनवरी को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकूट विलेख के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे अन्तरण प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच तथ पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की वापत आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने के लिये सुकर बनाना; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तर्गत द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने के लिये सुकर बनाना।

और यतः आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिये कार्यवाही शुरू करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित किये गये हैं।

अतः अब, धारा 269-ग के अनुसार में, मैं आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात्—

(1) श्री अर्जन मिह, जमीयत मिह पुत्र श्री जवाला मिह पुत्र सरदार जैमल मिह ग्राम और मुद्दार ग्राम माना श्रीमती दृष्टि विधवा सरदार जवाला मिह वासी गांव नागर नहमील जालधर।

(अन्तरक)

(2) मैसर्स एस० आई० विक्रम पाण्डि विल्डरज (प्रा०) निमित्त चौंब दीपक मिनेमा लुधियाना मार्फत श्री शाम सिंह मैनेजिंग डायरेक्टर और हृष्टजीत मिह गुजरात, डायरेक्टर। (अन्तरिती)

(3) जैमा कि नं० 2 पर है।

(वह व्यक्ति जिसके अधिभोग में अधोहस्ताक्षरी जानता है)

(1) कोई व्यक्ति जो सम्पत्ति में रुचि रखता है।

(वह व्यक्ति जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिये एतद्वारा कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हो, तो :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में में किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

एतद्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए आक्षेपों, यदि कोई हों, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किए जाएंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को, जिसने ऐसा आक्षेप किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जाएगी।

एतद्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपों की सुनवाई के समय सुने जाते के लिये अधिकार होगा।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रथम शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो इस अध्याय में विया गया है।

अनुसूची

धरती, जैमा कि रजिस्ट्रीकूट विलेख नं० 8828 जनवरी 1974 को रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी, जालधर में लिखा है।

दी० एस० गुप्ता

मक्का प्राधिकारी

महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज़, अमृतसर

तारीख : 7-8-1974

मोहर :

प्रस्तुप आई० टी० एन० एस०————

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, अमृतसर

दिनांक 7 अगस्त 1974

निर्देश सं० अमृतसर/जालन्धर/ए०पी०-१०९०/७४-७५—यतः
मुझे डी० एस० गुप्ता आयकर अधिनियम, 1961 (1961
का 43) की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह
विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित
बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है और जिसकी
सं० भूमि का प्लाट जैसा कि रजिस्ट्रीकूट विलेख नं०
9146, जनवरी, 1974 में लिखा है। जो सैशन कोर्ट रोड, जालन्धर
में स्थित है (श्री इसमें उपालव अनुसूची में श्री पूर्ण व्यप्ति से
वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी का कार्यालय जालन्धर में
भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16)
के अधीन जनवरी, 74 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के
उचित बाजार मूल्य से कम के दृष्यमान प्रतिफल के
लिए रजिस्ट्रीकूट विलेख के अनुसार अन्तरित की
गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण
है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृष्यमान
प्रतिफल से ऐसे दृष्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और
यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के
बीच तथा पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल, निम्नलिखित
उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं
किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने के लिए सुकर बनाना; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने के लिए सुकर बनाना।

और यतः आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाही घुरू करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित किए गए हैं।

अतः अब, धारा 269-घ के अनुसरण में, मैं आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्री सहदेव मिह सुपुत्र श्री राजेश्वर मिह सुपुत्र श्री गुलाब सिंह, 187 सैशन कोर्ट रोड, सिविल लाइनज, जालन्धर।

(अन्तरक)

(2) श्रीमती कांता अग्रवाल पत्नी श्री रूप लाल अग्रवाल वासी 270 सैल्लूल टाउन, जालन्धर। श्री जय सिंह सुपुत्र गुरदिस सिंह 29 मोता सिंह नगर जालन्धर, श्री विजया वीर मिह सुपुत्र लखबीर मिह 186 सैशन कोर्ट रोड जालन्धर। (अन्तरित)

(3) जैसा कि नं० 2 में है। (वह व्यक्ति जिसके अधिभोग में अधोहस्ताक्षरी जानता है)

(4) कोई व्यक्ति जो सम्पत्ति में मत्ति रखता है। (वह व्यक्ति, जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए एतद्वारा कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हो, तो—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि आद में समाप्त होती हो के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

एतद्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए आक्षेपों, यदि कोई हों, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किए जाएंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को, जिसने ऐसा आक्षेप किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जाएगी।

एतद्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपों की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा।

स्पष्टीकरण :——इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

भूमि का प्लाट जैसा कि रजिस्ट्रीकूट विलेख नं० 9146 जनवरी 1974 को रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी जालन्धर में लिखा है।

डी० एस० गुप्ता,
सक्षम प्राधिकारी

तारीख : 7 अगस्त 1974 सहायक आयकर आयुक्त
(निरीक्षण)

अर्जन रेंज, अमृतसर

मोहर :

प्रस्तुप आई० टी० एन० एस०

आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, अमृतसर

अमृतसर, दिनांक 7 अगस्त 1974

निदेश सं० एएसआर/जालन्धर/एपी-1091/74-75—यह:
मुझे डी० एस० गुप्ता आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रुपये से अधिक है और जिसकी सं० सम्पत्ति जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलख नं० 9046 जनवरी 1974 लिखा है, जो लाडी वाली रोड, जालंधर में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्री-कर्ता अधिकारी के कार्यालय, जालन्धर में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन जनवरी 1974 की पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत विलख के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथा-पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच तथा पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल निम्न-लिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप में क्षणित नहीं किया गया है :—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के बायित्व में कमी करने या उससे बचने के लिए सुकर बनाना; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों, को जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने के लिए सुकर बनाना;

और यह: आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाही शुरू करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित किए गए हैं।

अतः अब, धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ की उपनाश (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

- (1) श्रमर नाथ पुत्र श्री अरंजी लाल पुत्र श्री शावी राम ई० ए०-292, चार बाग, जालंधर। (अन्तरक)
- (2) मैसर्जे हिन्दुस्तान स्ट्रिप कम्पनी लाडोबाली रोड, जालंधर मार्फत श्री तिलक राज पुत्र श्री वाऊ राम पार्टनर (अन्तरिती)

- (3) जैसा कि नं० 2 पर है। (वह व्यक्ति जिसके अधिनियम में सम्पत्ति है।)
- (4) कोई व्यक्ति जौ सम्पत्ति में राहित रखता है। (वह व्यक्ति; जिसके बारे में अधीक्षोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है।)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए एतद्वारा कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप; यदि कोई हो तो :—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति, द्वारा अधीक्षोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

एतद्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए आक्षेपों यदि कोई हो, कि मुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किए जायेंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को, जिसने ऐसा आक्षेप किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती की दी जाएगी।

एतद्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपों की मुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा।

स्पष्टीकरण—इस में प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में यथा परिभासित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

सम्पत्ति, जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलख नं० 9046 जनवरी, 1974 के रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी, जालन्धर में लिखा है।

डी० एस० गुप्ता,
सभाम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, अमृतसर

दिनांक 7 अगस्त 1974

मोहर :

प्रस्तुप आई० टी० एन० एस० —————

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज-II, अमृतसर

अमृतसर, दिनांक 7 अगस्त 1974

निवेश सं० एएसआर/जालंधर/ए०पी०-1092/74-75—यतः
मुझे ढी० एस० गुप्ता, आयकर अधिनियम 1961
(1961 का 43) की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु से अधिक है और जिसकी सूचना सम्पत्ति जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलख नं० 8746 जनवरी, 1974 लिखा है, जो आदर्श नगर, जालंधर में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में श्रौर दू पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय जालंधर में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन जनवरी, 1974 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के भीष्म तय पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने के लिए सुकर बनाना; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने के लिए सुकर बनाना।

और यतः, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाही शुरू करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित किये गए हैं।

अतः अब, धारा 269-घ के अनुसरण में, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ की उपचारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्रीमती गुरदीप कौर पत्नी सं० इन्द्र सिंह पुत्र श्री अगत सिंह वासी कोठी नं० 64 आदर्श नगर, जालंधर। (अन्तरक)

(2) श्रीमती कुलदीप कौर पत्नी श्री गुरमीत सिंह पुत्र सं० मेहर सिंह 39-बी, आदर्श नगर, जालंधर मार्फत सं० गुरबचन सिंह, जेम्स रडियो कम्पनी कपूरथला रोड, जालंधर।

(अन्तरिती)

(3) जैसा कि नं० 2 पर है। (वह व्यक्ति जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)।

(4) कोई व्यक्ति जो सम्पत्ति में रुजि रखता है। (वह व्यक्ति जिसके बारे में अघोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है) को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए एतद्वारा कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई है, तो :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामिल से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अघोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

एतद्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उसर में किए गए आक्षेपों, यदि कोई हों, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किए जाएंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को, जिसने ऐसा आक्षेप किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जाएगी।

एतद्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे व्यक्ति को, जिसे पूर्वोक्त वैरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपों की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

सम्पत्ति जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलख नं० 8746 जनवरी 1974 को रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी जालंधर में लिखा है।

डी० एस० गुप्ता,
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेज, अमृतसर

तारीख : 7-8-1974

मोहर :

प्रस्तुत आई० टी० एन० एस० —————
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार
कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज, अमृतसर

अमृतसर, दिनाक 7 अगस्त, 1974

निदेश स० एएसआर/जालंधर/एपी-1093/74-75—यतः
मुझे डी० एस० गुप्ता

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ख
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण
है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000- रुपये से अधिक है

और जिसकी सं० धर्ती का टुकड़ा जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख
न० 8701 जनवरी 1974 लिखा है, जो संतोषपुरा जालंधर
में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित
है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय जालंधर में भारतीय
रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन
1974, जनवरी, को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य
से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत
विलेख के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य,
उसके दृश्यमान प्रतिफल, से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत
अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरको) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच तथा पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल
निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से
कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने के लिए सुकर बनाना; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने के लिए सुकर बनाना;

और अतः, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाही शुरू करने के कारण भेरे द्वारा अभिलिखित किए गए हैं।

अतः, अब, धारा 269-घ के अनुसरण में, मैं, आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ की उपधारा (1) अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

(1) पठिन लाल चंद दादा पुत्र श्री मुकंद लाल दादा टांडा
रोड जालंधर आप और जनरल अटार्नी बाल वकिशन, हुक्म चंद,
गोपाल चंद, भार्द
(अन्तरक)

(2) श्रीमती ज्ञान कौर पत्नी श्री निरजन दास पुत्र श्री
उत्तम राम, चाल न० 506 न्यू आवादी संतोषपुरा जालंधर मार्फत
श्री नरजन दाम
(अन्तरिती)

(3) जैमा किन० 2 पर है। (वह व्यक्ति जिसके अधिभोग
में सम्पत्ति है)।

(4) कोई व्यक्ति जो सम्पत्ति में रुचि रखता है। (वह व्यक्ति
जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में
हितबद्ध है)।

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
एतद्वारा कार्यवाही शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हो, तो :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तस्वीरंधी व्यक्तियों पर सूचना
की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद
में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से
किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी
अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित
में किये जा सकेंगे।

एतद्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति
के अर्जन के प्रति इस सूचना के उक्त र में किए गए आक्षेपों, यदि कोई
हो, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किए जाएंगे
और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को, जिसने ऐसा आक्षेप किया
है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जाएंगी।

एतद्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे
व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना की गई है, आक्षेपों
की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के
अध्याय 20-क में व्यापरिभाषित है, यही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

धरती का टुकड़ा, जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख न० 8701
जनवरी 1974 को रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी, जालंधर में लिखा है।

डी० एस० गुप्ता,
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज, अमृतसर

दिनाक : 7-8-1974

मोहर :

प्रख्युप श्राई० टी० एन० एस० —————

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत मरकार

वार्यालिय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, अमृतसर

अमृतसर, दिनांक 7 अगस्त 1974

निदेश म० एएमआर/पीएचाप्ल/एपी 1094/74-75—यत् मुझ, डी० एस० गुप्ता, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है और जिसकी म० धरनी का टुकड़ा जैसा फि रजिस्ट्रीकूट विलख न० न० 4222 जनवरी 1974 लिखा है जो गाव गमगढ़ में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के वार्यालिय फिलौर में भारतीय अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन 1974, जनवरी, को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम से दृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकूट विलेख के अनुसार अन्तरिक्ष की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरको) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बांध तय पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए, प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने के लिए सुकर बनाना; और /या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरको द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने के लिए सुकर बनाना;

और यत् आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाही शुरू करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित किए गए हैं।

अतः अब, धारा 269-घ के अनुसरण में, मैं आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्—

(1) श्री मनोज मिह साम्भी पुत्र श्री मोहन मिह पुत्र श्री इद्र मिह वासी गाव अकालपुर त० फिलौर आप और जनरन अटार्नी जान मिह साम्भी पुत्र श्री मोहन मिह वासी अकालपुर तसील फिलौर श्री परमजीत सिह साम्भी पुत्र श्री मोहन मिह श्रीमती गुरबचन कौर विधवा श्री मोहन सिह वासी अकालपुर तहसील फिलौर (अन्तरक)

(2) प्रमोद कुमारी वासी पुत्री श्री परमिदर सिह डोगरा पत्नी श्री बलबत सिह वासी गाव लडरो तहसील फिलौर मार्कंट श्री हन्द्रजीत वासी पुत्र श्री किशन चन्द पुत्र श्री अमी चन्द गाव लडरो त० फिलौर (अन्तरिती)

(3) जैसा कि न० 2 पर है (वह व्यक्ति जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

(4) कोई व्यक्ति जो सम्पत्ति में रजि रखता है (वह व्यक्ति, जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)।

को यह सूचना जारी कर के पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए एतद्वारा कार्यवाहिया शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हो, तो :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सवधी व्यक्तियों पर सूचना की सामील में 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकें।

एतद्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए आक्षेपों, यदि कोई हो, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किए जाएंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को, जिसने ऐसा आक्षेप किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जाएगी।

एतद्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपों की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा।

स्पष्टीकरण—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में यथापरिभासित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

धरनी का टुकड़ा जैसा कि रजिस्ट्रीकूट विलख न० 4222 जनवरी, 1974 को रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी फिलौर में लिखा है।

डी० एस० गुप्ता

सक्षम प्राधिकारी,

तारीख 7 अगस्त, 1974 सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
मोहर अर्जन रेज, अमृतसर

प्रूलप आई० टी० एस० —————

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज अमृतसर

अमृतसर, तारीख 7 अगस्त 1974

निदेश सं० अमृतसर नवांशहर/एपी-1095/74-75—यसः
मुझे डी० एस० गुप्ता आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को,
यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका
उचित बाजार मूल्य, 25,000/- रु० से अधिक है और
जिस की संख्या सम्पत्ति जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख नं०
3826 जनवरी 1974 लिखा है, जो शक्तिनगर नवांशहर में स्थित
है (और इससे उपावड़ अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है),
रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय नसांशहर में भारतीय
रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16)
के अधीन दिनांक जनवरी 1974 को पूर्वोक्त सम्पत्ति
के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के
लिए रजिस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार अन्तरिक्ष की गई है और मुझे
यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित
बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल
का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरक) और
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच तथा पाया गया ऐसे अन्तरण
के लिए प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में
धास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की आवश्यकता आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने के लिए सुकर बनाना; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने के लिए सुकर बनाना;

और यसः आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाही शुरू करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित किए गए हैं।

अतः, अब धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, वर्त्ति :—

- (1) श्री शक्ति कुमार पुत्र श्री मुख्यराज पुत्र श्री नौरिया राम वासी नवांशहर । (अन्तरक)
- (2) चैन मिह पुत्र श्री राम सिह पुत्र श्री सुन्दर सिह वासी रायपुर डाबा । (अन्तरिती)
- (3) जैसा कि नं० 2 पर है । (वह व्यक्ति जिसके अधिभोग में अधोहस्ताक्षरी जानता है)
- (4) कोई व्यक्ति जो सम्पत्ति में रुचि रखता हो) (वह व्यक्ति जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है ।)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए एतद्वारा कार्यवाहियां शुरू करता हूँ ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप यदि कोई हो, तो :—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

एतद्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए आक्षेपों, यदि कोई हों, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किए जायेंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को, जिसने ऐसा आक्षेप किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जाएगी ।

एतद्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपों की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा ।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है ।

अनुसूची

सम्पत्ति जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 3826 जनवरी 1974 को रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी, नवांशहर में लिखा है ।

डी० एस० गुप्ता
सक्षम प्रधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज अमृतसर

तारीख : 7 अगस्त 1974
मोहर :

प्र० रूप आई० टी० एन० एस० —————

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, अमृतसर

अमृतसर, तारीख 7 अगस्त 1974

निदेश सं० अमृतसर/नवांशहर/एपी-1096/74-75—यतः
मुझे डी० एस० गुप्ता आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है और जिस की सं० सम्पत्ति जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 3743, जनवरी 1974 को लिखा है, जो शक्ति नगर नवांशहर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, नवांशहर में भारतीय रजिस्ट्रकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक जनवरी 1974

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथा-पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच तथा पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने के लिए सुकर बनाना; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने के लिए सुकर बनाना।

और यतः आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यालयी शुरू करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित किए गए हैं।

अतः अब, धारा 269-घ के अनुसरण में, मैं आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—
12-276GI/74

- (1) श्री शक्ति कुमार पुत्र श्री मुलखराज पुत्र श्री नौरिया राम बसी नवांशहर। (अन्तरक)
- (2) श्री कृपाल मिह पुत्र श्री चैन मिह पुत्र श्री राम सिंह बासी रायपुर डाबा। (अन्तरिती)
- (3) जैसा कि नं० 2 पर है। (वह व्यक्ति जिसके अधिभोग में अधोहस्ताक्षरी जानता है)।

(4) कोई व्यक्ति जो सम्पत्ति में रुचि रखता हो (वह व्यक्ति जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी कर के पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए एतद्वारा कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हो, तो—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

एतद्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए आक्षेपों, यदि कोई हों, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किए जाएंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्तियों को, जिसने ऐसा आक्षेप किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जायेगी।

एतद्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपों की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

सम्पत्ति जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 3743 जनवरी 1974 को रजिस्ट्रीकृती अधिकारी नवांशहर में लिखा है।

डी० एम० गुप्ता
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज अमृतसर

तारीख : 7 अगस्त 1974

मोहर :

प्रलूप आई०टी० एन० एस० —————

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269ग (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज अमृतसर

अमृतसर, तारीख 7 अगस्त 1974

निदेश सं० अमृतसर/नवांशहर/एफी-1097/74-75—यत
मुझे डी० एस० गुप्ता

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269ग के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य, 25,000/- रुपये से अधिक है और जिस की सं० धरती जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 3617 जनवरी 1974 लिखा है, जो नवांशहर में स्थित है (और इसमें उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय नवांशहर में भारतीय रजिस्ट्रकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक जनवरी 1974 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के सिए रजिस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच तथा पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित महीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से ही किसी आय की बायत आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने के लिए सुकर बनाना; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अध्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती हारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने के लिए सुकर बनाना।

और यह; आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाही शुरू करने के कारण मेरे हारा अभिलिखित किए गए हैं।

अतः अब धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ग की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

- (1) इन्द्र प्रकाश पुत्र श्री गुरुदत्त जनरल अटार्नी श्री हरी दस ओपड़ा पुत्र श्री चिंतराम वासी नवांशहर। (अन्तरक)
- (2) मैसर्स सतलुज लैंड फाइनेंस कम्पनी (प्रा०) लिमिटेड जी० टी० रोड, जालंधर। (अन्तरिती)

(3) जैसा कि नं० 2 पर है (वह अवित जिसके अधिभोग में अधोहस्ताक्षरी जानता है)

(4) कोई व्यक्ति जो सम्पत्ति में रुचि रखता हो (वह व्यक्ति जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)।

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए एतद्वारा कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हो, तो:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यवितयों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उत्तर स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकें।

एतद्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए आक्षेपों, यदि कोई हों, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किए जाएंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को, जिसने ऐसा आक्षेप किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जाएगी।

एतद्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपों की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

धरती जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 3617 जनवरी 1974 को रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी, नवांशहर में लिखा है।

डी० एस० गुप्ता
सक्षम प्रक्षिकारी

महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज अमृतसर।

तारीख : 7 अगस्त 1974

मोहर :

प्र० रुप आई० टी० एन० एस० —————

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) का कार्यालय,

अर्जन रेंज, अमृतसर

अमृतसर, तारीख 7 अगस्त 1974

निदेश सं० अमृतसर/नवांशहर/एपी-1098/74-75—यतः

मुझे डी० एस० गुप्ता आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है और जिसकी सं० धरती जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 3618 जनवरी 1974 को लिखा है, जो नवांशहर में स्थित है (और इसे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, नवांशहर में भारतीय रजिस्ट्रेकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक जनवरी 1974 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत विलेख के धनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है, और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच तथा पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है।

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत अयिकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने के लिए सुकर बनाना; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आमिस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने के लिए सुकर बनाना;

और यतः आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाही शुरू करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित किए गए हैं।

अतः, अब धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ की उपषारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्रीमती ऊषा चड्डा पुत्री श्री गुरुदत्त चौपड़ा जनरल अटार्नी हरी दत्त चौपड़ा पुत्र श्री चित राम वासी नवांशहर। (अन्तरक)

(2) मैसर्स सतलुज लैण्ड फाइनेंस कम्पनी (प्रा०) लिमिटेड जी० टी० रोड़, जासंधर। (अन्तरिती)

(3) जैसा कि न० 2 पर है (वह व्यक्ति जिसके अधिभोग में अधोहस्ताक्षरी जानता है)

(4) कोई व्यक्ति जो सम्पत्ति में उचित रखता हो (वह व्यक्ति जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)।

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए एतद्वारा कार्यवाहियाँ शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हो, तो :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि आदि में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

एतद्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए आक्षेपों, यदि कोई हों, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियम किये जाएंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को, जिसने ऐसा आक्षेप किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जाएगी।

एतद्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपों की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

धरती जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 3618 जनवरी 1974 को रजिस्ट्रेकर्ता अधिकारी, नवांशहर में लिखा है।

छी० एस० गुप्ता
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज अमृतसर

तारीख : 7 अगस्त 1974

मोहर :

प्रस्तुत आई० टी० एन० एस०-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज अमृतसर

अमृतसर तारीख 7 अगस्त 1974

निवेश सं० ए० एस० आर०/एन० एस०/एपी-1099/
74-75—यतः मुझे श्री० ए० गुप्ता आयकर अधिनियम, 1961
(1961 का 43), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी
को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति,
जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है
और जिसकी मं० धरती जैसा कि रजिस्ट्रीकूट विलेख नं० 3610
जनवरी 1974 को लिखा है, जो नवाशहर में स्थित है (श्री० इम्से
उपावद्र अनुभूती में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता
अधिकारी के कार्यालय, नवाशहर में भारतीय रजिस्ट्रीकरण
अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन जनवरी, 1974
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम
के दृष्टमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकूट विलेख के अनुसार
अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि
यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृष्टमान
प्रतिफल से ऐसे दृष्टमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक
है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों)
के बीच तथा पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल निम्न-
लिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप
से कथित नहीं किया गया है :—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के बायित्व में कमी करने या उससे बचने के लिए सुकर बनाना, और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोगनार्थे अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने के लिए सुकर बनाना;

और यतः आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्य-
वाही शुल्क करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित किए गए हैं।

अतः अब, धारा 269-घ के अनुसरण में, मैं, आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ की उपशारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

- (1) श्री हरीदत्त चौपडा पुत्र श्री वित्त राम वासी नवाशहर।
(अन्तरक)
- (2) मैर्सर्ज सतलुज लैण्ड फाइनेंस कम्पनी (प्रा०) लिमिटेड
जी० टी० रोड, जालंधर।
(अन्तरिती)

- (3) जैसा कि नं० 2 पर है (वह व्यक्ति जिसके अधिभोग में
अधीहस्ताक्षरी जानता है)।
- (4) कोई व्यक्ति जो सम्पत्ति में रुचि रखता हो (वह व्यक्ति,
जिसके बारे में अधीहस्ताक्षरी जानता है कि वह
सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
एतद्वारा कार्यवाहियाँ शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति, आक्षेप यदि, कोई हो, तो :—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की
तामील से 30 विन की अवधि, जो भी अवधि आद में
समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से
जिसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की
तामील से 30 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में
हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधीहस्ताक्षरी के
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

एतद्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर
सम्पत्ति के अर्जन के उत्तर में किए गए आक्षेपों
यदि कोई हो, कि सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किए
जाएंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को, जिसने ऐसा आक्षेप
किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जाएगी।

एतद्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे
व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपों
की सुनवाई के समय सूने जाने के लिए अधिकार होगा।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो
आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) के
अध्याय 20-क में व्यापरिभाषित है, वही मर्य
होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

धरती, जैसा कि रजिस्ट्रीकूट विलेख नं० 3610 जनवरी
1974 को रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी नवाशहर में लिखा है।

जी० ए० एस० गुप्ता,

सक्षम प्राधिकारी,

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),

अर्जन रेंज अमृतसर।

तारीख : 7 अगस्त 1974

मोहर :

प्रस्तुत आई० टी० एन० एस०————

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज अमृतसर

अमृतसर, तारीख 7 अगस्त 1974

निदेश सं० अमृतसर/नवांशहर/एपी-1100/74-75—यतः
मुझे डी० एस० गुप्ता

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रुपये से अधिक है और

और जिस की सं० धरती जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 3614 जनवरी 1974 लिखा है, जो नवांशहर में स्थित है (और इसमें उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, नवांशहर में भारतीय रजिस्ट्रकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 1974, जनवरी को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच तय पाथा गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्ता अन्तरण लिखित म वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने के लिए सुकर बनाना; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थी अन्तरिती प्रारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने के लिए सुकर बनाना;

और यतः, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यालय शुरू करने के कारण मेरे प्रारा अभिलिखित किए गए हैं।

अतः अब, धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ की उपव्याप्ति (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) नरिन्द्र कुमार चौपड़ा पुत्र श्री गुरुदत्त चौपड़ा जनरल अटार्नी श्री हरी दत चौपड़ा पुत्र श्री चित राम, नवांशहर। (अन्तरक)

(2) मैसंजं सतलुज लैन्ड फाइनेंस कम्पनी (प्रा०) लिमिटेड जी० टी० रोड़, जालधर (अन्तरिती)

(3) जैसा कि नं० 2 पर है (वह व्यक्ति जिसके अधिभोग में अधोहस्ताक्षरी जानता है)

(4) कोई व्यक्ति जो सम्पत्ति में रुचि रखता है (वह व्यक्ति जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितवद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति अर्जन के लिए एतद्वारा कार्यालयां शुरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हो, तो :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तर्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

एतद्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए आक्षेपों, यदि कोई हों, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किए जायेंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को, जिसने ऐसा आक्षेप किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जाएगी।

एतद्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे व्यक्ति को, जिसे पूर्वोक्त पैरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपों की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा।

स्वष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अमुसूची

धरती जैसा कि रजिस्ट्रीकूत विलेख नं० 3614 जनवरी 1974 को रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी नवांशहर में लिखा है।

डी० एस० गुप्ता,
सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेज अमृतसर।

तारीख : 7 अगस्त 1974

मोहर :

प्रलेप आई० टी०एन०एस०————

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज अमृतसर

अमृतसर, दिनांक 7 अगस्त 1974

निवेश सं० अमृतसर/नवांशहर/एपी-1101/74-75— यतः
मुझे डी० एस० गुप्ता आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43)
की धारा 269-व के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है

और जिस की सं० धरती जैसा कि रजिस्ट्रीकूत विलेख नं० 3615 जनवरी 1974 लिखा है, जो नवांशहर में स्थित है (और इससे उपाध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, नवांशहर में भारतीय रजिस्ट्रकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 1974 जनवरी को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकूत विलेख के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच तथा पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के शायित्व में कमी करने या उससे बचने के लिए सुकर बनाना; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य प्रसिद्धियों, को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने के लिए सुकर बनाना।

और अतः, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के प्रध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वोक्ति सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाही शुरू करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित किए गए हैं।

प्रतः अब, धारा 269-व के अनुसरण में आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, प्रर्थातः—

- (1) श्री विजय कुमार चौपड़ा पुत्र श्री गुरुदत्त चौपड़ा जनरल अटार्मी श्री हरि दस चौपड़ा पुत्र श्री चित राम, नवांशहर। (अन्तरक)
- (2) मैसर्स सतलुज लैण्ड फार्मिंस कम्पनी (प्रा०) लिमिटेड, जी० टी० रोड, जालंधर।
- (3) जैसा कि न० 2 पर है (वह व्यक्ति जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)
- (4) कोई व्यक्ति जो सम्पत्ति में हत्ति रखता हो (वह व्यक्ति जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितवद्ध है)

को यह सूचना आरी कर के पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए एतद्वारा कार्यवाही शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हो, तो :—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख में 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

एतद्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए आक्षेपों, यदि कोई हों, की सुनवाई के लिए कारीब और स्थान नियत किए जाएंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को, जिसने ऐसा आक्षेप किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जाएगी।

एतद्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपों की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के प्रध्याय 20-क में यथापरिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस प्रध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

धरती जैसा कि रजिस्ट्रीकूत विलेख नं० 3615 जनवरी 1974 को रजिस्ट्री कर्ता अधिकारी, नवांशहर में लिखा है।

डी० एस० गुप्ता,
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेज, अमृतसर।

नारीख : 7 अगस्त 1974

मोहर :

प्रारूप आई० टी० एन० एस० —————

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज अमृतसर

अमृतसर, तारीख 7 अगस्त 1974

निदेश सं० अमृतसर/नवांशहर/पी-1102/74-75— यतः
मुझे डी० एस० गुप्ता आयकर अधिनियम, 1961
(1961 का 43) की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी
को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका
उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपए से अधिक है
और जिस की सं० धरती जैसा कि रजिस्ट्रीड विलेख नं०
3616 जनवरी 1974 लिखा है, जो नवांशहर में स्थित है (और
इससे उपाबन अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता
प्राधिकारी के कार्यालय, नवांशहर में भारतीय रजिस्ट्रकरण अधि-
नियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन जनवरी
1974 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित
बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए
रजिस्ट्रीड विलेख के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह
विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित
बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल
का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों)
और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच तथा पाया भया ऐसे
अन्तरित के लिए प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से बारतीक रूप
से कथित नहीं किया गया था,—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे
बचने के लिए सुकर बनाना; और/या;

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961
(1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957
(1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अस्तरिती द्वारा प्रकट
नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था,
छिपाने के लिए सुकर बनाना।

और यतः, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के
अध्याय 20-क के प्रबद्धों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्य-
वाही मूल करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित किए गए हैं।

अतः अब धारा 269-ब के अनुसरण में, मैं आयकर अधिनियम,
1961 (1961 का 43) की धारा 269-ब की उपधनरा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्,—

(1) कौशल्याक्षी विधवा श्री गुरु दत्त जनरल अटार्नी
श्री हरिदत्त चौपड़ा पुत्र श्री चितगम नवांशहर।
(अन्तरक)

- (2) मैर्सर्ज मतलुज लैण्ड फाइनेंस, कम्पनी (प्रा०) लिमिटेड,
जी० टी० रोड़, जालंधर।
- (3) जैसा कि नं० 2 पर है। (वह व्यक्ति जिसके अधिभोग
में अधोहस्ताक्षरी जानता है)
- (4) कोई व्यक्ति जो सम्पत्ति में रुचि रखता हो। (वह
व्यक्ति जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह
सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए एतद्वारा कार्यवाहियां मूल करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हो, तो :—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तस्मान्वित व्यक्तियों पर सूचना की
तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में
समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से
किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकें।

एतद्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर
सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए¹
आक्षेपों, यदि कोई हों, की मुनवाई के लिए तारीख और स्थान
नियत किए जायेंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को,
जिसने ऐसा आक्षेप किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को
दी जायेगी।

एतद्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे
व्यक्ति को, जिसे पूर्वोक्त पैरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपों
की मुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा।

त्वचीकरण :—इसमें प्रयुक्त पाद्धतों और पदों का, जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो
उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

धरती, जैसा कि रजिस्ट्रीड विलेख न० 3616 जनवरी
1974 को रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी, नवांशहर में लिखा है।

डी० एस० गुप्ता,
सक्षम प्रधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज अमृतसर

तारीख : 7 अगस्त 1974

मोहर:

प्रस्तुप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269 घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, अमृतसर

अमृतसर दिनांक 7 अगस्त, 1974

निदेश सं० ए० पृ० एस० आर०/एम०जी० ए०/ए०पी०-1103/
74-75—यतः मुझे, डी० एस० गुप्ता
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह
विवास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति,
जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है
और जिसकी सं० धरती जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 6337
जनवरी, 1974 लिखा है, जो गांव छोटियों कलां, में स्थित है
(और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्री-
कर्ता अधिकारी के कार्यालय मोगा में भारतीय रजिस्ट्रीकरण
अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन जनवरी, 1974
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से
कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत विलेख
के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विवास करने
का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य,
उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रति-
शत अधिक है और यह कि प्रत्यक्ष (प्रत्यक्षकों) और अन्तरिती
(प्रत्यागतियों) के दर्दा हथ पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रति-
फल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक
रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने के लिए सुकर बनाना; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय कर आधिनियम 1922 (1922 का 11) या आयकर आधिनियम 1961 (1961 का 43) या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट महीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने के लिए सुकर बनाना।

और यतः आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाही शरू करने के कारण मेरे द्वारा अप्रिलिखित किए गए हैं।

अतः अब, धारा 269-घ के अनुसरण में, मैं आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ की उप-धारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

1. मोडी गुरदर्शन सिंह पुत्र मोडी निहाल सिंह, दिल्ली। (अन्तरक)
2. कुन्द्र सिंह, कुन्द्र सिंह पुत्र स० इन्द्र सिंह, गुरमैल सिंह, पुत्र श्री हरभजन सिंह, वामी कालियेवाला, त० मोगा। (अन्तरित)
3. जैसा कि नं० 2 पर है। (वह व्यक्ति जिसके अधिभोग में अधोहस्ताक्षरी जानता है)
4. कोई व्यक्ति जो सम्पत्ति में रुचि रखता हो। (वह व्यक्ति, जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है, कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए एतद्वारा कार्यवाहीया शुरू करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हो, तो:—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

एतद्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए आक्षेपों, यदि कोई हों, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किए जाएंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को, जिसने ऐसा आक्षेप किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती की दी जाएगी।

एतद्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपों की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होंगा।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित हैं, वही अर्थ होंगा, जो उस अध्याय में दिया गया है

अनुसूची

धरती जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 6337 जनवरी, 1974 को रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी, मोगा में लिखा है।

डी० एस० गुप्ता
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, अमृतसर

तारीख : 7 अगस्त, 1974

मोहर :

प्रश्न आई० टी० एन० एस० . . .

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

धारा 269 प (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, अमृतसर

अमृतसर, दिनांक 7 अगस्त 1974

निवेश सं० ए०ए०स०आर०/एफ०डी० के०/ए०पी०-1104/

74-75—यतः मुझे, डी० एस० गुप्ता आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 प के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है और जिसकी सं० धरती जैसा कि रजिस्ट्रीकूत विलेख नं० 3072 जनवरी, 1974 में लिखा है, जो कोटकपुरा में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय फरीदकोट में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन जनवरी, 1974 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकूत विलेख के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथा-पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच तथा पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल निम्न-लिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने के लिए सुकर बनाना; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या घनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिकों द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने के लिए सुकर बनाना।

और यतः आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यान्वयन करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित किए गए हैं।

अतः अब, धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) की धारा 269-प की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

13-276GI/74

1. श्री चन्द्र सिंह पुत्र श्री बूटा सिंह,
कोट कपूरा।

(अन्तरक)

2. श्री मग्नर सिंह, प्यारा सिंह, मकबन सिंह पुत्र श्री चन्द्र सिंह,
कोट कपूरा। (अन्तरिती)

3. जैसा कि नं० 2 पर है।

(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

4. कोई व्यक्ति जो सम्पत्ति में रुचि रखता हो।

(वह व्यक्ति, जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी
जानता है कि वह सम्पत्ति में हितवद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए एतद्वारा कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई है, तो —

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि था तसम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की लामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

एतद्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए आक्षेपों, यवि कोई हो, कि सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किए जाएंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को, जिसने ऐसा आक्षेप किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जाएगी।

एतद्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपों की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा।

ल्यब्दीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में यथा परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अमृसूची

धरती जैसा कि रजिस्ट्रीकूत विलेख नं० 3072 जनवरी, 1974 को रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी, फरीदकोट में लिखा है।

डी० एस० गुप्ता
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, अमृतसर

तारीख : 7 अगस्त, 1974

मोहर :

प्रारूप आई० टी० एन० एस० —————

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269 घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, अमृतसर

अमृतसर, दिसंबर 7 अगस्त 1974

निवेश सं० ए० एस० आर०/भट्ठा०/ए०पी०-११०५/७४-७५—
यतः; मुझे, डी० एस० गुप्ता, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है और जिसकी सं० धरती जैसा कि रजिस्ट्रीकूल विलेख नं० 5699 जनवरी, 1974 में लिखा है, जो गांव गिल पट्टी में स्थित है (और इससे उपरवाले अमृतसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता प्राधिकारी के कार्यालय भट्ठा० में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन जनवरी, 1974 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकूल विलेख के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथा पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच तथा पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल निम्न-लिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने के लिए सुकर बनाना; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या धन या अन्य आस्तियों, को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने के लिए सुकर बनाना;

और अतः आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाही शुरू करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित किए गए हैं।

अतः अब, धारा 269-घ के अनुसारण में, मैं आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ की उपबारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, वर्धात्:—

1. श्री वसन्त सिंह पुत्र श्री नंद सिंह वासी गांव गिल पट्टी, भखतायारग्राम बलबीर कौर पुत्री स० संत सिंह वासी गिल पट्टी।

(अन्तरक)

2. सुखचंद सिंह पुत्र जगजीत सिंह, वासी गिल पट्टी, तहसील, भट्ठा०।

(अन्तरिती)

3. जैसा कि नं० 2 पर है।

(वह व्यक्ति जिसके अधिभोग में अधोहस्ताक्षरी जानता है)

4. कोई व्यक्ति जो सम्पत्ति में हचि रखता हो।

(वह व्यक्ति जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए एतद्वारा कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप; यदि कोई होतो:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति, द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

एतद्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए आक्षेपों यदि कोई हो, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किए जाएंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को, जिसने ऐसा आक्षेप किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जाएगी।

एतद्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपों की सुनवाई के ममय सुने जाने के लिए अधिकार होगा।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

धरती जैसा कि रजिस्ट्रीकूल विलेख नं० 5699 जनवरी, 1974 को रजिस्ट्रीकर्ता प्राधिकारी, भट्ठा० में लिखा है।

डी० एस० गुप्ता,
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेंज, अमृतसर

तारीख: 7 अगस्त, 1974

मोहर:

प्रस्तुप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत नगर

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, अमृतसर

अमृतसर, दिनांक 7 अगस्त 1974

निरेश सं० अमृतसर/खेमकरण/ए०पी०-1106/74-75—

यतः मुझे, डी० एस० गुप्ता

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है और जिसकी मं० धरती जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 651, जनवरी, 1974 में लिखा है, जो खेमकरण में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय खेमकरण में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, (1908 का 16) के अधीन जनवरी, 1974 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्री-कृत विलेख के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच तथा पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने के लिए सुकर बनाना, और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आय-कर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने के लिए सुकर बनाना।

और यतः आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाही शुरू करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित किए गए हैं।

अतः अब, धारा 269-घ के अनुसरण में, मैं, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित अविक्षियों, अर्थात्:—

1. श्री अमरीक सिंह पुत्र श्री हरी सिंह,
खेमकरण।

(अन्तरक)

2. श्री दरबारा सिंह, संतोष सिंह, लखबीर सिंह, पुत्र श्री अमर सिंह, खेमकरण।
(अन्तरिती)

3. जैसा कि नं० 2 पर है।

(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

4. कोई अविक्षित जो सम्पत्ति में शक्ति रखता हो।

(वह व्यक्ति जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए एतद्वारा कार्यवाहीयां शुरू करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हो तो:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तस्वीरधी अविक्षियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि यो भी अवधि आदि में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त अविक्षियों में से किसी अविक्षित द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य अविक्षित द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

एतद्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए आक्षेपों, यदि कोई हों, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किए जाएंगे और उसकी सूचना हर ऐसे अविक्षित को, जिसने ऐसा आक्षेप किया है सभा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जाएगी।

एतद्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे अविक्षित को, जिसे पूर्वोक्त पैरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपों की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

धरती जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 651 जनवरी, 1974 को रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी खेमकरण में लिखा है।

डी० एस० गुप्ता
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, अमृतसर

तारीख : 7 अगस्त, 1974

मोहर :

प्रलेप आई० टी० एन० एस०————

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269 घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, अमृतसर

अमृतसर, दिनांक 7 अगस्त 1974

निवेश सं० अमृतसर/फाजिल्का/ए०पी०-११०७/७४-७५—
यतः मुझे, डी० एम० गुप्ता आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य, 25,000/- रुपये से अधिक है और जिसकी सं० धरती जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 2977 जनवरी, 1974 लिखा है, जो मामूखेरा तह० फाजिल्का में स्थित है (और इससे उपाधार अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्री-कर्ता अधिकारी के कार्यालय, फाजिल्का में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन जनवरी, 1974 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच तथा पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने के लिए सुकर बनाना; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों, को, जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने के लिए सुकर बनाना।

और यतः, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अंजन के लिए कार्यालयी शुरू करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित किए गए हैं।

अतः अब, धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्री हरवंश सिंह, लाला सिंह पुत्र श्री हरी सिंह, पुत्र श्री ईहल सिंह वासी, मामूखेरा, त० फाजिल्का।

(अन्तरक)

2. श्री सतनाम सिंह पुत्र श्री जरनैल सिंह पुत्र श्री मंगल सिंह और श्रीमती मोहिन्वर कौर पत्नी श्री सतनाम सिंह पुत्र श्री जरनैल सिंह, वासी मामूखेरा, त० फाजिल्का।
(अन्तरिती)

3. जैसा कि नं० 2 पर है।

(वह व्यक्ति जिसके प्रधिभोग में सम्पत्ति है)

4. कोई व्यक्ति जो सम्पत्ति में रुचि रखता हो।

(वह व्यक्ति, जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है) को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अंजन के लिये एतद्वारा कार्यालयी शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अंजन के प्रति आक्षेप, यदि कोई कोई हो, तो—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

एतद्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति के अंजन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए आक्षेपों, यदि कोई हों, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किए जाएंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को, जिसने ऐसा आक्षेप किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जाएगी।

एतद्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है आक्षेपों की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अमूसूधी

धरती जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 2977 जनवरी, 1974 को रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी, फाजिल्का में लिखा है।

डी० एस० गुप्ता
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, अमृतसर

तारीख : 7 अगस्त, 1974

मोहर :

प्रश्न आई० टी० एन० एस०————

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, अमृतसर

अमृतसर, दिनांक 7 अगस्त 1974

निदेश सं० अमृतसर/ए०पी०-1108/74-75—यतः मुझे डी० एस० गुप्ता आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है और जिसकी सं० धरती जैसा कि रजिस्ट्रीकूट विलेख नं० 5092 जनवरी, 1974 लिखा है, जो गांव वंई पुर्णे में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय तरन तारन में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन जनवरी, 1974 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकूट विलेख के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच तय पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उचित अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हृद्दि किसी आय की बाबत आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने के लिए सुकर बनाना; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी घन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने के लिए सुकर बनाना।

और यतः आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाही शुरू करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित किए गए हैं।

अतः अब धारा 269-व के अनुसरण में, मैं, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व की उपषारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

1. परमजीत सिंह पुन श्री उजागर सिंह वासी वंई पुर्णे ।
(अन्तरक)
2. गुरमेज सिंह उर्फ भीम सिंह वासी वंई पुर्णे तहसील तरन तारन ।
(अन्तरिती)
3. जैहा कि नं० 2 पर है।
(वह व्यक्ति जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)
4. कोई व्यक्ति जो सम्पत्ति में हच्छ रखता है।
(वह व्यक्ति जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिये एतद्वारा कार्यवाहियां शुरू करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हो, तो:—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद म समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

एतद्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए आक्षेपों, यदि कोई हों, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किए जाएंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को, जिसने ऐसा आक्षेप किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जाएगी।

एतद्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपों की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

धरती जैसा कि रजिस्ट्रीकूट विलेख नं० 5092, जनवरी, 1974 को रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी सरन तारन में लिखा है।

डी० एस० गुप्ता
सभाम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, अमृतसर

तारीख : 7 अगस्त, 1974
मोहर :

प्रस्तुत आई० टी० एन० एस०————

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की बारा
269 ष(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, अमृतसर

अमृतसर, विनांक 7 अगस्त, 1974

निदेश सं० अमृतसर/ए०पी०-1109/74-75—यतः मुझे
डी० एस० गुप्ता

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की बारा 269-ष के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है और जिसकी सं० घरती जैसा कि रजिस्ट्रीकूट विलेख नं० 8623 जनवरी, 1974 लिखा है, जो रखनाग त० अमृतसर में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, अमृतसर में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन जनवरी, 1974 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकूट विलेख के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच तय पाया गया ऐसे अन्तरण के लिये प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में घास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कर्मी करने या उससे बचने के लिए सुकर बनाना; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरित द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने के लिए सुकर बनाना;

और यतः, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाही शुरू करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित किए गए हैं।

अतः, बारा 269-ष के अनुसरण में, मैं आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की बारा 269-ष की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्रीमती शीरा मजीठिया पुन्नी श्री दलीप वारी, मलका मार्ग, चाणक्यपुरी, नई दिल्ली, मार्फत श्री हरदयाल सिंह जनरल अटली । (अन्तरक)
2. श्री ग्रामा सिंह, हरदयाल सिंह, प्यारा सिंह, जसवंत सिंह पुन्नी श्री बकरीश सिंह वासी नगर कला, त० अमृतसर । (अन्तरिती)
3. जैसा कि नं० 2 पर है। (वह व्यक्ति जिसके प्रधिपोग में अधोहस्ताक्षरी जानता है)
4. कोई व्यक्ति जो सम्पत्ति में रुचि रखता हो। (वह व्यक्ति जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी कर के पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए एतद्वारा कार्यवाहियां शुरू करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप यदि कोई हों, तो :—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की सामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाव में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

एतद्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उक्त रूप में किए गए आक्षेपों, यदि कोई हों, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किए जाएंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को, जिसने ऐसा आक्षेप किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जाएगी।

एतद्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपों की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में यथापरिभावित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

धरती जैसा कि रजिस्ट्रीकूट विलेख, नं० 8623 जनवरी, 1974 को रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी, अमृतसर में लिखा है।

डी० एस० गुप्ता

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, अमृतसर

तारीख : 7 अगस्त, 1974

मोहर :

प्रूप आई० टी० एस० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, अमृतसर

अमृतसर, दिनांक 7 अगस्त 1974

निर्देश सं० ए०एस०आर०/ए०पी०-1110/74-75—

यह: मुझे डी० एस० गुप्ता आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है और जिसकी सं० भूमि जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 8266 जनवरी, 1974 में लिखा है। जो बीरबरपुरा तहसील अमृतसर में स्थित है (और इससे उपावन्द्र अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय अमृतसर में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 19-1-1974 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथा-पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच तथा पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल निम्न-सिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने के लिए सुकर बनाना; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने के लिए सुकर बनाना।

और यह; आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाही शुरू करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित किए गए हैं।

अतः अब, धारा 269-घ के अनुसरण में, मैं आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित घ्यवितयों, अर्थात्:—

1. श्री ठाकुर धारा चन्द्र सुपुत्र ठाकुर महा चन्द्र 46 कोटे रोड़ अमृतसर तथा जी०ए० फॉर्म सेजर कुलदीप चन्द्र सुपुत्र ठाकुर कान्ती चन्द्र 46 कोटे रोड़, अमृतसर। (अन्तरक)

2. श्री पाल सिंह, जान सिंह सपुत्रान श्री तेजा सिंह वासी मुल्ले घ्यक अब गांव बीरबरपुरा तहसील अमृतसर। (अन्तरिती)

3. जैसा कि नं० 2 में है।

वह व्यक्ति जिसके अधिभोग में अधोहस्ताक्षरी जानता है।

4. कोई व्यक्ति जो सम्पत्ति में रुचि रखता है।

(वह व्यक्ति जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए एतद्वारा कार्यवाहिया शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हो, तो:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्त्वांधी अवितयों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यवितयों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

एतद्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए आक्षेपों, यदि कोई हों, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किए जाएंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को, जिसने ऐसा आक्षेप किया है तभी सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जाएगी।

एतद्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे व्यक्ति को, जिसे पूर्वोक्त पैरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपों की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में विद्या गया है।

अनुसूची

भूमि जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 8266 जनवरी, 1974 की रजिस्ट्रीकृत अधिकारी अमृतसर में लिखा है।

डी० एस० गुप्ता,
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, अमृतसर।

तारीख : 7-8-74

मोहर :

प्र॒ख्य आई०टी०एन०एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269 घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेज,
अमृतसर।

अमृतसर, दिनांक 7 अगस्त, 1974

निदेश सं० ए०एस०आर०/ए०पी०-1111/74-75—

यतः मुझे डी० एस० आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- ह० से अधिक है

और जिसकी सं० भूमि जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 8400 जनवरी 1974 में लिखा है।

जो गांव श्रीटा कलां में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकृत अधिकारी के कार्यालय, अमृतसर में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन जनवरी, 1974 को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच तथ पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने के लिए सुकर बनाना ; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने के लिए सुकर बनाना ;

और यतः आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाही शुरू करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित किए गए हैं।

अतः अब, धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित अधिकारी अर्जातः—

1. श्रीमती ईसो विश्वा करम सिंह गांव काले के तहसील अमृतसर। (अन्तरक)

2. श्रीमती अर्जीत कौर पत्नी श्री नरेन्द्र सिंह नई आबादी, गेट भगतांवाला, अमृतसर। (अन्तरिती)

3. जैसा कि नं० 2 में है।

(वह व्यक्ति जिसके अधिभोग में अधोहस्ताक्षरी जानता है)

4. कोई व्यक्ति जो सम्पत्ति में रुचि रखता है।

(वह व्यक्ति जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितवद्ध है)

को यह सूचना जारी करने के पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए एतद्वारा कार्यवाही शुरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप यदि कोई हो तो :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा ;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

एतद्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए आक्षेपों, यदि कोई हों, की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए तारीख और स्थान नियत किए जाएंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को, जिसने ऐसा आक्षेप किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जाएगी।

एतद्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपों की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

भूमि जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 8400 जनवरी, 1974 को रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी, अमृतसर में लिखा है।

डी० एस० गुप्ता,
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज, अमृतसर।

तारीख : 7 अगस्त 1974

मोहर :

प्रूप आई० टी० एन० एस० —————

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, अमृतसर

अमृतसर, दिनांक 7 अगस्त 1974

निर्णय सं० ए०एस०आर०/ग०पी०-1112/74-75—
यतः मुझे छो० एस० गुप्ता आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है और जिसकी सं० भूमि जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 8401 जनवरी, 1974 में लिखा है, जो फ़ीट। कलां में स्थित है और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, अमृतसर में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 19 जनवरी, 1974 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच तथा पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के धार्यत्व में कमी करने या उससे बचने के लिए सुकर बनाना; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने के लिए सुकर बनाना।

और यतः आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाही शुरू करने के कारण भेरे द्वारा अप्रिलिखित किए गए हैं।

अतः, अब, धारा 269-घ के अनुसरण में, मैं, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात्:—

14—276GI/74

1. श्रीमती ईमो विधवा करम सिंह वासी कालेके तहसील अमृतसर। (अन्तरक)

2. श्री सुरेन्द्र सिंह, सुपुत्र श्री नरेन्द्र सिंह नई आबादी, भगतांवाला गेट, अमृतसर। (अन्तरिती) जैसा कि नं० 2 में है।

(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में अधोहस्ताक्षरी जानता है)

(4) कोई व्यक्ति जो सम्पत्ति में रुचि रखता हो। (वह व्यक्ति, जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है।)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए एतद्वारा कार्यवाहियां शुरू करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हो, तो:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

एतद्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए आक्षेपों, यदि कोई हों, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किए जाएंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को, जिसने ऐसा आक्षेप किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जाएगी।

एतद्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपों की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में यथाप्रिमाणित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुमति

भूमि जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 8401 जनवरी, 1974 को रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी अमृतसर में लिखा है।

जो० एस० गुप्ता,
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, अमृतसर।

दिनांक : 7 अगस्त 1974

मोहर :

प्ररूप आई० ई० एन० एस०—————

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ष (1) के अधीन सूचना
भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज, अमृतसर

अमृतसर, दिनांक 7 अगस्त, 1974

निम्न स० ग०एम०आर०/ग०पी०-1113/74/75—यतः
मुझे डी० ए० गुप्ता, आयकर अधिनियम, 1961 (1961
का 43) की धारा 269-ष के अधीन सक्षम प्राधिकारी
को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति,
जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है
और जिसकी स० भूमि जैमा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख न० 8399
जनवरी, 1974 में लिखा है, जो गाव झीटा कला में स्थित है
(और इसमें उपावद अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है),
रजिस्ट्रीकृत अधिकारी के कार्यालय, अमृतसर में भारतीय रजिस्ट्री-
करण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 16 जनवरी
1974 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार अन्तरित
की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि
यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान
प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पच्चांत प्रतिशत अधिक है
और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों)
के बीच क्षय पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल निम्न-
लिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से
कथित नहीं किया गया है :—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर
अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन
कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या
उससे बचने के लिए सुकर बनाना; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों,
को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961
(1961 का 43) या धन कर अधिनियम, 1957
(1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा
प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए
था, छिपाने के लिए सुकर बनाना।

और यतः आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43)
के अध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाही शुरू करने के कारण भेरे द्वारा अभिलिखित किए
गए हैं।

अतः अब, धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, आयकर अधि-
नियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ष की उपशारा
(1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

- 1. श्रीमती ईसी विधवा करम सिंह गांव कालिके तहसीर अमृतसर।
(अन्तरक)
- 2. श्री जवाला सिंह सुपुत्र नरेन्द्र सिंह नहीं आबादी, गेट
भगतावाला, अमृतसर।
(अन्तरिती)

(3) जैमा कि न० 2 पर है (वह व्यक्ति जिसके अधिभोग
में अधोहस्ताक्षरी जानता है)

(4) कोई व्यक्ति जो सम्पत्ति में रुचि रखता हो (वह व्यक्ति
जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध
है)।

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
एतद्वारा कार्यवाहियाँ शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हो तो :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तस्वीरमध्ये व्यक्तियों पर सूचना की
तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में
समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से
किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी
अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित
में किये जा सकेंगे।

एतद्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर
सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए आक्षेपों
यदि कोई हो, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किए
जायेंगे और उसकी सूचना हुर ऐसे व्यक्ति को, जिसने ऐसा आक्षेप
किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जाएगी।

एतद्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे
व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपों
की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर
अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय
20-क में व्यापक विभिन्न हैं, वही अर्थ होगा,
जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

भूमि जैमा कि रजिस्ट्रीकृतविलेख न० 8399 जनवरी 1974 को
रजिस्ट्रीकृत अधिकारी अमृतसर में लिखा है।

डी० एस० गुप्ता
सक्षम अधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज, अमृतसर।

तारीख 7 अगस्त, 1974

मोहर :

प्रस्तुति ग्राही० डी० एन० एस०—
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ के अधीन सूचना
भारत सरकार
कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज, अमृतसर
अमृतसर, दिनांक 7 अगस्त, 1974

निर्देश मं० अमृतसर/शाहकोट/ग० धी०-1114/74-75—
यतः मुझे डी० एम० गुप्ता आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है और जिसकी सं० धरती जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 1413 जनवरी 1974 में लिखा है, जो गांव सैदपुर सीरी में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता प्राधिकारी के कार्यालय, शाहकोट में भारतीय अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 1974, जनवरी को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच तथ पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने के लिए सुकर बनाना; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने के लिए सुकर बनाना।

और यतः, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाही शुरू करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित किए गए हैं।

अतः, अब, धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :—

1. श्री भान सिंह पुन्न श्री तरलोक मिह पुन्न श्री देवा सिंह गांव सैदपुर सीरी त० नकोदर। (अन्तरक)

2. श्री गुरदयाल कल्याण पुन्न श्री माधु राम पुन्न श्री धर्द्दया गम, बजावा ह कला न० नकोदर। (अन्तरिती)

3. जैमा नि० न० 2 पर है। (वह व्यक्ति जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)।

4. कोई व्यक्ति जो सम्पत्ति में इच्छा रखता हो। (वह व्यक्ति जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितवद्ध है)।

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए एतद्वारा कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हो, तो :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाब में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा।

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

एतद्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए आक्षेपों, यदि कोई हों, को सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किए जाएंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को, जिसने ऐसा आक्षेप किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जाएगी।

एतद्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपों की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

धरती, जैमा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 1413 जनवरी, 1974 को रजिस्ट्रीकर्ता प्राधिकारी, शाहकीट में लिखा है।

डी० एम० गुप्ता,
मक्षम प्राधिकारी,
महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेज, अमृतसर।

तारीख : 7 अगस्त 1974

मोहर :

प्रस्तुत आई० टी० एन० एस०————

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, अमृतसर

अमृतसर, दिनांक 7 अगस्त 1974

निर्देश सं० अमृतसर/एम० के० टी/ए० पी-1115/74-75—
यतः मुझे डी० एस० गुप्ता

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43)

की धारा 269-व के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है और और जिसकी सं० धरती जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 1424 जनवरी 1974 को लिखा है, जो गांव सैदपुर भीरी में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकृत प्राधिकारी के कार्यालय, शाहकोट में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 1974, जनवरी को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच तथ पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने के लिए सुकर बनाना; और /या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिसमें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने के लिए सुकर बनाना;

और यतः आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाही शुरू करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित किए गए हैं।

अतः, अब, धारा 269-व के अनुसरण में, मैं आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

1. श्री भान मिह पुत्र श्री तर्लोक सिंह गांव सैदपुर सीरी
त० नकोदर।
(अन्तरक)

2. श्री चरण दाम पुत्र श्री साधू राम गांव वजवाह कलां स०
नकोदर।
(अन्तरिती)

3. जैसा कि न० 2 पर है (वह व्यक्ति जिसके प्रधिभोग में
सम्पत्ति है)।

4. कोई व्यक्ति जो सम्पत्ति में दृचि रखता हो (वह व्यक्ति
जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितवद्ध
है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन
के लिये एतद्वारा कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हो, तो—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशित की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना
की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद
में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से
किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्ध किसी
अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित
में किए जा सकेंगे।

एतद्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति
के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए आक्षेपों, यदि
कोई हों, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किए
जाएंग और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को, जिसने ऐसा
आक्षेप किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जाएगी।

एतद्वारा आगे ये अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे
व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपों
की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर
अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय
20-क में यथापरिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो
उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

धरती, जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 1424 जनवरी
1974 को रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी, शाहकोट में लिखा है।

डी० एस० गुप्ता,
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज, अमृतसर

तारीख : 7 अगस्त 1974

मोहर :

प्रलूप आई० टी० एन० एस०.....

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269वा० (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, अमृतसर

अमृतसर, दिनांक 7 अगस्त, 1974

निर्देश सं० अमृतसर/शाहकोट/ए०पी-1116/74-75—यत मुझे डी० एस० गुप्ता आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269वा० के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है और जिसकी स० धरती जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 1421 जनवरी 1974 को लिखा है, जो गाव मैदानी सीरी मे स्थित है (और इससे उपावन्न प्रनुसूची मे और पूर्ण रूप मे वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, शाहकोट मे भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 1974 जनवरी, को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरको) और अन्तरिती (अन्तरितियो) के बीच तथ पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित मे वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से दुई किसी आय की बाबत आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन करदेने के अन्तरक के दायित्व मे कमी करने या उससे बचने के लिए सुकर बनाना; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य प्राप्तियो को जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने के लिए सुकर बनाना।

और यह: आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क के शब्दो मे पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाही मुरू करने के कारण मेरे द्वारा अमिलिखित किए गए हैं।

अतः अब, धारा 270-ग के अनुसरण मे, मै, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 268-वा० की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियो, अर्थात्:—

1. श्री भान मिह पुत्र श्री तरलोपः मिह पुत्र श्री देवा सिंह, गाव मैदानी तहसील नकोदर। (अन्तरक)

2. श्रीमती दीरो पत्नी श्री चरण दाम गाव वजवाह कला तहसील नकोदर। (अन्तरिती)

3 जैसा कि न० 2 पर है (वह व्यक्ति जिसके अधिभोग मे अधोहस्ताक्षरी जानता है)।

4 कोई व्यक्ति जो सम्पत्ति मे रुचि रखता हो (वह व्यक्ति जिसके बारे मे अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति मे हितबद्ध है)।

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए एतद्वारा कार्यवाहियाँ पूरु करता हूँ:—

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई है, तो—

(क) इस सूचना के राजपत्र मे प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बद्धी व्यक्तियो पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद मे समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियो मे से किसी व्यक्ति द्वारा,

(ख) इस सूचना के राजपत्र मे प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति मे हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित मे किए जा सकेंगे।

एतद्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर मे किए गए आक्षेपो यदि कोई हों, को सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किए जाएंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को, जिसने ऐसा आक्षेप किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जाएगी।

एतद्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपो की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा।

स्पष्टीकरण :—इसमे प्रयुक्त शब्दो और पदो का, जो आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क मे यथापरिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय मे दिया गया है।

अनुसूची

धरती जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख न० 1421 जनवरी 1974 को रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी, शाहकोट मे लिखा है।

डी० एस० गुप्ता,
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेज, अमृतसर।

तारीख 7 अगस्त 1974

मोहर:

प्ररूप आई० टी० एन० एस०

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, अमृतसर

अमृतसर, दिनांक, 7 अगस्त 1974

निर्देश सं० अमृतसर/शाहकोट/ए० पी०-1117/74-75-पत; मुझे डी० एस० गुप्ता आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है और जिसकी सं० धरती जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 1420 जनवरी 1974 को लिखा है, जो गांव सेदपुर मीरी में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, शाहकोट में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 1974, जनवरी को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृष्टमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार अन्तरिक की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृष्टमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच तथा गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कठित नहीं किया गया है :—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अस्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने के लिए सुकर बनाना ; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धनकर अधिनियम 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने के लिए सुकर बनाना ;

और यह; आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाही शुरू करने के कारण मेरे द्वारा अनिमिलिखित किए गए हैं।

अतः अब, धारा 269-घ के अनुसरण में, मैं, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :—

1. श्री भान मिह पुत्र श्री तरलोक मिह गाव सेदपुर सीरी तहसील नकोदर। (अन्तरक)

2. श्रीमती मतोप कुमारी पत्नी श्री चमत लाल पुत्र श्री लेख चंद, वासी मोगा। (अन्तरिती)

3. जैमा कि नं० 2 पर है।

(वह व्यक्ति जिसके अधिभोग में अधोहस्ताक्षरी जानता है।)

4. कोई व्यक्ति जो सम्पत्ति में रुचि रखता हो।

(वह व्यक्ति जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है।)

को पह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए एतद्वारा कार्यवाहियां पूरु करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हो, तो :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

एतद्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किये गये आक्षेपों, यदि कोई हों, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किये जाएंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को जिसने ऐसा आक्षेप किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जाएगी।

एतद्वारा आमे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपों की सुनवाई के समय सुने जाने का अधिकार होगा।

स्पष्टीकरण:-—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अमुसूची

धरती, जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 1420 जनवरी 1974 को रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी, शाहकोट में लिखा है।

डी० एस० गुप्ता,
मक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेंज, अमृतसर।

तारीख: 7 अगस्त 1974।

मोहर:

प्रस्तुत आई० टी० एन० एस० —————

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज अमृतसर

दिनांक अमृतसर 7 अगस्त 1974

निर्देश म ० एएमआर/बीटीएल/एपी-1118/74-75— यतः, मुझे डी० एस० गुप्ता आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विष्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है और जिसकी मं० धरती जैमा कि रजिस्ट्रीकूट विलेख न० 5127 जनवरी 1974 लिखा है, जो फैजपुर में स्थित है (और इसे उपायद्र अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय बटाला में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन 1974 जनवरी को पुर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकूट विलेख के अनुसार प्रत्यक्षित की गई है और मुझे यह विष्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच तथ वाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्स अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के बायित्व में कमी करने या उससे बचने के लिए सुकर बनाना; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने के लिए सुकर बनाना।

और यतः आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाही शुरू करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित किए गए हैं ।

अतः ग्रब, धारा 269-घ के अनुसरण में, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित अधिकारी, अर्थात् :—

- (1) श्री शिवदेव सिंह पुत्र श्री विश्वन सिंह गांव सागरपुर तहसील बटाला। (अन्तरक)
- (2) श्री प्यारा सिंह पुत्र श्री गुरबखा सिंह मार्फत मैसर्स प्यारा सिंह रघवीर सिंह मंडी बताला।
- (3) जैसा कि नं 2 पर है। (वह व्यक्ति जिसके अधियोग में अधोहस्ताक्षरी जानता है।)
- (4) कोई व्यक्ति जो सम्पत्ति में रुचि रखता है। (वह व्यक्ति जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है।)

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हो, तो :—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 43 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर मूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

एतद्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए आक्षेपों, यदि कोई हों, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किए जायेंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को, जिसने ऐसा आक्षेप किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जाएगी।

एतद्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपों की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रमुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

धरती जैसा कि रजिस्ट्रीकूट विलेख न० 5127 जनवरी 1974 को रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी, बटाला में लिखा है।

(डी० एस० गुप्ता)

सक्षम प्राधिकारी,

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज अमृतसर

तारीख :— 7 अगस्त 1974

मोहर :

प्रस्तुत आई० टी० एस० एस०—

आपकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, अमृतसर

अमृतसर दिनांक 7 अगस्त 1974

निर्देश सं० एएमआर/एसकेटी/एपी-1119/74-75—यतः, मुझ डी० एस० गुप्ता, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विष्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है और जिसकी सं० धरती जैसा कि रजिस्ट्रीकूट विलेख नं० 1416 जनवरी 1974 लिखा है। जो गांव सैदपुर सीरी में स्थित है (और इसके उपावन्द्र अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय शाहकोट में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन 1974 जनवरी को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिये रजिस्ट्रीकूट विलेख के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विष्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच तथ पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन करदेने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने के लिए सुकर बनाना; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने के लिए सुकर बनाना।

और यतः, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाही शुरू करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित किए गए हैं।

अतः अब धारा 269-घ के अनुसरण में, मैं आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्री भान सिंह पुत्र श्री तरलोक सिंह सैदपुर सीरी तहसील नकोदर। (अन्तरक)

(2) श्रीमती देवो पत्नी श्री गुरदियाल कल्याण, पुत्र श्री साधु राम, वजवाह कला, तहसील नकोदर।

(3) जैसा कि नं० 2 पर है। (वह व्यक्ति जिसके अधिभोग में अधोहस्ताक्षरी जानता है।)

(4) कोई व्यक्ति जो सम्पत्ति में रुच रखता हो। (वह व्यक्ति जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है।)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए एतद्वारा कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आशेष, यदि कोई हो, तो :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में छिपे जा सकेंगे।

एतद्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए आक्षेपों, यदि कोई हों, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किए जाएंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को, जिसने ऐसा आक्षेप किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी आएगी।

एतद्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपों की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

धरती जैसा कि रजिस्ट्रीकूट विलेख नं० 1416 जनवरी, 1974 को रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी, शाहकोट में लिखा है।

डी० एस० गुप्ता,
सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज अमृतसर

तारीख 7 अगस्त 1974

मोहर :

प्रस्तुत आई ८० डी० एस० एस०

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयकर (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, अमृतसर

अमृतसर, दिनांक 7 अगस्त 1974

निर्देश सं० एएसआर/एनडीआर/एपी-1120/74-75/—
मुमे, डी० एस० गुप्ता, आयकर अधिनियम, 1961
(1961 का 43) की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी
को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति,
जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है
और जिसकी सं० धरती जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 2295
जनवरी 1974 लिखा है, जो नकोदर में स्थित है (और इससे
उपाध्य अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता
अधिकारी के कार्यालय नकोदर में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधि-
नियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 1974 जनवरी
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम
के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार अन्तरित
की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त
सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे
दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक
(अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के श्रीन तय पाया गया
ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उबत अन्तरण
लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने के लिए सुकर बनाना; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किमा जाना चाहिए था, छिपाने के लिए सुकर बनाना।

और यह: आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यालयी शुल्क करने के कारण भेरे द्वारा अभिलिखित किए गए हैं।

अतः, अब, धारा 269-घ के अनुसरण में, आयकर अधि-
नियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ की उपषारा
(1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

15—276 GI/74

(1) श्री पश्चा लाल, भगवान दास पुत्र श्री दुर्गा
प्रसाद, वाल किशन पुत्र श्री मोती राम
नकोदर मंडी, नकोदर। (अन्तरक)

(2) श्री धर्म पाल पुत्र श्री मिलखी राम
पुत्र श्री राम दित्ता मल, श्रीमती
राज रानी परनी श्री धर्म पाल वासी
तूरमहल तहसील फिल्लौर। (अन्तरिती)

(3) जैसा कि नं० 2 पर है। (वह व्यक्ति जिसके अधिभोग में
अधोहस्ताक्षरी जानता है)

(4) कोई व्यक्ति जो सम्पत्ति में रुचि रखता हो। (वह व्यक्ति
जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में
हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
एतद्वारा कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हो, तो:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या सक्षम्भवी व्यक्तियों पर सूचना
की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद
में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से
किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी
अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित
में किए जा सकेंगे।

एतद्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर
सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए आक्षेपों,
यदि कोई हों, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत
किए जाएंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को, जिसने ऐसा
आक्षेप किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जाएगी।

एतद्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे
व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपों
की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के
अध्याय 20-क में यथापरिभाषित है, वही अर्थ
होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

धरती जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 2295 जनवरी
1974 को रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी नकोदर में लिखा है।

दी० एस० गुप्ता,

सक्षम प्राधिकारी,

सहायक आयकर आयकर (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, अमृतसर।

दिनांक : 7 अगस्त 1974।

मोहर :

प्रकृष्ट आई० टी० एन० एस० —————

आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, अमृतसर

अमृतसर, दिनांक 7 अगस्त 1974

निर्देश सं 2 एएसआर/एनएसपी/एपी-1121/74-75— यह:
मूँझे डी० एस० गुप्ता, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है और जिसकी सं० धरती जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 3910 जनवरी, 1974 लिखा है, जो होशियारपुर में स्थित है (और इससे उपावस्था अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता प्राधिकारी के कार्यालय होशियारपुर में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (908 का 16) के अधीन 1974 जनवरी को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के बृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार अन्तरित की गई है और मूँझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके बृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच तय पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उन्नत अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन करदेने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने के लिए सुकर बनाना; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जामा चाहिए था, छिपाने के लिए सुकर बनाना।

और यह: आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाही शुरू करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित किए गए हैं।

अतः अब धारा 269-घ के अनुसरण में, मैं, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्रीमत किशन कौर विधवा श्री शिवलाल उर्फ शम्भु दयाल, मोहल्ला जटां होशियारपुर। (अन्तरक)

(2) श्री पाला राम पुत्र श्री जामा राम सेनी रेलवे मंडी, होशियारपुर। (अन्तरिती)

(3) जैसा कि नं० 2 पर है। (वह व्यक्ति जिसके अधिकारी भी अधोहस्ताक्षरी जानता है)।

(4) कोई व्यक्ति जो सम्पत्ति में रुचि रखता हो। (वह व्यक्ति जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)।

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए एतद्वारा कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हो, तो :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

एतद्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में विए गए आक्षेपों, यदि कोई हों, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किए जाएंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को जिसने ऐसा आक्षेप किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जाएगी।

एतद्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपों की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा।

रजिस्ट्रीकरण—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

धरती, जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 3910 जनवरी 1974 को रजिस्ट्रीकर्ता प्राधिकारी, होशियारपुर में लिखा है।

डी० एस० गुप्ता,
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, अमृतसर।

तारीख : 7 अगस्त 1974।

मोहर :

प्रस्तुत आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना
भारत सरकार
कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, अमृतसर

अमृतसर, दिनांक 7 अगस्त 1974

निवेद सं० एएसआर०/एपी-1122/74-75—यतः मुझे,
डी० एस० गुप्ता आयकर अधिनियम, 1961
(1961 का 43) की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी
को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति,
जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है
और जिसकी सं० सम्पत्ति जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 3331
जनवरी 1974 में लिखा है, जो रोज एवेन्यू, अमृतसर में स्थित है
(और इससे उपाबूद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्री
कर्ता अधिकारी के कार्यालय, अमृतसर में भारतीय रजिस्ट्रीकरण
अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन जनवरी 1974,
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम
के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार अन्तरित
की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त
सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे
दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक
(अन्तरकों) और अन्तर्गती (अन्तर्गतियों) के बीच तथा पाया गया
ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण
लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है।

(क) अन्तरण से कुई किसी आय की वापत आयकर
अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन
कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या
उससे बचने के लिए सुकर बनाना; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961
(1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957
(1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट
नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने
के लिए सुकर बनाना;

और यतः आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43)
के अध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाही शुरू करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित किए गए हैं।

अतः, अब, धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, आयकर
अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ की
उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्—

- (1) श्री सरदारी लाल पुत्र श्री दीवान चंद कलकत्ता-7।
(अन्तरक)
- (2) श्री राधा मोहन पुत्र श्री नारायण दास, मकबूल रोड,
अमृतसर
(अन्तर्गती)

- (3) जैसा कि नं० 2 पर है। (वह व्यक्ति जिसके प्रधिभोग
में अधोहस्ताक्षरी जानता है)।
- (4) कोई व्यक्ति जो सम्पत्ति में रुचि रखता हो (वह व्यक्ति,
जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति
में हितबद्ध है)।

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए एतद्वारा कार्यवाही शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हो, तो—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद
में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से
किसी व्यक्ति द्वारा ;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी
अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित
में किए जा सकेंगे।

एतद्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति
के अर्जन के प्रति इस सूचना के उक्तर में किए गए आक्षेपों, यदि
कोई हों, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किए
जाएंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को, जिसने ऐसा
आक्षेप किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जाएगी।

एतद्वारा आगे मे अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे
व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपों
की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर
अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय
20-क में यथापरिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो
उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

सम्पत्ति जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 3331 जनवरी,
1974 को रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी, अमृतसर में लिखा है।

डी० एस० गुप्ता, सक्षम प्राधिकारी	तारीख : 7-8-74	सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
		मोहर :
		अर्जन रेंज, अमृतसर

प्र० ग्राही० टी० एन० एस० —————

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) का कार्यालय

अर्जन रेंज, अमृतसर

अमृतसर, दिनांक 7 अगस्त 1974

निदेश सं० ए०ए०आर०/एफ० जे०० के०/ए० पी०-११२३/७४-७५—अतः, मुझे, डी० एस० गुप्ता आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व के अधीन सक्रम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है और जिसकी सं० धरती जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 2912 जनवरी, 1974 लिखा है, जो धतिपाली में स्थित है (और इससे उपायद्र अनुसूची में और पूर्ण रूप से बणित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, फाजिल्का में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 1974, जनवरी अन्तरी 1974 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथा पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच तय पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने के लिए सुकर बनाना; और/या

(ब) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आय-कर अधिनियम 1961 (1961 का 43) मा धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने के लिए सुकर बनाना।

और अतः आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के प्रध्याय 20-क के मध्यों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाही पूर्ण करने के कारण मेरे रात्रि अधिलिखित किए गए हैं।

अतः मग्न, धारा 269-व के अनुसरण में, मैं, आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित अविक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्रीमती कौशलया देवी विधवा और सरोज कुमारी पुत्री श्री हंस राज वासी अबोहर मार्फत श्री गोपाल कृष्ण जनरल इंटरनेशनल पुत्र श्री कर्म चन्द वासी अबोहर। (अन्तरक)

- (2) श्री हरभजन सिंह, गुरजंत सिंह पुत्र श्री जुमराज सिंह, मक्कन सिंह, नर सिंह, जसवंत सिंह, गुरचरण सिंह, हरचरण सिंह, पुत्र श्री राम दित्ता सिंह, साहिव दित्ता मिंह, रणजीत सिंह पुत्र श्री हरनाम सिंह गांव घटिपाली ता० फाजिल्का। (अन्तरिती)
- (3) जैसा कि नं० 2 पर है। (वह व्यक्ति जिसके अधिभोग में अधोहस्ताक्षरी जानता है)।
- (4) कोई व्यक्ति जो सम्पत्ति में रुचि रखता है (वह व्यक्ति जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितवद्ध है)।

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए एतद्वारा कार्यवाहिया शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हो, तो :—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी अविक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त अविक्तियों में से किसी अविक्त द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन को तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्ध किसी अन्य अविक्त द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

एतद्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उक्त में किए गए आक्षेपों, यदि कोई हों, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किए जाएंगे और उसकी सूचना हर ऐसे अविक्त को, जिसने ऐसा आक्षेप किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती भी जाएगी।

एतद्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे अविक्त को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है। आक्षेपों की सुनवाई के समय सुनें जाने के लिए अधिकार होगा।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के प्रध्याय 20-क में यथापरिभाषित, हैं वही अर्थ होगा, जो उस प्रध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

धरती जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 2912 जनवरी, 1974 को रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी, फाजिल्का में लिखा है।

डी० एस० गुप्ता,
सक्रम प्राधिकारी

तारीख: 7-8-74 सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
मोहर:

अर्जन रेंज, अमृतसर

प्रस्तुप आई० टी० एन० एस० —————

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

सहायक आयकर आमुख (निरीक्षण) का कार्यालय

अर्जन रेंज, अमृतसर

अमृतसर, विनांक 7 अगस्त 1974

निदेश सं० ए०ए०आर०/ए० पी० आर०/ए०पी०-1124/
74-75—यतः मुझे, डी० एस० गुप्ता, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व के अधीन सक्रम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है और जिसकी सं० धरती जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 1068 जनवरी, 1974 लिखा है, जो गांव तोती में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकृत प्राधिकारी के कार्यालय, सुल्तानपुर में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 1974, जनवरी को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि प्रथापूर्वक सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच तय पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बावत आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बढ़ने के लिए सुकर बनाना; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों, को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने के लिए सुकर बनाना।

और यतः आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाही शुरू करने के कारण मेरे द्वारा अधिलिखित किए गए हैं।

यतः अब, धारा 269-व के अनुसरण में, मेरे आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व की उपषारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

- (1) श्री मोहिन्दर पुत्र श्री ईश्वर बासी तोती (अन्तरक)
- (2) श्री प्रीतम सिंह, भजन सिंह के बल सिंह पुत्र श्री तजबत सिंह, सरवन सिंह, जीत सिंह, किरतान सिंह, पुत्र श्री तारा सिंह, तलवंडी माधो (अन्तरिती)
- (3) जैसा कि नं० 2 पर है (वह व्यक्ति जिसके अधिभोग में अधीक्षित आनता है)
- (4) कोई व्यक्ति जो सम्पत्ति में हत्ति रखता हो (वह व्यक्ति जिसके बारे में अधीक्षित आनता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)।

को यह सूचना जारी कर के पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए एतद्वारा कार्यवाहीयां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हो, तो :—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या सत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि आद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधीक्षित आनती राजानता के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

एतद्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए आक्षेपों, यदि कोई हों, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियम किए जाएंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को जिसने ऐसा आक्षेप किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जाएगी।

एतद्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपों की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा।

स्पष्टीकरण——इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

धरती जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 1068 जनवरी 1974 को रजिस्ट्रीकृत प्राधिकारी सुल्तानपुर में लिखा है।

डी० एस० गुप्ता,

सक्रम प्राधिकारी

सहायक आयकर आमुख (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, अमृतसर

तारीख : 7 अगस्त 1974।

मोहर :

प्र० श्री आर्द्ध० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, अमृतसर

अमृतसर, दिनांक 7 अगस्त 1974

निदेश सं० एएसआर/एसपीआर/एपी-1125/74-75—यतः
मुझे डी० एस० गुप्ता आयकर अधिनियम, 1961
(1961 का 43) की धारा 269-ख के अधीन सक्षम
प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति,
जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है
और जिसकी सं० धरती जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 1069
जनवरी, 1974 लिखा है, जो गांव तोती में स्थित है (और इससे
उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता
प्राधिकारी के कार्यालय, मुल्लानपुर में भारतीय रजिस्ट्रीकरण
अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 1974 जनवरी
को पूर्वोक्त

सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए
रजिस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार अन्तरिक्ष की गई है और मुझे यह
विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह
प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरको) और अन्तरिक्षी
(अन्तरिक्षियो) के बीच तथ याथा गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रति-
फल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक
रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से दूर्व जिसी आय की बाबत आयकर अधि-
नियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने
के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने
के लिए सुकर बनाना; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961
(1961 का 43) या धनकर अधिनियम, 1957
(1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिक्षी द्वारा प्रकट
नहीं किया गया था या किया जाना आहिए था, छिपाने
के लिए सुकर बनाना।

और यतः, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43)
के अध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाही शुरू करने के कारण मेरे द्वारा अधिलिखित किए गए
हैं।

अतः, अब धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, आयकर अधि-
नियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ की उपषारा
(1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) ईशर पुत्र खरैती वासी तोती (अन्तरक)

(2) श्री प्रीतम सिंह, भजन सिंह, केवल सिंह, पुत्र श्री
तेजवंत सिंह, केवल सिंह, सरदन सिंह, जीत सिंह,
किरतान सिंह पुत्र श्री तारा सिंह वासी तलवंडी माघो। (अन्तरिक्षी)

(3) जैसा कि नं० 2 पर है। (वह व्यक्ति जिसके अधिभोग
में अधोहस्ताक्षरी जानता है)।

(4) कोई व्यक्ति जो सम्पत्ति में रुचि रखता है। (वह व्यक्ति,
जिसके द्वारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति
में हितबद्ध है)।

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए एतद्वारा कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हो, तो:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तस्वीरी व्यक्तियों पर सूचना
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद
में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से
किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी
अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित
में किये जा सकेंगे।

एतद्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति
के अर्जन के प्रति इस सूचना के उक्त र में किये गये आक्षेपों, यदि कोई
हों, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किए जाएंगे
और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को जिसने ऐसा आक्षेप किया है
तथा सम्पत्ति के अन्तरिक्षी को दी जाएगी।

एतद्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे
व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपों
की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर
अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के
अध्याय 20-क में यथापरिभाषित है, वही
अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

धरती, जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 1069 जनवरी,
1974 को रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी, मुल्लानपुर में लिखा है।

डी० एस० गुप्ता,
सक्षम प्राधिकारी,
तारीख : 7-8-74 सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
मोहर : अर्जन रेंज, अमृतसर

प्रस्तुत आई० टी० एन० एस०

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-घ(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, अमृतसर

अमृतसर दिनांक 7 अगस्त, 1974

निकेश सं० ए० एस० आर०/एस० वी० आर०/ए० वी०-
1126/74-75—यतः मुझे, डी० एस० गुप्ता, आयकर
अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 अ
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास
करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित
बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है
और जिसकी सं० धरती जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 1072
जनवरी 1974 लिखा है, जो गांव नसीराबाल में स्थित है
(और इससे उपाधद अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्री-
कर्ता अधिकारी के कार्यालय सुल्तानपुर में भारतीय रजिस्ट्रीकरण
अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 1974 जनवरी
पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के
दृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत विलेख के
अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह
प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरको) और अन्तरिती
(अन्तरितियो) के बीच तय पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रति-
फल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक
रूप से कथित नहीं किया गया है :—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर
अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन
कर देने के अन्तरक के बायित्व में कमी करने या
उससे बचने के लिए सुकर बनाना; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी बन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961
(1961 का 43) या धनकर अधिनियम, 1957
(1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा
प्रकट नहीं किया गया या या किया जाना चाहिए
या, छिपाने के लिए सुकर बनाना।

और यतः, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के
अध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्य-
वाही शुरू करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित किए गए हैं।

यतः, अब, धारा 269-घ के अनुसरण में, मैं, आयकर अधिनियम,
1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

- (1) श्री धर्म सिंह, चरण सिंह पुत्र श्री पाल सिंह जोगा
सिंह, पुत्र स० करनैल सिंह, दर्शन सिंह पुत्र स० माला
सिंह वासी अमरजीतपुर (अन्तरक)
- (2) श्री हरभजन सिंह, बलबीर सिंह, करनैल सिंह पुत्र
श्री संत सिंह, वासी माधालीपुर कालोनी (अन्तरिती)
- (3) जैसा कि नं० 2 पर है (वह व्यक्ति जिसके अधिभोग
में अधोहस्ताक्षरी जानता है)।
- (4) कोई व्यक्ति जो सम्पत्ति में रुचि रखता है। (वह व्यक्ति,
जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति
में हितवद्ध है)।

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
एतद्वारा कार्यवाहिया शुरू करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हो, तो :—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की
तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में
समाप्त होती हो के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से
किसी व्यक्ति द्वारा ;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर स्थावर सम्पत्ति में हितवद्ध किसी
अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित
में किए जा सकेंगे।

एतद्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर
सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए आक्षेपों
यदि कोई हों, की सुनवाई के लिए सारीख और स्थान नियत किए
जाएंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को, जिसने ऐसा आक्षेप
किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जाएगी।

एतद्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे
व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पेरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपों
की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर
अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के
अध्याय 20-क में यथापरिभाषित हैं, वही
अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

धरती जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख सं० 1072 जनवरी,
1974 को रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी, सुल्तानपुर में लिखा है।

डी० एस० गुप्ता,
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, अमृतसर।

दिनांक : 7 अगस्त 1974

मोहर :

प्रसूप आई०टी०एन० एस०

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-प(1) के प्रधीन सूचना

भारत सरकार

कायदिय, सहायक आयकर आमंत्रण (निरीक्षण)

अर्जन रेज अमतसर

अमृतसर, विनांक 7 अगस्त 1974

निदेश सं० ए० एस० प्रार०/एस० पी०प्रार०/ए०पी०-1127/
74-75-यतः मुझे डी० एस० गुप्ता आयकर अधिनियम, 1961
(1961 का 43) की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी
को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति
जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है
और जिसकी सं० सम्पत्ति जैसा कि रजिस्ट्रीडूत विलेख नं० 1211
जनवरी, 1974 लिखा है, जो सुल्तानपुर में स्थित है (और इससे
उपारदृ अमूल्यमें और पूर्ण रूप से बरिंग है), रजिस्ट्रीकर्ता
अधिकारी के कार्यालय, सुल्तानपुर में भारतीय रजिस्ट्रीकरण
अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 1974 जनवरी
पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम
के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीडूत विलेख के अनुसार
अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि
यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रति-
फल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह
कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच
तय पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य
से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया
गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अन्तीन कार देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने के लिए सुकर बनाना; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आरिंतयों को, जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, उपनामे के लिए सुकर बनाना;

और यह आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-का के शब्दों में पूर्वक सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाही शुरू करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित किए गए हैं।

अतः, अब, धारा 269-ए के अनुसरण में, मैं, आपकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ए की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :-

- (1) श्रीमती लाजवन्ती विघ्नवा श्री नानक सिंह पुनर श्री मेहर सिंह वासी सुल्तानपुर । (अन्तरक)
 - (2) श्री राज मोहन पुन श्री सत पाल पुरी मार्कंड मैसर्ज रामाकृष्ण राईस एण्ड जनरल मिलज सुल्तानपुर । (अन्तरक)
 - (3) जैसा कि नं० २ पर है । (वह व्यक्ति जिसके अधिभोग में अधोहस्ताक्षरी जानता है) ।
 - (4) कोई व्यक्ति जो सम्पत्ति में रुचि रखता हो (वह व्यक्ति जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितवद्ध है) ।

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए एतद्वारा कार्यवाहिया शरू करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आवेदन, यदि कोई हो,
तो —

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वाञ्चल व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(क्ष) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्धु किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

एतद्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए आक्षेपों, यदि कोई हैं, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किए जाएंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को, जिसने ऐसा आक्षेप किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिक्षी को दी जाएगी।

एतद्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पेरा के अधीन सुधना वी गई है, आक्षेपों की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में व्यापरिभाषित हैं, उन्हीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

सम्पत्ति, जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 1211 जनवरी, 1974 को रजिस्ट्रीकर्ता प्रधिकारी, सुल्तानपुर में लिखा है।

डी० एस० गुप्ता,
सकाम प्राधिकारी,

तारीख : ७-८-७४
मोहर :

सहायक आयकर आमुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, अमृतसर

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

प्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) का कार्यालय

ਅੰਜੇਂ ਰੋਜ਼, ਅਮਨਸਰ

अमृतसर, दिनांक 7 अगस्त, 1974

निदेश सं० ए० एस० आर०/भूलेथ/ए० पी०-
1128/74-75—यतः ममे डी० पास० गुप्ता

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की घारा 269 ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है और जिसकी सं० धरती जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 1406 जनवरी, 1974 लिखा है, जो नड़ाली में स्थित है (और इसे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता प्रधिकारी के कार्यालय भूलेख में भाग्तीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 1974, जनवरी को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत विलेख के मनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच तय पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:-

(क) अस्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तर्क के दायित्व में कर्मी करने या उससे बचने के लिए सुकर बनाना; और/या

(अ) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिक्ती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने के लिए सुकर बनाना।

और यतः, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अजेन के लिए कार्यवाही शुरू करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित किए गए हैं।

अतः, अब धारा 269-व के अनुसरण में, मैं, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

- (1) जोगिन्द्र सिंह पुत्र श्री मंगल सिंह पुत्र श्री दाल सिंह,
वासी नजाली । (अन्तरक)
 - (2) श्री मुख्तार सिंह, हजारा सिंह अजीत सिंह पुत्र श्री
शेर सिंह, वामी नाडली (अन्तर्गती)
 - (3) जैमा कि नं० 2 पर है । (वह व्यक्ति जिसके अधिभोग
में अधोहस्ताक्षरी जानता है) ।
 - (4) कोई व्यक्ति जो सम्पत्ति में रुचि रखता हो । (वह व्यक्ति
जिसके आरे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति
में हितवद्ध है) ।

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए एतदद्वारा कार्यवाहियां शुरू करता हैं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आवेदन, यदि कोई हो, तो:—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

एतद्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए आक्षेपों, यदि कोई हों, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किए जाएंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को, जिसने ऐसा आक्षेप किया है कि वह सम्पत्ति के अन्तरिक्ति को दी जाएगी।

एतद्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे व्यक्ति को, जिसे पूर्णवर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपों की सन्धार्ह के समय से जाने के लिए अधिकार होगा।

स्थानीकरणः—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो आयकर

अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-ए में यथापरिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अमृषी

धरती जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 1406 जनवरी, 1974 को रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी, भलेथ में लिखा है।

डी० एस० गप्ता,

सधारण प्राधिकारी,

तारीखः 7-8-74

सहायक आयकर आयकृत (निरीक्षण)

मोहर

ਅਰਜੰਨ ਰੋਜ, ਅਮ੍ਰਿਤਸਰ ।

प्र० आई० टी० एन० एस०

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, शिलांग

शिलांग, दिनांक 12 अगस्त 1974

निर्देश सं० ए-५४/जे० आरटी/७४-७५/१६०३-११—यतः
मुझे, एन० पचुआौ आयकर अधिनियम, 1961 (1961
का 43) की धारा 269व के अधीन सक्षम प्राधिकारी
को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति,
जिसका उचित बाजार मूल्य २५,०००/-० से अधिक है
और जिसकी सं० डाग नं० १९२८, पता नं० २१९ है, जो जोरहाट
टाउन, सिवसागर, जिला आसाम में स्थित है (और इससे उपाखद्ध
अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी
के कार्यालय, रजिस्ट्रार आफ एस्युरेन्स, कलकत्ता में भारतीय
रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन
१९-१-७४ को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित
बाजार मूल्य से कम के वृश्यमान प्रतिफल के लिए
रजिस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह
विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित
बाजार मूल्य, उसके वृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल
का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों)
और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच तय पाया गया ऐसे अन्तरण
के लिए प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्स अन्तरण लिखित
में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के घायित्र में कमी करने या उससे बढ़ने के लिए सुकर बनाना; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोगनाथ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने के लिए सुकर बनाना।

और यतः, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाही शुरू करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित किए गए हैं।

अतः अब, धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व की उपधारा (1) अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

१. मैसर्ज जेमराज जीवनशम प्राइवेट लिमिटेड,
१६१/२, महान्मा गान्धी रोड, कलकत्ता-७
(अन्तरक)
२. बीना देवी अगरवाला,
२०, मेडगोलेन, कलकत्ता-१
(अन्तर्गती)
३. असरफी लाल मिस्तरी, जोरहाट
(वह व्यक्ति जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

को यह सूचना जारी कर के पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए एतद्वारा कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हो, तो:—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि मा तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोलिखित व्यक्ति के पास लिखित में किए जा सकें।

एतद्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए आक्षेपों यदि कोई हों, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किए जाएंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को, जिसने ऐसा आक्षेप किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जाएगी।

एतद्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे व्यक्ति को, जिसे पूर्वोक्त पैरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपों की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

एक कोट्टा जमीन, जो कि जोरहाट टाउन में, जिला, सिवसागर आसाम में है जो कि डाग नं० १९२८, पता नं० २१९ में द्वेरी हुई है।

एन० पचुआौ
सक्षम प्राधिकारी
महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज, शिलांग

तारीख : १२-८-७४

मोहर :

संघ सोक सेवा आयोग

विं सं० 41

निम्नलिखित पदों के लिए आवेदन-पत्र आमंत्रित किए जाते हैं।

1. एक निवेशक, राष्ट्रीय संग्रहालय, नई विल्सों, (पद स्थायी, नियुक्ति अस्थायी आधार पर)। वेतन:—रु० 2250-125/2 2500-द० रो०-125/2-2750। आयुः—50 वर्ष। अ० यो० :—प्रख्यात विद्वान् या संग्रहालय विज्ञानी जिसके पास निम्नलिखित योग्यताओं में से कोई एक हो:—(क) भारतीय कला का इतिहास या पुरातत्व विज्ञान या भारतीय इतिहास या मानव विज्ञान सहित ललितकला में द्वितीय श्रेणी की “मास्टर” डिग्री तथा किसी राष्ट्रीय या अन्तर्राष्ट्रीय ब्याति प्राप्त संग्रहालय में वर्चित प्रशासक की हैमियत में 15 वर्ष का अनुभव। संग्रहालय विज्ञान में डिप्लोमा प्राप्त व्यक्ति के लिए ऐसे अनुभव की अवधि 10 वर्ष होगी। अथवा (ख) ललित कला, भारतीय कला का इतिहास या भारतीय इतिहास या पुरातत्व विज्ञान या मानव विज्ञान में “डाकटरेट”, और निम्नलिखित दो वर्गों में से कोई एक भाषा—(क) मंस्कृत, पाली या प्राकृत; (ख) फारसी, अरबी, फ्रेन्च या जर्मन, तथा साथ में किसी कालेज, विश्व-विद्या० या अन्य शैक्षिक संस्थाओं या किसी सांस्कृतिक संगठन में दायित्वपूर्ण हैमियत से कार्य करने का अनुभव और मौलिक अनुसं० या अनुसं० कार्य निर्देशन का पर्याप्त अनुभव जो प्रकाशित पुस्तकों, लेखों और विनिवन्धों द्वारा प्रमाणित हो।

2. दो प्रधान वैज्ञान, अधिकारी, तक० विकास और उत्पादन निवेशा० वायु), रक्षा मंत्रां (पद अस्थायी, अनिं० काल तक चलना संभव)। वेतन:—रु० 1500-60-1800-100-2000 (परिशो०)। आयुः—वरीयत: 45 वर्ष से कम। अ० यो०:—(i) इलैक्ट्रा० दूर संचार० हंजी० में विशेषज्ञता के साथ इलैक्ट्रा० / वैद्यु० हंजी० में द्वितीय श्रेणी की डिग्री अथवा रेडियो/वायरलेस/दूर-संचार में विशेषज्ञता के साथ भौतिकी में द्वितीय श्रेणी की “मास्टर” डिग्री। रेडार प्रणालियों तथा वायुयान संचार और दिग चालन उपस्कर्तों के निर्माण के दौरान निरीक्षण। (ii) गुण नियंत्रण का 6 वर्ष का अनुभव जिसमें से कम से कम 3 वर्ष का अनुभव उपर्युक्त उपस्कर्तों के निर्माण हेतु गुण प्रत्याभूति कार्यक्रमों के आयोजन, निरेण तथा संगठन से संबद्ध किसी दायित्वपूर्ण पद पर हो। रक्षा विनिर्देशों/मानकों तथा रक्षा इलैक्ट्रानिक उपस्कर्तों के विश्वासप्रकृता अध्ययनों का प्रगाढ़ ज्ञान।

3. एक उप आयुक्त (कुक्कुट पालन), कृषि मंत्रां (कृषि विभाग)। (पद अस्थायी, अनिं० काल तक चलना संभव)। वेतन:—रु० 1500-100-1800 (परिशोधित)। आयुः—45 वर्ष। अ० यो०:—पशुरोग विज्ञान या पशुपालन विज्ञान में डिग्री। कुक्कुट पालन विज्ञान में स्नातकोत्तर डिग्री तथा कुक्कुट उत्पादन कार्य में 10 वर्ष का अनुभव।

4. एक कार्यकारी अधिकारी, प्रशिक्षण पोत “भद्र”, कलकत्ता। (पद स्थायी, नियुक्ति अस्थायी आधार पर)। वेतन—रु० 1200-50-1500-60-1800। आयुः—40 वर्ष। अ० यो०:—पोताध्यक्ष (विदेशगामी) का सक्षमता प्रमाण प०। पोताध्यक्ष (विं गा०) का सक्षमता प्रमाण प० प्राप्त करने के बाद 3 वर्ष की समुद्र सेवा।

5. एक बरिं० वैज्ञान अधिकारी, नौ रक्षा तथा धार्तिक प्रयोगशाला बम्बई। (पद अस्थायी, अनिं० काल तक चलना संभव)। वेतन:—1100-50-1600 (परिशोधित)। आयुः—वरीयत: 40 वर्ष से कम। अ० यो०:—रक्षा० हंजी० औद्यो० रक्षा० विज्ञान में द्वितीय श्रेणी की डिग्री। (क) उच्च बहुलक या (ख) मृतिका शिल्प के क्षेत्र में अनुसं० प्रौर विकास का 4 वर्ष का अनुभव।

6. एक बरिं० वैज्ञान अधिकारी, नौ रक्षा तथा धार्तिक प्रयोगशाला, बम्बई, (पद अस्थायी, अनिं० काल तक चलना संभव)। वेतन:—रु० 700-40-900-द० रो०-40-1100-50-1300 (परिशोधित)। आयुः—वरीयत: 30 वर्ष से कम। अ० यो०:—रक्षा० हंजी०/औद्यो० रक्षा० विज्ञान में द्वितीय श्रेणी की डिग्री। (क) उच्च बहुलक या (ख) उच्च मृतिका शिल्प के क्षेत्र में अनुसं० प्रौर विकास का 2 वर्ष का अनुभव।

7. एक तकनीकी अधिकारी, रोजगार तथा प्रशिक्षण महानिवेशा०, श्रम मंत्रां। (पद अस्थायी, अनिं० काल तक चलना संभव)। (अ० आ० के लिए आरक्षित, अस्थाया अनारक्षित)। वेतन:—रु० 700-40-900-द० रो०-40-1100-50-1300 (परिशोधित)। आयुः—35 वर्ष। अ० यो०:—इलैक्ट्रा० में विशेषज्ञता के साथ डिलैक्ट्रा०/दूरसंचार/वैद्युत हंजी० में डिग्री तथा स्नातक होने के बाद इलैक्ट्रा० में एक वर्ष का अनुभव।

8. एक सांख्यिकी अधिकारी, विल्सों प्रशासन विल्सों। (पद अस्थायी, अनिं० काल तक चलना संभव)। (पद अ० ज० ज० ज० के लिए आरक्षित)। वेतन:—रु० 650-30-740-35-810-द० रो०-35-880-40-1000-द० रो०-40-1200। आयुः—40 वर्ष। अ० यो०:—(i) मांझिकीय गणित/अर्थशास्त्र/वाणिज्य (सालियकी सहित) में “मास्टर” डिग्री। अथवा गणित/सांख्यिकी/अर्थशास्त्र विषय के साथ डिग्री तथा किसी मान्यताप्राप्त संस्थान से मांझिकीय में 2 वर्ष का स्नातकोत्तर डिप्लोमा। (ii) सांख्यिकीय कार्य का 4 वर्ष का अनुभव जिसमें सांख्यिकी आंकड़ों का संग्रह, संकलन और निर्वचन निहित हो।

9. चार प्राणि विज्ञानी, भारत प्राणि विभाग, विज्ञान तथा प्रोद्योगिकी विभाग। (पद अस्थायी, चलना संभव)। वेतन:—रु० 400-40-800-50-950 (परिशोधित रु० 700-40-900-द० रो०-40-1100-50-1300)। आयुः—35 वर्ष। अ० यो०:—परिस्थिति विज्ञान में द्वितीय श्रेणी की एम० एस-सी० डिग्री/पाश्चात्यों के वर्गीकृत आकृति विज्ञान तथा परिस्थिति विज्ञान (और/या जीव संरचना/नी प्राणिविज्ञान) के सर्वे और/या अनुसं० कार्य का कुछ अनुभव जो विषेषतः निम्नलिखित वर्गों से संबद्ध हो:—पहले पद के लिए वर्गीकृत प्राणिविज्ञान (कीट विज्ञान) दूसरे पद के लिए: लेपिडोप्टेरा तीसरे पद के लिए शार्थोप्टरा और पद के लिए हैमिप्टेरा।

10. तीस बरिं० सहायक पुस्तकाध्यक्ष, भारत भू-विज्ञान सर्वे० कलकत्ता। (पद अस्थायी, अनिं० काल तक चलना संभव)। (एक पद अ० ज० ज० ज० के लिए आरक्षित)। वेतन:—रु० 550-25-750-द० रो०-30-900। आयुः—35 वर्ष। अ० यो०:—

(i) मान्यताप्राप्त विश्वविदि० की डिग्री। (ii) पुस्तकालय विज्ञा० में डिग्री या समकक्ष डिप्लोमा (iii) किसी प्रतिष्ठित पुस्तकालय में विज्ञा०/ प्राथिधिक अनुसं० का 3 वर्ष का अनुभव।

11. एक सहा० योजनाकार (वास्तुविद), नगर और प्राम्योजना विभाग, पांडिचेरी। (पद अस्थायी, अनि० काल तक चलना संभव)। वेतन :—र० 350-25-500-30-590-द० रो०-30-800-द० रो०-30-830-35-900 (परिशोधन पूर्वे)। आयुः—30 वर्ष। अ० यो०—वास्तुकला में डिग्री तथा 2 वर्ष का व्यावसायिक अनुभव।

शुद्धि पत्र

चार तकनीकी अधि० रोजगार तथा प्रशिक्षण महानिकेशालय, श्रम तथा रोजगार विभाग। (1-7-1972 को प्रकाशित सं० लो० से० आ० के विज्ञापन सं० 27 की मद सं० 10)। उक्त पदों की भर्ती रद्द कर दी गई है। उम्मीदवारों द्वारा अवाकिया गया शुल्क यथावधि लौटा दिया जाएगा।

आयोग के कार्यालय में आवेदन-पत्र प्राप्त करने की अन्तिम तारीख 11 नवम्बर, 1974 (विदेशी, अडमान, निकोबार और लक्षद्वीप के उम्मीदवारों के लिए 25 नवम्बर, 1974)

UNION PUBLIC SERVICE COMMISSION

New Delhi-110011, the 1st August 1974

No. A 32014/1/74-Admn.I.—The Chairman, U.P.S.C. has been pleased to appoint S/Shri R. L. Thakur and K. Sundaram, Permanent Personal Assistants (Grade II of CSS) of the CSSS cadre of Union Public Service Commission as Senior Personal Assistant (Grade I of CSSS) for the Committee on Recruitment Policies and Selection Methods set up by the Union Public Service Commission on a purely temporary and *ad hoc* basis for a period of 3 months with effect from 16-7-1974 (F.N.)

M. R. BHAGWAT,
Under Secretary.
for Chairman.

New Delhi-110011, the 10th September 1974

No. A 32016/7/72-Admn.II.—The Secretary, Union Public Service Commission hereby appoints Shri S. P. Bansal, a permanent Assistant Superintendent (Hollerith) is the office of the Union Public Service Commission to office as Superintendent (Hollerith) in the Commission's office for a period of one month with effect from the 1st August, 1974 to the 31st August, 1974 or until further orders whichever is earlier.

M. R. BHAGWAT,
Under Secretary,
for Secretary.

New Delhi-110011, the 28th August 1974

No. A 12022/5/74-Admn.I.—Shri M. S. Thanvi, an officer of the Indian Revenue Service (Income-tax), assumed charge of the office of Under Secretary, Union Public Service Commission with effect from the forenoon of 23rd August, 1974.

M. R. BHAGWAT,
Under Secretary.

+ पदों आदि के बारे में यह संक्षिप्त सूचना है। आवेदन-प्रपत्र और विवरण के लिए सचिव, सं० लो० से० आयोग नई दिल्ली-110011 को बिना टिकट के अपना पता लिखे हुए लिफाफ (23×10 सें० मी०) के साथ मद संख्या, पद का नाम और विज्ञापन संख्या का हवाला देते हुए लिखें।

+ आयु 1-1-1974 तक की गिनी जाएगी। विस्थापितों, अ० जा०, अ० ज० जा० और सरकारी कर्मचारियों को जहाँ अन्यथा न बताया गया हो, आयु-सीमा में छूट सम्भव।

— आयोग, उचित समझे तो, योग्यताओं में छूट दे सकता है।

— उच्च प्रारम्भिक वेतन योग्यताओं के अनुसार दिया जा सकता है।

— आवेदन-शुल्क भारतीय पोस्टल आर्डर के रूप में श्राठ र० (अ० जा० और अ० ज० जा० के लिए दो र०), विदेश के उम्मीदवार भारतीय दूतावास में शुल्क जमा करें।

संकेत: अ० जा०—अनुसन्धित जाति, अ० ज०—जा० अनुसन्धित जन जाति, अ० यो०—अनिवार्य योग्यताएं।

अशोक चन्द्र बन्धोपाध्याय
सचिव,
संघ लोक सेवा आयोग

New Delhi-110011, the 3rd September 1974

No. A. 12025(ii)/2/74-Admn.III.—Consequent on his having been nominated on the basis of Section Officers' Grade Limited Departmental Competitive Examination, 1974 and in pursuance of the Deptt. of Personnel & A.R.O.M. No. 5/46/74 dated 1-8-74 the President is pleased to appoint Shri I. P. Tuli, a permanent Assistant of the Central Secretariat Service cadre of the Union Public Service Commission, to officiate in the Section Officers' Grade of the service in the same cadre w.e.f. 1st August, 1974 until further orders.

No. A. 12025(ii)/2/74-Admn.III.—Consequent on his having been nominated on the basis of Section Officers' Grade Limited Departmental Competitive Examination, 1974 and in pursuance of the Deptt. of Personnel & A.R. O.M. No. 5/46/74 dated 1-8-74 the President is pleased to appoint Shri Dau Dayal, a Permanent Assistant of the Central Secretariat Service cadre of the Union Public Service Commission, to officiate in the Section Officers' Grade of the service in the same cadre w.e.f. 1st August, 1974 until further orders.

The 11th September 1974

No. A. 32014/1/74-Admn.I.—The President is pleased to appoint Shri S. P. Mehra, permanent Personal Assistant (Grade II of the C.S.S.S.) of the cadre of the Union Public Service Commission, to officiate as Senior Personal Assistant (Grade I of the C.S.S.S.) in the same cadre on purely temporary and *ad-hoc* basis for a period of 48 days with effect from 5-8-1974 to 21-9-1974.

The 16th September 1974

No. A. 32013/1/74-Admn.I.—The President is pleased to appoint Shri C. R. Anand a permanent officer of the Section Officers' Grade of the Central Secretariat Service cadre of the Union Public Service Commission to officiate in Grade I of the Service for a period of 3 months with effect from 1-7-1974 to 30-9-1974 or till a regular officer becomes available, whichever is earlier.

No A 32013/1/74-Admn I.—The President is pleased to appoint Shri R R Shimray, permanent officer of the Section Officers' Grade of the Central Secretariat Service cadre of the Union Public Service Commission to officiate in Grade I of the Service for the period w.e.f. 6-7-74 to 4-10-74

M R BHAGWAT,
Under Secretary,
(Incharge of Administration).

CABINET SECRETARIAT
(DEPARTMENT OF PERSONNEL & ADMINISTRATIVE REFORMS)

CENTRAL BUREAU OF INVESTIGATION

New Delhi-110001, the 17th September 1974

No 3/7/74-AD V.—The President is pleased to appoint on deputation Shri K. Kumaraswamy, IPS (Tamil Nadu) as Supdt. of Police in the Special Police Establishment, Central Bureau of Investigation with effect from the forenoon of 7th September, 1974, until further orders

The 18th September 1974

No J-9/74-AD V.—Director, Central Bureau of Investigation and Inspector General of Police, Special Police Establishment hereby promotes Shri J N Chatterjee, Permanent Inspector of CBI, as Dy. Supdt. of Police in CBI with effect from 21-8-74 (F.N.) in a temporary capacity, until further orders

The 19th September 1974

No PF L-25/72-AD I.—Shri Layak Singh, an officer of Rajasthan Police on deputation to CBI as Inspector of Police has been relieved of his duties in the CBI Special Police Establishment, Jaipur Branch on the afternoon of 3-9-74 or repatriation to the Rajasthan State Police

The 1974

No PF/M 11/74 AD V.—The President is pleased to appoint Shri M L Kalra, Executive Engineer of the C P W D, on deputation as Executive Engineer in the Central Bureau of Investigation, New Delhi with effect from 11-9-74 (forenoon) until further orders

G L AGARWAL,
Administrative Officer(E)
CBI.

New Delhi, the 19th September 1974

No PF/S-248/74-AD I.—Deputy Inspector General of Police, Special Police Establishment, hereby appoints Shri S N Thorat, an officer of Maharashtra Police on deputation as Inspector of Police in the Delhi Special Police Establishment, Division of the Central Bureau of Investigation, Bombay, Branch in a temporary capacity, with effect from the forenoon of 3-9-1974 until further orders

G L AGARWAL,
Administrative Officer,
for Deputy Inspector General of Police
Special Police Establishment.

MINISTRY OF HOME AFFAIRS
OFFICE OF THE INSPECTOR GENERAL
CENTRAL INDUSTRIAL SECURITY FORCE

New Delhi-110003, the 17th September 1974

No E-16013(1)/3/74 Ad I.—The President is pleased to appoint Shri S V Singh, IPS (Madhya Pradesh—1955) on deputation to the post of Deputy Inspector General, Central Industrial Security Force, Bhilai Steel Plant, Bhilai with effect from the forenoon of 23rd August 1974

2 Shri S V Singh relinquished the charge of the post of Commandant/Central Industrial Security Force Unit, Bhilai Steel Plant, Bhilai with effect from the same date

L S BISHT,
Inspector General

OFFICE OF THE REGISTRAR GENERAL, INDIA

New Delhi 110011 the 17th September 1974

No 25/29/74-RG(Ad I)—The President is pleased to appoint Shri Badri Nath, a Selection Grade Officer of the CSS as Deputy Registrar General, India in a temporary capacity with effect from the forenoon of 16th September, 1974, until further orders

R B CHARI
Registrar General, India and
cum officio Joint Secretary

MINISTRY OF SUPPLY

OFFICE OF THE CHIEF PAY & ACCOUNTS OFFICER

New Delhi-11, the 17th September 1974

No A 24013/74 75/Cal/Admin(CDN)/2343 45—Shri Amal Ranjan Ghosh, an officiating pay and Accounts officer in the office of the Senior Deputy Chief Pay & Accounts Officer, Deptt. of Supply, Calcutta expired on 25-6-74

ARUNA MAKHAN,
Dy Chief Pay & Accounts Officer

DEFENCE ACCOUNTS DEPARTMENT

OFFICE OF THE CONTROLLER GENERAL OF DEFENCE ACCOUNTS

New Delhi the 17th September 1974

No 40011(2)/74 AN-A—Having given notice of voluntary retirement under the provisions of Article 459(1) Civil Service Regulations, Volume I and the same having been accepted by the Controller General of Defence Accounts, Shri Thakar Das Permanent Accounts Officer (Roster No P/359) serving in the Organisation of Controller of Defence Accounts, Central Command, Meerut, will be transferred to pension establishment with effect from the forenoon of 28th October, 1974

2 Entries in respect of Shri Thakar Das against Serial No 2 in this department notification dated 9-7-74 are hereby cancelled

S K SUNDARAM,
Addl Controller General of Defence Accounts

MINISTRY OF DEFENCE

INDIAN ORDNANCE FACTORIES

Calcutta, the 12th September 1974

No 2/74/A/M—The president is pleased to terminate the services of Dr Raghunath Kumaran Ty Asstt Surgeon Grade I (Male), Cordite Factory, Aluvankadu with effect from 1-7-74 (AN), in pursuance of the provision to sub-Rule (1) of Rule 5 of the Central Civil Service (Ty Service) Rules, 1965

R M MAZUMDAR,
Director General, Ordnance Factories

MINISTRY OF LABOUR

(LABOUR BUREAU)

Simla the 1974

No 23/3/74 CPI—The All India Consumer Price Index Number for Industrial Workers on base 1960=100 advanced by ten points to reach 321 (Three hundred and twenty one) during the month of August, 1974. Converted to base 1949=100, index for the month of August 1974 works out to 190 (Three hundred and ninety)

K K BHATIA,
Director

DIRECTORATE-GENERAL OF MINES SAFETY

Dhanbad-826001, the 17th September 1974

No. 11(5)71-Adm.I/17558(1).—Shri A. M. Ghosh, permanent Assistant Administrative Officer is promoted to officiate as Administrative Officer in the scale of Rs. 840—40—1000—EB—40—1200 with effect from 6-9-74 until further orders vice Shri C. Munuswami proceeded on earned leave.

No. 11(5)71-Adm.I/1758(2).—Shri A. C. Mazumdar permanent Superintendent is promoted to officiate as Assistant Administrative Officer in the scale of Rs. 550-25-750-EB-30-900 with effect from 10-9-74 (F.N.) until further orders vice Shri A. M. Ghosh promoted to officiate as Administrative Officer.

Sd/- ILLEGIBLE
Director-General of Mines Safety.

MINISTRY OF STEEL AND MINES

(DEPARTMENT OF MINES)

INDIAN BUREAU OF MINES

Nagpur, the 18th September 1974

In continuation of the notification No. A.19012(62)/73-Estt. A dated 15th October, 1973, Shri K. C. Sen Gupta, Permanent Superintendent is promoted to officiate as Assistant Administrative Officer in this department on a regular basis with effect from the forenoon of 1st August, 1974.

A. K. RAGHAVACHARY,
Sr. Administrative Officer,
for Controller.

SURVEY OF INDIA
SURVEYOR GENERAL'S OFFICE
Dehra Dun, the 16th September 1974

No. E1-4903/913-H.—In continuation of this office Notification No. F1-4831/913-H dated 2-5-73, the *ad hoc* appointment of Shri Ramesh Kumar Chamoli, Hindi Officer of the Surveyor General's Office is further extended upto 31st December, 1974 or till the post is filled on a regular basis, whichever is earlier.

HARI NARAIN,
Surveyor General of India.

ANTHROPOLOGICAL SURVEY OF INDIA
INDIAN MUSEUM
Calcutta-13, the 19th July 1974

No. 4-95/74/Estt.—The Director, Anthropological Survey of India, is pleased to appoint Shri Syed Hasan Muftaba Rizvi to the post of Assistant Anthropologist (Physical Anthropology Division) on a temporary basis, with effect from the forenoon of 27th June, 1974, until further orders.

The 30th July 1974

No. 4-100/74/Estt.—The Director, Anthropological Survey of India, is pleased to appoint Shri Satyabrata Chakrabarti to a post of Assistant Anthropologist (Cultural) on a temporary basis, with effect from the forenoon of 18th July, 1974, until further orders.

C. T. THOMAS,
Senior Administrative Officer.

ZOOLOGICAL SURVEY OF INDIA

Calcutta-12, the 31st August 1974

No. F.92-50/74-Estt./11173.—Dr. (Miss) M. Mary Bai is hereby appointed as Assistant Zoologist (Gazetted : Class II) in a temporary capacity in the Marine Biological Station of the Zoological Survey of India, Madras, with effect from 17th August, 1974 (forenoon), until further orders.

The 2nd September 1974

No. F.70-2/71-Estt./11217.—In partial modification of this office notification of 8th February, 1974, Dr. Amal Bhattacharya, Senior Zoological Assistant, Zoological Survey of India, is appointed as Assistant Zoologist (Class II ; Gazetted), on regular basis, with effect from 24th January, 1974 (forenoon), until further orders.

DR. S. KHERA,
Deputy Director-in-Charge,
Zoological Survey of India.

DEPARTMENT OF SCIENCE & TECHNOLOGY

NATIONAL ATLAS ORGANISATION

Calcutta-19, the 12th September 1974

No. F.29-12/72/Estt.—The following persons are appointed to the post of Scientific Officer in the National Atlas Organisation in a temporary capacity with effect from the dates shown against their names, until further orders :

- S. No., Name & Date of appointment*
1. Shri Narbada Prasad Meshram—31-8-74 (F.N.)
 2. Shri Kala Chand Bhattacharya—6-9-74 (F.N.)
 3. Shri Dwijendra Nath Ghose—6-9-74 (F.N.).

S. P. DAS GUPTA,
Director.

MINISTRY OF INFORMATION & BROADCASTING

PUBLICATIONS DIVISION

New Delhi, the 20th September 1974

No. A.19011/6/74-Admn.I.—The Director, Publications Division, is pleased to appoint Shri Daulat Ram Sahar to officiate as Assistant Director (Production), Publications Division, New Delhi with effect from the forenoon of 6th September, 1974 until further orders.

M. L. TANDON,
Deputy Director (Admn.)

DIRECTORATE GENERAL OF HEALTH SERVICES

New Delhi, the 16th September 1974

No. 12-1/74-Admn.I.—On reversion to the post of Assistant Shri Brij Lal relinquished charge of the post of Section Officer in the Directorate General of Health Services on the afternoon of the 12th July, 1974.

No. 17-27/73-Admn.I.—The Director General of Health Services is pleased to appoint Smt. Indira Saxena, to the post of Health Education Officer (Teachers Training) in the Central Health Education Bureau, Directorate General of Health Services, New Delhi in a temporary capacity with effect from the forenoon of 23rd April, 1974, and until further orders.

No. 19-30/70-Admn.I.—Consequent upon his appointment as Reader in Biochemistry in the Delhi University, Dr. P. K. Joseph relinquished charge of the post of Lecturer in Biochemistry at the JIPMER, Pondicherry on the afternoon of the 12th August, 1974.

The 20th September 1974

No. 19-7/74-Admn.I.—The Director General of Health Services is pleased to appoint Shri M. N. Nair in a substantive capacity to the post of Sr. Physiotherapist, JIPMER, Pondicherry, with effect from the 10th July, 1972.

S. P. JINDAL,
Deputy Director Administration.

New Delhi, the 16th September 1974

No. 30-8/74-CGHS.I.—The Director General of Health Services is pleased to appoint Dr. Manohar Lal Madria as Homoeopathic Physician in the Central Government Health Scheme, Delhi under the Directorate General of Health Services in a temporary capacity with effect from the forenoon of the 6th September, 1974 and until further orders.

The 19th September 1974

No. 29-3/74-CGHS.I.—On the expiry of term of extension of service of one year beyond the age superannuation Dr. Shanti Dev, Homoeopathic Physician after availing himself of 120 days' leave preparatory to retirement is retired from service under the Central Government Health Service, Delhi with effect from the afternoon of 31st July, 1974.

K. VENUGOPAL,
Deputy Director Admn. (CGHS)

MINISTRY OF AGRICULTURE
(DEPARTMENT OF AGRICULTURE)
DIRECTORATE OF EXTENSION

New Delhi, the 2nd September 1974

No. F.1(4)/74-Estt.(I).—On transfer from the Department of Agriculture, Shri S. P. Chhibbar has assumed the charge of the post of Officer-in-Charge, Wild Cattle Catching Scheme (G.C.S. Class II) in the revised pay scale of Rs. 650-30-740-35-810-EB-35-880-40-1000-EB-40-1200 in the Directorate of Extension, Ministry of Agriculture (Department of Agriculture) with effect from the forenoon of 12th August, 1974.

M. D. PANDE,
Director of Administration.

(DEPARTMENT OF COOPERATION)
DIRECTORATE OF MARKETING AND INSPECTION

Faridabad, the 18th September 1974

No. F. 4-6(22)/74-A.I.—On the basis of the recommendations of the Union Public Service Commission, the Agricultural Marketing Adviser to the Government of India has appointed Shri A. P. Chandra Rao as Assistant Marketing Officer, Group I, on officiating basis in the Directorate of Marketing and Inspection at Guntur, with effect from 30-1-1974 (F.N.) until further orders.

V. P. CHAWLA, Dir. of Administration

BHABHA ATOMIC RESEARCH CENTRE
PERSONNEL DIVISION

Bombay-400085, the 20th August 1974

No. PA/79(9)/74-IV.—The Controller, Bhabha Atomic Research Centre, appoints Shri Yagnaswamysastrigal Sambamurthi, a permanent Assistant Personnel Officer in the Bhabha Atomic Research Centre, to officiate as Administrative Officer II in the same Research Centre, on his transfer from the Reactor Research Centre, Kalpakkam, with effect from the forenoon of July 10, 1974, until further orders.

The 24th August 1974

No. PA/79(9)/74-R-IV.—In continuation of this Research Centre's Notification No. PA/79(1)/74-R-IV, dated April 12, 1974, the Controller, Bhabha Atomic Research Centre, appoints Shri Radha Vallabh Bajpai, a permanent Assistant Personnel Officer in the Bhabha Atomic Research Centre, to officiate as Administrative Officer-I on 'ad-hoc' basis in the same Research Centre, with effect from the forenoon of April 1, 1974 upto the afternoon of May 17, 1974.

No. PA/79(9)/74-R-IV.—The Controller, Bhabha Atomic Research Centre, appoints Shri Rajanga Hara Shanmukham, a permanent Assistant Personnel Officer in the Bhabha Atomic Research Centre, to officiate as Administrative Officer I in the same Research Centre, with effect from the forenoon of May 27, 1974, until further orders.

No. PA/79(9)/74-R-IV.—In continuation of this Research Centre's Notification No. PA/79(20)/73-R-IV, dated February 17, 1974, the Controller, Bhabha Atomic Research Centre, appoints Shri Palamadai Suryasekara Iyer Venkatasubramanian, a permanent Assistant Personnel Officer in the Bhabha Atomic Research Centre, to officiate as—

(i) Administrative Officer I on an ad-hoc basis with effect from the forenoon of April 1, 1974 up to the afternoon of May 17, 1974, and

(ii) Administrative Officer II on regular basis with effect from the forenoon of May 18, 1974, until further orders—

in the same Research Centre.

No. PA/79(9)/74-R-IV.—In continuation of this Research Centre's Notification No. PA/79(1)/74-R-IV, dated April 11, 1974, the Controller, Bhabha Atomic Research Centre, appoints Shri Sankaranarayanan Padmanabhan, a permanent Assistant Personnel Officer in the Bhabha Atomic Research Centre, to officiate as

(i) Administrative Officer II on an ad-hoc basis with effect from the forenoon of April 1, 1974, upto the afternoon of May 17, 1974.

(ii) Administrative Officer I on regular basis with effect from the forenoon of May 18, 1974, until further orders.

in the same Research Centre.

No. PA/79(9)/74-R-IV.—The Controller, Bhabha Atomic Research Centre, appoints Kum. Hemalata Bhagwantrao Vijayakar, a permanent Assistant Personnel Officer, in the Bhabha Atomic Research Centre, to officiate as Administrative Officer-I in the same Research Centre, with effect from the forenoon of May 18, 1974, until further orders.

P. UNNIKRISHNAN, Dy. Establishment Officer (R)

OFFICE OF THE DIRECTOR GENERAL OF CIVIL AVIATION

New Delhi, the 12th September 1974

No. A.19014/40/72-E(H).—On attaining the age of superannuation Shri J. C. Karnick retired from Government service and relinquished charge of the office of Regional Director, Civil Aviation Department, Calcutta on the 31st August, 1974 (A.N.).

T. S. SRINIVASAN,
Assistant Director of Administration

New Delhi, the 16th September 1974

No. A.32014/2/73-EC.—The Director General of Civil Aviation is pleased to appoint Shri V. B. Deskar, Communication Assistant at Aeronautical Communication Station, Nagpur as Assistant Communication Officer at the same station with effect from the forenoon of 11th June, 1974 in an officiating capacity and until further orders.—

H. L. KOLHI, Dy. Dir. of Admn.,
for Director General of Civil Aviation

New Delhi, the 7th September, 1974

No. A.33023/1/74-EA.—The Director General of Civil Aviation hereby appoints the following Asstt. Aerodrome Officers (trainees) to the post of Asstt. Aerodrome Officer, Class II, Gazetted post, in the Air Routes & Aerodromes Organisation of the Civil Aviation Department in the scale of pay of Rs. 650-30-740-35-810-E.B.-880-40-1000-E. B.-40-1200, in a temporary capacity, with effect from the dates mentioned against names and until further orders :—

Sl. No.	Name	Station	Date
1	2	3	4
1.	Shri F. N. Buhariwalla	Bombay	29-8-74
2.	Shri A. K. Sharma	Bombay	29-8-74
3.	Shri J. P. Mathur	Bombay	29-8-74
4.	Shri P. L. Saxena	Dum Dum	29-8-74
5.	Shri Gopal Mohita	Dum Dum	29-8-74
6.	Shri Vijay Kumar	Dum Dum	29-8-74
7.	Shri Asha Ram	Dum Dum	29-8-74
8.	Shri A. N. Viswanathan	Dum Dum	29-8-74
9.	Shri M. A. Bhat	Safdarjung	29-8-74
10.	Shri K. Bagchi	Safdarjung	29-8-74
11.	Shri Y. Aggarwal	Safdarjung	29-8-74
12.	Shri K. Venktaraman	Madras	30-8-74
13.	Shri S. K. Singh	Madras	30-8-74

S. L. KHANDPUR
Assistant Director of Administration

OVERSEAS COMMUNICATIONS SERVICE

Bombay, the 16th September 1974

No. 12/1/74-EST.—Shri D. Brahmachery, Officiating Traffic Manager, Calcutta Branch is appointed as Traffic Manager in a substantive capacity with effect from the 29th July, 1971.

The 17th September 1974

No. 1/190/74-EST.—Shri Hirralal Jhanjee, Officiating Chief Mechanician, New Delhi Branch is appointed as Chief Mechanician in substantive capacity with effect from the forenoon of the 26th January, 1972.

P. G. DAMLE, Dir. General

COLLECTORATE OF CUSTOMS AND CENTRAL EXCISE

New Delhi, the August 1974

ESTABLISHMENT

No. 92.—Shri Bhanwar Lal Mathur, Inspector (SG) of this Collectorate, appointed provisionally to officiate as Superintendent, Central Excise Class-II in the pay scale of Rs. 650—30—740—35—810—EB—35—880—40—1040—EB—40—1200, took over the charge of the office of Superintendent, Central Excise (I.G.) Central Excise Divn., Kota in the afternoon of 27-7-1974.

No. 93.—Shri R. S. Bhalla, Inspector (SG) of this Collectorate, appointed provisionally to officiate as Superintendent, Central Excise, Class-II in the pay scale of Rs. 650—30—740—35—810—EB—35—880—40—1040—EB—40—1200, took over charge of the office of Superintendent, Central Excise (Prev.) Jaipur in the forenoon of 1-8-1974.

No. 94.—Shri D. P. Sharma, Inspector (SG) of this Collectorate, appointed provisionally to officiate as Superintendent, Central Excise, Class-II in the pay scale of Rs. 650—30—740—35—810—EB—35—880—40—1040—EB—40—1200, took over the charge of the office of Superintendent, Central Excise, Udaipur in the afternoon of 27-7-1974.

M. S. MEHTA, Collector of Central Excise

Guntur, the 31st August 1974

ESTABLISHMENT

No. 5.—In continuation of this office order C. No. II/11/1/74 E-7, dated 28th February, 1974, it is hereby communicated that the officiating Superintendents of Central Excise, Class II, working in Guntur Collectorate, whose names are furnished below are confirmed as Superintendents of Central Excise, Class II with effect from the dates noted against their names :—

Sl. No.	Name of the Superintendent	Place where working	Date from which confirmed
1	2	3	4
S/Shri			
1.	K.R. Krishna Sarma Chilla	Inspection Group I.D.O. Eluru	18-10-1970
2.	Ch. Subbarayudu	M.O.R. Mangalagiri	18-10-1970
3.	K. V. Subba Rao	Custom House, Kakinada	18-10-1970
4.	D. V. Siva Rao	Rural M.O.R. Eluru	18-10-1970
5.	Shali Khan	M.O.R. II Visakhapatnam	18-10-1970
6.	J. Venkata Rao	M.O.R. II Rajahmundry	18-10-1970
7.	P. Ramalingeswara Rao	Hqrs. Office, Guntur.	18-10-1970
8.	Abdul Azeem Baig	I.D.O. Vijayawada	18-10-1970
9.	Y. Krishna R	M.O.R. II Chilakaluripet	18-10-1970

10.	G. Gopalakrishna Murthy	I.D.O. II, Guntur	18-10-1970
11.	C. Ch. Subbarayudu	L.R. I.D.O. II, Guntur	18-10-1970
12.	M. S. Harischandra Rao	Hqrs. Office, Guntur	6-10-1971
13.	S. A. Sattar	M.O.R. Nuzvid	25-11-1972
14.	Shaik Abdul Rahman	M.O.R. Kandukur	5-12-1972
15.	M. Munwar Hussain	M.O.R. II, Vijayawada	9-12-1972
16.	C. Narayana Rao	I.D.O. Ongole	21-10-1973
17.	C. K. Basha	M.O.R. Kothapet	5-12-1973

No. 6.—In continuation of this office order C. No. II/11/7/73 E-7, dated 31st December, 1973 and C. No. II/11/2/74 E-7, dated 27th February, 1974, it is hereby communicated that the officers named below are confirmed with effect from the dates noted against their names :—

Sl. No.	Name of the Officer	Place where working	Date from which confirmed
1.	Shri P. Mooka Pillai	Administrative Officer, I.D.O. Visakhapatnam	25-9-1970
2.	Shri S. Sambasivan	Asstt. Chief Accounts Officer, Hqrs. Office, Guntur.	1-7-1973

The 3rd September, 1974

CENTRAL EXCISE DEPARTMENT

No. 7.—The following permanent Senior grade Inspectors of Central Excise, has been appointed until further orders to officiate as Superintendents of Central Excise, Class II in the Central Excise Collectorate, Guntur. They have assumed charge as Superintendents of Central Excise, Class II with effect from the dates noted against each :

Sl. No.	Name of the Officer	Station	Date of assumption of charge as Superintendent of Central Excise, Class-II
1	2	3	4
S/Shri			
1.	K. Balakotaiah	Superintendent (I.G.) I.D.O. Visakhapatnam	15-3-74 A.N.
2.	D. Harisarvotama Rao	Superintendent (Tech. & Indoor) I.D.O. Visakhapatnam	30-3-73 F.N.
3.	B. J. Vijayendra Rao	Pedakurapadu M.O.R., I.D.O.-II Guntur.	19-3-74 F.N.
4.	S. A. Lateef	M.O.R. Ongole I.D.O. Ongole	1-4-74 F.N.
5.	K. Vijiyam	M.O.R. Parchur I.D.O. Ongole	12-6-74 F.N.

A. S. I. JAFFAR
Collector

Bombay-40038, the 11th September 1974

CUSTOMS

No. 3.—On attaining the age of superannuation, Shri G. L. Nardekar, Preventive Inspector of the Bombay Custom House retired from service with effect from the afternoon of 31-7-1974.

M. R. RAMACHANDRAN, Collector of Customs

DIRECTORATE OF INSPECTION, CUSTOMS AND
CENTRAL EXCISE

No. 19/1974.—Consequent on his retirement from service Shri A. K. Mansaramani, a Permanent Office Superintendent, officiating as Assistant Chief Accounts Officer, in the Directorate of Inspection, Customs and Central Excise, New Delhi, relinquished charge, in the Afternoon of the 31st August, 1974.

B. S. CHAWLA,
Director of Inspection Customs & Central Excise

NARCOTICS DEPARTMENT

Gwalior-6, the 12th September 1974

S. No. 17.—Shri G. D. P. Sinha, permanent Superintendent of Central Excise, Class II presently posted as District Opium Officer, Bhilwara is allowed to cross the efficiency bar at the stage of Rs. 1,000/- in the revised scale of Rs. 650—30—740—35—810—EB—35—880—40—1000—EB—40—1200 with effect from the 17th October, 1973.

ABHILASH SHANKER,
Narcotics Commissioner of India

CENTRAL WATER AND POWER COMMISSION
(POWER WING)

New Delhi-110022, the 13th September 1974

No. 6/3/74-Adm.II(PW).—The Chairman, Central Water and Power Commission hereby appoints the following Technical Assistant/Supervisor to the grade of Extra Assistant Director/Assistant Engineer of Central Power Engineering Class II Service with effect from the dates shown against their names, until further orders:—

1. Shri O. P. Gupta—21-8-1974 (F.N.).
2. Shri Arjun Singh—31-8-1974 (F.N.).

M. S. PATHAK, Under Secy.
for Chairman

CENTRAL PUBLIC WORKS DEPARTMENT

OFFICE OF THE ENGINEER-IN-CHIEF

New Delhi, the 18th September 1974

No. 30/4/74-ECI.—The President is pleased to confirm the following Assistant Executive Engineers (Civil & Electrical) recruited as probationers to Central Engineering Service Class I and Central Electrical Engineering Service Class I in the Central Public Works Department, on the basis of Combined Engineering Service Examination, 1969, in their appointment in the grade of Assistant Executive Engineer with effect from the dates indicated against their names:—

Name, Grade & Date

1. Shri S. B. Jhamb, A.E.E. (Civil)—8-1-73.
2. S. P. Banwait, A.E.E. (Civil)—27-12-72.
3. A. Chakrabarti, A.E.E. (Civil)—4-2-73.
4. D. S. Bhatia, A.E.E. (Civil)—21-12-72.
5. P. S. Mehton—A.E.E. (Civil)—20-2-73.
6. R. A. Arumugam, A.E.E. (Civil)—20-1-73.
7. S. R. Subramaniam, A.E.E. (Elect)—20-1-73.
8. K. A. A. Narayanan, A.E.E. (Elect)—20-1-73.
9. Ashok Kumar, A.E.E. (Elect)—21-1-73.
10. N. V. Rajan, A.E.E. (Elect)—6-2-73.

DHAN RAJ, Dy. Dir. of Admin.

OFFICE OF THE REGISTRAR OF COMPANIES

*In the matter of the Companies Act, 1956 and
of M/s Bharathi Bus Lines Private Limited*

No. DN/3867/560(3)/74.—Notice is hereby given pursuant to sub-section (3) of Section 560 of the Companies Act, 1956 that at the expiration of three months from the date hereof the name of M/s Bharathi Bus Lines Private Limited unless cause is shown to the contrary, will be struck off the register and the said company will be dissolved.

Sd/- Illegible
Assistant Registrar of Companies.

*In the matter of the Companies Act, 1956 and
of M/s. The Behar Investment Trust Limited.*

Patna, the 16th September 1974
(Under Section 445(2)).

No. (86)Liqn/2971.—By an order dated 27-8-1974 of the High Court of Judicature at Patna in Company petition No. 3 of 1974 it has been ordered to wind up M/s. The Behar Investment Trust Limited.

S. P. TAYAL,
Registrar of Companies, Bihar.

*In the matter of the Companies Act, 1956 and
of Film Linkers Private Limited.*

Delhi, the 16th September 1974

No. 3466-11918.—Notice is hereby given pursuant to sub-section (3) of Section 560 of the Companies Act, 1956 that at the expiration of three months from the date hereof the name of the Parker Chit Fund Private Limited, unless cause is shown to the contrary, will be struck off the Register and the said company will be dissolved.

*In the matter of the Companies Act, 1956 and
of Parker Chit Fund Private Limited.*

No. 2451/12015.—Notice is hereby given pursuant to sub-section (3) of Section 560 of the Companies Act, 1956 that at the expiration of three months from the date hereof the name of the Film Linkers Private Limited, unless cause is shown to the contrary, will be struck off the Register and the said company will be dissolved.

C. KAPOOR,
Asstt. Registrar of Companies, Delhi & Haryana

INCOME-TAX APPELLATE TRIBUNAL

Bombay-20, the 16th September 1974

No. F. 48-Ad(AT)/74.—Sri D. P. Anand, Offg. Compilation Officer, Joint Cipher Bureau, Ministry of Defence, New Delhi and officiating as Assistant Registrar, Income-tax Appellate Tribunal, Nagpur Bench, Nagpur is permitted to revert to his parent department i.e. Office of the Joint Cipher Bureau, Ministry of Defence, New Delhi with effect from 19-12-1973 (Afternoon) at his own request. He relinquished charge of the office of the Assistant Registrar, Income-tax Appellate Tribunal, Nagpur Bench, Nagpur on 19-12-1973 (Afternoon).

Sri D. P. Anand's services were placed at the disposal of the Income-tax Appellate Tribunal vide letter No. 69515/CAO /IS-IV, dated 25-8-73 of the Chief Administrative Officer, Govt. of India, Ministry of Defence, New Delhi.

HARNAM SHANKAR, President.

OFFICE OF THE COMMISSIONER OF INCOME-TAX

Lucknow-1, the 9th September 1974

INCOME-TAX ESTABLISHMENT

No. 145.—On transfer from Post and Telegraph Department (Civil) Lucknow, Shri R. K. Gupta, Executive Engineer, assumed charge as Valuation Officer (Unit-I), Income-tax Department, Lucknow with effect from the forenoon of the 2nd September, 1974.

E. K. LYALL,
Commissioner of Income-tax,

MINISTRY OF FINANCL
(DEPARTMENT OF REVENUE & INSURANCE)
INCOME TAX DEPARTMENT

Poona, dated the 17th July, 1974

No. Pub./WO/74-75/(Rcc.).—Whereas the Central Government is of the opinion that it is necessary and expedient in the public interest to publish the names and other particulars relating to assessees in whose cases Income-tax demands over Rs. 1 lakh have been written off during the period from 1st April, 1973 to 31st March, 1974.

And now, therefore, in exercise of the powers conferred by Section 287 of the Income Tax Act (43 of 1961) direct that the names and other particulars of the assessee's aforesaid be published. The same are hereby published as per the list below :

List of the assessees in whose case amounts over Rs. One Lakh were written off in the Financial year 1973-74 (published under the provisions of Section 287 of the I. T. Act, 1961)

Sr. No.	Name and address of the assessee	Status	Assessment year	Amount written off	Brief reasons for write off/scaling down
(1)	(2)	(3)	(4)	(5)	(6)
Rs.					
1.	M/s S. L. B. Korgaonkar, Shahupuri, Kolhapur.	Regd. Firm	1949-50 1950-51 1951-52 1953-54 1954-55	2,25,154	The firm or the partners have no assets. The certificate Officer has recommended that the arrears be written off. The arrears outstanding are considered as irrecoverable.
2.	The Chalisgaon Shri Laxminarayan Mills Ltd. (in-liquidation), Chalisgaon, Distt. Jalgaon.	Co.	1947-48 1950-51 EPT, GAP. ended 30-6-45	62,273.44 85,115.00 1,47,388.44	The company went into liquidation in 1951. All the demands which were "priority demands" have been paid in full by the liquidator. The rest of the demands were claimed as priority, but, this claim was negatived by the Civil Court.
3.	Shri J. S. Parkar, Deogad, Distt. Ratnagiri	Individual	1962-63	35,36,946	Two dividends have been paid by the liquidator to ordinary creditors, and, under this distribution the department received Rs. 1,48,565.87. The total arrears still to be recovered are Rs. 1,77,388.44. From the liquidator, it is ascertained that he is not likely to pay more than 10% (about Rs. 25,000/-) as dividend. As such, after keeping arrears of Rs. 30,000/- on D. & C. Register, the balance of Rs. 1,47,388.44 have been written off as irrecoverable.
					The assessee has closed his business activities long ago. The maximum value of assets available will not exceed Rs. 5,50,000 whereas the arrears outstanding are Rs. 40,86,946/- An amount of Rs. 35,36,946/- is therefore considered as irrecoverable and hence written off.

NOTE.—The statement that the tax due from a person has been written off only means that, in the opinion of the I. T. Department, it cannot on the date of publication, be realised from the known assets of the assessee. The publication does not imply that the amount is irrecoverable in law or that the assessee is discharged from the liability to pay the amount in question.

D. O. PRADHAN
Addl. Commissioner of Income-tax (Recovery)

Amritsar, the 17th September 1974

No. C.B.-4/967.—The following officers retired with effect from the dates noted against their names :—

Sl. No.	Name & designation	Last posting	Date of retirement
S/Shri			
1.	V. P. Sud, Income-Tax Officer, Class-I.	I.T.O. A-Ward, Bhatinda.	28-2-74 (A.N.)
2.	B. D. Gupta, Income-tax Officer, Class-I.	I.T.O. Distt-I (4), Jullundur.	30-6-74 (A.N.)

Shri G. C. Samnotra, Income-tax Officer, Class I last posted as Income-tax Officer, A-Ward, Jammu, proceeded on leave preparatory to retirement on 3-6-74. On the expiry of the leave on 30-9-74, he will retire from service.

B. R. ABROL,
Commissioner of Income Tax

Bombay, the 31st August 1974

No. R.17/74-75.—Whereas the Central Government is of the opinion that it is necessary and expedient in the public interest to publish the names and other particulars herein-after specified relating to assessee :—

- (i) being individuals, or Hindu Undivided Families, who have been assessed on an income of more than one lakh of rupees, and
- (ii) being Firms, Companies, or other Association of persons, who have been assessed on an income of more than ten lakhs of rupees;

during the financial year 1973-74, and has therefore in exercise of the powers conferred by section 287 of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), and all other powers enabling it in this behalf directed that the names and other particulars of the assessee aforesaid be published, wherein the first appeal has either been disposed of or the time for presenting the first appeal has expired without an appeal having been presented, the same are hereby published in Schedules I and II hereto annexed.

CENTRAL SECTIONS BOMBAY

SCHEDULE I

Names of all Individuals or Hindu Undivided Families assessed on an income of over rupees One lakh during the Financial Year, 1973-74

Sr. No.	Name of the assessee	Address of the assessee	Status	Asstt. year	Figures of income returned	Income assessed	Tax payable by the assessee	Tax paid by the assessee
(1)	(2)	(3)	(4)	(5)	(6)	(7)	(8)	(9)
1.	Shri Bhatia Tulsidas D.	Bapat Nagar F. 2 Bldg., 342, Grant Rd., Bombay.	Individual	1966-67 1967-68	Rs. 4,800 2,428	Rs. 1,56,443 1,95,923	Rs. 66,773 1,17,128	Rs. 65,729 1,13,157
2.	Smt. Desai Shantaben D.	24, Breli Sayed Abdulla Road, Fort, Bombay.	"	1972-73	1,00,710	1,00,710	34,223	34,223
3.	Shri Kamani Ashish P.	Kamani Chambers, 32, Nicol Road, Ballard Estate, Bombay.	"	1971-72	1,09,052	1,09,215	39,914	39,914
4.	Lato Shri Kamani R. H. by legal heir Smt. Kamani J. R.	Do.	"	1971-72	1,34,960	1,04,730	58,410	58,410
5.	Shri Mehra Devprakash	40, New Silk Market, Kalabadevi Road, Bombay-2.	"	1971-72	1,92,084	1,92,080	1,38,230	1,38,230
6.	Do.	Do.	HUF	1971-72	1,72,110	1,72,110	1,21,434	1,21,434
7.	Shri Mehra Dharampal	40, New Silk Mkt., Kalabadevi Road, Bombay-2.	Individual	1971-72	2,02,420	2,02,420	1,49,574	1,49,574
8.	Do.	Do.	HUF	1971-72	1,63,731	1,63,731	1,13,282	1,13,282
9.	Smt. Mehra Kailashwati	177, Prem Kutir, Backbay Reclm., Bombay-20.	Individual	1971-72	2,42,640	2,42,670	1,85,405	1,85,405
10.	Smt. Mehra Kamlavati	Do.	"	1971-72	2,42,570	2,42,600	1,85,794	1,85,794
11.	Smt. Mehra Pushpawati	Do.	"	1971-72	2,47,756	2,47,800	1,90,674	1,90,674
12.	Shri Mehra Vedprakash	40, New Silk Market, Kalabadevi Road, Bombay-2.	"	1971-72	1,91,790	2,06,500	1,53,994	1,35,713
13.	Do.	Do.	HUF	1971-72	1,61,843	1,61,840	1,11,619	1,11,619
14.	Shri Mehta D. C.	C/o Mohanlal Raichand & Sons Sk. Memon St., Bombay.	Individual	1971-72	1,54,165	1,34,190	87,289	87,289
15.	Shri Patel Bansilal M.	Vimal Co-op. Hous- sing Society, 91, Banganga Rd., Walkeshwar, Bombay.	Individual	1963-64	Notice U/s. 148 issued on 24-4-71 Returned not filed.	2,30,600	1,80,006	Nil

(1)	(2)	(3)	(4)	(5)	(6)	(7)	(8)	(9)
16. Shri Patel Sukant J.	.	C/o M/s. J. V. Patel & Co., 32-34, Veer Nariman Road, Churchgate, Bombay.	Individual	1972-73	1,36,990	1,36,404	63,147	63,147
17. Shri Rawail H.S.	.	300-C, Turner Road, Bandra, Bombay.	„	1971-72	Return not filed.	3,00,000	2,38,700	NIL
18. Shri Shah M. J.	.	25-B, Podar Chambers, S.A. Brelvi Road, Bombay.	„	1971-72	91,579	1,54,000	1,13,804	78,617
19. Shri Shevakram Mathuradas	.	132, Damodar Mahal Cambala Hill Road, Bombay.	„	1970-71	22,670	1,11,538	60,880	6,588
20. Smt. Toshniwal Pushpalata	.	C/o M/s. Toshniwal Brothers Pvt. Ltd. 198, J. T. Road, Bombay.	„	1971-72 1972-73	1,01,057 1,22,150	1,01,057 1,44,954	56,479 1,03,344	56,479 1,03,344
21. Shri Voyantzis John	.	C/o Sun-N-Sand Hotel, 37, Juhu Beach, Bombay.	„	1969-70 1971-72	3,12,000 1,30,432	3,06,110 1,29,300	2,13,777 82,984	2,13,777 8,294

SCHEDULE II

Names of all Firms, Associations of persons or Companies assessed on an income of over rupees Ten lakhs during the financial year 1973-74

Sl. No.	Name of the assessee	Address of the assessee	Status	Asstt. year	Figures of income returned	Income assessed	Tax payable by the assessee	Tax paid by the assessee
(1)	(2)	(3)	(4)	(5)	(6)	(7)	(8)	(9)
1. M/s. Killic Nixon Ltd.	.	Killic House, Home Street, Bombay.	Company	1971-72	Rs. 17,73,549	Rs. 17,12,870	Rs. 4,38,269	Rs. 4,38,269
2. M/s. Maganlal Chhaganlal Pvt. Ltd.	.	Gavanpada Village, Corridor Road, Chembur, Bombay.	„	1964-65	14,24,950	14,24,950	9,05,306	4,36,528
3. M/s. Mansingka Oil Mills Pvt. Ltd.	.	Maker Bhavan, 1, New Marine Lines, Bombay.	„	1965-66	24,13,520	24,13,520	11,74,487	11,64,554
4. M/s. Mckenzies Ltd.	.	59, Apollo Street, Fort, Bombay.	„	1968-69	3,73,155	10,91,404	6,03,439	2,14,640
5. M/s. Cementation Co. Ltd.	.	Steelcrete House, D. N. Road, Churchgate, Bombay.	„	1971-72	11,54,719	16,97,610	11,04,840	11,04,840

Bombay, the 31st August 1974

persons, who have been assessed on an income of more than ten lakhs of rupees;

No. R.17/A'bad/74-75.—Whereas the Central Govt. is of the opinion that it is necessary and expedient in the public interest to publish the names and other particulars herein-after specified relating to assessees:—

(i) being individuals, or Hindu Undivided Families, who have been assessed on an income of more than one lakh of rupees, and

(ii) being Firms, Companies, or other Association of

during the financial year 1973-74, and has therefore in exercise of the powers conferred by section 287 of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), and all other powers enabling it in this behalf directed that the names and other particulars of the assessees aforesaid be published, wherein the first appeal has either been disposed of or the time for presenting the first appeal has expired without an appeal having been presented, the same are hereby published in Schedules I and II hereunto annexed.

CENTRAL CIRCLES AHMEDABAD

SCHEDULE I

Names of all Individuals or Hindu Undivided Families assessed on an income of over Rs. one lakh during the financial year 1973-74

Sl. No.	Name of the assessee	Address of the asse- sssee	Status	Asstt. Year	Figures of Income returned	Income assessed	Tax pay- able by the assessee	Tax paid by the assessee
1	2	3	4	5	6	7	8	9
1. Shri Jayantilal Manilal	.	Bhavani Chambers Ahmedabad.	Indl.	1971-72	Rs. 97,457	Rs. 1,03,740	Rs. 60,249	Rs. 55,145
2. Shri Jayendra Ratilal	.	"	"	1971-72	97,323	1,04,060	60,731	54,942
3. Shri Mehta D. N.	.	Porbandar	"	1971-72	4,30,679	4,36,680	3,57,284	3,57,284
4. Shri Mehta K. N.	.	Porbandar	"	1972-73	3,82,720	3,82,720	3,30,901	3,30,901

SCHEDULE II

Names of all Firms, Association of Persons and Companies assessed on an income of over Rs. 10 lakhs during the financial year 1973-74

Sl. No.	Name of the assessee	Address of the asse- sssee	Status	Asstt. year	Figures of income returned	Income assessed	Tax pay- able by the assessee	Tax paid by the assessee
1	2	3	4	5	6	7	8	9
1.	M/s. Garden Silk & Weaving Factory	Rampura Tunki St- reet, Ahmedabad.	Registered Firm	1968-69	17,841	10,30,000	1,54,572	30,000

The 18th September 1974

No. R.18/74-75.—Whereas the Central Government is of the opinion that it is necessary and expedient in the public interest to publish the names and other particulars relating to the assessees on whom a penalty of not less than Rs. 5,000/- was imposed:

(a) for concealment of income or for furnishing estimate of the advance-tax payable by them which they knew or had reasons to believe to be untrue during the period commencing with 1st April, 1973 and ending with 31st March, 1974;

(b) for failure to file returns of income or for late filing thereof or for failure to produce books of accounts during the period commencing with 1st April, 1973 and ending with 31st March, 1974;

(c) for non-payment of tax during the period commencing with 1st April, 1973 and ending with 31st March, 1974;

and has therefore, in exercise of the powers conferred by Section 287 of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), directed that the names and other particulars of the assessees aforesaid be published, the same are hereby published in Schedules—I, II and III hereto annexed.

CENTRAL SECTIONS, BOMBAY
SCHEDULE I

Assessee on whom a penalty of not less than Rs. 5,000/- was imposed for concealment of income or for furnishing estimate of Advance-tax payable by them which they knew or had reasons to believe to be untrue during the period commencing with 1st April, 1973 and ending with 31st March, 1974 where no appeal was presented within the time allowed for the same or where the appeal against the penalty imposed has been filed, the matter has become final during the financial year 1973-74.

Sl. No.	Name of the assessee	Address	Status	Assessment year in relation to which the de- fault occurred	Amount Penalty (Ru- pees)
1	2	3	4	5	6
1.	Shri Amarchand Jalan.	139, Meadows Street, Fort, Bombay	Individual	1960-61	5,509
2.	Shri Bhatia Prakash I.	101, Commerce House, Nagindas Master Road, Bombay.	Individual	1960-61 1961-62 1962-63	37,336 48,080 26,119
3.	M/s. Castle Hosiery Mills.	166, Dr. D. N. Road, Fort, Bombay.	Registered Firm	1965-66	8,900
Name of Partners					
1.	Shri R. N. Khanna				
2.	Shri S. S. Puri				
3.	Shri Pavankumar Bambha.				
4.	Shri Gowani G. K.	Satnam Sagar, Pedder Road, Bombay.	Individual	1957-58 1958-59 1959-60 1960-61 1961-62	20,367 20,264 20,264 19,541 18,747
5.	M/s. Hind Rajasthan Construction Com- pany.	Hind Rajasthan Chambers, 6, Oak Lane, Fort, Bombay.	Registered Firm	1965-66	5,330
6.	M/s. Kiran Construction Company.	25-B, Podar Cham- bers, S. A. Brelvi Road, Bombay.	Registered Firm	1968-69	5,000
7.	M/s. Maganlal Chhaganlal Pvt. Ltd.,	Corridor Road, Gavanpada Village, Chembur, Bombay.	Company	1963-64 1964-65 1965-66	16,776 113,000 20,000
8.	Shri Makharia Mohanlal Piramal.	Army navy Building, M. G. Road, Bombay.	Individual	1972-73	16,230

1	2	3	4	5	6
9.	M/s. Nasir Hussain Films Pvt. Ltd.	24, Pali Hill Bandra, Bombay.	Company	1963-64 1964-65	11,793 11,812
10.	Shri Rawail H. S.	300-C Turner Road, Bombay	Individual	1967-68 1968-69 1969-70	16,430 9,140 10,031
11.	Shri Patel B. P. —	187, Princess Street, Bombay official liquidator,	Individual	1966-67	37,39,000
12.	M/s. New Era Textiles P. Ltd. (in liqui- dation)	Bank of India Bldg., M. G. Road, Bombay.	Company	1958-59	32,000
13.	Shri Robira H. K.	Hind Rajasthan Chambers 6-Oak Lane, Bombay.	Individual	1957-58 1958-59 1959-60 1960-61 1961-62 1962-63	14,528 15,509 18,134 17,933 15,393 20,689
14.	Shri Shah P. M.	C/o. M/s. Indo French Time Ind. Ltd. 12, Udyog Nagar, S. V. Road Gore- gaon (West), Bombay.	Individual	1957-58 1958-59 1959-60 1960-61 1961-62	14,023 14,023 14,023 15,042 16,501
15.	Shri Tulsidas Dhamanmal	E-2 Building Bharat Nagar, 342, Grant Road, Bombay.	Individual	1968-69 1969-70	5,091 5,091

SCHEDULE-II

Assesseees on whom a penalty of not less than Rs. 5,000/- was imposed for failure to file Returns of Income or for late filing thereof or for failure to produce books of accounts during the period commencing with 1st April, 1973 and ending with 31st March, 1974, where no appeal was presented within the time allowed for the same or where the appeal against the penalty imposed has been filed, the matter has become final during the financial year 1973-74.

Sr. No.	Name of the assessee	Address	Status	Assessment year in relation to which the default occurred,	Amount of penalty (Ru- pees)
1	2	3	4	5	6
1.	Shri Balwant Tejsingh	Rusik Bldg Agripada, Bombay.	Individual	1967-68	8230
2.	M/s. Bharat Barrel & Drum Mfg. Co. Ltd.	139, Medows St., Fort, Bombay.	Company	1963-64 1964-65	12,983 13,969
3.	M/s. Jhunjhunwala Bros.	59, Apollo St.. Fort, Bombay. official liquidator,	Registered Firm	1966-67	6,763
4.	M/s. New Era (In liquidation)	Bank of India Bldg., M. G. Road, Bombay	Company	1958-59	637,529
5.	Shri Patel B. P.	187, Princess Street, Bombay.	Individual	1967-68	998,160
				271(1)(a) 1967-68	216,860
				271(1)(b)	
6.	M/s. Poonam Finance Corporation.	C/o M/s. Indo French Time Industries Ltd. 12, Udyog Nagar, S. V. Road Goregaon (W), Bombay.	Registered Firm	1967-68	6,860
7.	Shri Rawail H. S.	300-C Turner Road, Bombay.	Individual	1966-67 1967-68 1968-69 1969-70	32,578 117,760 61,271 68,513
8.	Shri Ruia B. R.	Sun Mill Com- pound Lower Parel, Bombay.	Individual	1962-63 1964-65 1965-66	20,240 10,328 16,470

SCHEDULE III

Assessee on whom a penalty of not less than Rs. 5,000/- was imposed for non-payment of tax during the period commencing with 1st April, 1973 and ending with 31st March, 1974 where no appeal was presented within the time allowed for the same or where appeal against the penalty imposed has been filed the matter has become final during the financial year 1973-74

Sr No	Name of the assessee	Address	Status	Assessment year in relation to which the default occurred	Amount of penalty (Rupees)
1	2	3	4	5	6
1.	Shri Khan Mohammed Yusuf Dilipkumar,	32-B Pali Hill Bandra, Bombay.	Individual	1967-68	5,000
2.	Shri Mehra Devprakash	40, New Silk Market, 2, Kalbadevi Road, Bombay.	HUF	1967-68	11,853
3.	Shri Mehra Dharampal	"	HUF	1967-68	11,722
4.	Shri Mehra Vedprakash	"	HUF	1967-68	11,836
5.	M/s. R. P. Mehra & Bros.	"	Regist-ered Firm	1967-68	14,610
6.	M/s. Shivasagar Estate Co. Ltd.	Mustafa Bldg., Sir P. M. Road, Bombay.	Company	1969-70	5,080

Bombay, the 18th September 1974

No. R. 18/A'bad/74-75—Whereas the Central Government is of opinion that it is necessary and expedient in the public interest to publish the names and other particulars relating to the assessee on whom a penalty of not less than Rs. 5,000/- was imposed :

"for failure to file returns of income or for late filing thereof or for failure to produce books of accounts during the period commencing with 1st April, 1973 and ending with 31st March, 1974 ;"

and has therefore, in exercise of the powers conferred by Section 287 of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), directed that the names and other particulars of the assessee aforesaid be published, the same are hereby published in Schedule-II hereto annexed.

CENTRAL CIRCLES, AHMEDABAD

SCHEDULE-II

Assessee on whom a penalty of not less than Rs. 5,000/- was imposed for failure to file return of income or for late filing thereof or for failure to produce books of accounts during the period commencing with 1st April, 1973 and ending with 31st March, 1974, where no appeal was presented within the time allowed for the same or where the appeal against the penalty imposed has been filed the matter has become final during the financial year 1973-74.

Sl. No.	Name of the assessee	Address	Status	Assessment year in relation to which the default occurred	Amount of penalty (Rupees)
1	2	3	4	5	6
1.	M/s. Sagarmal Subhkaran	New Cloth market, Ahmedabad	Registered Firm	1971-72	5,554

Bombay :
The 18th September, 1974.

V. RAMASWAMI IYER,
Commissioner of Income Tax,
(Central) Bombay

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME TAX,
ACQUISITION RANGE, SHILLONG

Shillong, the 12th August 1974

Ref. No. A-53/JRT/74-75/1575-86.—Whereas, I, N. Pachauau, being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Dag Nos. 1928, 1929, 1989 and 2082 situated at Assam Trunk Road, Jorhat, Sibsagar District of Assam State, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Registrar of Assurances, Calcutta on 19-1-74, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction of evasion or the liability of the transferor to pay tax under the Income Tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957).

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely :—

- (1) M/s Jesraj Jiwanram Private Ltd., 161/1, Mahatma Gandhi Road, Calcutta-7.
(Transferor)

(2) Shri Anand Kumar Agarwalla,
20 Mangoe Lane, Calcutta-1.

(Transferee)

(3) 1. Junjab National Bank, Jorhat Branch.
2. Pannalal Agarwalla, Jorhat.
3. Nandlal Helwai, Jorhat.
(Person in occupation of the property)

(4) Shri Ramesh Kumar Agarwalla,
20, Mangoe Lane, Calcutta.
(person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Undivided half portion or part of all those two storeyed brick-built masonry building with corrugated tin roof on 2nd floor. Total area of land 3 cottahs 6 lechas on Assam Trunk Road, Jorhat in Assam, Dag Nos. 1928, 1929, 1989 and 2082.

N. PACHUAU,
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-Tax,
Acquisition Range, Shillong.

Date : 12-8-1974.
Seal :

FORM ITNS.—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE,
SHILLONG

Shillong, the 12th August 1974

Ref. No. A-52/JRT/74-75/1589-600.—Whereas, I, N. Pachua, being the competent authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

Dag Nos. 1928, 1929, 1989 and 2082 situated at Assam Trunk Road, Jorhat, Sibsagar District of Assam State, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Registrar of Assurances, Calcutta on 19-1-74, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth tax Act, 1957 (27 of 1957).

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely :—

- (1) M/s. Jesraj Jiwanram Private Ltd.,
161/1, Mahatma Gandhi Road, Calcutta-7.
(Transferor)
- (2) Shri Ramesh Kumar Agarwalla,
20, Mangoe Lane, Calcutta-1.
(Transferee)
- (3) 1. Punjab National Bank, Jorhat Branch.
2. Pannalal Agarwalla, Jorhat.
3. Nandlal Helwai, Jorhat.
(Person in occupation of the property)

(4) Shri Anand Kumar Agarwalla,
20, Mangoe Lane, Calcutta.
(person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transference of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Undivided half portion or part of all those two storeyed brick-built masonry building with corrugated tin roof on 2nd floor. Total area of land 3 cottahs 6 lechas, on Assam Trunk Road, Jorhat in Assam, Dag Nos. 1928, 1929, 1989 and 2082.

N. PACHUAU,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner
of Income-tax,
Acquisition Range, Shillong.

Date : 12-8-1974.

Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269-D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME TAX.
ACQUISITION RANGE, 60/61, ERANDAWANA,
KARVE ROAD, POONA,

Poona-411004, the 7th June 1974

Ref. No. C.A.5/Feb'74/Nasik/122/74-75.—Whereas, I, G. Krishnan, being the competent authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-, and bearing S. No. 528A, C.T.S. No. 7142, F.P. No. 294, T.P. Scheme No. II, situated within Nasik Municipal Council, Nasik, (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Nasik on 16-2-74 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

And whereas the reason for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely :—

- (1) Smt. Seeta Parshuram Nabar,
"Adaasha Niwas," Gangapur Road, Nasik-2.
(Transferor)
- (2) 1. Smt. Jeri Isaque Rangwalla,
Main Road, Nasik.
- (2) 1. Smt. Jeri Isaque Rangwalla,
Main Road, Nasik.
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have right to be heard at the hearing of the objections.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

S. No. 528A, C.T.S. No. 7142, F.P. No. 294, Open space situated within Nasik F.P. Scheme No. II, within the limits of Nasik Municipal Council, at Nasik.

Area: 4008 sq. mtrs Free-hold.

G. KRISHNAN,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Poona.

Date : 7-6-1974,

Seal :

FORM ITNS—

(2) Ganeshi Bai widow of Kuluramji
r/o Rawat Bhata, Kota.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME TAX,
ACQUISITION RANGE, JAIPUR

Jaipur, the 20th July 1974

No. K-15/74(2)4/182.—Whereas, I V. P. Mittal, being the competent authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), have reasons to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Plot No. 25 New Grain Mandi, Kota situated at Kota, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at Kota on 16-1-1974.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth tax Act, 1957 (27 of 1957).

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely :—

- (1) Kundanlal S/o Kaluramji
r/o Rawat Bhata, Kota.

(Transferor)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

3/5th of 1/4th portion of plot No. 25 situated in New Grain Mandi, Jhalawar Road, Kota.

V. P. MITTAL,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income Tax,
Acquisition Range, Jaipur.

Date, 20-7-1974.

Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE,
JAIPUR

Jaipur, the 19th July 1974

Ref No. J-17/74(2)1/427.—Whereas, I V. P. Mittal, being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Plot No. 620 situated at Jodhpur (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Jodhpur on 17-4-1974 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the transferor to pay tax under the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purpose of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely—

(1) Shrimati Sunder Bai w/o Sh. Madangopalji Bhutra, Sardarpura, Jodhpur.

(Transferor)

(2) Shrimati Sheela Devi w/o Sh. Sohanlal Oswal, Vedoon Ka Bas, Mahamandir, Jodhpur.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned.

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Part of plot No. 620 situated in Sardarpur, Jodhpur. Area of land 426.25 Jodhpur Sq. yds.

V. P. MITTAL,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Jaipur.

Date : 19-7-1974.

Seal :

FORM ITNS**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)****GOVERNMENT OF INDIA**

**OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE,
JAIPUR**

Jaipur, the 19th July 1974

Ref. No. J-17/74(2)2/428.—Whereas, I, V. P. Mittal, being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act 1961 (43 of 1961) have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Plot No. 620 situated at Jodhpur

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Jodhpur on 15-5-1974, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957).

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely :—

- (1) Shri Madangopal S/o Shri Ram Ratanji Bhutra, R/o Sardarpura, Jodhpur.
(Transferor)
- (2) 1. Shri Sohan Lal S/o Ghewar Chand
2. Shri Manoharmal &
3. Shri Narendra Lal S/o Sohan Lal
4. Shri Mahenderlalji
R/o Vadon ka Bas, Mahmandir, Jodhpur.
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Building on Plot No. 620 situated on Road No. 11A, Sardarpura, Jodhpur.

V. P. MITTAL,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Jaipur.

Date : 19-7-1974.

Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE IAC OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE, JAIPUR

Jaipur, the 19th July 1974

Ref. No. J-17/74(3)13/256.—Whereas, I V. P. Mittal, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Plot situated at Jodhpur (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Jodhpur on 13-5-1974 for an apparent consideration

which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957).

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely :—

(1) Shri Ghanshyam Singhji s/o Shri Narainsingh opp. Police Line Ratanada, Jodhpur.
(Transferor)

(2) Shri Madan Gopal s/o Shri Ramratan Bhutia, R/o 1st A Road, Sardarpura, Jodhpur.
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereon shall be given to every person who has made such objection, and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Open land situated behind employment exchange Polo ground No. 1 Paota Road, Total area 611.1 sq yards.

V. P. MITTAL,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Jaipur.

Date : 19-7-1974.

Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE IAC OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, JAIPUR

Jaipur, the 19th July 1974

Ref No. J-17 74(3)12/255.—Whereas, I V. P. Mittal, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Plot situated at Jodhpur
(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Jodhpur on 16-5-1974
for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

And whereas the reason for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me,

Now, therefore, in pursuance of Sec. 269C. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Sec. 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely :—

- (1) Shrimati Tara Kumari w/o Shri Narain Singhji opposite Police Line Ratanada, Jodhpur.
(Transferor)

(2) Shrimati Sunder Bai w/o Madan Gopalji Bhutra, 1st A Road, Sardarpura, Jodhpur.
(Transferee)

(3) (Person in occupation of the property).

(4) (Person whom the undersigned knows to be interested in the property).

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Open land situated behind employment exchange, Polo ground No. 1 Paota, Jodhpur, area of the plot 555.5 sq yds.

V. P. MITTAL,
Competent Authority,
IAC of Income-tax,
Acquisition Range, Jaipur.

Date : 19-7-1974.

Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE-II, 4/14-A (3RD FLOOR)
SAHIB SINGH BLDG. ASAFA ALI ROAD, NEW DELHI

New Delhi, the 10th July 1974

Ref. No. IAC/Acq.II/74-75.—Whereas, I, C. V. Gupte, being the competent authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), have reasons to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Shop No. 117 situated at Shankar Road, New Rajinder Nagar, New Delhi, (and more fully described in the Scheduled annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at Delhi on 30-4-1974

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth tax Act, 1957 (27 of 1957).

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely—

- (1) Smt. Kamla Devi, w/o Late Shri Tirath Dass & for her Minor Children namely, Sarvshri Krishna Ghansham & Kumari Usha, r/o 16/35, Old Rajinder Nagar, New Delhi. (Transferor)
- (2) Shri Karan Singh s/o Shri Sant Singh, R/o 21/9, Old Rajinder Nagar, New Delhi. (Transferee)

(3) Shri Parmanand Singh,
C/o Shop No. 117, Shankar Road,
New Rajinder Nagar, New Delhi.
[Person(s) in occupation of the property]

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Leasehold rights on land measuring 89 sq. yds along with single storeyed structure built thereon bearing Shop No. 117, Shankar Road Market, New Rajinder Nagar, New Delhi & bounded as under :—

North : S. Lane
South : Road
East : G.B.P.
West : G.B.P.

C. V. GUPTE,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II, Delhi/New Delhi.

Date : 10-7-1974.

Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME TAX,

ACQUISITION RANGE-II, 4/14-A (3RD FLOOR)
SAHIB SINGH BLDG ASAFA ALI ROAD, NEW DELHI

New Delhi, the 10th July 1974

Ref. No IAC/Rcq II/1366/74-75.—Whereas I, C. V. Gupte, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs 25,000/- and bearing No 1/4th Share of H. No R/31 situated at N D S E. Part-II, New Delhi, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Delhi on 13-3-1974, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth tax Act, 1957 (27 of 1957).

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely :—

- (1) Shri Babu Ram s/o Shri Kewal Ram, R/o 5116, Gali Thanedar Wali, Main Bazar, New Delhi. (Transferor)
- (2) Shri Mehnag Singh Sagoo, S/o Shri Natha Singh, R/o R/17, N D S E Part-II, New Delhi 49 (Transferee)

Objections, if any, in the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any of the person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

2½ storied, on plot No 31, Block No 'R' total measuring 400 sq yds (share under sale 100 sq yds) free-hold in colony known as N D S E , Part-II (South Extension near Masjid Moth) New Delhi-49 and bounded as under —

East Road
West Road
North Road
South. Plot No R/30

C. V. GUPTE,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner
of Income-tax,
Acquisition Range II, Delhi/New Delhi

Date 10-7-1974

Seal :

FORM ITNS—

(2) Shri Kartar Singh Takhar S/o Shri S. Thaukar Singh, R/o Village & PO Shankar Distt. (Jullundur) (Punjab)

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE IAC OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE-II, 4/14-A (3RD FLOOR)
SAHIB SINGH BLDG. ASAFA ALI ROAD, NEW DELHI

New Delhi, the 10th July 1974

Ref No. IAC/Acq.II/1621/74-75.—Whereas I, C. V. Gupte, being the competent authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs 25,000/- and bearing No 1/4th share of H. No. R-31 situated at N.D.S.E. Part-II, New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Delhi on 19-2-1974, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Income Tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely :—

(1) Shri Chandu Lal, s/o Shri Ghasi Ram.
R/o H. No. 5018, Main Bazar, Pahar Ganj,
New Delhi.

(Transferor)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

EXPLANATION :—The terms and expressions used here as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

2½ storied, on plot No. 31, Block No. 'R', total measuring 400 sq. yds. (share under sale 100 sq. yds.) freehold in colony known as N.D.S.E. Part-II. (South Extension Area near Masjid Moth) New Delhi-49 and bounded as under :—

East : Road
West : Road
South : Plot No. R/30
North : Road

C. V. GUPTA,
Competent Authority,
IAC of Income-tax,
of Income-tax,
Acquisition Range-II, Delhi/New Delhi.

Date : 10-7-1974

Seal :

FORM ITNS.

(2) Shri Sardara Singh Sajoo s/o Shri Nathu Singh,
R/o WH-43, Kapurthala Road, Jullundur City
(Punjab)

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE IAC OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE-II, 4/14-A (3RD FLOOR)
SAHIB SINGH BLDG. ASAFA ALI ROAD, NEW DELHI

New Delhi, the 10th July 1974

Ref. No. IAC/Acq.II/1576/74-75.—Whereas, I, C. V. Gupte, being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing 1/4th share of Plot No. R-31 situated at N.D.S.E. Part-II, New Delhi

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Delhi on 31-1-1974 for an apparent

consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income Tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957).

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me,

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely :—

- (1) Shri Chander Singh s/o Shri Johni Mal,
R/o 5016, Main Bazar, Paharganj, New Delhi.
(Transferor)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later :

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

1/4th undivided share of property 2½ storied on plot No. 31, Block No. 'R', total measuring 400 sq. yds. (share under sale 100 sq. yds.) free-hold in colony known as N.D.S.E. Part-II (South Extension near Masjid Moth) & bounded as under :—

East : Road
West : Road
South : Plot No. R/30
North : Road

C. V. GUPTA,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of
Income-tax,
Acquisition Range-II, Delhi/New Delhi.

Date : 10-7-1974.

Seal :

FORM ITNS—

(2) Shri Parmjit Singh s/o Shri Mohinder Singh,
Resident of Village & PO Shankar,
Distt. Jullundur. (Punjab).

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE-II, 4/14-A (3RD FLOOR)
SAHIB SINGH BLDG, ASAF ALI ROAD, NEW DELHI.

New Delhi, the 10th July 1974

Ref No. IAC/Acq.II/1542/74-75.—Whereas I, C. V. Gupte,
being the competent authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), have reasons to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

1/4th share of House No. 32 situated at South Extension, Part-II, New Delhi
(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the registering Officer at
Delhi on 18-1-1974

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transfer(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or their assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth tax Act, 1957 (27 of 1957).

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me,

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely:—

- (1) Shri Tika Ram s/o Shri Chokha Ram,
R/o H. No. 5018, Main Bazar, Pahar Ganj,
New Delhi.

(Transferor)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

2½ storied, on plot No. 31, Block No. 'R' total measuring 400 sq. yds (share under sale 100 sq. yds) freehold in Colony Known as N.D.S.E., Part-II, (South Extension near Masjid Moth), New Delhi-49 and bounded as under:—

East : Road
West : Road
South : Plot No. R/30
North : Road

C. V. GUPTE,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income Tax,
Acquisition Range-II, Delhi/New Delhi.

Date : 10-7-1974.

Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE IAC OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-2, 123, MOUNT ROAD.

MADRAS-6.

Madras, the 12th August 1974

Ref. No. F. 1041/73-74.—Whereas, I A. Raghavendra Rao, being the competent Authority under Section 269D of the Income-Tax Act, 1961 (43 of 1961) have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Vacant land bearing S. No. 6 and 8 and T. S. No. 10, situated at Vadaagaram Village Nelson Manicka Mudaliar Road, Madras. (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Madras on January 1974, for an apparent the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income Tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957).

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of section 269C I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely :—

(1) B. Parandhaman; 2, B. Padmanabhan; 3, B. Chowdry; 4, B. Jayachandran; 5, B. Sreenivasan; 6, B. Papiyah and 7, B. Rani alias Jayalakshmi, 66, Thirupathi St., Madras-1.

(Transferor)

(2) 1, S. A. R. Fathimuthu, 2, Z. A. Razeeza; 3, N. S. Abdul Cader Ummal; 4, S. K. M. Mohideen; 5, N. S. Ajward; 6, V. S. S. Sahaik Abdul Cader Ummal; 7, S. K. Kiluru Fathimal and 8, N. S. Fathima, No. 54, Moore Street, Madras-1.

(Transferee)

(3) (Person in occupation of the property).

(4) (Person whom the undersigned knows to be interested in the property).

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Vacant land bearing S. No. 6 and 8 and T.S. No. 10 situated in Vada Agaram village (Nelson Manicka Mudaliar Road, Madras).

A. RAGHAVENDRA RAO
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner
of Income-tax,
Acquisition Range-2,
Madras-6

Date : 12-8-1974

Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE IAC OF INCOME TAX
ACQUISITION RANGE I 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD AHMEDABAD

Ahmedabad-380009, the 31st July 1974

Ref No Acq 23 I-223/16-6/74-75—Whereas, I, J Kathuria being the Competent Authority under section 269B of the Income tax Act, 1961 (43 of 1961), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs 25,000 - and bearing No situated at Near Jagnath Temple, Dr Yagnik Road Rajkot (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at at Rajkot on 9-1-1974 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of —

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income-tax Act 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income Tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957)

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me

Now therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely —

(1) Shri Dinesh Ratul Shah,
Bhanuwal Ratul Shah
Ramesh Ratul Shah,
Smt Sadhana Suryakant Kothari,
" Kumud Dhansukhlal Mitani
Nilam Hematal Shah
Ansuya Manhaiyal,
Bhadra Rammiklal Kothari,
Manorama Jayantilal Tolia,
Near Jagnath Temple Dr Yagnik Road Rajkot
(Transferor)

(2) Shri Motilal Jivrajbhai Karim
Hasmukh Nivals Gundawadi Main Road
Rajkot
(Transferee)

Objection, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later

(b) by any of the person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection and the transferee of the property

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections

EXPLANATION —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

An open plot of land admeasuring 150 sq yds situated near Jagnath Temple Dr Yagnik Road Rajkot and bounded as under —

North Plot of Maganlal Bhagwanji Vinde,
South Road
East Property of other person
West Passage

J KATHURIA
Competent Authority,
IAC of Income Tax,
Acquisition Range I,
Ahmedabad

Date 31-7-1974

Seal

FORM I.T.N.S.—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE IAC OF INCOME TAX
ACQUISITION RANGE-I, 2ND FLOOR HANDLOOM
HOUSE, ASHRAM ROAD, AHMEDABAD

Ahmedabad-380009, the 31st July 1974

Ref. No. Acq. 23-I-225/16-6/74-75.—Whereas, J. J. Kathuria, being the competent authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. situated at Dhebarbhai Road, Rajkot (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Rajkot on 7-1-1974, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the transferor to pay tax under the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purpose of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth tax Act, 1957 (27 of 1957).

And whereas the reason for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely :—

- (1) Smt. Ramgouri Dayal, C/o. Shri Kantilal Vaidya, 8, Prahlad Plot, Rajkot.
(Transferor)
- (2) Shri Damjibhai Kalyanji, C/o Amarjit Engineering works, Aji Udyog Vasahat, Rajkot 3.
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

An open plot of land admeasuring 312-4-72 sq. yds. situated near Kanta Stri Vikas Grah, Dhebar Road, Rajkot and bounded as under :—

North : Other's property.
South : Other's property.
East : Dhebar Road.
West : Plot of Smt. Sharda Laljibhai.

J. KATHURIA
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of
Acquisition Range-I, Income-Tax,
Ahmedabad.

Date : 31-7-1974.

Seal :

FORM ITNS

**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME
TAX ACT 1961 (43 OF 1961)**

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE-I, 2ND FLOOR, HANDI OOM
HOUSE, ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380009.

Ahmedabad, the 31st July 1974

Ref. No. Acq. 23-I-224/16-6/74-75.—Whereas, I, J. Kathuria,

being the competent authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No.—

situated at Gondal Road, Rajkot

(and more fully described

in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed, registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at Rajkot on 7-1-1974,

for an apparent consideration which

is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957).

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons namely :—

(1) Smt. Ramagouri Dahyala C/o. Shri Kantibhai Vaidya, 8-Prahlad Plot, Rajkot.

(Transferor)

(2) Smt. Sharda Laljibhai Tank, 506, Kotharia Colony, Rajkot.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

An open plot of land admeasuring 312-4-72 sq. yds situated near Nyalbhagat Annakshetra, Gondal Road, Rajkot and bounded as under :—

East : Plot of Damji Kalyanji.

West : Gondal Road.

North : Other's property.

South : Other's property.

J. KATHURIA
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I,
Ahmedabad.

Date : 31-7-1974.

Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269-D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX
ACQUISITION RANGE I 2ND FLOOR, HANDI QOMM
HOUSE, ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380009

Ahmedabad the 31st July 1974

Ref No Acq 23 I-222/16 6/74-75 —Whereas I J Kathuria,
being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs 25000/- and bearing

No —

situated at Near Jagnath Temple Dr Yagnik Road, Rajkot, (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908

(16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Rajkot on 9-1-1974,

for an apparent consideration which is

less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of —

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer, and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957).

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of section 269C I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Income tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely :—

20—276GI/74

(1) Shri Dinesh Ratilal Shah,
" Bhanurai Ratilal Shah,
" Ramesh Ratilal Shah,
Smt Sadhana Suryakant Kothari
" Kumud Dhansukhlal Mithani,
" Nilam Humatla Shah,
" Manorama Jayanti Lal Kothari
" Bhadra Ramniklal Kothari
" Ansuya Manharlal,
Near Jagnath Temple, Dr Yagnik Road, Rajkot
(Transferor)

(2) Shri Maganlal Bhagwanji Vinde,
Village Dhrafa Via Paneli
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed and notice thereof shall be given to every person who has made such objection and the transferee of the property

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

EXPLANATION.—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter

THE SCHEDULE

An open plot of land admeasuring 250 sq yds situated Near Jagnath Temple Dr Yagnik Road, Rajkot and bounded as under :—

North Compound of Transferor
South Plot of Motilal Jivrajbhai,
East : Other's property
West Passage

J. KATHURIA
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of
Income-tax.

Acquisition Range I.
Ahmedabad.

Date 31-7-1974.
Seal

FORM ITNS**NOTICE UNDER SECTION 269-D(1) OF THE INCOME****TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)****GOVERNMENT OF INDIA****OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER****OF INCOME-TAX****ACQUISITION RANGE, KAKINADA**

Kakinada, the 31st July 1974

Ref. No. J. No. I(3122)/73-74.—Whereas, I, K. Subbarao being the competent authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 189/1B situated at Manchili, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Attili on 15-2-74.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purpose of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely :—

- (1) 1. Smt. P. Kanyagowrikanakasatyavenkatasubba-yamma.
2. Dwarampudi Kanireddy—Holder of General Power of attorney.

3. Medapait Gangireddy.
 4. Karti Subbayamma.
 5. Karri Kanireddy.
 6. Karri Venkataramireddy.
 7. Karri Kanakasatyavenkatabhaskarareddy.
- (Transferor)

- (2) 1. Mohd Afzal S/o Mohd Afzal, Seetnampeta, Hyd.
 2. Shazdi Begum W/o Md Afzal
 3. Mohd Yusuf, S/o Md. Afzal, Hyderabad
 4. Abida Begum D/o Md Afzal, Hyderabad.
 1. Zubida Begum D/o Md Afzal, Hyderabad.
- (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

West Godavari Distt.—Attli Sub-Registration—R. S. No. 189/1B—Manchili—Ac. 2.67 cents

K. SUBBARAO,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range,
Kakinada,

Date : 31-7-1974.
Seal :

FORM ITNS—

(2) Shri Dandamudi Venkata Subamma, W/o Nageswara Rao, Rajahmundry.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME TAX,
ACQUISITION RANGE, KAKINADA

Kakinada, the 31st July 1974

Ref. No. J. No. I(1937)/73-74.—Whereas, I, K. Subba Rao,

being the competent authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. 2-43-2 situated at Tanguturivari St, Alcot Garden, R.J.Y.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the registering Officer

at Rajahmundry in Jan. 1974.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth tax Act, 1957 (27 of 1957).

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub section (1) of section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely :—

(1) Shri Tanguturu Gopalakrishna Rao, Rajahmundry.
(Transferor)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.

(b) by any other person interested in the said Immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

East Godavari Dt. Rajahmundry Sub-Registration Rajahmundry Municipality Door No. 2-43-2 Alcott Gardens—Rajahmundry-3293 sq. Yards—60×50 Yards.

K. SUBBA RAO
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range,
Kakinada.

Date : 31-7-1974.

Seal :

FORM ITNS

(2) Shri Arjun Das
S/o Shri Asarmal Sindhi
R/o Malerkotra Punjab

(Transferee)

**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME
TAX ACT 1961 (43 OF 1961)**

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, BHOPAL.

Bhopal the 1st August 1974

No IAC/ACQ/SR/GWL/15-1-74—Whereas, I M F Munshi, being the competent authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs 25,000/- and bearing No An old Double Storied building (Mpl No 10/258-B) situated at Bala Bai Ka Bazar, Lashkar (Gwalior M P) (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Gwalior, M P on 1-1-74 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of —

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer, and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961, (43 of 1961) or the Wealth tax Act, 1957 (27 of 1957).

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely —

- (1) Shri Bhaskar Rao Pagnis
S/o Shri Balwantrao
R/o Balabai Ka-Bazar, Lashkar, Gwalior

(Transferor)

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned —

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever, period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objections, and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

An old Double Storied building, Municipal No 10/258-B, Bala Bai Ka Bazar, Lashkar, M P

M F MUNSHI,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Bhopal

Date 1-8-1974

Seal

FORM ITNS**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 of 1961)****GOVERNMENT OF INDIA**

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME TAX,
ACQUISITION RANGE-I, 2ND FLOOR,
HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD,
AHMEDABAD-380009

Ahmedabad-380009, the 30th July 1974

No. Acq.23-I-96/1/74-75.—Whereas, I J. Kathuria, being the competent authority under section 269B of the Income-Tax Act, 1961 (43 of 1961), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Survey No. 58 Sub-Plot No. 7-B, F.P. No. 112, T.P.S. No. 21, situated at Madalpur (Chhadawad), Ahmedabad (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer, at Ahmedabad on January, 1974 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely :—

(1) Shri Nanalal Chhaganlal Dalwadi,
2-B, Rachna Apartment, Navrangpura,
Near Telephone Exchange, Ahmedabad.

(Transferor)

(2) Shri Devendrakumar Wrundavandas Mehta,
Shri Virajkumar Wrundavandas Mehta,
Haja Patel ni Pole, Padshani Pole Kalupur,
Ahmedabad.

(Transferee)

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

A building standing on land admeasuring 533 sq. Yds. bearing Final Plot No. 112, Sub-Plot No. 7-B, Survey No. 58 situated at Madalpur (Chhadawad) in T.P.S. No. 21 of Ahmedabad and bounded as under :—

East : Sub-Plot No. 5
West : Sub-Plot No. 58-7-A
North : 25' wide Road.
South : Sub-Plot No. 8.

J. KATHURIA,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I, Ahmedabad.

Date : 30-7-1974

Seal :

FORM ITNS

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE-2,
MADRAS-6.

Madras-6, the 27th July 1974

Ref. No. F. 912/73-74.—Whereas, I, A. Gaghavan Rao, being the Competent Authority under section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 3-B situated at 'D' Silva Road, Mylapore, Madras. (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at Mylapore on 25-1-1974, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957).

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of section 269C, 1, hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of the notice under sub-section (1) of section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely :—

- (1) Smt. K. Anandavalli, 6, Malaviya Street, Ram Nagar, Coimbatore.
(Transferor)
- (2) Shri S. Gopalan, 20/5 Luz Avenue, Madras-4.
(Transferee)

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land (with building) admeasuring 8½ grounds situated at Door No. 3-B 'D' Silva Road, Madras-4.

A. RAGHAVENDRA RAO
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-2,
Madras-6

Date : 27-7-1974.

Seal :

FORM ITNS—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA
OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, JAIPUR

Jaipur, the 7th August 1974

Ref. No. D-2/74(2)1/12.—Whereas, I, V. P. Mittal being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000 and bearing No. 1/2 of Plot No. C.53 at Dausa (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Dausa, on 29-1-1974

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purpose of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons namely:—

- (1) Shri Radhey Shayam S/o Shri Narayan Mahajan R/o Badwa at present New Abadi Dausa Distt. Jaipur. (Transferor)
- (2) Shri Babu Lal S/o Shri Mathura Lal Mahajan R/o Badwa at present R/o Dausa. (Transferee)

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections. If any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1971 (43 of 1971) shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

1/2 Southern share of Plot No. C-53 situated on Sunder Das Marg, New Abadi Dausa together with the Oil Mill & Houses.

V. P. MITTAL,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner
of Income-Tax,
Acquisition Range,
Jaipur.

Date : 7-8-1974.

Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME TAX,

ACQUISITION RANGEI, AHMEDABAD-380009

Ahmedabad, the 6th August 1974

Ref. No. Acq. 23-I-226/1-1/74-75.—Whereas, I, J. Kathuria, being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Final Plot No. 206/1, T.P.S. No. 6, Survey No. 276/2/1 situated at Paldi-Sarhej Road, Ahmedabad, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Ahmedabad in January, 1974, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income-tax Act 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth-tax Act 1957 (27 of 1957).

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely :—

- (1) Shri Mahendrabhai Manilal 3, Merchant Park, Paladi, Ahmedabad.
(Transferor)
- (2) Shri Rajchand Co-op. Housing Society Ltd., Pritamnagar, Pahelo Dhal, Ahmedabad.
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

EXPLANATION :—The terms and expression used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

An open plot of land admeasuring 461 sq. yds., bearing Sub Plot No. 1, Final Plot No. 206/1, Survey No. 276/2/1 of T.P.S. No. 6 and situated at Paladi-Sarkhej Road, Ahmedabad.

J. KATHURIA

Competent Authority,

Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax,

Acquisition Range-I,
Ahmedabad.

Date : 6-8-1974.

Seal :

FORM ITNS—

**NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE
INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)**

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME TAX,
ACQUISITION RANGE, CHANDIGARH

Chandigarh, the 19th July 1974

Ref. No. CHD/29/74-75.—Whereas, I, G. P. Singh, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Chandigarh, being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Annexe No. 213, Sector 11-A, situated at Chandigarh (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Chandigarh in January, 1974, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer, and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely:—
21—276GI/74

(1) Shri K. D. Sharma, s/o Shri Hari Krishna Parshad Sharma, Resident of 191-C, Harjinder Nagar, Subhash Road, Kanpur.
(Transferor)

(2) Shri Gurdev Singh, s/o Shri Kartar Singh, 43-Club Road, Civil Lines, Ludhiana.
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Annexe No. 213; Sector 11-A, Chandigarh.

G. P. SINGH
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax,
Acquisition Range,
Chandigarh.

Date : 19-7-1974.
Seal ;

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, LUCKNOW.

Lucknow, the 10th July 1974

Ref. No. 33-S/Acq.—Whereas, J. K. N. Misra, I.A.C. Acquisition Range, Lucknow, being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. 15-E situated at Distt Allahabad.

(and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Allahabad on 15-1-1974, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income Tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957);

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely :—

- (1) M. L. Dave and others. (Transferor)
- (2) Sarla Maithani. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

One house bearing No. 15-E measuring 4739 sqr. yds. is situated at Queen's Road, 19, Sarojini Naidu Marg, Allahabad.

K. N. MISRA

Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range,
Lucknow.

Date : 10th June 1974

Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE,
LUCKNOW.

Lucknow, the 10th July 1974

Ref. No. 21-R/Acq.—Whereas, I, K. N. Misra, I.A.S.C., Acquisition Range, Lucknow, being the competent authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 90, 2 and 19, situated at Distt. Moradabad (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer at Moradabad on 7-1-1974, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth tax Act, 1957 (27 of 1957).

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely :—

(1) Shri Kailash Chandra & Others.

(Transferor)

(2) Smt. Ram Deyi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

The properties mentioned below are situated at Village-Narendrapuri in Distt. Moradabad.

1. Agricultural land measuring 18.87 Acres.
2. One house measuring 500 sq. yds.

K. N. MISRA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range,
Lucknow.

Date : 10-7-1974.

Seal :

FORM ITNS—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE,
LUCKNOW.

Lucknow, the 10th July 1974

Ref. No. 9C/Acq.—Whereas, I, K. N. Misra I.A.C., Acquisition Range, Lucknow, being the competent authority under section 269B of the Income-Tax Act, 1961 (43 of 1961), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 110 and 111 situated at Distt. Buland Shahr, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Buland Shahr on 16-1-1974, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the transferor to pay tax under the Income Tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely :—

(1) Smt. Saroj Rani Agrawal.

(Transferor)

Date : 10-7-1974.

(2) Chandra Kala Gaur.

(Transferee)

Seal :

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Under mentioned properties are situated at Kashba-Bhoor in Buland Shahr Distt :—

1. One house measuring 13 Biswa.
2. One Garden surrounded by Boundary wall in area of 1 Bigha and 10 Biswa.

K. N. MJSRA
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range,
Lucknow.

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE,
LUCKNOW.

Lucknow, the 8th July 1974

Ref. No. 11-G/Acq.—Whereas, I, K. N. Misra, I.A.C.,
Acquisition Range, Lucknow
being the competent authority under section 269B of the
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), have reason to
believe that the immovable property, having a fair market
value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 5078/6
situated at Village-Amausi in distt. Lucknow
(and more fully

described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed Registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer at Lucknow on 10-1-1974,
for an apparent consideration

which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the transferor to pay tax under the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purpose of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income Tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957).

And whereas the reason for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely:—

- (1) M/s Amitabh Textile Mills Ltd (Transferor)
- (2) M/s Ganga Steel & Alloys Ltd. (Transferee)

Objection, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later:

(b) by any of the person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

One Plot No. 5078/6 measuring 1.39 Acres is situated at Village Amausi in Distt. Lucknow.

K. N. MISRA
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range,
Lucknow.

Date : 8-7-1974.

Seal :

FORM ITNS—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)**

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, LUCKNOW.

Lucknow, the 10th July 1974

Ref. No. 11-G/Acq. Whereas I, K. N. Misra, I.A.C., Acquisition Range, Lucknow being the competent authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Nos. 5076, 5077 and 5078 situated at Distt. Lucknow, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at Lucknow on 10-1-1974.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth tax Act, 1957 (27 of 1957).

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely :—

- (1) M/s Amitabh Textile Mills Ltd.
(Transferor)
- (2) M/s Ganga Steel & Alloys Ltd.
(Transferee)

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

The plots bearing Nos. 5076, 5077 and 5078, measuring 9.29 Acres are situated at Village Amausi in distt Lucknow.

K. N. MISRA
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range,
Lucknow.

Date : 10-7-1974.

Seal :

FORM ITNS—

(1) Smt. Urmila Devi.

(Transferor)

(2) Smt. Kaushalya Bakhshi.

(Transferee)

**NOTICE UNDER SECTION 269-D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)**

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE, LUCKNOW.

Lucknow, the 18th July 1974

Ref. No. 20-K/Acq.—Whereas, I K. N. Misra, I.A.C., Acquisition Range, Lucknow, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-Tax Act, 1961 (43 of 1961) have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 440/11 situated at Distt. Lucknow, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Lucknow on 23-1-1974, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income if any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

EXPLANATION :— The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

One house Constructed on Plot No. 440/11 measuring 16 Biswas, 6 Biswansis and 4 Kachwansis is situated at Rai Behari Lal Road in Lucknow,

K. N. MISRA
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range,
Lucknow.

Date : 18-7-1974.

Seal :

FORM ITNS —————

(2) Shri Arjun & Others.

(Transferee)

(3) Tenant (Person in occupation of the property).

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, LUCKNOW.

Lucknow, the 10th July 1974

Ref. No. 22-A/Acq.—Whereas, I, K. N. Misra, I.A.C.,
Acquisition Range, Lucknow,
being the Competent Authority under Section 269B
of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have reason
to believe that the immovable property, having a fair market
value exceeding Rs. 25,000/- and bearing
No. —— situated at Distt. Varanasi
(and more fully described in the Schedule annexed hereto)
has been transferred as per deed registered under the Indian
Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the registering officer
at Chandauli on 4-1-1974,
for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property and I have reason
to believe that the fair market value of the property as
aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more
than fifteen per cent of such apparent consideration and that
the consideration for such transfer as agreed to between the
transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated
in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the Income Tax
Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income
arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been or which
ought to be disclosed by the transferee for the purposes
of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or
the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957).

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely :—

- (1) Shri Sukhdeo Shukla & others. (Transferor)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date & place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

One double storied building is situated at Chandauli in distt. Varanasi.

K. N. MISRA
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax,
Acquisition Range,
Lucknow.

Date : 10-7-1974.

Seal ;

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 of 1961)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, 156, SECTOR 9-B CHANDIGARH

Chandigarh, the 5th July 1974

Ref. No. LDH/R/18/74-75.—Whereas, I, G. P. Singh, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Chandigarh, being the competent authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), have reasons to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Land behind Oswal Vanaspati and Allied Industries, G.T. Road, situated at Ludhiana, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Ludhiana in January, 1974, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transfer(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1972 (11 of 1972) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961).

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (i) of section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely :—

- (1) Shri Jagmohan Singh, s/o Capt. Rattan Singh, Jugiana, Tehsil Ludhiana.
(Transferor)
- (2) M/s Oswal Vanaspati & General Industries, Ludhiana.
(Transferee)

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

(Land behind Oswal Vanaspati and Allied Industries, G.T. Road, Ludhiana) Plot of land 8 bighas 13½ biswas at Jugiana, Tehsil Ludhiana.

(Property as mentioned in the Registered Deed No. 6014 of January, 1974 of the Registering Officer, Ludhiana).

G. P. SINGH
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range,
Chandigarh.

Date : 5-7-1974,
Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, CHANDIGARH 156, SECTOR 9-B

Chandigarh, the 5th July 1974

Ref. No. LDH/C/52/74-75.—Whereas T. G. P. Singh, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Chandigarh, being the competent authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Land, situated at Bahadur-ke, Tehsil Ludhiana, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Ludhiana in January, 1974, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely :—

(1) Shri Gurbachan Singh, s/o Shri Fauza Singh, Resident of Bahadur-ke, Tehsil Ludhiana.

(Transferor)

(2) M/s Ganga Cold Storage, Ludhiana.
(Through Smt. Santosh Rani).

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot of land measuring 9 kanal 8 marlas at Bahadur-ke, Tehsil Ludhiana.

(Property as mentioned in the Registered Deed No. 9736 of January, 1974 of the Registering Officer, Ludhiana).

G. P. SINGH
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range,
Chandigarh.

Date : 5-7-1974.

Seal :

FORM ITNS—

(1) Shri Guibachan Singh, s/o Shri Fouja Singh,
Resident of Bahadur-ke, Tehsil Ludhiana.
(Transferor)

(2) M/s Ganga Cold Storage, Ludhiana.
(Through Sneh Thaper)
(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, 156, SECTOR 9-B,
CHANDIGARH

Chandigarh, the 5th July 1974

Ref No. LDH/C/117/74-75.—Whereas, I, G. P. Singh, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Chandigarh, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Land, situated at Bahadur-ke, Tehsil Ludhiana, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Ludhiana in February, 1974, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer, and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purpose of the Indian Income-tax Act 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Income-tax, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objection.

EXPLANATION : The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land B kanal 19 marlas at Bahadur-ke, Tehsil Ludhiana.

(Property as mentioned in the Registered Deed No. 11391 of February, 1974 of the Registering Officer, Ludhiana).

G. P. SINGH
Competent Authority,
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-Tax,
Acquisition Range,
Chandigarh.

Date : 5-7-1974.

Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE CHANDIGARH 156, SECTOR 9-B

Chandigarh, the 8th July 1974

Ref. No. 1DH C 5174-75.—Whereas, I, G. P. Singh, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Chandigarh, being the competent authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

Plot No. 2, 3, 4, 5 & 6 at Bahadur House, G. T. Road, situated at Ludhiana, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Ludhiana in January, 1974,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Income-Tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957).

And whereas the reasons for initiating proceedings for the Acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely :—

- (1) Jagbir Singh, /o S. Nath Singh, Resident of Kuttian Wala District Ferozepur.
(Transferor)

- (2) (i) Shri Mohinder Singh, s/o Shri Maha Singh,
(ii) Shri Rajinder Singh, s/o Shri Maha Singh,
Residents of Village 4-H, Tehsil & District Sri Ganganagar.

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later :

(b) by any of the person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Out of Plot No's. 2, 3, 4, 5 & 6 Areas 55 sq. yds. Bahadur House G T. Road, Ludhiana.

(Property as mentioned in the Registered Deed No. 9722 of January, 1974 of the Registering Authority, Ludhiana).

G. P. SINGH,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range,
Chandigarh.

Date : 8-7-1974

Seal :

FORM I.T.N.S.—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, CHANDIGARH 156, SECTOR 9-B

Chandigarh, the 8th July 1974

Ref. No. LDH/C/118/74-75.—Whereas, I, G. P. Singh, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Chandigarh,

being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Plot No. 2, 3, 4, 5 & 6 Bhadaur House, G. T. Road, situated at Ludhiana, and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Ludhiana in January, 1974.

for an apparent consideration which

is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957).

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely :—

(1) Shri Jagraj Singh, s/o Shri Natha Singh, Resident of Chack Karian Wala, District Ferozepur.
(Transferor)

(2) (i) Shri Devinderjit Singh,
(ii) Shri Mahinderjit Singh, sons of Shri Ajmer Singh, Resident of Karianwala, District Ferozepur.

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objections, and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Area 36 sq. yds. out of Plot No's. 2, 3, 4, 5 & 6, at Bhadaur House, G.T. Road, Ludhiana.

(Property as mentioned in the Registered Deed No. 9723 of January, 1974 of the Registering Authority, Ludhiana).

G. P. SINGH
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range,
Chandigarh.

Date : 8-7-1974.

Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX.
ACQUISITION RANGE, CHANDIGARH 156,
SECTOR 9-B

Chandigarh, the 8th July 1974

Ref. No. LDH/C/119/74-75.—Whereas I, G. P. Singh, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-Tax Act, 1961 (43 of 1961), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Plot No. 2, 3, 4, 5 & 6 Bhadaur House, G. T. Road, situated at Ludhiana, (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Ludhiana in January, 1974, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, In pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely :—

(1) Shri Maha Singh s/o Shri Kapur Singh, Resident of Village 4-H, Tehsil & District Sri Ganganagar.

(2) (i) Shri Mohinder Singh, (Transferee)

(ii) Shri Rajinder Singh, ss/o Shri Maha Singh, Residents of 4-H, Tehsil & District Sri Ganganagar. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Area 68-1/8 sq. yds. of Plot Nos. 2, 3, 4, 5&6 Bhadaur House, G.T. Road, Ludhiana.

(Property as mentioned in the Registered Deed No. 9724 of January, 1974 of the Registering Authority, Ludhiana).

G. P. SINGH,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range,
Chandigarh.

Date : 8-7-1974.
Seal :

FORM ITNS—**NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)****GOVERNMENT OF INDIA**

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE, CHANDIGARH 156,
SECTOR 9-B

Chandigarh, the 8th July 1974

Ref. No. BGR/Cal./1/74-75.—Whereas, I, G. P. Singh, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Chandigarh,

being the competent authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), have reasons to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Plot No. 5, New Industrial Area, New Township, situated at Faridabad,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at Calcutta in January, 1974, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth tax Act, 1957 (27 of 1957).

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under the sub-section (1) of section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely :—

(1) The Principal Officer, Industrial Packagings Limited, 2 Brabourne Road, Calcutta.
(Transferor)

(2) M/s Orient Steel and Industries Ltd, 2, Brabourne Road, Calcutta.

(Through Shri Nawal Kishore Ramgaria, Director).
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

I land measuring 12,888 sq. yds. plot No. 5 situated at New Industrial Area, New Township, Faridabad.

G. P. SINGH
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range
Chandigarh

Date : 8-7-1974.

Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA
OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX.
ACQUISITION RANGE, CHANDIGARH 156, SECTOR 9-B

Chandigarh, the 8th July 1974

Ref. No. LDH/C/43/74-75.—Whereas, I, G. P. Singh, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Chandigarh, being the competent authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Land, Village Kara Bara, known as Jawahar Nagar, situated at Kara Bara, Tehsil Ludhiana, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the registering Officer at Ludhiana in January, 1974 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

And whereas the reason for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely :—

- (1) Shri Joginder Bachan Singh, Sukhram Nagar, Ludhiana.
(Transferor)
(Transferee)
- (2) Sarvshri
 - (i) Inder Mohan Singh Grewal,
 - (ii) Surjeet Singh Grewal,
 - (iii) Gur Iqbal Singh Grewal,
 - (iv) Gur Prasad Singh Grewal,
 - (v) Gur Mohan Singh Grewal,
 - (vi) Prithpal Singh Grewal,
 - (vii) Gur Lal Singh Grewal,

(viii) Smt. Parsad Singh Grewal, c/o Shri Joginder Singh Grewal, Advocate, (Retired Public Prosecutor) Gurdev Nagar, Ludhiana.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land in the vicinity of Village Kara Bara known as Jawahar Nagar, Ludhiana.

(Property as mentioned in the Registered Deed No. 9529 A of January, 1974 of the Registering Authority, Ludhiana).

G. P. SINGH,
Competent Authority,
IAC of Income-tax,
Acquisition Range, Chandigarh.

Date : 8-7-1974.

Seal :

FORM ITNS

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)**

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OFFICE OF THE IAC OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, LUCKNOW

Lucknow, the 3rd July 1974

Ref. No. 31-S/Acq.—Whereas, I K. N. Misra I.A.C., Acquisition Range, Lucknow, being the competent authority section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 94/26 situated at Ganesh Gani, Lucknow, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Ac, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Lucknow on 15-1-1974, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth tax Act, 1957 (27 of 1957).

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, In pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely :—

- (1) Shyam Lal Avasthi.
(Transferor)
- (2) Smt. Suraj Mukhi.
(Transferee)
- (3) Rameshwar Dayal Agrawal, (Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

23—276GI/74

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

A double storied building bearing No. 94/26, measuring 68'×32', is situated at Ganesh Gani, Lucknow.

K. N. MISRA
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range,
Lucknow.

Date : 4-7-1974.

Seal :

FORM ITNS

(2) Shri Mohd. Zafar Khan.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, LUCKNOW

Lucknow, the 4th July 1974

Ref. No. 11-J/Acq.—Whereas, I, K. N. Misra, I.A.C., Acquisition Range, Lucknow being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Mohalla—Sheetal Ganj, Buland Shahr, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Buland Shahr on 16-1-1974, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income Tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957).

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely :—

(1) Shri Munawar Alikhan.

(Transferor)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

One house measuring 21717 square ft. is situated at Mohalla—Sheetal Ganj in distt. Buland Shahr.

K. N. MISRA
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of
Income-tax,
Acquisition Range
Lucknow.

Date : 4-7-1974.

Seal :

FORM ITNS—

(2) Pritam Singh S/o Sh. Lachhman Singh and Mrs. Sandeep Kaur W/o Sh. Pritam Singh, H. No. 236, Sector 16-A, Chandigarh.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, CHANDIGARH 156, SECTOR 9-B

Chandigarh, the 22nd June 1974

Ref. No. CHD/20/74-75.—Whereas, I G. P. Singh, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Chandigarh, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No Plot No. 214 (new No. 508) situated at Sector 8-B, Chandigarh, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Chandigarh in January, 1974, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act 1922 (11 of 1922) or the Income Tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957).

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely :—

- (1) Harcharan Singh S/o Sh. Jiwan Singh, Post Box No. 60032, Addis Ababa. C/o H. No. 671/8-B, Chandigarh.

(Transferor)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any of the person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot No. 214 (New No. 508) Sector 8-B, Chandigarh.

G. P. SINGH,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner
of Income-tax,
Acquisition Range,
Chandigarh.

Date : 22-6-1974.

Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE, CHANDIGARH

Chandigarh, the 22nd June 1974

Ref. No. MKL/2/74-75.—Whereas, I G. P. Singh, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Chandigarh, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Agricultural Land 239 bighas & 17 biswas situated at V. Rampur Bhindra (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the at Malerkotla in January, 1974, for and apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income-Tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957).

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely :—

- (1) (i) Shri Ram Murti s/o Sh. Amar Chand,
(ii) Sh. Dalip Chand s/o Sh. Amar Chand.
(iii) Smt. Raj Dulari w/o Sh. Davinder Kumar,
(iv) Smt. Prem Kanta d/o Sh. Amar Chand,
(v) Sh. Surinder Kumar s/o Sh. Amar Chand,
(vi) Smt. Vinod Bala d/o Sh. Amar Chand,
(vii) Sh. Denarsi Dass s/o Sh. Amar Chand,
(viii) Smt. Kamla Devi d/o Sh. Amar Chand.
(ix) Smt. Sudershana Devi d/o Sh. Amar Chand,
(x) Smt. Nirmala Devi d/o Sh. Amar Chand,

(xi) Sh. Ramesh Chand s/o Sh. Purkash Chand, of village Chapper Distt. Ludhiana.
(Transferor)

(2) S/Shri Gian Singh & Gurbachan Singh S/o Shri Gurnam Singh, S/Shri Gurdial Singh & Karam Singh S/o Shri Baldev Singh, Shri Jagjit Singh s/o Sukhdev Singh, S/Shri Gurvinder Singh & Balbinder Singh S/o Sh. Joga Singh, of Village Man Tesil Dhuri Distt. Sangrur.
(Transferee)

(3) (Person in occupation of the property).

(4) (Person whom the undersigned knows to be

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land measuring 239 bighas and 17 biswas, situated in village Rampura Bhindra, bearing Khevat Nos. 663, 3, 12, 13, 14, 15, 30, 31, 32, 33, 34, 35, 36, 53, 54, 55, 56, 58, 59, 60, 61, 693, 282, 298, 299, 300, 301, 302, 303, 304, 305, 306, 307, 308, 309, 310, 318 and 319.

(Property as mentioned in the registered deed No. 3059 of January 1974 of the Registering Authority Malerkotla).

G. P. SINGH,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner
of Income-tax,
Acquisition Range,
Chandigarh.

Date : 22-6-1974.

Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE, 156, SECTOR 9-B, CHANDIGARH.

Chandigarh, the 5th July 1974

Ref. No. LDH/(R)/2/74-75.—Whereas, I, G. P. Singh, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Chandigarh, being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Land behind Oswal Vanaspati and Allied Industries, G.T. Road, situated at Ludhiana (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Ludhiana in January, 1974, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferor for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth tax Act, 1957 (27 of 1957).

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely :—

- (1) Shri Jagmohan Singh, s/o Capt. Rattan Singh, Jugiana, Tehsil Ludhiana.
(Transferor)
- (2) M/s Oswal Vanaspati & General Industries, Ludhiana.
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

(Plot behind Oswal Vanaspati and Allied Industries, G.T. Road, Ludhiana).

Plot of land 8 bigha 13 $\frac{1}{2}$ Biswas at Jugiana, Tehsil Ludhiana.

(Property as mentioned in the Registered deed No. 6039 of January, 1974 of the Registering Officer, Ludhiana).

G. P. SINGH
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of
Income-tax, Acquisition Range,
Chandigarh.

Date : 5-7-1974.

Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE-2
ACQUISITION RANGE, CHANDIGARH 156, SCTOR 9-B

Chandigarh, the 5th July 1974

Ref. No. MKL/2/74-75.—Whereas, I. G. P. Singh, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Chandigarh, being the Competent Authority under Section 269B of the income-tax Act 1961 (43 of 1961) have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Land behind Oswal Vanaspati situated at Ludhiana, and Allied Industries, GT Road, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Ludhiana in January, 1974 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely :—

- (1) Shri Jagmohan Singh, s/o Capt. Rattan Singh, Jugiana, Tehsil Ludhiana.
(Transferor)

(2) M/s Oswal Vanaspati & General Industries, Ludhiana.
(Transferee)

(3) (Person in occupation of the property).

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any of the person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

(Land behind Oswal Vanaspati and Allied Industries, GT Road, Ludhiana) Plot of land 8 bigha 13 $\frac{1}{4}$ biswas at Jugiana, Tehsil Ludhiana.

(Property as mentioned in the Registered Deed No. 6184 of January, 1974 of the Registering Officer, Ludhiana)

G. P. SINGH,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range,
Chandigarh.

Date : 5-7-1974.

Seal :

FORM ITNS—

(2) M/s Oswal Vanaspati & General Industries,
Ludhiana.
(Transferee)

**NOTICE UNDER SECTION 269-D(1) OF THE INCOME
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)**

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, CHANDIGARH 156,
SECTOR 9-B

Chandigarh, the 5th July 1974

Ref. No. LDH/R/17/74-75.—Whereas, I, G. P. Singh, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range Chandigarh,

being the competent authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), have reasons to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

Land behind the Oswal Vanaspati and Allied Industries, GT Road, situated at Ludhiana, (and more fully described in the Scheduled annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at

Ludhiana in January, 1974

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transfer(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth tax Act, 1957 (27 of 1957).

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely:—

(1) Shri Jagmohan Singh s/o Capt. Rattan Singh etc.
Jugiana, Tehsil Ludhiana.

(Transferor)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

•THE SCHEDULE

Plot of land 8751-1/3 sq. yds. 8 bighas 13 $\frac{1}{2}$ Biswas, Behind Oswal Vanaspati & Allied Industries, G.T. Road, Ludhiana.

(Property as mentioned in the Registered Deed No. 6007 of January, 1974 of the Registering Officer, Ludhiana).

G. P. SINGH
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner
of Income-Tax,
Acquisition Range,
Chandigarh.

Date : 5-7-1974.

Seal :

FORM ITNS**NOTICE UNDER SECTION 260D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)**

GOVERNMENT OF INDIA
 OFFICE OF THE IAC OF INCOME-TAX
 ACQUISITION RANGE, CHANDIGARH 156,
 SECTOR 9-B

Chandigarh, the 5th July 1974

Ref. No. LDH/C/41/74-75.—Whereas, I, G. P. Singh, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Chandigarh, being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Plot of land in Gurdev Nagar, situated at Ludhiana, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the registering Officer at Ludhiana in January, 1974, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the transferor to pay tax under the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth tax Act, 1957 (27 of 1957).

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely :—

(1) Smt. Amrita, w/o Shri Surinder Pal Singh, c/o Col. Balwant Singh, Resident of Basan Villa, P.W.D. Rest House, Ghumar Mandi Road, Ludhiana.

(Transferor)

(2) Shri Jagdish Lal, s/o Shri Gobind Ram, c/o M/s Bombay House Confectioners, Chaura Bazar, Ludhiana.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot of land in Gurdev Nagar, Ludhiana. (Property as mentioned in the Registered Deed No. 9488 of January, 1974 of the Registering Officer, Ludhiana).

G. P. SINGH,
 Competent Authority,
 Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,

Acquisition Range,
 Chandigarh.

Date : 5-7-1974.

Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE I
2ND FLOOR HANOOOM HOUSE, ASHRAM ROAD,
AHMEDABAD 380009

Ahmedabad-380009 the 6th August 1974

Ref No Acq 23 I-95/11/74-75.—Whereas, I J Kathuria, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-Tax Act 1961 (43 of 1961) have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs 25,000/- and bearing

City Survey No 2578 Census No 127^c to 1275/2 situated at Shahpur Ward No II Ahmedabad (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Ahmedabad on 15-1-1974 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of —

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer, and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purpose of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income Tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957)

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Income-tax Act 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely —

24—276GI/74

- (1) Shri Sabir Ahmed Shaikh, Near Bhadra Jamsahebni Gali, Ahmedabad (Transferor)
- (2) (1) Shri Azmatkhan Rahimkhan, (2) Shri Mohmmadkhan Rahimkhan Near Bhadra Jamsahebni Gali, Ahmedabad (Transferee)
- (3) Sales-Tax Department, Ahmedabad (Person in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferee of the property

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

EXPLANATION —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

A building standing on land admeasuring 95 6 sq. yds. bearing City Survey No 2578, Census No 1275 to 1275/2 and situated at Shahpur Ward No II Ahmedabad

J KATHURIA,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of
Income-tax, Acquisition Range-I
Ahmedabad.

Date 6-8-74
Seal

FORM ITNS

(1) Shri Mahendrabhai Manilal, 3, Merchant Park, Paladi, Ahmedabad (Transferor)

(2) Shri Rajchand Co-op Housing Society Ltd Pritamnagar, Pahelo Dhal, Ahmedabad (Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D-(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX ACQUISITION RANGE I
2ND FLOOR HANDLOOM HOUSE ASHRAM ROAD
AHMEDABAD-380009

Ahmedabad-380009, the 6th August 1974

Ref No Acq 23-I-227/11/74-75 —Whereas I, J Kathuria, being the Competent Authority under Section 269B of the Income tax Act, 1961 (43 of 1961) have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs 25,000/- and bearing Final Plot No 206/1, T P S No 6, situated at Paladi-Sarkhej Road Ahmedabad (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Ahmedabad on 24.1.1974

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of —

- (a) facilitating the reduction or evasion of the transferor to pay tax under the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer, and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income tax Act 1961 (43 of 1961) or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957)

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me

Now therefore in pursuance of Section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this Notice under Sub-section (1) of section 269D of the Income tax Act 1961 (43 of 1961) to the following persons namely —

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later,
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferee of the property

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections

EXPLANATION The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter

THE SCHEDULE

An open plot admeasuring 400 sq yards bearing Final Plot No 206/1 of T P S No 6 and situated at Paladi-Sarkhej Road, Ahmedabad

J KATHURIA,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of
Income-tax, Acquisition Range-I
Ahmedabad

Date 6 8 74

Seal .

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME TAX, ACQUISITION RANGE, AMRITSAR.

Amritsar, the 7th August 1974

Ref. No. ASR/JUL/AP-1070/74-75.—Whereas, I, D. S. Gupta, being the competent authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Property as mentioned in the Registered Deed No. 8639 of January, 1974 situated at 418, Mota Singh Nagar, Jullundur (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Jullundur on January 1974, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth tax Act, 1957 (27 of 1957).

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely :—

- (1) Shri Roop Lal Aggarwal s/o Shri Charan Dass Aggarwal s/o Shri Palla Ram 270/6 Central Town, Jullundur. (Transferor)

- (2) Shri Inderjit Singh Uppal s/o Shri Vasava Singh s/o Shri Sohan Singh R/o Krishana Nagar, Ferozepur. (Transferee)
- (3) As at S. No. 2 above. [Person(s) in occupation of the Property]
- (4) Any person interested in the property. [Person(s) whom the undersigned knows to be interested in the property]

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property as mentioned in the Registered Deed No 8639 of January, 1974 of the Registering Authority, Jullundur.

D. S. GUPTA,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner
of Income-Tax, Acquisition Range,
Amritsar.

Date : 7th August 1974.

Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME TAX, ACQUISITION RANGE, AMRITSAR.

Amritsar, the 7th August 1974

Ref. No. ASR/JUL/AP-1071/74-75.—Whereas, I, D. S. Gupta, being the competent authority under section 269B of the Income-tax Act 1961 (43 of 1961) have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25000/- and bearing No. Property as mentioned in the Registered Deed No. 8638 of January, 1974 situated at 418, Mota Singh Nagar, Jullundur (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Jullundur in January 1974, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income Tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957).

And whereas the reasons for initiating proceedings for the Acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely :—

- (1) Shri Jai Singh s/o Shri Gurdit Singh s/o Shri Malu Ram, 291 Mota Singh Nagar, Jullundur. (Transferor)
- (2) Smt. Inderjit Kaur D/o Bawa Jaswant Singh s/o Bawa Tara Singh R/o Ferozepur. (Transferee)

(3) As at S. No. 2 above. [Person(s) in occupation of the Property]

(4) Any person interested in the property. [Person(s) whom the undersigned knows to be interested in the property]

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other persons interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property as mentioned in the Registered Deed No. 8638 of January, 1974 of the Registering Authority, Jullundur.

D. S. GUPTA,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner
of Income-Tax, Acquisition Range,
Amritsar.

Date : 7-8-1974.
Seal :

FORM ITNS—

(4) Any person interested in the property [Person(s) whom the undersigned knows to be interested in the property]

NOTICE UNDLR SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT COMMISSIONER OF INCOME TAX ACQUISITION RANGE, AMRITSAR

Amritsar the 7th August 1974

Ref No ASR/JUL/AP-1072/74 75 ---Whereas I D S Gupta being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs 25 000/- and bearing Property house as mentioned in the Registered deed No 8639 and 8638 of January, 1974 situated at Mota Singh Nagar, Jullundur (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Jullundur in January 1974 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income-tax Act 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer, and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth tax Act, 1957 (27 of 1957).

And whereas the reasons for initiating proceeding for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me

Now therefore in pursuance of section 269C I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons namely —

- (1) Sh Roop Lal Aggarwal S/o Sh Charan Dass Aggarwal S/o Sh Palla Ram R/o 270/6 Central Town Jullundur Sh Iai Singh S/o Sh Gurdit Singh S/o Sh Malu Ram R/o 291 Mota Singh Nigat Jullundur (Transferor)
- (2) Sh Inderjit Singh Uppal S/o Vasawa Singh S/o Sh Sohan Singh R/o Krishan Nagar, Ferozepur and Inderjit Kaur D/o Sh Bawa Jaswant Singh S/o Bawa Taria Singh R/o Ferozepur (Transferee)
- (3) As at S No 2 above [Person(s) in occupation of the Property]

Objections if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later,

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferee of the property

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

EXPLANATION —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter

THE SCHEDULE

Property as mentioned in the Registered deed Nos 8639 and 8638 of January 1974 of the Registering Authority, Jullundur

D S GUPTA,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner
of Income Tax Acquisition Range,
Amritsar

Date 7th August 1974
Seal

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 of 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME TAX, ACQUISITION RANGE, AMRITSAR.

Amritsar, the 7th August 1974

Ref. No ASR/JUL/AP-1073/74-75.—Whereas, I, D. S. Gupta, being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Land as mentioned in the Registered Deed No. 8627 of January, 1974 situated at V. Nagra (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Jullundur in January 1974, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely:—

- (1) Shri Gurbux Singh s/o Shri Kishan Singh R/o V. Nagra, Jullundur. (Transferor)
- (2) Shri Mohinder Singh Uppal s/o Shri Jaswant Singh Uppal R/o 533 Model Town Jullundur. (Transferee)
- (3) As at S. No. 2 above. [Person(s) in occupation of the Property]
- (4) Any person interested in the property. [Person(s) whom the undersigned knows to be interested in the property]

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land as mentioned in the Registered Deed No. 8627 of January, 1974 of the Registering Authority, Jullundur.

D. S. GUPTA,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner
of Income-Tax, Acquisition Range,
Amritsar.

Date : 7th August 1974.

Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME TAX, ACQUISITION RANGE, AMRITSAR.

Amritsar, the 7th August 1974

Ref. No. ASR/JUL/AP-1074/74-75.—Whereas, I, D. S. Gupta,

being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Land as mentioned in the Registered Deed No. 8566 of January, 1974 situated at V. Nagra

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Jullundur in January 1974,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income Tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957).

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely :—

- (1) Shri Gurbux Singh s/o Shri Kishan Singh R/o V. Nagra Teh. Jullundur. (Transferor)
- (2) Shri Mohinder Singh Uppal s/o Shri Jaswant Singh Uppal, 533 Model Town, Jullundur. (Transferee)

(3) As at S. No. 2 above. [Person(s) in occupation of the Property]

(4) Any person interested in the property. [Person(s) whom the undersigned knows to be interested in the property]

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land as mentioned in the Registered Deed No. 8566 of January, 1974 of the Registering Authority, Jullundur.

D. S. GUPTA,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner
of Income-Tax, Acquisition Range,
Amritsar.

Date : 7th August 1974.

Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA
OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME TAX, ACQUISITION RANGE, AMRITSAR.

Amritsar, the 7th August 1974

Ref. No. ASR/JUL/AP-1075/74-75.—Whereas, I, D. S. Gupta, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Land as mentioned in the Registered Deed No. 8673 of January, 1974 situated at V. Nagra (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Jullundur in January 1974, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income Tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957).

And Whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely :—

- (1) Shri Gurbux Singh s/o Shri Kishan Singh R/o V. Nagra Teh. Jullundur. (Transferor)
- (2) Shri Mohinder Singh Uppal s/o Shri Jaswant Singh Uppal, 533 Model Town, Jullundur. (Transferee)
- (3) As at S. No. 2 above. [Person(s) in occupation of the Property]
- (4) Any person interested in the property. [Person(s) whom the undersigned knows to be interested in the property]

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land as mentioned in the Registered Deed No. 8673 of January, 1974 of the Registering Authority, Jullundur.

D. S. GUPTA,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner
of Income-Tax Acquisition Range,
Amritsar.

Date : 7th August 1974.
Seal :

FORM ITNS —————

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME TAX, ACQUISITION RANGE, AMRITSAR.

Amritsar, the 7th August 1974

Ref. No. ASR/JUL/AP-1076/74-75.—Whereas, I, D. S. Gupta,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

Property as mentioned in the Registered Deed No. 8823 of January, 1974 situated at Abadpur Area, Jullundur (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Jullundur in January 1974,

for an apparent consideration which is

less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957).

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely :

- (1) Shri Umrao Singh Attwal s/o S. Harbans Singh s/o Shri Babu Singh, Attwal Farm, Kapurthala GA for Gurmeet Singh s/o Shri Hardit Singh R/o Dharampur, Simla Hills. (Transferor)

25—276GI/74

- (2) Shri Rameshwar Singh s/o Dr. Capt. Karam Singh s/o S. Gajja Singh r/o 4 Model Town, Jullundur. (Transferee)
- (3) As at S. No. 2 above [Person(s) in occupation of the Property]
- (4) Any person interested in the property. [Person(s) whom the undersigned knows to be interested in the property]

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property as mentioned in the Registered Deed No. 8823 of January, 1974 of the Registering Authority, Jullundur.

D. S. GUPTA,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner
of Income-Tax, Acquisition Range,
Amritsar.

Date : 7th August 1974.

Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME TAX, ACQUISITION RANGE, AMRITSAR.

Amritsar, the 7th August 1974

Ref. No. ASR/JUL/AP-1077/74-75.—Whereas, I, D. S. Gupta, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Land as mentioned in the Registered Deed No. 8500 of January, 1974 situated at Abadpur Area, Jullundur (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Jullundur in January 1974, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income Tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer, and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely :—

- (1) Shri Ranbir Singh Attwal s/o Shri Harbans Singh Attwal c/o Attwal Farm, Kapurthala. (Transferor)
- (2) Shri Rameshwar Singh s/o Dr. Capt. Karam Singh s/o S. Gajja Singh, 4 Model Town, Jullundur. (Transferee)
- 3) As at S. No. 2 above. [Person(s) in occupation of the Property]

- (4) Any person interested in the property. [Person(s) whom the undersigned knows to be interested in the property]

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land as mentioned in the Registered Deed No. 8500 of January, 1974 of the Registering Authority, Jullundur.

D. S. GUPTA,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner
of Income-Tax, Acquisition Range,
Amritsar.

Date : 7th August 1974.

Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME TAX, ACQUISITION RANGE, AMRITSAR.

Amritsar, the 7th August 1974

Ref. No. ASR/JUL/AP-1078/74-75.—Whereas, I, D. S. Gupta,
being the Competent Authority under section 269B of the Income-Tax Act, 1961 (43 of 1961), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

Plot of land as mentioned in the Registered Deed No. 8705 of January, 1974 situated at Bye Pass, Jullundur (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Jullundur in January 1974, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Income-tax Act 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely :—

- (1) Shri Sham Kumar s/o Pt. Sat Pal Bhardwaj, Central Town, Jullundur GA of Gopal Chand Dada s/o Shri Mukand Dal Dada, Ladowali Road, Jullundur & GA of Kanwal Nain Dada s/o Shri Gopal Chand Dada r/o Ladowali Road, Jullundur. (Transferor)

- (2) S/Shri Mewa Singh, Sewa Singh, Ajit Sjit SS/o Shri Lashkar Singh, Makhan Singh s/o Shri Karam Singh of Vill. Bighipur Tch. Jullundur c/o M/s Jullundur Body Builders, Session Court Road, Jullundur. (Transferee)
- (3) As at S. No. 2 above. [Person(s) in occupation of the Property]
- (4) Any person interested in the property. [Person(s) whom the undersigned knows to be interested in the property]

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot of land as mentioned in the Registered Deed No. 8705 of January, 1974 of the Registering Authority, Jullundur.

D. S. GUPTA,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner
of Income-Tax, Acquisition Range,
Amritsar.

Date : 7th August 1974
Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME TAX, ACQUISITION RANGE, AMRITSAR.

Amritsar, the 7th August 1974

Ref No. ASR/JUL/AP-1079/74-75 —Whereas I, D. S. Gupta, being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Plot of land as mentioned in the Registered Deed No. 8706 of January, 1974 situated at Bye-Pass Road, Jullundur (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Jullundur in January 1974, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957)

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Income-tax Act 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely :—

(1) Shri Sham Kumar s/o Pt. Sat Pal Bhardwaj r/o Central Town, Jullundur GA of Gopal Chand Dada s/o Shri Mukand Lal Dada, Ladowali Road, Jullundur & GA of Kanwal Nain Dada s/o Shri Gopal Chand Dada R/o Ladowali Road, Jullundur. (Transferor)

(2) S/Shri Mewa Singh, Sewa Singh, Ajit Singh SS/o Shri Lashkar Singh, Makhan Singh s/o Shri Karam Singh of Vill. Bidhipur, Teh. Jullundur c/o M/s Jullundur Body Builders, Session Court Road Jullundur (Transferee)

(3) As at S. No. 2 above. [Person(s) in occupation of the Property]

(4) Any person interested in the property. [Person(s) whom the undersigned knows to be interested in the property]

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot of land as mentioned in the Registered Deed No. 8706 of January, 1974 of the Registering Authority, Jullundur.

D. S. GUPTA,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner
of Income-Tax, Acquisition Range,
Amritsar.

Date : 7th August 1974.

Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME TAX, ACQUISITION RANGE, AMRITSAR.

Amritsar, the 7th August 1974

Ref. No. ASR/JUL/AP-1080/74-75.—Whereas I, D. S. Gupta, being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Plot of land as mentioned in the Registered Deed No. 9045 of January 1974 situated at New Jawahar Nagar, Jullundur (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer at Jullundur in January 1974, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth tax Act, 1957 (27 of 1957).

And whereas the reason for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely :—

- (1) Shri Kewal Krishan Goyal Advocate s/o Shri Milkha Ram Goyal, Model Town, Jullundur now Amrik Singh Road Bhatinda. (Transferor)
- (2) Smt. Saroj Bala Sohan Pal w/o Shri Rattan Singh Sohanpal s/o Shri Nagina Singh ND/73 Bikrampura Jullundur through Shri Rattan Singh. (Transferee)

(3) As at S. No. 2 above. [Person(s) in occupation of the Property]

(4) Any person interested in the property. [Person(s) whom the undersigned knows to be interested in the property]

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot of land as mentioned in the Registered Deed No. 9045 of January 1974 of the Registering Authority, Jullundur.

D. S. GUPTA,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner
of Income-Tax, Acquisition Range,
Amritsar.

Date : 7th August 1974.

Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME TAX, ACQUISITION RANGE, AMRITSAR.

Amritsar, the 7th August 1974

Ref. No. ASR/JUL/AP-1081/74-75.—Whereas I, D. S. Gupta, being the competent authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-, and bearing Property as mentioned in the Registered Deed No. 9299 of January, 1974, situated at Lama Pind (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at Jullundur in January 1974, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth tax Act, 1957 (27 of 1957).

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely :—

- (1) Smt. Ishar Kaur w/o Shri Mohan Singh s/o Shri Harnam Singh R/o Jawahar Nagar, Jullundur. (Transferor)
- (2) Shri Jaswer Singh s/o Shri Sohan Singh of Jagatpur, Teh. Nawan Shehar G.A. of Shri Gurcharan Singh s/o S. Mehanga Singh. (Transferee)

(3) As at S. No. 2 above. [Person(s) in occupation of the Property]

(4) Any person interested in the property. [Person(s) whom the undersigned knows to be interested in the property]

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property as mentioned in the Registered Deed No. 9299 of January, 1974 of the Registering Authority, Jullundur.

D. S. GUPTA,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner
of Income-Tax, Acquisition Range,
Amritsar.

Date : 7th August 1974.

Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE,
AMRITSAR
Amritsar, the 7th August 1974

No. Ref. No. ASR/JUL/AP-1082/74-75.—Whereas I, D. S. Gupta

being the competent authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Plot of land as mentioned in the Registered Deed No. 8879 of January, 1974 situated at Model Town, Jullundur, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of Registering Officer at Jullundur in January 1974 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the transferor to pay tax under the Income-tax Act 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this Notice under Sub-section (1) of Section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely:—

(1) Shri Lachhman Singh Saira s/o S. Matta Singh Saira

of Dagana Teh, Hoshiarpur G. A. Mohinder Singh Jabhal s/o S. Jagar Singh Jabhal, 8/373 Central Town, Jullundur.

(Transferor)

2. S/Shri Gurcharan Singh, Raghbir Singh SS/o Shri Mangal Singh Shri Rajinder Singh s/o S. Gian Singh 439-L Model Town, Jullundur.

(Transferee)

3. As at S. No. 2 above,

[Person(s) in occupation of the property)]

4. Any person interested in the property.

[Person(s) whom the undersigned knows to be interested in the property]

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

EXPLANATION: The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot of land as mentioned in the Registered Deed No. 8879 of January, 1974 of the Registering Authority, Jullundur.

D. S. GUPTA
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Amritsar.

Date : 7-8-1974.

Seal :

FORM ITNS**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)**

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OFFICE OF THE IAC OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE,
AMRITSAR

Amritsar, the 7th August 1974

Ref. No ASR/HUL/AP-1083/74-75.—Whereas I, D. S. Gupta, being the Competent Authority under section 269B of the income-tax Act, 1961 (43 of 1961), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Plot of land as mentioned in the Registered Deed No. 8941 of January, 1974, situated at New Jawahar Nagar, Jullundur (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Jullundur in January 1974 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transfer(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any Income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely.—

1. Shri Lakhbir Singh Advocate & S. Bhagat Singh Advocate, Suraj Ganj, Jullundur.
Transferor.

2. Shri Brij Mohan Bhalla s/o Shri Dhirat Ram R/o 506-L, Model Town, Jullundur. Transferee
3. As at S. No. 2 above.
[Person(s) in occupation of the property]
4. Any person interested in the property.
[(Person(s) whom the undersigned knows to be interested in property)]

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot of land as mentioned in the Registered Deed No. 8941 of January, 1974 of the Registering Authority, Jullundur.

D. S. GUPTA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Amritsar

Date : 31-7-1974

Seal :

FORM ITNS**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)****GOVERNMENT OF INDIA****OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME TAX, ACQUISITION RANGE, AMRITSAR**

Amritsar, the 7th August 1974

Ref. No ASR/JUL/AP-1084/74-75.—Whereas I, D. S. Gupta being the competent authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Plot of land as mentioned in the Registered Deed No. 8795 of January, 1974 situated at

G T Road, Jullundur

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at

Jullundur in January 1974

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the transferor to pay tax under the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth tax Act, 1957 (27 of 1957).

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely :—

1. S/Shri Lakhpal Rai, Lajpat Rai SS/o Shri Jawala Dass s/o Shri Bahadar Chand of Rainik Bazar, Jullundur
(Transferor)

2. Master Tool Corporation, G. T. Road, Jullundur through Shri Kailash Chander, partner.
(Transferee)

3 As at S. No. 2 above.
[Person(s) in occupation of the property]

26—276GI/74,

4. Any person interested in the property.
[(Person(s) whom the undersigned knows to be interested in the property)]

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objections and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot of land as mentioned in the Registered Deed No 8795 of January, 1974 of the Registering Authority, Jullundur.

D. S. GUPTA
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of
Income-Tax, Acquisition Range, Amritsar.

Date : 7-8-1974.

Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE,
AMRITSAR

Amritsar, the 7th August 1974

Ref No. ASR/JUL/AP-1085/74-75.—Whereas I, D. S. Gupta being the competent authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), have reasons to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Plot of land as mentioned in the Registered Deed No. 9017 of January, 1974 situated at G.T. Road, Jullundur, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the registering Officer at Jullundur in January 1974 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transfer(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth tax Act, 1957 (27 of 1957).

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely:—

1. S/Shri Lakhpat Rai, Lajpat Rai SS/o Shri Jawa Dass s/o Shri Bahadar Chand of Rainak Bazar, Jullundur.

(Transferor)

2. Master Tool Corporation, G. T. Road, Jullundur through Shri Kailash Chander partner.

(Transferee)

3. As at S. No. 2 above

[Person(s) in occupation of the property]

4. Any person interested in the property.

[Person(s) whom the undersigned knows to be interested in the property]

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have right to be heard at the hearing of the objections.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot of land as mentioned in the Registered Deed No. 9017 of January, 1974 of the Registering Authority, Jullundur.

D. S. GUPTA
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-Tax,
Acquisition Range, Amritsar

Date : 7-8-1974.

Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA
 OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX
 ACQUISITION RANGE, AMRITSAR

Amritsar, the 7th August 1974

Ref. No. ASR/JUL/1086/74-75.—Whereas I, D. S. Gupta being the competent authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Property as mentioned in the Registered Deed No. 8660 of January, 1974 situated at Shahid Udhampur Singh Nagar, Jullundur (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at Jullundur in January, 1974 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or their assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

And whereas the reason for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely :—

1. Shri Bodh Raj s/o Shri Attar Singh c/o M/s Attar Singh Bodh Raj, Babzi Mandi, Jullundur.
 (Transferor)

2. Shri Kailash Chand s/o Shri Chunilal c/o M/s Master Tool Corporation, Basti Nau, Jullundur.
 (Transferee)

3. As at S. No. 2 above.
 [Person(s) in occupation of the property]

4. Any person interested in the property.
 [(Person(s) whom the undersigned knows to be interested in the property)]

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property as mentioned in the Registered Deed No. 8660 of January, 1974 of the Registering Authority, Jullundur.

D. S. GUPTA
 Competent Authority
 Inspecting Asstt. Commissioner of Income-Tax,
 Acquisition Range, Amritsar

Date : 7-8-1974.

Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 of 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME TAX, ACQUISITION RANGE, AMRITSAR

Amritsar, the 7th August 1974

Ref. No. ASR/JUL/AP-1087/74-75.—Whereas, I, D. S. Gupta being the competent authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Land as mentioned in the Registered Deed No. 8851 of January, 1974 situated at V. Nagar (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Jullundur in January 1974 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth tax Act, 1957 (27 of 1957).

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely :—

1. S/Shri Arjan Singh, Jamiat Singh SS/o Shri Jawala Singh s/o S. Jaimal Singh for self and GA for mother Smt. Hukmi W/o Shri Jawala Singh of V. Nagar, Teh. Jullundur
(Transferor)
2. M/s S. I. Bricks & Builders (P) Ltd. Chowk Deepak Cinema Ludhiana through Shri Sham Singh Managing Director and Shri Inderjit Singh Gujral, Director.
(Transferee)

3. As at S. No. 2 above.

[Person(s) in occupation of the property]

4. Any person interested in the property.

[Person(s) whom the undersigned knows to be interested in the property]

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expired later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land as mentioned in the Registered Deed No. 8851 of January, 1974 of the Registering Authority, Jullundur.

D. S. GUPTA,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of
Income-Tax, Acquisition Range, Amritsar.

Date : 7-8-1974.

Seal :-

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE,
AMRITSAR

Amritsar, the 7th August 1974

Ref. No. ASR/JUL/AP-1088/74-75.—Whereas D. S. Gupta being the competent authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Land as mentioned in the Registered Deed No. 8997 of January, 1974 situated at V. Nagar (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the registering Officer at Jullundur in January 1974 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purpose of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961)

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely :—

1. S/Shri Arjan Singh, Jamiat Singh SS/O Shri Jawala Singh s/o S. Jaimal Singh for self and GA for mother Smt. Hukmi Wd/o Shri Jawala Singh R/o V. Nagar, Teh. Jullundur.

(Transferor)

2. M/s. S. I. Bricks & Builders (P) Ltd. Chowk Deepak Cinema, Ludhiana through Shri Sham Singh, Managing Director & Inderjit Singh Gujral, Director. (Transferee)
3. As at S. No. 2 above.
[Person(s) in occupation of the property]
4. Any person interested in the property.
[Person(s) whom the undersigned knows to be interested in the property]

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land as mentioned in the Registered Deed No. 8997 of January, 1974 of the Registering Authority Jullundur.

D. S. GUPTA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Amritsar

Date : 7th August 1974.

Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE,
AMRITSAR

Amritsar, the 7th August 1974

Ref. No. ASR/JUL/AP-1089/74-75.—Whereas I, D. S. Gupta being the competent authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

Land as mentioned in the Registered Deed No. 8828 of January, 1974 situated at V. Nagar (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Jullundur in January 1974 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income Tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957).

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely :—

1. S/Shri Arjan Singh, Jamiat Singh SS/o Shri Jawala Singh s/o S. Jaimal Singh for self and G. A. for mother Smt. Hukml Wd/o S. Jawala Singh R/o V. Nagar, Teh. Jullundur.

(Transferor)

2. M/s. S. I. Bricks & Builders (P) Ltd, Chowk Dipak Cinema Ludhiana through Shri Sham Singh, Managing Director & Inderjit Singh Gujral, Director.

(Transferee)

3. As at S. No. 2 above.

[Person(s) in occupation of the property]

4. Any person interested in the property.

[Person(s) whom the undersigned knows to be interested in the property]

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said Immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette;

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objection.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land as mentioned in the Registered Deed No. 8828 of January, 1974 of the Registering Authority, Jullundur.

D. S. GUPTA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Amritsar

Date : 7-8-1974.

Seal :

FORM ITNS

1. Shri Sachdev Singh s/o Shri Rajeshwar Singh
s/o Shri Gulab Singh, 187 Session Court Road, Civil
Lines, Jullundur.

(Transferor)

2. Smt. Kanta Aggarwal w/o Shri Roop Lal Aggarwal
R/o 270 Central Town, Jullundur. Shri Jai Singh
s/o Shri Gurdit Singh R/o 291 Mota Singh Nagar,
Jullundur. Shri Vijaya Vir Singh s/o Shri Lakhbir
Singh, 186 Session Court Road, Jullundur.

(Transferee)

3 As at S. No. 2 above.
[Person(s) in occupation of the
property]

3 As at S. No. 2 above.
[Person(s) whom the undersigned
knows to be interested in the
property]

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot of land as mentioned in the Registered Deed No. 9146 of January, 1974 of the Registering Authority, Jullundur.

D. S. GUPTA

Competent Authority,

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Amritsar

Date : 7th August 1974.

Seal :

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE,
AMRITSAR

Amritsar, the 7th August 1974

Ref. No. ASR/JUL/AP-1090/74-75.—Whereas I, D. S. Gupta being the Competent Authority under Section 269B of the Income-Tax Act, 1961 (43 of 1961) have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Plot of land as mentioned in the Registered Deed No. 9146 of January, 1974. situated at Session Court Road Jullundur (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Jullundur in January 1974 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay under the Income tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely :—

FORM ITNS————

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE,
AMRITSAR

Amritsar, the 7th August 1974

Ref. No. ASR/JUL/AP-1091/74-75 —Whereas I, D. S. Gupta

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

Property as mentioned in the Registered Deed No. 9046 of January, 1974, situated at Ladowali Road, Jullundur (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Jullundur in January 1974 for an apparent consideration which is less

than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely :—

1. Shri Amar Nath s/o Shri Charanji Lal s/o Shri Shadi Ram, EA-292, Charbagh, Jullundur
(Transferor)

2. M/s. Hindustan Scrap Co, Ladowali Road, Jullundur through Shri Tilak Raj s/o Shri Bau Ram, partner.
(Transferee)

3 As at S. No. 2 above.

[Person(s) in occupation of the property]

4. Any person interested in the property.

[Person(s) whom the undersigned knows to be interested in the property]

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property as mentioned in the Registered Deed No. 9046 of January, 1974 of the Registering Authority, Jullundur.

D. S. GUPTA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Amritsar

Date: 7th August, 1974.

Seal :

FORM ITNS**NOTICE UNDER SECTION 269-D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)****GOVERNMENT OF INDIA****OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME TAX, ACQUISITION RANGE,
AMRITSAR**

Amritsar, the 7th August 1974

Ref. No. ASR/JUL/AP-1092/74-75.—Whereas I, D. S. Gupta being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Property as mentioned in the Registered Deed No. 8746 of January, 1974 situated at Adarsh Nagar, Jullundur (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Jullundur in January 1974 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons namely:—

- 1 Smt. Gurdeep Kaur w/o S. Inder Singh s/o Shri Bhagat Singh R/o Kothi No. 64 Adrash Nagar, Jullundur.

(Transferor)

- 2 Smt. Kuldip Kaur w/o Shri Gurmeet Singh s/o S. Mehar Singh, 39-B Adarsh Nagar, Jullundur c/o S. Guibachan Singh of James Radio Co, Kapurthala Road, Jullundur. (Transferee)
- 3 As at S. No. 2 above.
[Person(s) in occupation of the property]
- 4 Any person interested in the property.
[Person(s) whom the undersigned knows to be interested in the property]

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

EXPLANATION : The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property as mentioned in the Registered Deed No. 8746 of January, 1974 of the Registering Authority, Jullundur

D. S. GUPTA
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Amritsar

Date : 7-8-1974.

Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE
INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE

AMRITSAR

Amritsar, the 7th August 1974

Ref. No. ASR/JUL/AP-1093/74-75—Whereas I. D. S. Gupta being the Competent Authority under Section 269B of the Income-Tax Act, 1961 (43 of 1961) have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No Plot of land as mentioned in the Registered Deed No. 8701 of January, 1974 Santokh Pura, Jullundur (and more fully described in the Schedule annexed here-to), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Jullundur in January 1974 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income Tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purpose of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957).

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons namely :—

1. Pt. Lal Chand Dada s/o Shri Mukand Lal Dada, Tanda Road, Jullundur for self and G A for Bal Kishan, Hukam Chand, Gopal Chand, brothers.
(Transferor)

2. Smt. Gian Kaur w/o Shri Naranjan Dass s/o Shri Uttam Ram, Chaal No 506 New Abadi, Santokh Pura Jullundur through Shri Naranjan Dass.
(Transferee)

3. As at S. No. 2 above.
[Person(s) in occupation of the property]

4. Any person interested in the property.
[Person(s) whom the undersigned knows to be interested in the property]

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any of the person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot of land as mentioned in the Registered Deed No. 8701 of January 1974 of the Registering Authority, Jullundur.

D. S. GUPTA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Amritsar

Date : 7-8-1974

Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE,
AMRITSAR

Amritsar, the 7th August 1974

Ref. No. ASR/PHL AP-1094/74-75.—Whereas I, D. S. Gupta being the competent authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Plot of land as mentioned in the Registered No 4222 of January, 1974. Situated at V. Ramgarh (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Phillaur in January 1974

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration thereof by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income-Tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957).

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely:—

1. Shri Santokh Singh Sambhi s/o Shri Mohan Singh s/o Shri Inder Singh r/o V. Akalpur Teh. Phillaur for himself and GA for Gian Singh Sambhi s/o Shri Mohan Singh r/o Akalpur Teh. Phillaur. Shri Paramjit Singh Sambhi s/o Shri Mohan Singh, Smt. Gurbachan Kaur Wd/o Shri Mohan Singh r/o Akalpur, Teh. Phillaur

(Transferor)

2. Pajmod Kaur Bason d/o Shri Parminder Singh Dogra w/o Sh. Balwant Singh Basson R/o V. Landro Teh. Phillaur through Shri Inderjit Basson s/o Shri Krishan Chand s/o Shri Amin Chand of Vill. Landro Teh. Phillaur.

(Transferee)

3. As at S. No. 2 above.
[Person(s) in occupation of the property]

4. Any person interested in the property.
[Person(s) whom the undersigned knows to be interested in the property]

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter

THE SCHEDULE

Plot of land as mentioned in the Registered Deed No. 4222 of January, 1974 of the Registering Authority, Phillaur.

D. S. GUPTA
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax
Acquisition Range, Amritsar

Date : 7-8-1974.

Seal :

FORM ITNS —————

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA
 OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
 OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE.
 AMRITSAR

Amritsar, the 7th August 1974

Ref. No. ASR/NS/AP-1095/74-75.—Whereas I, D. S. Gupta being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act 1961 (43 of 1961) have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Property as mentioned in the Registered Deed No. 3826 of January, 1974 situated at Shakti Nagar, Nawan Shehar (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act 1908 (16 of 1908) in the officer of the Registering Officer at Nawan Shehar in January 1974 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income Tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957).

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely :—

1. Shri Shakti Kumar s/o Shri Mulakh Raj s/o Shri Nauria Ram R/o Nawan Shehar.
 (Transferor)

2. Shri Chain Singh s/o Shri Ram Singh s/o Shri Sunder Singh R/o Raipur Dabba.
 (Transferee)
3. As at S. No. 2 above.
 [Person(s) in occupation of the property]
4. Any person interested in the property.
 [Person(s) whom the undersigned knows to be interested in the property].

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter

THE SCHEDULE

Property as mentioned in the Registered Deed No. 3826 of January, 1974 of the Registering Authority, Nawan Shehar.

D. S. GUPTA
 Competent Authority,
 Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
 Acquisition Range, Amritsar

Date : 7-8-1974

Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE,
AMRITSAR

Amritsar, the 7th August 1974

Ref. No. ASR/NS/AP-1096/74-75.—Whereas I, D. S. Gupta being the competent authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Property as mentioned in the Registered Deed No. 3743 of January, 1974 situated at Shakti Nagar, Nawan Shehar (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Nawan Shehar in January, 1974 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration on such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth tax Act, 1957 (27 of 1957).

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely :—

1. Shri Shakti Kumar s/o Shri Mulakh Raj s/o Shri Nauria Ram R/o Nawan Shehar.
(Transferor)

2. Shri Kirpal Singh s/o Shri Chain Singh s/o Shri Ram Singh R/o Raipur Dabba.
(Transferee)
3. As at S. No. 2 above.
(Person(s) in occupation of the property)
4. Any person interested in the property.
(Person(s) whom the undersigned knows to be interested in the property).

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby further notified that every person to whom the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that chapter.

THE SCHEDULE

Property as mentioned in the Registered Deed No. 3743 of January, 1974 of the Registering Authority, Nawan Shehar.

D. S. GUPTA
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income Tax,
Acquisition Range, Amritsar

Date : 7-8-1974.

Seal :

FORM ITNS

2 M/s. Satluj Land Finance Co (P) Ltd, G. T. Road,
Jullundur.
(Transferee)

**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)****GOVERNMENT OF INDIA**

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE, AMRITSAR

Amritsar, the 7th August 1974

Ref. No. ASR/NS/AP-1097/74-75.—Whereas I, D. S. Gupta being the Competent Authority under Section 269B of the Income-Tax Act, 1961 (43 of 1961) have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Land as mentioned in the Registered Deed No. 3617 of January, 1974 situated at Nawam Shehar

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Nawam Shehar in January 1974

for an apparent

consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income Tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957).

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely :—

1. Shri Inder Parkash s/o Shri Gurudatt, GA Shri Hari Dutt Chopra s/o Shri Chint Ram R/o Nawam Shehar,

(Transferor)

3 As at S. No 2 above
[Person(s) in occupation of the Property]

4. Any person interested in the property.
[Person(s) whom the undersigned knows to be interested in the property].

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land as mentioned in the Registered Deed No. 3617 of January, 1974 of the Registering Authority, Nawam Shehar.

D. S. GUPTA
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-Tax,
Acquisition Range, Amritsar

Date : 7-8-1974

Seal :

FORM ITNS—**NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)**

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME TAX, ACQUISITION RANGE, AMRITSAR

Amritsar, the 7th August 1974

Ref. No. ASR/NS/AP-1098/74-75.—Whereas I, D. S. Gupta being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

Land as mentioned in the Registered Deed No. 3618 of January, 1974 situated at Nawan Shehar (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the registering Officer at

Nawan Shehar in January 1974

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purpose of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth tax Act, 1957 (27 of 1957).

And whereas the reason for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely :—

1. Smt. Usha Chadha D/o Shri Gurudatt Chopra GA Hari Dutt Chopra s/o Shri Chint Ram R/o Nawan Shehar.

(Transferor)

2. M/s. Satluj Land Finance Co. (P) Ltd, G. T. Road, Jullundur.

(Transferee)

3. As at S. No 2 above.

[Person(s) in occupation of the property]

4 Any person interested in the property.

[Person(s) whom the undersigned knows to be interested in the property].

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objection, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

EXPLANATION—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land as mentioned in the Registered Deed No. 3618 of January, 1974 of the Registering Authority, Nawan Shehar.

D. S. GUPTA
Competent Authority.
Inspecting Assistant Commissioner of
Income-Tax, Acquisition Range, Amritsar.

Date : 7th August 1974.

Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE
AMRITSAR

Amritsar, the 7th August 1974

Ref. No. ASR/NS/AP-1099/74-75.—Whereas I, D. S. Gupta, being the competent authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Land as mentioned in the Registered Deed No. 3610 of January, 1974 situated at Nawan Shehar

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Nawan Shehar in January 1974 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer, and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth tax Act, 1957 (27 of 1957).

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to be following persons, namely :—

1 Shri Hari Dutt Chopra s/o Shri Chint Ram R/o Nawan Shehar.

(Transferor)

2. M/s Satluj Land Finance Co (P) Ltd, G. T. Road, Jullundur.

(Transferee)

3. As at S. No. 2 above.
[Person(s) in occupation of the Property]

4. Any person interested in the property.
[Person(s) whom the undersigned knows to be interested in the property].

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid person within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transference of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have right to be heard at the hearing of the objections.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land as mentioned in the Registered Deed No. 3610 of January, 1974 of the Registering Authority, Nawan Shehar

D. S. GUPTA
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Amritsar.

Date : 7th August 1974.

Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME TAX, ACQUISITION RANGE, AMRITSAR

Amritsar, the 7th August 1974

Ref. No. ASR/NS/AP-1100/74-75.—Whereas I, D. S. Gupta being the competent authority under Section 269 B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Land as mentioned in the Registered Deed No. 3614 of January, 1974 situated at Nawan Shehar,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Nawan Shehar in January, 1974, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons namely :—

1. Shri Narinder Kumar Chopra s/o Shri Guru Datt Chopra, GA Shri Hari Dutt Chopra s/o Shri Chit Ram, Nawan Shehar.

(Transferor)

2. M/s. Satluj Land Finance Co (P) Ltd, G.T. Road, Jullundur.

(Transferee)

3 As at S. No. 2 above.

[Person(s) in occupation of the property].

4 Any person interested in the property.

[Person(s) whom the undersigned knows to be interested in the property].

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land as mentioned in the Registered Deed No 3614 of January, 1974 of the Registering Authority, Nawan Shehar.

D. S. GUPTA
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of
Income-tax, Acquisition Range, Amritsar,

Date : 7th August 1974.
Seal ;

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE.

AMRITSAR

Amritsar, the 7th August 1974

Ref. No. ASR/NS/AP-1101/74-75.—Whereas I, D. S. Gupta being the competent authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing I and as mentioned in the Registered Deed No. 3615 of January, 1974 situated at Nawan Shehar

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Nawan Shehar in January 1974 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely :—

1. Shri Vijay Kumar Chopra s/o Shri Gurudutt Chopra GA Shri Hari Dutt Chopra s/o Shri Chint Ram, Nawan Shehar.

(Transferor)

2. M/s Satluj Land Finance Co (P) Ltd, G.T. Road, Jullundur.

(Transferee)

3. As at S. No. 2 above.

[Person(s) in occupation of the Property]

4. Any person interested in the property.

[Person(s) whom the undersigned knows to be interested in the property]

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land as mentioned in the Registered Deed No. 3615 of January, 1974 of the Registering Authority, Nawan Shehar.

D. S. GUPTA

Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Amritsar.

Date : 7th August 1974.

Seal :

FORM ITNS —————

NOTICE UNDER SECTION 269-D(1) OF THE INCOME
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE-I
AMRITSAR

Amritsar, the 7th August 1974

Ref. No. ASR/NS/AP-1102/74-75.—Whereas I, D. S. Gupta being the competent authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Land at mentioned in the Registered Deed No. 3616 of January, 1974 situated at Nawau Shehar.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at Nawau Shehar in January 1974 for an apparent consideration

which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me,

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely :—

- Smt. Kaushly Wati Wd/o Shri Guru Dutt GA Shri Haridutt Chopra s/o Shri Chint Ram, Nawau Shehar.

(Transferor)

2. M/s Satluj Land Finance Co (P) Ltd, G.T. Road, Jullundur.

(Transferee)

3. As at S. No. 2 above.

[Person(s) in occupation of the Property]

4. Any person interested in the property.

[Person(s) whom the undersigned knows to be interested in the property].

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that the date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made objection and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land as mentioned in the Registered Deed No. 3616 of January, 1974 of the Registering Authority, Nawau Shehar

D. S. GUPTA
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-Tax,
Acquisition Range, Amritsar.

Date : 7th August 1974.

Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME TAX, ACQUISITION RANGE
AMRITSAR

Amritsar, the 7th August 1974

Ref No ASR/MGA/AP-1103/74-75.—Whereas I, D. S Gupta being the competent authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs 25,000/- and bearing Land as mentioned in the Registered Deed No. 6337 of January, 1974 situated at V. Chotian Kalan (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the registering Officer at Moga in January 1974 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income-tax Act 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer, and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957)

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely :—

- 1 Sodhi Gurdarshan Singh s/o Sodhi Nihal Singh of Delhi.
(Transferor)

2 Kundhe Singh, Kundan Singh SS/o S. Inder Singh Ajab Singh, Gurmel Singh SS/o Shri Harbhajan Singh R/o Kaliewala Teh. Moga
(Transferee)

3 As at S No 2 above.

[Person(s) in occupation of the Property]

4 Any person interested in the property.

[Person(s) whom the undersigned knows to be interested in the property]

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land as mentioned in the Registered Deed No 6337 of January, 1974 of the Registering Authority, Moga

D. S. GUPTA
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Amritsar

Date 7th August 1974
Seal :

FORM ITNS**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)****GOVERNMENT OF INDIA**

**OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE
AMRITSAR**

Amritsar, the 7th August 1974

Ref. No. ASR/FDK/AP-1104/74-75.—Whereas I, D. S. Gupta being the competent authority under section 269B of the Income Tax Act, 1961 (43 of 1961), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25000/- and bearing No.

Land as mentioned in the Registered Deed No. 3072 of January, 1974

situated at Kot Kapura

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Faridkot in January 1974

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reasons to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income Tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957).

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely :—

1. Shri Chanan Singh s/o Shri Boota Singh, Kot Kapura.

(Transferor)

2. Shri Maghar Singh, Piara Singh, Makhan Singh SS/o Shri Chanan Singh, Kot Kapura.

(Transferee)

3. As at S. No. 2 above.

[Person(s) in occupation of the Property]

4. Any person interested in the property.

[Person(s) whom the undersigned knows to be interested in the property]

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land as mentioned in the Registered Deed No. 3072 of January, 1974 of the Registering Authority, Faridkot.

D. S. GUPTA
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Amritsar.

Date : 7th August, 1974.
Seal :

FORM ITNS

2. Shri Sukhchain Singh s/o Jagjeet Singh R/o Gill Patti Teh. Bhatinda.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE

AMRITSAR

Amritsar, the 7th August 1974

Ref. No. ASR/Bhatinda/AP-1105/74-75.—Whereas I, D. S. Gupta being the Competent Authority under section 269B of the Income-Tax Act, 1961 (43 of 1961), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Land as mentioned in the Registered Deed No. 5699 of January, 1974 situated at V. Gill Patti

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Bhatinda in January 1974

for an apparent

consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income Tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957).

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely :—

1. Shri Basant Singh s/o Shri Nand Singh R/o V. Gill Patti G. A. Balbir Kaur D/o S. Sant Singh R/o Gill Patti.

(Transferor)

3. As at S. No. 2 above.

[Person(s) in occupation of the Property]

4. Any person interested in the property.

[Person(s) whom the undersigned knows to be interested in the property.]

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transference of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have right to be heard at the hearing of the objections.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land as mentioned in the Registered Deed No. 5699 of January, 1974 of the Registering Authority, Bhatinda.

D. S. GUPTA

Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of
Income-tax,
Acquisition Range, Amritsar.

Date : 7th August 1974.

Seal :

FORM ITNS—

3. As at S. No. 2 above.

[Person(s) in occupation of the Property]

4. Any person interested in the property.

[Person(s) whom the undersigned knows to be interested in the property.]

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, AMRITSAR

Amritsar, the 7th August 1974

Ref. No. ASR/KKN/AP-1106/74-75.—Whereas I, D. S. Gupta, being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Land as mentioned in the Registered Deed No. 651 of January, 1974 situated at Khem Karan, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Khem Karan in January 1974 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely:—

1. Shri Amrik Singh s/o Shri Hari Singh Khem Karan, (Transferor)
2. S/Shri Darbara Singh, Santokh Singh, Lakhbir Singh SS/o Shri Amar Singh, Khem Karan, (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that the date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferee of

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land as mentioned in the Registered Deed No. 651 of January, 1974 of the Registering Authority, Khem Karan.

D. S. GUPTA
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-Tax,
Acquisition Range,
Amritsar.

Date : 7th August 1974,

Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE,
AMRITSAR

Amritsar, the 7th August 1974

Ref. No. ASR/FZK/AP-1107/74-75.—Whereas I, D. S. Gupta being the competent authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), have reasons to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Land as mentioned in the Registered Deed No. 2977 of January, 1974 situated at Mammu Khera, Teh. Fazilka (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at Fazilka in January 1974 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely :—

1. Sh. Harbans Singh, Labha Singh S/o Shri Hira Singh S/o Sh. Tehal Singh R/o Mammu Khera, Teh. Fazilka.

(Transferor)

2. Sh. Satnam Singh S/o Sh. Jarnail Singh S/o Sh. Mangal Singh and Smt. Mohinder Kaur W/o Sh. Satnam Singh S/o Sh. Jarnail Singh R/o Mammu Khera, Teh. Fazilka.

(Transferee)

3. As at S. No. 2 above.

[Person(s) in occupation of the Property]

- 4 Any person interested in the property.

[Person(s) whom the undersigned knows to be interested in the property.]

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land as mentioned in the Registered Deed No. 2977 of January, 1974 of the Registering Authority, Fazilka,

D. S. GUPTA
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income Tax,
Acquisition Range, Amritsar.

Date : 7th August 1974.

Seal :

FORM ITNS

2. Shri Gurmej Singh Alias Bhim Singh S/o Sh. Nand Singh R/o Wain Pain Teh. Tain Taran.

(Transferee)

3. As at S. No 2 above.

[Person(s) in occupation of the Property]

4. Any person interested in the property.

[Person(s) whom the undersigned knows to be interested in the property.]

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957).

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely :—

1. Shri Paramjeet Singh, s/o Shri Ujagai Singh R/o Wain Plain.

(Transferor)

THE SCHEDULE

Land as mentioned in the Registered Deed No. 5092 of January, 1974 of the Registering Authority, Tain Taran.

D. S. GUPTA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Amritsar.

Date 7th August 1974,
Seal :

FORM ITNS—

3. As at S. No. 2 above.

[Person(s) in occupation of the Property]

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE,
AMRITSAR

Amritsar, the 7th August 1974

Ref. No. ASR/AP-1109/74-75.—Whereas J. D. S. Gupta being the competent authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), have reasons to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs 25,000/- and bearing No. Land as mentioned in the Registered Deed No. 8623 of January, 1974,

situated at Rakha Nag Teh.
Amritsar, (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at Amritsar in January 1974 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income Tax Act, 1961 (43 of 1961), in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth tax Act, 1957 (27 of 1957).

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely :—

1. Smt. Meera Majethia D/O Sh. Dalip R/O Malka Marg, Chankya Puri, New Delhi Through Sh. Hardayal Singh G.A.

(Transferor)

2. Shri Atma Singh, Hardial Singh, Piara Singh Jaswant Singh SS/O Shri Bakshish Singh R/O Nag Kalan Teh. Amritsar

(Transferee)

4. Any person interested in the property.

[Person(s) whom the undersigned knows to be interested in the property]

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have right to be heard at the hearing of the objections.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land as mentioned in the Registered Deed No. 8623 of January 1974 of the Registering Authority, Amritsar.

D. S. GUPTA

Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Amritsar.

Date : 7th August 1974.

Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME TAX, ACQUISITION RANGE, AMRITSAR

Amritsar, the 7th August 1974

Ref. No. ASR/AP-1110/74-75.—Whereas I, D. S. Gupta being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Land as mentioned in the Registered Deed No. 8266 of January, 1974 situated at Birarpura Teh. Amritsar,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the registering Officer at

Amritsar in January 1974

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth tax Act, 1957 (27 of 1957).

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely :—

1 Thakar Dhara Chand s/o Thakur Mahan Chand 46 Court Road, Amritsar and G. A. of Major Kuldip Chand s/o Thakur Kanti Chand 46 Court Road, Amritsar.

(Transferor)

2 Shri Pal Singh, Gian Singh SS/o Shri Teja Singh R/o Mulla Chack at present V. Birarpura Teh. Amritsar.

(Transferee)

3. As at S. No. 2 above.
[Person(s) in occupation of the Property]

4. Any person interested in the property.
[Person(s) whom the undersigned knows to be interested in the property.]

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned.—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons which ever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land as mentioned in the Registered Deed No. 8266 of January, 1974 of the Registering Authority, Amritsar.

D. S. GUPTA,

Competent Authority,

Inspecting Assistant Commissioner of
Income-Tax, Acquisition Range, Amritsar.

Date : 7th August 1974.

Seal :

FORM ITNS—

2. Smt. Ajit Kaur w/o Shri Narinder Singh Nai Abadi
Gate Bhagtanwala, Amritsar.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE.
AMRITSAR

Amritsar, the 7th August 1974

Ref. No. ASR/AP-1111/74-75.—Whereas I, D. S. Gupta being the competent authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Land as mentioned in the Registered Deed No. 8400 of January, 1974 situated at V. Jhita Kalan (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer at Amritsar in January 1974

Phialaur in December 1973, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any Income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957).

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely :—

1. Smt. Iso Wd/o Shri Karam Singh V. Kaleke Teh. Amritsar.

(Transferor)

3. As at S. No. 2 above.

[Person(s) in occupation of the Property]

4. Any person interested in the property.

[Person(s) whom the undersigned knows to be interested in the property]

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objection.—

EXPLANATION : The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDEULE

Land as mentioned in the Registered Deed No. 8400 of January, 1974 of the Registering Authority, Amritsar.

D. S. GUPTA
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Amritsar.

Date : 7th August 1974.

Seal :

FORM ITNS

2. Shri Surinder Singh s/o S. Narinder Singh, Nai Abadi, Bhagtanwala Gate, Amritsar.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)
GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
ACQUISITION RANGE,
AMRITSAR

Amritsar, the 7th August 1974

Ref. No. ASR/AP/1112/74-75.—Whereas I, D. S. Gupta being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No., Land as mentioned in the Registered Deed No. 8401 of January, 1974

situated at V. Jhita Kalan
(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Amritsar in January 1974

for an apparent

consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purpose of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth-tax Act 1957 (27 of 1957);

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons namely :—

1. Smt. Iso Wd/o Shri Karam Singh R/o Kaleke Teh.
Amritsar.

(Transferor)

3. As at S. No. 2 above.

[Person(s) in occupation of the Property]

4. Any person interested in the property.

[Person(s) whom the undersigned knows to be interested in the property]

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette;

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XX of the Income-tax Act 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land as mentioned in the Registered Deed No. 8401 of January, 1974 of the Registering Authority, Amritsar.

D. S. GUPTA,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of
Income-Tax, Acquisition Range, Amritsar.

Date : 7th August 1974.

Seal :

FORM ITNS—

1. Smt. Iso wd/o Shri Karam Singh V, Kaleke Tebi Amritsar.
(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE

AMRITSAR

Amritsar, the 7th August 1974

Ref. No. ASR/AP-1113/74-75.—Whereas I, D. S. Gupta being the competent authority under section 269B of the Income-Tax Act, 1961 (43 of 1961), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Land as mentioned in the Registered Deed No. 8399 of January, 1974, situated at V. Jhita Kalan, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Amritsar, on January 1974 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor and the transferee has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income Tax Act 1961 (43 of 1961) or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons namely :—

2. Shri Jawala Singh s/o S. Narinder Singh Nai Abadi, Gate Bhagatwala, Amritsar.
(Transferee)

3. As at S. No. 2 above.

[Person(s) in occupation of the Property]

4. Any person interested in the property.

[Person(s) whom the undersigned knows to be interested in the property]

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette for a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette;

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land as mentioned in the Registered Deed No. 8399 of January, 1974 of the Registering Authority, Amritsar.

D. S. GUPTA,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Amritsar.

Date : 7th August 1974

Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 of 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE,
AMRITSAR

Amritsar, the 7th August 1974

Ref. No. ASR/SKT/AP-1114/74-75.—Whereas I, D. S. Gupta

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Land as mentioned in the Registered Deed No. 1413 of January 1974 situated at V. Saidpur Jhiri (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Shahkot in January 1974

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer, and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

And whereas the reason for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely :—

1. Shri Bhan Singh s/o Shri Tarlok Singh s/o Shri Dewa Singh V. Saidpur Jhiri Teh. Nakodar.
(Transferor)

2. Shri Gurdial Kalyan s/o Shri Sadhu Ram s/o Shri Ghalya Ram, Bajwah Kalan Teh. Nakodar.

(Transferee)

3. As at S. No. above,

[Person(s) in occupation of the Property]

4. Any person interested in the property.

[Person(s) whom the undersigned knows to be interested in the property]

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned.

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land as mentioned in the Registered Deed No. 1413 of January, 1974 of the Registering Authority, Shahkot.

D. S. GUPTA,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Amritsar.

Date : 7-8-1974

Seal :

FORM ITNS—

2. Shri Charan Dass s/o Shri Sadhu Ram V. Bajwah
Kalan Teh. Nakodar.
(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE

Amritsar, the 7th August 1974

Ref. No. ASR/SKT/AP-1115/74-75.—Whereas I, D. S. Gupta being the competent authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Jullundur in January 1974

Land as mentioned in the Registered Deed No. 1424 of January, 1974

V. Saidpur Jhuri

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the

Registering Officer at

Shahkot in January 1974

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income-tax Act 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or their assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth tax Act, 1957 (27 of 1957).

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of section 269C I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely :—

1. Shri Bhan Singh s/o Shri Tarlok Singh V. Saidpur Jhuri Teh. Nakodar.
(Transferor)

3. As at S. No. above.

[Person(s) in occupation of the Property]

4. Any person interested in the property.

[Person(s) whom the undersigned knows to be interested in the property]

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land as mentioned in the Registered Deed No. 1424 of January, 1974 of the Registering Authority, Shahkot.

D. S. GUPTA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of
Income-tax.
Acquisition Range, Amritsar.

Date : 7th August 1974,
Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE.

Amritsar, the 7th August 1974

Ref. No. ASR/SKT/AP-1116/74-75.—Whereas I, D. S. Gupta

being the competent authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), have

reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Land as mentioned in the Registered Deed No. 1421 of January, 1974 situated at V. Saidpur Jhiri, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Shahkot in January 1974 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of —

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act 1961 (43 of 1961) or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely :—

30—276GI/74

1. Shri Bhan Singh s/o Shri Tarlok Singh s/o Shri Deva Singh V. Saidpur Jhiri Teh. Nakodar.
(Transferor)
2. Smt. Wiro w/o Shri Charan Dass, V. Bajwah Kalan Teh. Nakodar.
(Transferee)
3. As at S. No. 2 above.
[Person(s) in occupation of the Property]
4. Any person interested in the property.
[Person(s) whom the undersigned knows to be interested in the property]

Objections, if any, to the acquisition of the said property, may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other persons interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land as mentioned in the Registered Deed No. 1421 of January, 1974 of the Registering Authority, Shahkot.
Date : 7th August 1974.

D. S. GUPTA
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of
Income-tax
Acquisition Range, Amritsar.

Date : 11-7-1974

Seal :

FORM ITNS—

2. Smt. Santosh Kumari w/o Shri Chaman Lal s/o Shri Lekh Chand R/o Moga.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE,

Amritsar, the 7th August 1974

Ref. No. ASR/SKT/AP-1117/74-75.—Whereas I, D. S. Gupta being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Land as mentioned in the Registered Deed No. 1420 of January, 1974 situated at V. Saidpur Jhiri (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the at Shahkot in January 1974 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transfer(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth tax Act, 1957 (27 of 1957).

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, In pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely:—

1. Shri Bhan Singh s/o Shri Tarlok Singh V. Saidpur Jhiri Teh. Nakodar.

(Transferor)

3. As at S. No. above.

[Person(s) in occupation of the Property]

4. Any person interested in the property.

[Person(s) whom the undersigned knows to be interested in the property]

Objections, if any, in the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land as mentioned in the Registered Deed No. 1420 of January, 1974 of the Registering Authority, Shahkot.

D. S. GUPTA
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of
Income-tax,
Acquisition Range, Amritsar.

Date : 7-8-74.

Seal :

FORM ITNS—

2. Shri Piara Singh s/o Shri Guibax Singh c/o
M/s Piara Singh Raghbir Singh Mandi Batala.

(Transferee)

3. As at S. No. above.

[Person(s) in occupation of the
Property]

4. Any person interested in the property.

[Person(s) whom the undersigned
knows to be interested in the
property]

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferees of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land as mentioned in the Registered Deed No. 5127 of January, 1974 of the Registering Authority, Batala.

D. S. GUPTA

Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income Tax,
Acquisition Range, Amritsar.

Date : 7th August 1974

Seal :

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME TAX, ACQUISITION RANGE
AMRITSAR

Amritsar, the 7th August 1974

Ref No. ASR/BTL/AP-1118/74-75.—Whereas I, D. S. Gupta being the competent authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Land as mentioned in the Registered Deed No. 5127 of January, 1974 situated at Faizpur

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at

Batala in January 1974

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth tax Act, 1957 (27 of 1957).

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely :—

1. Shri Shivdev Singh s/o Shri Bishan Singh V. Sagurpur Teh. Batala.

(Transferor)

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME TAX ACQUISITION RANGE, AMRITSAR

Amritsar, the 7th August 1974

Ref. No. ASR/SKT/AP-1119/74-75¹⁹—Whereas I, D. S. Gupta, being the competent authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Land as mentioned in the Registered Deed No. 1416 of January, 1974 situated at V. Saidpur Jhiri. (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Shahkot in January 1974. for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957).

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely :—

- (1) Shri Bhan Singh s/o Shri Tarlok Singh Saidpur Jhiri Teh. Nakodar. (Transferor)
- (2) Smt. Debo w/o Shri Gurdial Kalyan s/o Shri Sadhu Ram, Bajwah Kalan. Teh. Nakodar (Transferee)
- (3) As at S. No. 2 above. [Person(s) in occupation of the Property]
- (4) Any person interested in the property. [Person(s) whom the undersigned knows to be interested in the property]

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any of the persons interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

EXPLANATION : The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land as mentioned in the Registered Deed No. 1416 of January, 1974 of the Registering Authority, Shahkot.

D. S. GUPTA,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner
of Income-Tax Acquisition Range,
Amritsar.

Date : 7th August 1974.

Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 of 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME TAX ACQUISITION RANGE, AMRITSAR

Amritsar, the 7th August 1974

Ref. No. ASR/NDR/AP-1120/74-75.—Whereas I, D. S. Gupta, being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Land as mentioned in the Registered Deed No. 2295 of January, 1974 situated at Nakodar and fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Nakodar in January 1974, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely :—

- (1) Shri Panna Lal Bhagwan Dass S/o Shri Durga Pershad Bal Kishan s/o Shri Moti Ram of Nakodar Mandi, Nakodar. (Transferor)

(2) Shri Dharam Pal s/o Shri Milkhi Ram s/o Shri Ram Ditta Mal, Smt. Raj Rani w/o Shri Dharam Pal R/o Nurmahal Teh. Phillaur. (Transferee)

(3) As at S. No. 2 above. [Person(s) in occupation of the Property]

(4) Any person interested in the property. [Person(s) whom the undersigned knows to be interested in the property]

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice therefore shall be given to every person who has made such objection, and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land as mentioned in the Registered Deed No. 2295 of January, 1974 of the Registering Authority, Nakodar.

D. S. GUPTA,
Competent Authority.
Inspecting Assistant Commissioner
of Income-Tax, Acquisition Range,
Amritsar.

Date : 7th August 1974.

Seal :

FORM ITNS**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)****GOVERNMENT OF INDIA****OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME TAX, ACQUISITION RANGE, AMRITSAR**

Amritsar, the 7th August 1974

Ref. No. ASR/HSP/AP-1121/74-75.—Whereas I, D. S. Gupta, being the Competent Authority under section 269B of the Income-Tax Act, 1961 (43 of 1961), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Land as mentioned in the Registered Deed No. 3910 of January, 1974 situated at Hoshiarpur. (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Hoshiarpur in January 1974, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the transferor to pay tax under the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

And whereas the reason for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Sec-

tion 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely :—

- (1) Smt Kishan Kaur Wd/o Shri Shiv Lal alias Shambhu Dayal, Mohalla Jattan Hoshiarpur. (Transferor)
- (2) Shri Palla Ram s/o Shri Bhanna Ram Saini, Railway Mandi, Hoshiarpur. (Transferee)
- (3) As at S. No. 2 above. [Person(s) in occupation of the Property]
- (4) Any person interested in the property. [Person(s) whom the undersigned knows to be interested in the property]

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land as mentioned in the Registered Deed No. 3910 of January, 1974 of the Registered Authority, Hoshiarpur.

D. S. GUPTA,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner
of Income-Tax, Acquisition Range,
Amritsar.

Date : 7th August 1974.

Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME TAX ACQUISITION RANGE, AMRITSAR

Amritsar, the 7th August 1974

Ref. No. ASR/AP-1122/74-75.—Whereas I, D. S. Gupta, being the competent authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have reason to believe that the immoveable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Property as mentioned in the Registered Deed No. 3331 of January, 1974 situated at 36 Rose Avenue, Amritsar (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer Amritsar in January 1974, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transfer(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely :—

- (1) Shri Sardari Lal s/o Shri Dewan Chand Calcutta-7.
(Transferor)
- (2) Shri Radha Mohan s/o Shri Narain Dass, Maqbool Road, Amritsar.
(Transferee)

(3) As at S. No. 2 above. [Person(s) in occupation of the Property]

(4) Any person interested in the property. [Person(s) whom the undersigned knows to be interested in the property]

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property as mentioned in the Registered Deed No. 3331 of January, 1974 of the Registering Authority, Amritsar.

D. S. GUPTA,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner
of Income-Tax Acquisition Range,
Amritsar.

Date : 7th August 1974.
Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME TAX, ACQUISITION RANGE, AMRITSAR

Amritsar, the 7th August 1974

Ref. No. ASR/FZK/AP-1123/74-75.—Whereas I, D. S. Gupta, being the competent authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Land as mentioned in the Registered Deed No. 2912 of January, 1974 situated at Ghatiall (and more fully described in the Scheduled annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at Fazilka in January 1974, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any Income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purpose of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth tax Act, 1957 (27 of 1957).

And whereas the reason for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely :—

- (1) Smt. Kaushalya Devi Widow and Saroj Kumari D/O Shri Hans Raj R/O Abohar through Shri Gopal Krishan GA S/O Sh. Karam Chand R/o Abohar.

(Transferor)

(2) Shri Harbhajan Singh, Gujiant Singh SS/O Sh. Jugraj Singh, Makhan Singh, Nar Singh, Jaswant Singh, Gurcharan Singh, Harcharan Singh SS/O Sh. Ramditta Singh, Sahib Ditta Singh, Ranjit Singh SS/O Shri Harnam Singh Village Ghatial Teh. Fazilka. (Transferee)

(3) As at S. No. 2 above. [Person(s) in occupation of the Property]

(4) Any person interested in the property. [Person(s) whom the undersigned knows to be interested in the property]

Objection, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land as mentioned in the Registered Deed No. 2912 of January, 1974 of the Registering Authority Fazilka.

D. S. GUPTA,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner
of Income-Tax Acquisition Range,
Amritsar.

Date : 7th August 1974.

Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT COMMISSIONER OF INCOME TAX ACQUISITION RANGE, AMRITSAR

Amritsar, the 7th August 1974

Ref. No ASR/APR/AP-1124/74-75 —Whereas I, D S Gupta, being the competent authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No Land as mentioned in the Registered Deed No 1068 of January, 1974 situated at V Toti (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer at Sultanpur in January 1974 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth tax Act, 1957 (27 of 1957).

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely :—

(1) Shri Mohinder s/o Shri Ishar R/o Toti

(Transferor)

(2) S/Shri Pritam Singh, Bhajan Singh, Kewal Singh SS/o Shri Tajwant Singh, Kewal Singh Sarwan Singh Jeet Singh, Kirtan Singh s/o Shri Tara Singh Talwandi Madho

(Transferee)

(3) As at S No 2 above [Person(s) in occupation of the Property]

(4) Any person interested in the property [Person(s) whom the undersigned knows to be interested in the property]

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land as mentioned in the Registered Deed No 1068 of January, 1974 of the Registering Authority, Sultanpur

D S GUPTA,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner
of Income-Tax Acquisition Range,
Amritsar

Date : 7th August 1974

Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME TAX, ACQUISITION RANGE, AMRITSAR

Amritsar, the 7th August 1974

Ref. No ASR/SPR/AP-1125/74-75.—Whereas J. D. S. Gupta, being the competent authority under section 269B of the Income-tax Act 1961 (43 of 1961) have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Land as mentioned in the Registered Deed No 1069 of January, 1974 situated at V. Toti (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Sultanpur in January 1974, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reasons to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any money, or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income Tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Income-tax Act 1961 (43 of 1961) to the following persons namely :—

- (1) Shri Ishar s/o Shri Kharaiti R/o Toti (Transferor)

- (2) S/Shri Pritam Singh, Bhajan Singh, Kewal Singh S/o Shri Tejwant Singh, Kewal Singh, Sarwan Singh, Jeet Singh, Kirtan Singh s/o Shri Tara Singh R/o Talwandi Madho. (Transferee)
- (3) As at S. No. 2 above. [Person(s) in occupation of the Property]
- (4) Any person interested in the property. [Person(s) whom the undersigned knows to be interested in the property]

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land as mentioned in the Registered Deed No. 1069 of January, 1974 of the Registering Authority, Sultanpur.

D. S. GUPTA,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner
of Income-Tax, Acquisition Range,
Amritsar.

Date : 7th August 1974.

Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT COMMISSIONER OF INCOME TAX, ACQUISITION RANGE, AMRITSAR

Amritsar, the 7th August 1974

Ref No ASR/SPR/AP-1126/74-75 —Whereas I, D S Gupta, being the competent authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs 25,000/- and bearing No Land as mentioned in the Registered Deed No 1072 of January, 1974 situated at V Nasirawal (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Sultanpur in January 1974 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of —

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957).

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely :—

(1) S/Shri Dharam Singh, Charan Singh SS/o Shri Paul Singh Joga Singh s/o S Karnail Singh, Darshan Singh s/o S Malla Singh, R/o Amaljipur (Transferor)

(2) Shri Harbhajan Singh, Balbir Singh Karnail Singh SS/o Shri Sant Singh R/o Machalpur colony (Transferee)

(3) As it is No 2 above [Person(s) in occupation of the Property]

(4) Any person interested in the property [Person(s) whom the undersigned knows to be interested in the property]

Objections if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed and notice thereof shall be given to every person who has made such objection and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have right to be heard at the hearing of the objections.

EXPLANATION —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land as mentioned in the Registered Deed No 1072 of January 1974 of the Registering Authority, Sultanpur

D S GUPTA

Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner
of Income-Tax, Acquisition Range
Amritsar.

Date 7th August 1974

Seal .

FORM ITNS**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 of 1961)****GOVERNMENT OF INDIA****OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME TAX, ACQUISITION RANGE, AMRITSAR**

Amritsar, the 7th August 1974

Ref. No. ASR/SPR/AP-1127/74-75.—Whereas, I, D. S. Gupta, being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Ward No. Property as mentioned in the Registered Deed No. 1211 of January, 1974 situated at Sultanpur (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred, as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Sultanpur in January 1974, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the transferor to pay tax under the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purpose of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of section 269C; I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under Sub-section (1) of section 269D of the Income-tax Act 1961 (43 of 1961) to the following persons namely :—

(1) Shmt. Lajwanti Wd/o Shri Nanak Singh s/o Shri Mehar Singh R/o Sultanpur. (Transferor)

(2) Shri Raj Mohan s/o Shri Sat Paul Puri c/o M/s Rama Krishna Rice & General Mills, Sultanpur. (Transferee)

(3) As at S No 2 above. [Person(s) in occupation of the Property]

(4) Any person interested in the property. [Person(s) whom the undersigned knows to be interested in the property]

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any of the person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person, who has made such objection, and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

EXPLANATION.—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property as mentioned in the Registered Deed No. 1211 of January, 1974 of the Registering Authority, Sultanpur.

D. S. GUPTA
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner
of Income-Tax, Acquisition Range,
Amritsar.

Date : 7th August 1974.

Seal :

FORM ITNS.—

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME TAX, ACQUISITION RANGE, AMRITSAR

Amritsar, the 7th August 1974

Ref. No. ASR/Bhulath/AP-1128/74-75.—Whereas I, D. S. Gupta, being the competent authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Land as mentioned in the Registered Deed No. 1406 of January, 1974 situated at Nadali (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the registrar Bhulath in January 1974 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth tax Act, 1957 (27 of 1957).

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely :—

- (1) Shri Joginder Singh s/o Shri Mangal Singh s/o Shri Dal Singh, R/o Nadali. (Transferor)
- (2) Shri Mukhtiar Singh, Hazara Singh Ajit Singh SS/o Shri Sher Singh R/o Nadali. (Transferee)
- (3) As at S. No 2 above [Person(s) in occupation of the Property]

(4) Any person interested in the property. [Person(s) whom the undersigned knows to be interested in the property]

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transference of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

EXPLANATION.—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

I and as mentioned in the Registered Deed No. 1406 of January, 1974 of the Registering Authority Bhulath.

D. S. GUPTA
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner
of Income-Tax, Acquisition Range,
Amritsar.

Date : 7th August 1974

Seal :

Form No. I.T.N.S.

(2) Binu Devi Agarwalla,
20 Mangoe Lane, Calcutta-1.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, SHILLONG

Shillong, the 12th August 1974

Ref. No. A-54/JRt/74-75/1603-11.—Whereas, I N. Pachauau, being the competent authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Dag No. 1928 Patta No. 219 situated at Jorhat Town, Sibsagar District of Assam State, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Registrar of Assurance, Calcutta on 19-1-74, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income Tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957).

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely :—

- (1) M/s Jesraj Jiwanram Private Ltd.,
161/1, Mahatma Gandhi Road, Calcutta-7.
(Transferor)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of the notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land containing an area of one cattah situated at Jorhat Town, District Sibsagar, Assam, covered by Dag No. 1928 Patta No. 219.

N. PACHUAU,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax (C.A.)
Acquisition Range, Shillong.

Date: 12-8-1974.

Seal :

UNION PUBLIC SERVICE COMMISSION

Advertisement No. 41

Application are invited for the following posts :

1. ONE DIR, NATIONAL MUSEUM, NEW DELHI. (*Post pmt apppt on temp basis*). PAY : Rs. 2250-125/2-2500-EB-125/2-2750. AGE: 50 yrs. EQ : Eminent scholar or Museologist with any of the following qualis :—(A) II Class Master's deg in Fine Arts, incl History of Indian Art, or Archaeology or Indian History or Anthro & 15 yrs exp in sr admin position in museum of national or international repute. For person with dip in Museology, the period of such exp may be 10 yrs. OR (B) Doctorate in Fine Arts, History of Indian Art or Indian History or Archaeology or Anthro and knowledge of one language from any of the following two groups :—(a) Sanskrit, Pali or Prakrit; (b) Persian, Arabic, French or German; with exp of working in a College, Univ or other academic instns or in cultural orgn in respon position & having sufficient exp of original res or guiding of res work, as proved by published books, articles & monographs.

2. TWO PSOs, D'TE OF TECH DEV & PROD (AIR), DEF. MIN. (*Post temp likely to continue indef*). PAY : Rs. 1500-60-1800-100-2000 (Revised). AGE : Pref. below 40 yrs. EQ : (i) II Cl Deg in Elecon/Elect Engg with specialisation in Elecon/Telecom Engg. OR II Cl Master's Deg in Phy with specialisation in Radio/Wireless/Telecom. (ii) 6 yrs exp in Inspection & Quality Control during mnfctr of Radar Systems & Aircraft Communication & Navigational equipment out of which 3 yrs in respon capacity planning, directing & organising Quality Assurance programmes on the mnfctr of above equipment. Intimate knowledge of Defence specifications/standards & reliability studies of Defence Electronic equipment.

3. ONE DY COMMISSIONER (POULTRY), AGRI MIN. (*Post temp likely to continue indef*). PAY : Rs. 1500-100-1800 (Revised). AGE : 45 yrs. EQ : Deg in Vet Sc or Animal Husb. Post-grad deg in Poultry Sc & 10 yrs exp in Poultry prod work.

4. ONE EXECUTIVE OFFCR, TRG SHIP 'BHADRA', CALCUTTA. (*Post pmt apppt on temp basis*). PAY : Rs. 1200-50-1500-60-1800. AGE : 40 yrs. EQ : Cert of Competency as Master (FG), 3 yrs of Sea Service after obtaining Cert of Competency as Master (FG).

5. ONE SSO-I, NAVAL CHEM & METALLURG LAB, BOMBAY. (*Post temp likely to continue indef*). PAY : Rs. 1100-50-1600 (Revised). AGE : Pref below 40 yrs. EQ : II Cl Deg in Chem Engg/Indstrl Chem. 4 yrs exp in res & dev in the fields of (a) high polymers or (b) Ceramics.

6. ONE SSO-II, NAVAL CHEM & METALLURG LAB, BOMBAY. (*Post temp likely to continue indef*). PAY : Rs. 700-40-900-EB-40-1100-50-1300 (Revised). AGE : Pref below 30 yrs. EQ : II Cl Deg in Chem Engg/Indstrl Chem. 2 yrs exp in res & dev in the fields of (a) high polymers or (b) Ceramics.

7. ONE TECH OFFCR, D'TE GENL OF EMP & TRG, LABOUR MIN. (*Post temp likely to continue indef*). (*Resvd for SC if available; otherwise unreserved*). PAY : Rs. 700-40-900-EB-40-1100-50-1300 (Revised). AGE : 35 yrs. EQ : Deg in Elecon/Telecom/Elect Engg with specialisation in Elecon. 1 yr's exp in Elecon subsequent to graduation.

8. ONE STAT OFFCR, DELHI ADMN, DELHI. (*Post temp likely to continue indef*). (*Resvd for ST*). PAY : Rs. 650-30-740-35-810-EB-35-880-40-1000-EB-40-1200. AGE : 40

yrs. EQ : (i) M.A. in Stat or Maths/Econ/Com (with Stat). OR Deg with Maths/Stat/Econ as a subject & 2 yrs post-grad dip in Stat. (ii) 4 yrs exp of Stat work involving collection, compilation & interpretation of Stat data.

9. FOUR ZOOLOGISTS, ZOOLOG SURV OF INDIA, DEPTT OF SC & TECH. (*Post temp likely to continue*). PAY : Rs. 400-40-800-50-950. (Revised) : Rs. 700-40-900-EB-40-1100-50-1300. AGE : 35 yrs. EQ : II Cl M.Sc. in Ecology. Some exp of Survey and/or res work on systematic morphology & ecology (and/or Animal Population/Marine Zoology) of animals especially pertaining to the groups :—*For 1st Post* : Systematic Zoology (Entomology). *For 2nd Post* : Lepidoptera. *For 3rd Post* : Orthoptora. *For 4th Post* : -Hemiptera.

10. THREE SR ASS'T LIBRARIAN, GEOLOG SURV OF INDIA, CALCUTTA. (*Post temp likely to continue indef*). (1 post resvd for ST). PAY : Rs. 550-25-750-EB-30-900. AGE : 35 yrs. EQ : (i) Deg of recog Univ. (ii) Deg or eqv dip in Lib. Sc. (iii) 3 yrs exp in a Sc/Tech/Res Lib of standing.

11. ONE ASSTT PLANNER (ARCHI), TOWN & COUNTRY PLANNING DEPTT, PONDICHERRY. (*Post temp likely to continue indef*). PAY : Rs. 350-25-500-30-590-EB-30-800-EB-30-830-35-900 (Pre-revise). AGE : 30 yrs. EQ : Deg in Arch. 2 yrs prof exp.

CORRIGENDUM

FOUR TECH OFFCRS, D'TE GENL OF EMP & TRG, DEPTT OF LABOUR & EMP. (UPSC Advt 27 items 10 published on 1-7-72). Recd to these posts is hereby cancelled. Fee paid by the candidates will be refunded in due course.

Closing date for receipt of applications in Commission's Office : 11-11-74 (25-11-74 for candidates abroad, Andaman & Nicobar & Lakshadweep).

The above gives abridged information of posts etc. For details and application forms, Write Secretary, UPSC, New Delhi-110011, with un stamped, self-addressed envelope (23 x 10 cm) giving name of post, item & Advt No.

* Age on 1-1-74 (age concessions for displaced persons, SC, ST & Govt servants unless stated otherwise)

* Qualifications relaxable at Commission's discretion.

* Higher initial pay may be given according to qualifications.

* Application Fee in Indian Postal Order for Rs. 8 (Rs. 2 for SC and ST); candidates abroad pay fee to Indian Embassy.

ABBREVIATIONS

SC—Scheduled Castes;

ST—Scheduled Tribes;

RESVD—Reserved;

EQ—Essential Qualifications.

A. C. BANDYOPADHYAY,
Secretary,
Union Public Service Commission.

